Bharatiya Bhasha Jyothi Series

भारतीय भाषा ज्योति

असमिया

HINDI - ASSAMESE



भारतीय भाषा संस्थान

Central Institute of Indian Languages

(Ministry of Human Resource Development, Department of Higher Education, Government of India)

Hunsur Road, Manasagangotri

Mysuru – 570 006

website: www.ciil.org

भारतीय भाषा ज्योति

असमिया

डॉ. फणीन्द्र नारायण दत्त बरुवा

डॉ. परेश चन्द्र देव शर्मा
डॉ. बासन्ती देवी
श्री देवजित शर्मा
श्री बिश्वदीप गोगोई

भारतीय भाषा संस्थान

(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)

मानसगंगोत्री, मैसूर -- 570 006

भारतीय भाषा ज्योति

असमिया

Central Institute of Indian Languages
Publication No.
Subject: Major Indian Language- Assamese

भारतीय भाषा ज्योति

असमिया

रचयिता

डॉ. फणीन्द्र नारायण दत्तबरुवा
डॉ. परेश चन्द्र देव शर्मा
डॉ. बासन्ती देवी
श्री देवजित शर्मा
श्री बिश्वदीप गोगोई

हिंदी विशेषज्ञ

डॉ. वीरभद्र मिश्र
डॉ. हीरालाल बाछोतिया

रूपांकन तथा संपादन
श्रीमती बी. श्यामला कुमारी

भारतीय भाषा संस्थान
(मानव संसाधन विकास मंत्रालय, माध्यमिक और उच्चतर शिक्षा विभाग, भारत सरकार)

मानसगंगोत्री, मैसूर -- 570 006

Bharatiya Bhasha Jyothi, Assamese

Edited by

Mrs. B. Syamala Kumari

First Published: ***July 2005***
Ashadha 1927

Director
Central Institute of Indian Languages
Manasagangotri, Mysore – 570 006
KARNATAKA, INDIA

Phone : 0091/0821-2515820 (Director)
E-mail : udaya@ciil.stpmy.soft.net (Director)
Website : http://www.ciil.org
Epabx : 0091/0821-2345000
Grams : BHARATI
Fax : 0091/0821-2515032

To contact:
Head, Publications
E-mail: ramasamyk@ciil.stpmy.soft.net
ciil@sancharnet.in

ISBN: 81-7342-131-5

Price: Rs. (US$)

Published by Prof. Udaya Narayana Singh, Director
Central Institute of Indian Languages, Mysore
Printed by Mr. S.B. Biswas, Manager
CIIL Printing Press, Manasagangotri, Mysore – 570 006

Cover Design: H. Manohar

विषय सूची

भूमिका

हिंदी भाषा-भाषियों को ध्यान में रखते हुए, हिंदी माध्यम से अन्य भारतीय भाषाओं का अध्ययन और अध्यापन के लिए तैयार की गई पाठ्य सामग्रियों की श्रृंखला है *'भारतीय भाषा ज्योति'*। इस श्रृंखला की पुस्तकों की रचना भारत सरकार के भारतीय भाषा संस्थान (मैसूर) तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के सहयोग से संचालित कार्यशालाओं में हुई थी। *'भारतीय भाषा ज्योति : असमिया'* पुस्तक इस श्रृंखला की एक कड़ी है।

इन पाठ्य सामग्रियों में प्रशिक्षण प्राप्त करने के पश्चात् छात्रों से निम्नलिखित भाषिक कुशलताओं की अपेक्षा की जाती है :

1. असमिया भाषी द्वारा भाषा प्रयोग की विभिन्न स्थितियों में किए जानेवाले दिन-प्रतिदिन के वार्तालापों को सुन कर समझना,
2. रेडियो व टी.वी. पर प्रसारित होनेवाले समाचारों, विज्ञापनों, उद्घोषणाओं और अन्य कार्यक्रमों का सार ग्रहण करना,
3. कक्षा में सहपाठियों के साथ अपनी दिनचर्या के विषय में सरल वाक्यों में बातचीत करना एवं असमिया भाषियों से इन विषयों पर औपचारिक तथा अनौपचारिक सन्दर्भों में चर्चा करना,
4. असमिया भाषा में पुस्तकों, समाचार पत्रों, पत्रिकाओं, सूचनापट्टों, इश्तहारों, व्यक्तिगत तथा

अन्य प्रकार के पत्रों आदि से संबंधित छोटे-छोटे अनुच्छेदों को पढ़ना और साथ ही शब्दकोष और संदर्भ ग्रंथों का उपयोग कर पाना,

5. विभिन्न विषयों पर छोटे-छोटे गद्यांश लिखना, व्यक्तिगत एवं अन्य प्रकार के पत्र लिखना तथा अपनी रुचि के परिचित तथा सरल विषयों पर निर्देशित व स्वतंत्र लेख लिखना,
6. शब्दकोष की सहायता लेते हुए असमिया से हिंदी में और हिंदी से असमिया में किसी भी गद्य सामग्री का अनुवाद करना, तथा
7. आसाम के साहित्यिक, सामाजिक और सांस्कृतिक विषयों अथवा परिवेश की जानकारी प्राप्त करना।

उपर्युक्त उद्देश्यों को ध्यान में रखते हुए इस पाठ्य पुस्तक की रचना की गई है। भाषा के चारों कौशलों - श्रवण, वादन, वाचन तथा लेखन पर यहाँ समान रूप से बल दिया गया है। श्रवण और भाषण कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में वार्तालाप दिए गए हैं और उस के बाद मौखिक अभ्यास के लिए पर्याप्त सामग्री है। इसी प्रकार वाचन और लेखन कौशलों के विकास के लिए प्रत्येक पाठ में एक वाचन अनुच्छेद है और साथ ही अभ्यास भी। यह पुस्तक कक्षा में अध्यापक की सहायता से भाषा सीखने के लिए तैयार की गई है। इसलिए लिपि सीखने/सिखाने के लिए इस पुस्तक में अलग से कोई प्रावधान नहीं किया गया है। लेकिन भूमिका के बाद लिपि सीखने के लिए उपयोगी संकेत और निर्देश विस्तार पूर्वक दिए गए हैं। इसके माध्यम से अध्यापक कक्षा में लिपि सिखा सकेंगे। इन संकेतों की सहायता से उत्साही शिक्षार्थी अपने आप भी असमिया लिपि का अभ्यास कर सकेंगे।

इस पुस्तक के चार भाग हैं -- भूमिका, असमिया-लिपि तथा उच्चारण, पाठमाला तथा शब्दसूची। पुस्तक के पाठों में भाषा संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप तथा अभ्यास, वाचन-लेखन, अनुवाद अभ्यास तथा सरल व्याकरणिक व सांस्कृतिक बिंदुओं के विषय में पर्याप्त जानकारी दी गई हैं। 'शब्दसूची' में पाठों में आए असमिया शब्दों को वर्णक्रम में प्रस्तुत कर उनके अर्थ हिंदी में दिए

गए हैं।

पाठों का ढाँचा इस प्रकार है --

1. वार्तालाप
2. पाठ में आए नये शब्दों के अर्थ
3. अभ्यास
4. वाचन अनुच्छेद (पढ़िए और समझिए)
5. अनुच्छेद में प्रयुक्त नये शब्दें के अर्थ
6. अनुच्छेद संबंधी अभ्यास
7. अनुवाद तथा लेखन अभ्यास
8. व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियाँ

पाठ में दिए गए वार्तालाप तथा वाचन अनुच्छेद में एक सी ही संरचनाओं का प्रयोग किया गया है। यही संरचनाएँ पाठ के शिक्षण-बिंदु हैं। अनुवाद तथा लेखन अभ्यास भी इन्हीं शिक्षण-बिंदुओं पर आधारित हैं।

पुस्तक के वार्तालापों का चयन भाषा-प्रयोग की उन सामान्य स्थितियों को लेकर किया गया है जिनका सामना हमें अपने दिन-प्रतिदिन के जीवन में करना पड़ता है। उदाहरण के लिए किसी परिचित के घर जाना, किसी उत्सव में सम्मिलित होना, बढ़ती-महंगाई पर चर्चा करना, किराये का मकान खोजना या मकान बनवाने के कष्टों की चर्चा करना, इलाज के लिए डॉक्टर के पास जाना, किसी दर्शनीय स्थल पर घूमने जाना आदि वार्तालाप के विभिन्न विषयों को अलग ढंग से प्रस्तुत करने का प्रयास किया गया है। इससे विद्यार्थी यह जान सकेंगे कि असमिया भाषा में निवेदन कैसे करते हैं, आदेश कैसे देते हैं, मना कैसे करते हैं, नम्रता कैसे अभिव्यक्त की जाती है, हास-परिहास कैसे किया जाता है, सांत्वना कैसे दी जाती है आदि। पाठ के वार्तालाप और वाचन अनुच्छेद की विषय

वस्तु में भी यथासंभव साम्य रखने का प्रयास किया गया है। वाचन अनुच्छेदों के लिए लेखन की विभिन्न शैलियों का प्रयोग किया गया है। जैसे कोई अनुच्छेद वृत्तांत रूप में है तो कोई विवरणात्मक, कोई संवादात्मक, कोई आत्मकथा के रूप में। कहीं निबन्ध शैली को अपनाया गया है तो कहीं संस्मरण का सहारा लिया गया है। कहीं कहानी जैसा सरस माध्यम लिया गया है तो कहीं पत्र जैसा उपयोगी माध्यम।

पाठमाला में 24 पाठ हैं। इन पाठों में से 20 शिक्षण-पाठ हैं और 4 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षण पाठ 4 इकाइयों में बाँटे गए हैं। प्रत्येक इकाई में 5-5 शिक्षण पाठ हैं जिसमें से एक-एक पुनर्भ्यास पाठ है। इस प्रकार इस पुस्तक में पाठ 6, 12, 18 और 24 पुनर्भ्यास पाठ हैं। शिक्षणार्थ पाठों को व्याकरणिक संरचनाओं और शब्दों की संख्या व प्रकार के आधार पर स्तरीकृत किया गया है। स्तरीकरण के मूलतत्व कुछ इस प्रकार हैंः--

1. ज्ञात से अज्ञात की ओर
2. सरल से कठिन की ओर
3. प्रत्येक से सामान्य की ओर
4. सामान्य से तकनीकी की ओर

भाषाई संरचनाओं पर आधारित वार्तालाप का स्तरीकरण करते समय इस बात का विशेष ध्यान रखा गया है कि पाठ्य-सामग्री की स्वाभाविकता बनी रहे। अतः बाद के पाठों में सिखाए जानेवाले शिक्षण बिंदुओं से संबद्ध कुछ संरचनाएँ आरंभ के पाठों में आ गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ क्योंकि उस पाठ विशेष की विषय-वस्तु के संदर्भ में उनका उल्लेख आवश्यक था। ऐसी संरचनाओं को उस पाठ की शब्द सूची में दर्शाया गया है।

शिक्षण-पाठों में आई हुई संरचनाएँ

प्रत्येक पाठ में दो अथवा दो से अधिक शिक्षण बिंदुओं का प्रयोग किया गया है। अधिकांशतः

यह वाक्य साँचे के रूप में है। वाक्य साँचों को निम्न प्रकार से सूची-बद्ध किया जा सकता है।

पाठ नं

1. (i) क्रियाहीन वाक्यों का प्रयोग
   (ii) अनुज्ञा वाक्यों का प्रयोग

2. (i) क्रियाहीन वाक्य + संबंध पद
   (ii) अनुज्ञा (तुच्छार्थ)

3. (i) क्रियायुक्त वाक्य -- सामान्य वर्तमान
   (ii) सामान्य वर्तमान -- नकारात्मक

4. (i) अपूर्ण वर्तमान
   (ii) पूर्ण वर्तमान

5. (i) वर्तमान काल के विभिन्न रूप
   (ii) 'लाग' क्रिया के रूप
   (iii) व्यक्तिवाचक सर्वनाम के बहुवचन रूप

6. 1 से 5 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण विंदुओं के पुनरावलोकन

7. (i) सामान्य भूत के विभिन्न रूप
   (ii) अन्य सर्वनामों का प्रयोग
   (iii) वर्तमान काल - नकारात्मक रूप

8. (i) सामान्य भूत काल
   (ii) सामान्य भूत काल का नकारात्मक वाक्य

9. (i) पूर्णभूत काल

10. (i) भविष्य काल
    (ii) भविष्य काल के नकारात्मक वाक्य
11. वर्तमान, भूत और भविष्य काल के अपूर्ण रूपों के अन्य प्रयोग
12. 7 से 11 तक के पाठों के शिक्षण बिंदुओं के पुनरावलोकन
13. (i) "पार" सहायक क्रिया का प्रयोग
    (ii) कृदंत क्रिया का प्रयोग
    (iii) भविष्य काल में नकारात्मक क्रिया का प्रयोग
14. (i) 'লৈ' (-लोइ) युक्त सहायक क्रिया के साथ विभिन्न काल की मूलक्रियाओं के रूपों के प्रयोग
15. प्रेरणार्थक क्रिया - तीनों कालों में
16. (i) क्रियावाचक संज्ञा का प्रयोग
    (ii) विभिन्न परिस्थितियों में "लाग" क्रियापद का प्रयोग
17. कर्मवाच्य का वाक्यों का प्रयोग
18. 13 से 17 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं के पुनरावलोकन
19. (i) 'हेनो' की सहायता से परोक्ष उक्ति का प्रयोग
    (ii) तिर्यक कर्मवाच्य का प्रयोग
20. (i) "-ই", "-ওঁতে" (-इ, -ओंते) इत्यादि जैसी असमापिका क्रियाओं के प्रयोग
    (ii) मिश्र वाक्यों के निर्माण
21. (i) -ই (-इ) जैसी असमापिका क्रियाओंका दृढ़ीकरण और द्वित्त प्रयोग

(ii) क्रियावाचक संज्ञा शब्दों का प्रयोग दृढ़ीकरण

22. (i) "যদি", "যেতিয়া" (जदि, जेतिया) आदि अव्यय से संयुक्त वाक्य गठन

(ii) "-ম্পলেহেঁতেন" (-इलेहेंतेन) युक्त हेतु हेतु भूत काल की क्रिया का प्रयोग

23. परोक्ष उक्ति का प्रयोग -- क्रियावाचक संज्ञा का प्रयोग दृढ़ीकरण

24. 19 से 23 तक के पाठों में आए हुए शिक्षण बिंदुओं के पुनरावलोकन

पहले ही कहा जा चुका है कि हर पाठ के वार्तालाप के बाद उस वार्तालाप में आए नये शब्दों को दिया गया है। ऐसे बहुत से शब्द हैं जो असमिया भाषा में संस्कृत तथा अन्य भाषाओं से आए हैं। इनमें से बहुत से शब्दों का प्रयोग हिंदी में भी होता है। इस संदर्भ में उन शब्दों पर भी विशेष ध्यान दिया गया है जो रूप की दृष्टि से तो दोनों भाषाओं में समान हैं पर उनके अर्थ असमिया और हिंदी में बहुत भिन्न हैं। शब्दों के वे अर्थ पहले दिए गए हैं जो उस पाठ के सन्दर्भ के उपयुक्त हैं। इसके पश्चात् यदि आवश्यक हुआ तो वे अर्थ भी दिए गए हैं जो सर्वाधिक प्रचलित हैं।

पाठों के अभ्यास उन में सिखाए गए पाठ्य-बिंदुओं को ध्यान में रख कर तैयार किए गए हैं। इन अभ्यासों का उपयोग सीखे हुए बिन्दुओं को दोहराने तथा परीक्षा के लिए भी किया जाएगा। नियमानुसार छात्र की परीक्षा उन्हीं बिंदुओं के विषय में ली जाएगी जो सिखाए जा चुके हैं। लेकिन प्रत्येक पाठ में नये वाक्य अवश्य देखने को मिल जाएँगे। सीखी हुई संरचनाओं और शब्दों की सहायता से विद्यार्थी स्वयं ऐसे वाक्य गढ़ सकता है जिनका प्रयोग सीखे गए पाठों में नहीं आया है। प्रत्येक अभ्यास में परीक्षा के लिए एक समय पर एक ही बिंदु को रखा गया है।

अभ्यास में दिए गए प्रश्न भाषा संरचना और शब्दों से संबंधित हैं। कुछ प्रमुख अभ्यास इस प्रकार हैं - शब्दों का क्रम ठीक करके वाक्य बनाना, वाक्य विस्तार करना, वाक्य रूपों में परिवर्तन

करना, एक ही वाक्य को विभिन्न रूपों में कहना, वाक्यांशों को जोड़कर वाक्य बनाना, उचित शब्दों का चयन करना, वाक्य पूरे करना, कर्ता या कर्म के लिंग और वचन के अनुसार क्रिया में उचित प्रत्यय लगाना, प्रश्नों के उत्तर देना आदि। प्रत्येक पाठ में कम से कम पाँच-छह अभ्यासों का समावेश किया गया है।

वाचन अनुच्छेद का मुख्य उद्देश्य छात्र के बोधन और शब्द भण्डार को विकसित करना है। इन अनुच्छेदों के विषय में दो प्रकार के प्रश्न पूछे गए हैं - वस्तुनिष्ठ एवं विस्तारनिष्ठ। इन प्रश्नों से छात्र के बोधन तथा अभिव्यक्ति दोनों की ही परीक्षा हो सकेगी।

प्रथम पाँच पाठों की संपूर्ण पाठ्य-सामग्री असमिया लिपि में और उच्चारण सिखाने हेतु देवनागरी में भी दी गई है। ऐसा इसलिए भी किया गया है ताकि विद्यार्थी आरम्भ में भाषा सीखने पर अधिक ध्यान केंद्रित कर सके। जब वह भाषा से थोडा बहुत परिचित हो जाएगा तो लिपि सीखने में भी उसे सहायता मिलेगी। वैसे अपेक्षा यही की जाती है कि भाषा और लिपि दोनों का शिक्षण साथ-साथ ही आरंभ किया जाए। असमिया लिपि सीखने के लिए 20 घंटों की निर्देश सामग्री पर्याप्त है। इसके पश्चात विद्यार्थी बिना किसी कठिनाई के असमिया लिपि में पाठ्य सामग्री को पढ़ सकेगा। पहले पाँच पाठों में भाषा का भी कुछ ज्ञान विद्यार्थी को हो जाएगा। छठा पाठ पुनर्भ्यास के लिए है। इससे पहली पाठ्य इकाई के शिक्षण बिंदुओं पर विद्यार्थी के अभी तक सीखे गए भाषाई बिंदुओं की परीक्षा हो जाएगी। छठे पाठ से चौबीसवें तक के पाठों को देवनागरी में इसलिए नहीं दिया गया है क्योंकि अब तक छात्र असमिया लिपि से परिचित हो गए होंगे। व्याकरणिक तथा सांस्कृतिक टिप्पणियों में अवश्य व्याख्या के लिए सरल और साधारण भाषा का प्रयोग किया गया है। प्रयास यही रहा है कि क्लिष्ट तकनीकी शब्दावली का कम से कम प्रयोग किया जाए। छात्र को चाहिए कि वह व्याकरणिक संरचनाओं का अच्छी तरह अभ्यास कर उन्हें पूरी तरह हृदयंगम कर ले। इससे व्याकरण के नियमों को समझना सरल हो जाएगा।

पुस्तक का अंतिम खंड है - शब्द सूची। पाठों में प्रयुक्त शब्दों की सूची वर्णमाला के क्रम

में दी गई है। ध्यान देने की बात यह है कि इसमें शब्दों के मूल रूप अर्थात् कोशीय रूप को ही स्थान दिया गया है। संज्ञा शब्दों का मूल रूप ही दिया गया है, न कि उनके रूपांतरित रूप - जैसे- *পথাৰত, পথাৰলৈ, পথাৰৰ* (पठारत, पठारलोइ, पठारर) आदि रूप न देकर केवल *'পথাৰ'* (पठार) शब्द को ही सूची में दिया गया है। इसी तरह क्रियाओं के धातु रूप को ही सूची में स्थान दिया गया है, काल और वृत्ति के अनुसार उनके विभिन्न रूपों को नहीं। जैसे - यहाँ केवल *'কৰ'* (कर) रूप को ही रखा गया है। इससे बने *'কৰা, কৰক, কৰিছে, কৰিলে, কৰিব'* (करा, करक, करिसे, करिले, करिबो) 'कर, कीजिए, कर रहा है, किया, करेंगे' आदि रूपों को नहीं दिया है।

शब्द-सूची में असमिया शब्दों के दाहिनी तरफ शब्दों का हिंदी अर्थ दिया गया है। दोनों के बीच में उन पाठों की क्रम संख्याएँ भी दी गई हैं, जिनमें वे शब्द प्रयुक्त हुए हैं। चूंकि प्रत्येक पाठ में दो दो शब्द-सूचियाँ हैं ; अतः मूल पाठ के शब्दों को '**क**' और पठन सामग्री के शब्दों को '**ख**' वर्ग में दिखाया गया है। उदाहरण के लिए *'চাহ'* (साह) शब्द के सामने 3 (क) लिखा हुआ है। इसका अर्थ है कि यह शब्द तीसरे पाठ के वार्तालाप में प्रयुक्त हुआ है। *'মানুহ'* (मानूह) शब्द की दाहिनी तरफ 1 (ख) दिया गया है। इसका अर्थ है यह शब्द प्रथम पाठ के वाचन अनुच्छेद में है। *'আবেদন'* (आवेदन) शब्द की दाहिनी तरफ 21 (ग) दिया गया है जिसका अर्थ है यह शब्द इक्कीस पाठ की वाचन अनुच्छेद के दूसरे भाग में आया है। शब्दसूची के बाद असमिया गिनती 'एक' से 'सौ' तक संख्या में तथा शब्दों में दी गई है।

इस पुस्तक को कक्षा में पढ़ानेवाले अध्यापकों से दो तीन बातें कहना जरूरी है। किसी भी भाषा को पढ़ाने के लिए कोई भी एक तरीका ऐसा नहीं है जो पूरी तरह समर्थ हो या अपने आप में पूर्ण हो, विशेष रूप से द्वितीय भाषा पढाने के संदर्भ में यह बात शत-प्रतिशत सत्य है। द्वितीय भाषा सीखने के लिए विद्यार्थी को कक्षा के भीतर और बाहर एक-जैसा ही प्रयास करना होगा।

विद्यार्थी सीखी गई संरचनाओं और शब्दों को जितना अधिक दोहराएगा, उनका जितना अधिक प्रयोग करेगा, उतना ही उसके उच्चारण और बोधन में सुधार होगा। शिक्षकों से अपेक्षा की जाती है कि वे सिखाई गई संरचनाओं तथा असमिया शब्दों के अभ्यास के लिए कक्षा में उचित वातावरण तैयार करें। कहने का तात्पर्य यह है कि भाषा को उसके परिवेश में रखकर ही सीखना और सिखाना चाहिए। इससे सीखने-सिखाने की प्रक्रिया सरल भी होगी और स्वाभाविक भी।

सिखाई गई संरचनाओं और शब्दों का पर्याप्त अभ्यास करवा लेने के बाद शिक्षक को चाहिए कि वह पूरे पाठ को ऊँचे स्वर में पढ़ें। शिक्षक का उच्चारण स्पष्ट होना चाहिए। अभिव्यक्ति के अनुसार उसके स्वर में उचित उतार-चढाव भी होना चाहिए। पाठ का पहला वाचन धीमी गति से किया जाए जिससे विद्यार्थी प्रत्येक ध्वनि, शब्द और वाक्य को स्पष्ट रूप से सुन सके। इसके पश्चात् पाठ को भाषा की स्वाभाविक गति के अनुसार पढ़ना चाहिए। फिर अपने साथ विद्यार्थियों को भी सामूहिक रूप में पाठ को दोहराने के लिए कहना चाहिए। तत्पश्चात् बोधन संबंधी प्रश्न पूछे जाएँ। यदि विद्यार्थियों को प्रश्नों के उत्तर देने में कठिनाई हो तो शिक्षक उनकी मदद करें। इतने अभ्यास के बाद विद्यार्थी स्वतः उस पाठ का वाचन कर पाएगा और समझ सकेगा। यदि छात्र के उच्चारण में कोई त्रुटि हो तो शिक्षक उस त्रुटि को दोहराए बिना सही रूप का परिचय दें। इस अभ्यास के पश्चात् भी विद्यार्थियों के मन में यदि कोई सन्देह या प्रश्न रह जाए तो शिक्षक उसका निवारण करें। हमारे विद्यार्थी वयस्क भी हो सकते हैं, अतः बार बार दोहराने में उन्हें हिचक भी हो सकती है और उनके लिए यह अभ्यास अरुचिकर भी हो सकता है। ऐसी अवस्था में शिक्षक अपनी सुविधानुसार व्यक्तिगत रूप से उनकी सहायता करें। सांस्कृतिक और व्याकरणिक टिप्पणियों को कक्षा में न पढ़वा कर, घर में पढ़ने के लिए कहें। उस के बाद विद्यार्थियों के संशयों का निवारण कक्षा में कर सकते हैं।

छात्रों से वाचन अनुच्छेदों को मौन रूप से पढ़ने के लिए भी कहें। अनुच्छेद के विषय में पूछे गए प्रश्नों के उत्तर विद्यार्थी स्वतः देने का प्रयास करें। आवश्यकता पड़ने पर शिक्षक की मदद लें। शिक्षक छात्र को इतना समय अवश्य दें कि वह पूरे अनुच्छेद को मौन रूप से 2-3 बार पढ़ सकें।

इसके पश्चात् यदि समय रहे तो प्रत्येक छात्र से बारी-बारी से उस अनुच्छेद को ऊँचे स्वर में पढ़ने के लिए कहें। ध्यान रहे कि कक्षा समाप्त होने से पहले अंतिम वाचन शिक्षक द्वारा ही किया जाए जिससे छात्र के कानों में सही उच्चारण दर्ज होता रहे।

अनुवाद और लेखन का अभ्यास छात्र को गृहकार्य के रूप में दिया जाए। शिक्षक इसकी सावधानी पूर्वक जाँच करें और छात्र के सन्देह और समस्याओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर उनका निदान करें।

कुछ पाठों में असमिया भाषा के प्रचलित मुहावरों व कहावतों का प्रयोग हुआ है। यदि हिंदी में भी उसी तरह के मुहावरे हों तो शिक्षक उनका सहारा लेते हुए अर्थ स्पष्ट करें। यदि हिंदी में ऐसे मुहावरे न हों तो शिक्षक विभिन्न वाक्यों में उनका प्रयोग करके उन के अर्थ स्पष्ट करें।

प्रत्येक पाठ के वार्तालाप में सभी वाक्यों का हिंदी अनुवाद दिया गया है। अनुवाद करते समय इस बात का ध्यान रखा गया है कि हिंदी भाषा की स्वाभाविकता बनी रहे। पर कहीं कहीं हिंदी में कुछ वाक्य बनावटी या अस्वाभाविक लग सकते हैं। असमिया भाषा की कुछ विशेष संरचनाओं के प्रयोग देने के प्रयत्न में हो गया है। अनुवाद केवल इसलिए दिया गया है ताकि छात्र अर्थ समझ सकें। अनुवाद का प्रयोग असमिया भाषा सीखने के लिए न किया जाए। भाषा केवल संरचनाओं व शब्दों के अभ्यास द्वारा ही सीखी जा सकती है। हिंदी अनुच्छेद का असमिया भाषा में अनुवाद करते समय छात्र यही प्रयास करे कि उसका अनुवाद असमिया भाषा की संरचना में हो, हिंदी की संरचना में नहीं। वाचन अनुच्छेदों के हिंदी अनुवाद नहीं दिए गए हैं। ऐसा इसलिए किया गया है जिससे छात्र असमिया भाषा को उसी भाषा के माध्यम से ही समझने का प्रयास करे और स्वयं उसका हिंदी में अनुवाद करने का प्रयास करे।

भाषा शिक्षण को अधिक प्रभावशाली तथा रोचक बनाने के लिए असमिया भाषा के परिवेश का अनुभव तथा असमिया भाषा भाषियों से सम्पर्क स्थापित करना महत्वपूर्ण है। ऐसा प्रयास किया जाए कि छात्रों को असमिया भाषा-भाषियों के सम्पर्क में आने तथा संबंधित भाषा के गीत, कविताएँ,

वार्तालाप, भाषण आदि सुनने का अवसर मिल सके। साथ ही छात्रों को असमिया भाषा के महान साहित्यकारों, नेताओं तथा अन्य विभूतियों के चित्र भी दिखाए जाएँ। यदि उपलब्ध हो सके तो असम राज्य के हस्तशिल्प के नमूनों से कक्षा को सजाया जाए। संभव हो तो कक्षा में असम राज्य के प्राकृतिक, ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व के चित्र लगाए जाएँ तथा वहाँ की विभिन्न ऐतिहासिक एवं सांस्कृतिक परम्पराओं का ऑडियो-वीडियो माध्यम से भी परिचय कराया जाए।

इस पाठ्यक्रम के पश्चात् छात्रों से जो अपेक्षाएं की गई हैं उनका विवरण पहले ही दिया जा चुका है। वास्तव में शिक्षार्थियों ने इस पुस्तक से कितना सीखा है वह इस पुस्तक की कसौटी भी है और मूल्यांकन भी। यह प्रयास प्रायोगिक है। इसमें शिक्षकों एवं छात्रों की व्यावहारिक समस्याओं के आधार पर सुधार की बहुत सी संभावनाएँ हैं। इस दिशा में सकारात्मक सुझावों का स्वागत है।

मेरी बात अधूरी रह जाएगी यदि मैं भारतीय भाषा संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ई. अण्णामलै तथा उत्तर प्रदेश सरकार के भाषा विभाग के पूर्व भाषा-परामर्शी डॉ. गोविन्द शर्मा रजनीश के प्रति अपनी कृतज्ञता प्रकट न करूँ क्योंकि *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की पुस्तकों का रूपांकन तथा संकल्पन करने तथा कार्यशालाओं के संचालन का चुनौती पूर्ण उत्तरदायित्व इन्हीं महानुभावों द्वारा मुझे सौंपा गया था। *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की पुस्तकों का निर्माण काफ़ी पहले हो गया था ; पर यह बहुमूल्य सामग्री बरसों तक प्रकाशन की प्रतीक्षा करती रही। संस्थान के पूर्व निदेशक डॉ. ओंकार नाथ कौल तथा संस्थान के वर्तमान निदेशक प्रो. उदय नारायण सिंह के प्रयासों से ही इन पुस्तकों को प्रकाश की किरण देखने का अवसर प्राप्त हुआ है। इन सबके प्रति मैं आभार व्यक्त करती हूँ। विशेष रूप से प्रो. सिंह ने हिंदी के माध्यम से तैयार की गई *'भारतीय भाषा ज्योति'* की श्रृंखला की सभी पुस्तकों के प्रकाशन में बहुत दिलचस्पी ली है। इस श्रृंखला को उत्तरोत्तर आगे बढ़ाने का श्रेय भी उन्हीं को जाता है।

पुस्तक निर्माण कार्यशाला में डॉ. फणीन्द्र नारायण दत्त बरुवा, डॉ. परेशचन्द्र देव शर्मा तथा

डॉ. बासंती देवी का अत्यंत रचनात्मक योगदान रहा। इनके प्रति मैं अपनी कृतज्ञता प्रकट करती हूँ। कार्यशाला में हिंदी विशेषज्ञ के रूप में डॉ. वीरभद्र मिश्र की प्रतिभागिता के लिए भी मैं उनके प्रति आभार व्यक्त करती हूँ।

उक्त कार्यशाला के उपरांत आयोजित पुनरीक्षण-कार्यशाला में संशोधन, परिवर्धन, पुनर्लेखन आदि का कार्य तत्परता से संपन्न कर सामग्री को प्रकाशन योग्य बनाने के लिए डॉ. हीरालाल बाछोतिया, प्रो. पी. एन. दत्त बरूवा, श्री देवजित शर्मा तथा श्री बिश्वदीप गोगोई के अमूल्य योगदान के लिए उनके प्रति भी मैं हार्दिक आभार प्रकट करती हूँ।

मैं श्रीमती स्वर्णाली चौधरी को भी धन्यवाद देना चाहती हूँ जिन्होंने अतीव ध्यान तथा लगन से इस पुस्तक के डी.टी.पी. का काम किया है। ह मारे संस्थान के पुस्तकालय जे अध्यज डॉ. सी.आर. सुलोच ा, डॉ. बी.ए. शारदा, डॉ. आर. सुम ाजुमारी तथा जॅाटलोजर मीर ािस्सार हुसै ा, जंप्यूटर जेंद्र जे प्रो. (डॉ.) साम् मोह ा लाल तथा उ ा जे सहजर्मी, जलाजार श्री ह. म ाोहर, हमारे मुद्रजालय जे प्रबंधज श्री एस.बी. बिश्वास और उन के सहयोगियाँ तथा प्रजाश ा विभाज जे अध्यज डॉ. रामसामी तथा उ ा जे सहयोजी आर. ांदीश इ ा सब जा भी मैं यहाँ जृतज्ञता पूर्वज स्मरज जरती हूँ। संस्था ा जे पाठ्य सामग्री ािर्माज जेंद्र जे मेरे सहयोजी श्री. एस्.एस. यदुराज ा, डॉ. बी. मल्लिजार्जु ा, डॉ. आई.एस. बोरजर, श्रीमती टी.वी. वाजी जी सहजारिता भी अविस्मरजीय है। उसी प्रजार हमारे लेजा विभाज जे मुज्य श्री. बी.जी. मंजु ाथ, और उ ा जे सहजर्मी श्री ए ा. यतिराजु तथा श्री एस. राजु भी जार्यशालाओं जे संचाल ा में मेरी बहुत मदद जी है और मेरी ध यवाद जे पात्र हैं।

मैं अप ो पति प्रो. जे.वी. श्री ािवास ा जे प्रति मेरी अपार जृतज्ञता यहाँ प्रजट जरती हूँ जि हों ो मही ाों तज चल ोवाली मेरी जार्यशालाओं जे संचाल ा में महत्वपूर्ज शैजजिज तथा सामयिज सहजारिता दी है। छुट्टि जे दि ाों तथा ऑफिस समय जे बाहर भी घंटों तज घर जी चिंता ा जर जे 'भारतीय भाषा ज्योति' शृंजला जी पुस्तजों जे ािर्मा ा में मजा हो ाा मुझे उ ा जी ही मदद से जार्यसाध्य हुआ है।

उन सभी छात्रों एवं शिक्षकों के प्रति मैं अग्रिम रूप से अपना आदर व्यक्त करना चाहती हूँ जो इस सामग्री का उपयोग करेंगे एवं इस के विषय में अपने विचार तथा प्रतिक्रियाएँ हमें अवगत कराएँगे।

मैसूर

15/5/2005

बी. श्यामला कुमारी

प्रो. एवं उपनिदेशक

भारतीय भाषा संस्थान, मैसूर

प्राक्कथन

सदियों से भारत में बहुभाषिकता का प्रचलन रहा है-- यह बात अब सर्वजनविदित है। वाणिज्य और अर्थ-व्यवस्था की दृष्टि से जो देश बहुत आगे बढ़ गये हैं ऐसे देशों के निवासियों के लिए भारत की बहुभाषिकता अभी भी पहेली जैसी ही है। उनके देशों में अनेक नस्ल के लोग अपने गीत-संगीत, खाना-खजाना, वेश-आभूषण तथा रहन-सहन को लेकर आते रहे हैं, पर कुछ ही समय में उनका अपनत्व विलीन हो जाता है। अतः उनके लिए भारत में एक साथ अनेक भाषाओं का इस क़दर सदियों से कथित, पठित, प्रस्फुटित रह पाना एक अजीबो-ग़रीब मिसाल जैसा है जिसकी व्याख्या दे पाना मुश्किल काम है। पर किसी भारतीय की रोज़मर्रे की ज़िन्दगी की ओर अगर हम ग़ौर करें तो यह देखेंगे कि वह एक ही साथ प्रतिदिन अलग अलग काम में पृथक् पृथक् परिस्थितियों में भिन्न भिन्न भाषा का प्रयोग करता है। अगर हम देखते हैं कि कोई चाय के बगीचे में मज़दूरों के साथ बिहारी बोलियों में, उनके संचालकों के साथ बंगला में, दफ्तर में अंग्रेज़ी में और मनोरंजन के लिए फिल्म तथा टी.वी. में हिंदी का व्यवहार करता है और घर में अपने लोगों के साथ असमिया में बात करता है तो हमें ऐसी स्थिति में कोई अस्वाभाविकता नज़र नहीं आती है। यहाँ न केवल व्यक्ति बहुभाषी है, भाषिक स्थितियों में भी बहुभाषिकता ग्रथित है। वह तभी संभव हो सकता है जब किसी मुल्क में भाषाएँ जोड़ने का काम करती हैं, तोड़ने का नहीं। लोग अक्सर यह भूल जाते हैं कि भारत में आये, बसे और जन्मे हज़ारों क्षेत्र के लोगों के लिए उनकी भाषाएँ ही वह साधन रही हैं जो एक दूसरे को आपस में जोड़ती रही हैं।

भारतीय भाषा संस्थान इसी भाषिक संयोग को, आदान-प्रदान को बरक़रार रखने में और

इसमें और इज़ाफा करने के काम में अपने को समर्पित करता आया है। आधुनिक भारतीय भाषाओं के शिक्षण-प्रशिक्षण का क्षेत्र इस संस्थान के लिए सब से महत्वपूर्ण क्षेत्र रहा है। यहाँ से प्रकाशित पाँच सौ से अधिक किताबों में से आधी से ज़्यादा भाषा-शिक्षण के क्षेत्र में ही हो रही हैं।

जैसा कि भारतीय भाषा के अध्ययन-अध्यापन से जुड़े लोगों को पता ही है, 1969 में स्थापित होने के बाद से *भारतीय भाषा संस्थान* का मुख्य उद्देश्य रहा है सभी भारतीय भाषाओं का विकास करना एवं उनमें आवश्यकतानुसार पाठ्य-सामग्री तैयार करना। इस उद्देश्य की पूर्ति के लिए मुख्य भारतीय भाषाओं के अलावा बहुत सी जनजातीय भाषाओं पर भी शोध हो रहा है और उनमें पाठ्य-सामग्री तैयार की जा रही हैं। इसके अतिरिक्त त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत भारतीय भाषा संस्थान के मैसूर, पूणे, भुवनेश्वर, पाटियाला, सोलन, लखनऊ एवं गुवाहाटी में स्थित क्षेत्रीय भाषा केंद्रों के माध्यम से प्रति वर्ष जुलाई से अप्रैल तक भारत के विभिन्न राज्यों के अध्यापकों को उनकी इच्छानुसार अथवा संबंधित राज्य की भाषा प्रणाली के अंतर्गत वांछित भाषाओं में दस मास का गहन प्रशिक्षण दिया जाता है। इस प्रशिक्षण के उपरांत ये अध्यापक सीखी गई भाषा को संबंधित राज्यों के विद्यालयों में पाठ्यक्रम के अंतर्गत अथवा ऐच्छिक विषय के रूप में पढ़ाते हैं।

पर अब तक द्वितीय भाषा शिक्षण की जितनी अच्छी किताबें आती रही हैं -- खास तौर पर भारतीय भाषाओं के सीखने सिखाने की किताबें -- वे सभी अंग्रेज़ी के माध्यम से ही रची-बनी छपी-छपायी गयी हैं। उनके रचयिता और प्रकाशक शायद सोचते हैं कि अंग्रेज़ी के माध्यम को अपनाने से द्वितीय भाषा शिक्षण और विदेशी भाषा शिक्षण दोनों के लिए उनकी किताबें प्रयोग में आ सकती हैं। सोचा होगा कि इस तरह से ऐसी किताबें बाज़ार में खरी उतरेंगी। लेकिन दक्षिण एशियाई देशों में बसे और यहाँ के किसी न किसी भाषा को मातृभाषा के रूप में बोलने वालों के लिए किसी भारतीय ज़ुबान को सीखना और इसके दायरे के बाहर के लोगों के लिए हमारी भाषाओं पर अधिकार प्राप्त करना दो बिलकुल अलग शिक्षण-प्रक्रियाएँ हैं। अतः इन दोनों लक्ष्य-गोष्ठियों के लिए दो अलग तरह की सामग्री की आवश्यकता है। एक और कदम आगे जा कर अपने लंबे तज़ुर्बे

से मैं यह भी कह सकता हूँ कि अगर किसी भारतीय को एक अन्य भारतीय भाषा सिखनी-सिखानी है तो वह काम अगर एक भारतीय भाषा के ज़रिये ही अच्छी तरह की जा सकती है। उस लिहाज़ से माध्यम भाषा के रूप में हिंदी का नाम आना स्वाभाविक है कारण इसको मातृ-भाषा तथा अन्य-भाषा के रूप में बोलने-जानेवाले भारतीय लोगों की संख्या इतनी बड़ी है कि भारतीय संदर्भ में हिंदी के माध्यम से अन्य अनुसूचित भाषाओं को सिखाने की वैज्ञानिक ढंग से प्रस्तुत सामग्री अब तक क्यों नहीं आयी थी, यही एक आश्चर्य-जनक बात है। इस कमी की आपूर्ति के लिए और इन ज़रूरतों को देखते हुए भारतीय भाषा संस्थान ने **'भारतीय भाषा ज्योति'** की एक पुस्तक-श्रृंखला की संकल्पना की है। यह पुस्तक उस शृंखला की एक कड़ी है।

त्रिभाषा सूत्र के अंतर्गत हिंदी भाषी राज्यों में अन्य भारतीय भाषाओं का तीसरी भाषा के रूप में प्रचलन तो अवश्य हुआ है परंतु भाषा अध्यापकों एवं पुस्तकों की कमी होने के कारण वांछित सफलता नहीं मिल पाई। अन्य भारतीय भाषाओं एवं विशेष रूप से दक्षिण भारतीय भाषाओं के अध्ययन एवं अध्यापन हेतु उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार एवं कुछ स्वायत्त संस्थाओं ने एक अभियान कुछ वर्ष पहले प्रारंभ किया था। चयनित भाषाओं की वांछित पुस्तक एवं भाषा अध्यापकों के विशिष्ट प्रशिक्षण एवं नियुक्ति हेतु राज्य सरकार ने *भारतीय भाषा संस्थान* का सहयोग आवश्यक समझा। इसी सहयोग की कड़ी में उत्तर प्रदेश की राज्य सरकार के अनुरोध पर *भारतीय भाषा संस्थान* ने राज्य के भाषा विभाग के साथ मिलकर असमिया, बंगला, उड़िया, मराठी, गुजराती, सिंधी, कश्मीरी, पंजाबी, कन्नड़, मलयाळम, तमिल एवं तेलुगु भाषाओं की पाठ्यसामग्री के निर्माण हेतु कार्यशालाएँ आयोजित कीं। इन कार्यशालाओं के माध्यम से इन सभी भाषाओं की पाठ्य पुस्तकें तैयार की गई थीं। ये पुस्तकें **'भारतीय भाषा ज्योति'** पुस्तक-श्रृंखला के अंतर्गत आ रही हैं। हरिद्वार के ब्रह्मवर्चस शोध संस्थान के अनुरोध पर उन के ही सहयोग में *कन्नड़, मलयाळम, तमिल* तथा *तेलुगु* पुस्तकों का मुद्रण तथा प्रकाशन हुआ है। इतिमध्य जम्मू के डोग्री संस्था की प्रार्थना के अनुसार उन के सहयोग में *डोग्री* पुस्तक का निर्माण तथा प्रकाशन भी हुआ है और कश्मीर के बाहर रहनेवाले

कश्मीरिओं के अनुरोध पर *कश्मीरी* पुस्तक का प्रकाशन हमारे संस्थान ने किया है। बाकी छह पुसतकों *असमिया, बंगला, मराठी, गुजराती, पंजाबी* तथा *ओड़िया* का प्रकाशन अब हो रहा है। *भारतीय भाषा ज्योति सिंधी* पुस्तक का प्रकाशन भी गुजरात के कच्छ के इंडियन इनस्टिट्यूट ऑफ सिंधोलजी के साथ हमारा संस्थान करनेवाला है।

मैं आशा करता हूँ कि *भारतीय भाषा ज्योति* श्रृंखला की यह **असमिया** पुस्तक समस्त हिंदी भाषा-भाषियों के लिए उपयोगी होगी। इसके माध्यम से वे न केवल संबंधित भाषा के अध्ययन में रुचि का परिचय देंगे, अपितु उसके प्रचार एवं प्रसार में भी अपना अमूल्य योगदान देंगे।

मैसूर **उदय नारायण सिंह**

15/5/2005 निदेशक, भारतीय भाषा संस्थान

असमिया लिपि तथा उच्चारण

असमिया तथा हिंदी भाषाओं की लिपियों के मूल रूप एक ही है। लेकिन वर्तमान काल की 'वर्णमाला' आकार में हिंदी की देवनागरी वर्णमाला से कुछ अलग लगती है।

असमिया वर्णमाला परिवर्धित देवनागरी के साथ नीचे दी गई है।

(क) स्वर वर्ण

অ	আ	ই	ঈ
अ	आ	इ	ई
উ	ঊ	ঋ	
उ	ऊ	ऋ	
এ	ঐ	ও	ঔ
ए	ऐ	ओ	औ

(ख) व्यंजन वर्ण

ক	খ	গ	ঘ	ঙ
क	ख	ग	घ	ङ
চ	ছ	জ	ঝ	ঞ
च	छ	ज	झ	ञ
ট	ঠ	ড	ঢ	ণ
ट	ठ	ड	ढ	ण
ত	থ	দ	ধ	ন
त	थ	द	ध	न
প	ফ	ব	ভ	ম
प	फ	ब	भ	म
য	ৰ	ল	ৱ	
य	र	ल	व	

শ	ষ	স	হ
श	ष	स	ह
ক্ষ	ড়	ঢ়	য়
क्ष	ड़	ढ़	य
ৎ	ং	ঃ	ঁ
त्	ं	ः	ँ

(ग) उच्चारण

यद्यपि देखने में यह स्पष्ट लगता है कि हर नागरी लिपि चिह्न के लिए असमिया में भी एक लिपि चिह्न है (केवल য और ৎ अधिक है) लेकिन उच्चारण की दृष्टि से दोनो भाषाओं में बहुत अंतर है।

असमिया के कुछ अक्षरों के उच्चारण देवनागरी के समान नहीं है। शिक्षार्थिओं को ध्यान रहें कि केवल दो असमिया वर्णों का समानधर्मी वर्ण नागरी लिपि में नहीं हैं। इन दो वर्णों हैं 'য' और 'ৎ'। दरअसल नागरी 'य' से ही असमिया 'য' और 'য়' अक्षरों का निर्माण हुआ; जब शब्दों के शुरु में 'য' होता है, अन्य स्थानों पर 'য়' होता है। इनके बारे में नीचे संक्षेप में चर्चा की जा रही है !

(क)　असमिया स्वरों में ह्रस्व और दीर्घ में कोई अंतर नहीं होता। लिखने में दोनों का अलग अलग प्रयोग होने पर भी ই (इ) और ঈ (ई) या উ (उ) और ঊ (ऊ) के उच्चारण में कोई अंतर नहीं है। असमिया ঐ (ऐ) का उच्चारण (ओइ) और ঔ (औ) का उच्चारण (ओउ) होता है। असमिया অ (अ) भी हिन्दी का (अ) के बराबर नहीं है; इसका उच्चारण करते समय जिह्वा-मूल थोड़ा नीचे होता है। असमिया আ (आ) वस्तुतः हिन्दी (अ) का प्रायः समान है।

(ख)　असमिया চ और ছ का उच्चारण हिन्दी के 'स' जैसा है। জ, ঝ और য का उच्चारण हिन्दी के 'ज' के समान है। फिर भी 'ঝ' का उच्चारण हिन्दी 'झ' के समान कुछ शब्दों में अभी भी विद्यमान है।

(ग)　असमिया दन्त और मूर्धन्य ध्वनियों में कोई अंतर नहीं है ি, ঠ, ড, ঢ, ণ और ত, থ, দ, ধ,

न में भी उच्चारण की दृष्टि से कोई अंतर नहीं है। दरअसल इनका उच्चारण दन्त या मूर्धन्य न होकर असमिया में दन्तमूलीय होता है।

(घ) साधारणतया संयुक्ताक्षर होने पर শ, ষ, স का उच्चारण हिन्दी के 'स' जैसा होता है। लेकिन दो स्वरोंके बीच अथवा 'र' के साथ दूसरे वर्ण के रूप में संयुक्ताक्षर में विद्यमान শ, ষ, স का उच्चारण 'स' ('ख' और 'ह' के बीच का) होता है। प्रशिक्षक के उच्चारण का अनुसरण करके ही इसका सही-उच्चारण छात्र सीख सकेंगे। कारण है कि इसके समान ध्वनि हिन्दी या अन्य भारतीय भाषाओं में नहीं है। यहाँ परिवर्धित नागरी लिपि में 'स' के नीचे बिंदु देकर लिखा गया है। अर्थात् नागरी लिपि में শ, ষ, স को (स़) के रूप में लिखा गया है।

(ङ) असमिया में संयुक्ताक्षर में अंत होनेवाले शब्दों का उच्चारण अकारांत होता है। हिन्दी में साधारणतया इस तरह के शब्द व्यंजनांत बोले जाते हैं। इसलिए परिवर्धित नागरी में इसे बताने के लिए (अ) चिह्न का प्रयोग किया गया है (प्रारंभिक 5 पाठों में)।

(च) असमिया में निम्नलिखित संयुक्ताक्षरों के उच्चारण ध्यान देने लायक है।

ক্ + ষ	=	'ক্ষ' |क्ष|	=	'क्ख' के समान उच्चारण है।
হ্ + য়	=	'হ্য' |ह्य|	=	'इज्ज' के समान उच्चारण है।
জ্ + ঞ	=	'জ্ঞ' |ज्ञ|	=	'ग्यँ' के समान उच्चारण है।
ঞ্ + চ	=	'ঞ্চ' |चं|	=	'न्स' के समान उच्चारण है।
ঞ্ + ছ	=	'ঞ্ছ' |छं|	=	'न्स' के समान उच्चारण है।
ঞ্ + জ	=	'ঞ্জ' |जं|	=	'न्ज' के समान उच्चारण है।

अर्थात् ঞ (ञ) का उच्चारण 'न' जैसा होता है।

(छ) असमिया में कभी कभी एक ही वर्ण का उच्चारण दो प्रकार से किया जाता है। साधारणतया परवर्ती अक्षर ই |इ| या উ |उ| रहने पर पहले का |अ| या |ए| को ध्वनि उच्चारण |ओ| या |ऍ| की तरह होता है। इसलिए परिवर्धित नागरी में ऐसी जगहों में |ऑ| या |ऍ| का प्रयोग किया गया है।

यह केवल शिक्षार्थियों के स्वाध्याय में सहायता के लिए ही है। प्रशिक्षक का अनुकरण कर उच्चारण का अभ्यास करें तो अधिक उपयुक्त होगा।

1. असमिया अक्षर लिखने के लिए हाथ चलाने की रीति

हर भाषा की तरह असमिया में भी अक्षर लिखने के समय किस तरह हाथको घुमाना है, इसका एक तरीका होता है। विद्यार्थी इस तरीके को सीख लें तो असमिया लिखना आसान होगा।

स्वर वर्ण

व्यंजन वर्ण

2. असमिया स्वराक्षरों की मात्राएँ

क्रमसंख्या	अक्षर	मात्रा	उदाहरण		
1.	আ आ	া ा	কা का	খা खा	পা पा
2.	ই इ	ি ि	কি कि	খি खि	পি पि
3.	ঈ ई	ী ी	কী की	খী खी	পী पी
4.	উ उ	জ্জু ु	কু कु	খু खु	পু पु
5.	ঊ ऊ	জ্জূ ू	কূ कू	খূ खू	পূ पू
6.	ঋ ऋ	জ্জৃ ृ	কৃ कृ	খৃ खृ	পৃ पृ
7.	এ ए	জ্জে े	কে के	খে खे	পে पे
8.	ঐ ऐ	জ্জৈ ै	কৈ कै	খৈ खै	পৈ पै
9.	ও ओ	জ্জো ो	কো को	খো खो	পো पो
10.	ঔ औ	জ্জৌ ौ	কৌ कौ	খৌ खौ	পৌ पौ

3. असमिया व्यंजनाक्षर स्वराक्षरों की मात्राओं के साथ (असमिया बारह खड़ी)

ক क	কা का	কি कि	কী की	কু कु	কূ कू	কৃ कृ	কে के	কৈ कै	কো को	কৌ कौ	কং कं	কঃ कः
খ ख	খা खा	খি खि	খী खी	খু खु	খূ खू	খৃ खृ	খে खे	খৈ खै	খো खो	খৌ खौ	খং खं	খঃ खः
গ ग	গা गा	গি गि	গী गी	গু गु	গূ गू	গৃ गृ	গে गे	গৈ गै	গো गो	গৌ गौ	গং गं	গঃ गः
ঘ घ	ঘা घा	ঘি घि	ঘী घी	ঘু घु	ঘূ घू	ঘৃ घृ	ঘে घे	ঘৈ घै	ঘো घो	ঘৌ घौ	ঘং घं	ঘঃ घः
ঙ ङ	ঙা ङा	ঙি ङि	ঙী ङी	ঙু ङु	ঙূ ङू	X	ঙে ङे	X	ঙো ङो	X	ঙং ङं	ঙঃ ङः
চ च	চা चा	চি चि	চী ची	চু चु	চূ चू	চৃ चृ	চে चे	চৈ चै	চো चो	চৌ चौ	চং चं	চঃ चः
ছ छ	ছা छा	ছি छि	ছী छी	ছু छु	ছূ छू	ছৃ छृ	ছে छे	ছৈ छै	ছো छो	ছৌ छौ	ছং छं	ছঃ छः
জ ज	জা जा	জি जि	জী जी	জু जु	জূ जू	জৃ जृ	জে जे	জৈ जै	জো जो	জৌ जौ	জং जं	জঃ जः
ঝ झ	ঝা झा	ঝি झि	X	ঝু झु	X	X	ঝে झे	X	X	X	ঝং झं	ঝঃ झः
ঞ ञ	ঞা ञा	ঞি ञि	X	X	X	X	X	X	X	X	X	X
ট ट	টা टा	টি टि	টী टी	টু टु	X	X	টে टे	টৈ टै	টো टो	টৌ टौ	টং टं	টঃ टः
ঠ ठ	ঠা ठा	ঠি ठि	ঠী ठी	ঠু ठु	X	ঠৃ ठृ	ঠে ठे	ঠৈ ठै	ঠো ठो	ঠৌ ठौ	ঠং ठं	ঠঃ ठः

ড ड	ডা डा	ডি डि	ডী डी	ডু डु	ডূ डू	ডৃ डृ	ডে डे	ডৈ डै	ডো डो	ডৌ डौ	ডং डं	ডঃ डः
ঢ ढ	ঢা ढा	ঢি ढि	ঢী ढी	ঢু ढु	ঢূ ढू	X	ঢে ढे	ঢৈ ढै	ঢো ढो	ঢৌ ढौ	ঢং ढं	ঢঃ ढः
ণ ण	ণা णा	ণি णि	ণী णी	ণু णु	ণূ णू	X	ণে णे	ণৈ णै	ণো णो	ণৌ णौ	ণং णं	ণঃ णः
ত त	তা ता	তি ति	তী ती	তু तु	তূ तू	তৃ तृ	তে ते	তৈ तै	তো तो	তৌ तौ	তং तं	তঃ तः
থ थ	থা था	থি थि	থী थी	থু थु	থূ थू	থৃ थृ	থে थे	থৈ थै	থো थो	থৌ थौ	থং थं	থঃ थः
দ द	দা दा	দি दि	দী दी	দু दु	দূ दू	দৃ दृ	দে दे	দৈ दै	দো दो	দৌ दौ	দং दं	দঃ दः
ধ ध	ধা धा	ধি धि	ধী धी	ধু धु	ধূ धू	ধৃ धृ	ধে धे	ধৈ धै	ধো धो	ধৌ धौ	ধং धं	ধঃ धः
ন न	না ना	নি नि	নী नी	নু नु	নূ नू	নৃ नृ	নে ने	নৈ नै	নো नो	নৌ नौ	নং नं	নঃ नः
প प	পা पा	পি पि	পী पी	পু पु	পূ पू	পৃ पृ	পে पे	পৈ पै	পো पो	পৌ पौ	পং पं	পঃ पः
ফ फ	ফা फा	ফি फि	ফী फी	ফু फु	ফূ फू	X	ফে फे	ফৈ फै	ফো फो	ফৌ फौ	ফং फं	ফঃ फः
ব ब	বা बा	বি बि	বী बी	বু बु	বূ बू	বৃ बृ	বে बे	বৈ बै	বো बो	বৌ बौ	বং बं	বঃ बः
ভ भ	ভা भा	ভি भि	ভী भी	ভু भु	ভূ भू	ভৃ भृ	ভে भे	ভৈ भै	ভো भो	ভৌ भौ	ভং भं	ভঃ भः

ম म	মা मा	মি मि	মী मी	মু मु	মূ मू	মৃ मृ	মে मे	মৈ मै	মো मो	মৌ मौ	মং मं	মঃ मः
য় य	য়া या	য়ি यि	য়ী यी	য়ু यु	য়ূ यू	X	য়ে ये	য়ৈ यै	য়ো यो	য়ৌ यौ	য়ং यं	য়ঃ यः
ৰ र	ৰা रा	ৰি रि	ৰী री	ৰু रु	ৰূ रू	X	ৰে रे	ৰৈ रै	ৰো रो	ৰৌ रौ	ৰং रं	ৰঃ रः
ল ल	লা ला	লি लि	লী ली	লু लु	X	X	লে ले	লৈ लै	লো लो	লৌ लौ	লং लं	লঃ लः
ৱ व	ৱা वा	ৱি वि	X	X	X	X	ৱে	ৱৈ	X	X	X	X
শ श	শা शा	শি शि	শী शी	শু शु	শূ शू	শৃ शृ	শে शे	শৈ शै	শো शो	শৌ शौ	শং शं	শঃ शः
ষ ष	ষা षा	ষি षि	ষী	ষু	X	X	ষে षे	X	ষো षो	X	X	X
স स	সা सा	সি सि	সী सी	সু सु	সূ सू	সৃ सृ	সে से	সৈ सै	সো सो	সৌ सौ	সং सं	সঃ सः
হ ह	হা हा	হি हि	হী ही	হু हु	হূ हू	হৃ (হৃ) हृ	হে हे	হৈ है	হো हो	হৌ हौ	হং हं	হঃ हः
ক্ষ क्ष	ক্ষা क्षा	ক্ষি क्षि	ক্ষী क्षी	ক্ষু क्षु	ক্ষূ क्षू	X	ক্ষে क्षे	X	ক্ষো क्षो	ক্ষৌ क्षौ	ক্ষং क्षं	ক্ষঃ क्षः

4. वर्णमाला के अक्षरों के आकार को ध्यान में रखते हुए असमिया लिपि को 9 समूहों में विभाजित करने से अक्षर लिखने का अभ्यास आसान हो सकता है। नीचे इसी तरह से अक्षरों के समूह दिए गए हैं। हर समूह का प्रथम अक्षर लिखना सीखने पर बाकी अक्षरों को लिखना आसान हो सकेगा। हर पंक्ति में प्रथम अक्षर लिखने के समय हाथ को किस तरह घुमाना है, इसे तीर की दिशा के अनुसार किया जाना चाहिए। दूसरे अक्षरों के लिए जो अतिरिक्त चिह्न चाहिए इसे भी तीर के चिह्न से दिखाया गया है।

4.1

ত	অ	আ	ও	ঔ	া	ো	ৌ
त	अ	आ	ओ	औ	ा	ो	ौ

ঔ (ओउ) আতা (आता)

তত (तत) তাত (तात)

আও (आओ) তাও (ताओ)

4.2

হ ह	ই इ	ঈ ई	স स	ি ि	ী ी

ই (इ) হিত (हित)

তই (तइ) সাত (सात)

তাই (ताइ) হাতী (हाति)

4.3

এ	ঐ	ঞ	ে	ৈ
ए	ऐ	ञ	ˋ	ˋˋ

এম্প	(एइ)	তেহে	(तेहे)
তাম্প	(ताइ)	তেওঁ	(तेओं)
সৈ	(सइ)	আঁসৈ	(आसोइ)

4.4

ড	ড়	জ	উ	ঊ	ঙ	ভ
ड	ड़	ज	उ	ऊ	ङ	भ

উ = জ্জু

ঊ = জ্জূ

ঙ = ঙ

হ্ + উ = হু হু

আজি	(आजि)	ডাহ	(डाह)
জোঙা	(जोङा)	হোজা	(होजा)
জেং	(जें)	ভূঁঞা	(भुइआ)

4.5

ব	ৰ	ক	ৱ	ধ	ঝ
ब	र	क	व	ध	झ

□	ৰ	=	□	
ৰ	□	=	□	
ব্	+ ৰ	=	ব্ৰ	
ৰ্	+ ব	=	ৰ্ব	

ত	+ ৰ	=	ত্ৰ
ক	+ ৰ	=	ক্ৰ, ক্ৰ
ভ	+ ৰ	=	ভ্ৰ
ঙ	+ ক	=	ঙ্ক , ংক
ৰ	+ উ	=	ৰু, ৰু

কাৰ	(कार)	বিহু	(विहु)
ধাৰ	(धार)	উৰুকা	(उरुका)
তোৰ	(तोर)	ডাৱৰ	(डावर)

4.6

য	ষ	য়	ফ	ঘ
*य	ष	य़	फ	घ

		য়	=	জ্য
ব্	+	য়	=	ব্য
ত্	+	য়	=	ত্য
হ্	+	য়	=	হ্য

বিয়া	(बिया)	ফাকি	(फाकि)
ষাঁড়	(षाँड़)	ইস্পাত	(इयात)
বাক্য	(बाक्य)	ঔষধ	(औषध)

*** बंगला उच्चारण 'ज' जैसा।**

4.7

ন	ল	ম	ণ	শ	ক্ষ
न	ल	म	ण	श	क्ष

শ্	+	উ	=	শু, শূ
ম্	+	ঔ	=	মৌ
ল্	+	ও	=	লো
ক্ষ্	+	এ	=	ক্ষে

নাম (नाम) শুন (सुन)

লাভ (लाभ) ৰক্ষা (रक्षा)

নৰম (नरम) বহল (बहल)

4.8

থ	গ	প	খ	ঋ
थ	ग	प	ख	ऋ

ঋ = ৃ

গ্	+ ঋ	=	গৃ	
হ্	+ ঋ	=	হৃ	
গ্	+ উ	=	গু,	গু

গপ	(गप)	কৃষি	(कृषि)
পাপ	(पाप)	গৰম	(गरम)
ঋণ	(ऋण)	কপাল	(कपाल)

4.9

ঢ	ঢ়	ট	চ	ছ	দ	ঠ
ढ	ढ़	ट	च	छ	द	ठ

ঢ্	+	এ	=	ঢে
ঢ়্	+	আ	=	ঢ়া
ট্	+	ও	=	টো
চ্	+	উ	=	চু
ছ্	+	ঐ	=	ছৈ
দ্	+	ৰ	=	দ্ৰ
ঠ্	+	ই	=	ঠি

ঢেকি (ढेकि)

বুঢ়া (बुढ़ा)

ইটো (इटो)

চুমা (सुमा)

পিছত (पिसत)

দোকান (दोकान)

ঠেক (ठेक)

4.9

ঃ	ং	ঁ	ৎ
ः	ं	ँ	त्

ঙ্	=	ং
ত্	=	ৎ

খ + ঙ = খং   ৰ + ঙ = ৰং

স + ত = সৎ   ত + ত = তৎ

খাং (खां)   ৰংঘৰ (रंघर)   অসৎ (असत्)

তৎক্ষণাৎ (तत्क्षणात्)   ধেৎতেৰি (धेत्तेरि)   সোঁৱৰণি (सौंवरनि)

वर्णों में स्वरों की मात्राएँ जोड़ने पर कोई कोई असमिया अक्षरोंके दो-दो रूप होते हैं। जैसे :

গ্ + উ = গু, গু   ৰ্ + উ = ৰু, ৰু

শ্ + উ = শু, শু   ৰ্ + ঊ = ৰূ, ৰূ

হ্ + উ = হু, হু

5. असमिया में संयुक्त व्यंजन वर्ण लिखने के तरीका नीचे दिए गए हैं। कई कई युक्ताक्षर दो तरीके से लिखे जाते हैं। इस भिन्नता को भी दिखाया गया है।

5.1 जो संयुक्त वर्ण ऊपर-नीचे लिखा जाता है:

ক্	+	ক	=	ক্ক	:	মক্কা
ক্	+	ম	=	ক্ম	:	ৰুক্ম
ক্	+	ল	=	ক্ল	:	ক্লান্তি
গ্	+	ন	=	গ্ন, গ্‌ন	:	অগ্নি
গ্	+	ল	=	গ্ল, গ্‌ল	:	গ্লানি
ট্	+	ট	=	ট্ট	:	ভাট্টা
ত্	+	ত	=	ত্ত	:	দত্ত
ত্	+	ন	=	ত্ন,	:	ৰত্ন
ত্	+	ম	=	ত্ম	:	আত্মা
দ্	+	ব	=	দ্ব	:	বিদ্বান

ন্	+	ত	=	ন্ত, ন্‌ত	:	অন্ত
ন্	+	ন	=	ন্ন	:	অন্ন
ন্	+	ম	=	ন্ম	:	সন্মান
ম্	+	ব	=	ম্ব	:	চুম্বন
ল্	+	ক	=	ল্ক	:	উল্কা
ল্	+	প	=	ল্প, ল্‌প	:	কল্পনা
ল্	+	ল	=	ল্ল	:	উল্লেখ
শ্	+	ম	=	শ্ম	:	শ্মশান
শ্	+	ল	=	শ্ল	:	শ্লোক
স্	+	ক	=	স্ক, স্‌ক	:	স্কুল
স্	+	ত	=	স্ত, স্‌ত	:	স্তন

5.2 जो संयुक्त वर्ण पास पास में लिखा जाता है:

চ্	+	চ	=	চ্চ	:	উচ্চ
চ্	+	ছ	=	চ্ছ	:	বিচ্ছেদ
জ্	+	জ	=	জ্জ	:	লজ্জা
জ্	+	ঞ	=	জ্ঞ	:	বিজ্ঞান
ঞ্	+	ছ	=	ঞ্ছ	:	বাঞ্ছা
ঞ্	+	জ	=	ঞ্জ	:	আঞ্জা
ণ্	+	ট	=	ণ্ট	:	বণ্টন

ण्	+	ঠ	=	ণ্ঠ	:	কণ্ঠ
ण्	+	ড	=	ণ্ড	:	অণ্ডা
द्	+	দ	=	দ্দ	:	উদ্দেশ্য
न्	+	দ	=	ন্দ	:	আনন্দ
न्	+	ধ	=	ন্ধ	:	অন্ধ
ब्	+	দ	=	ব্দ	:	শব্দ
म्	+	প	=	ম্প	:	চম্পা
ल्	+	ট	=	ল্ট	:	উল্টা
श्	+	চ	=	শ্চ	:	নিশ্চয়
ह्	+	ম	=	হ্ম	:	ব্ৰহ্মা
ष्	+	ক	=	ষ্ক	:	পুষ্কৰ
ष्	+	ট	=	ষ্ট	:	অষ্টম
ष्	+	ঠ	=	ষ্ঠ	:	ওষ্ঠ্য
ष्	+	প	=	ষ্প	:	পুষ্প
ष्	+	ম	=	ষ্ম	:	ভীষ্ম

5.3 तीन व्यंजन वर्णों का युक्ताक्षर :

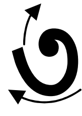
ज्	+	ज्	+	ব	=	জ্জ্ব	:	উজ্জ্বল
त्	+	त्	+	ব	=	ত্ত্ব	:	তত্ত্ব
न्	+	त्	+	ৰ	=	ন্ত্ৰ	:	মন্ত্ৰ
न्	+	द्	+	ৰ	=	ন্দ্ৰ	:	চন্দ্ৰ

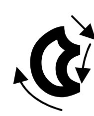
न्	+	ध्	+	ৰ	=	ন্ধ্ৰ	:	অন্ধ্ৰ
न्	+	ध्	+	য়	=	ন্ধ্য	:	বিন্ধ্য
म्	+	प्	+	ৰ	=	ম্প্ৰ	:	সম্প্ৰদান
म्	+	भ्	+	ৰ	=	ম্ভ্ৰ	:	সম্ভ্ৰম
स्	+	त्	+	ৰ	=	স্ত্ৰ	:	স্ত্ৰী
ष्	+	ट्	+	ৰ	=	ষ্ট্ৰ	:	ৰাষ্ট্ৰ
ৰ্	+	द्	+	ধ	=	ৰ্দ্ধ	:	অৰ্দ্ধ
ৰ্	+	श्	+	ব	=	ৰ্শ্ব	:	পাৰ্শ্ব

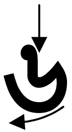
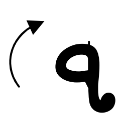
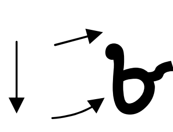
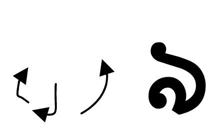
6. असमिया अंक

১	২	৩	৪	৫	৬	৭	৮	৯	১০
१	२	३	४	५	६	७	८	९	१०







১০

7. **लिपि पाठ -- एक नमूना**

पाठ 1

I. अक्षर

ত त	অ अ	আ आ	ও ओ	ঔ औ

া	ে া	জ্জৌ
ा	ो	ौ

II. शब्द

অত	(अत)	ঔ	(औ)
আতা	(आता)	তত	(तत)
তাত	तात	আঔ	(आओ)

III. पढ़िए

অত   তাত

আতা   তত

অ   আ   ও   ঔ   ত

IV. लिखिए

ত --- --- --- --- --- ত

অ --- --- --- --- --- অ

আ --- --- --- --- --- আ

ও --- --- --- --- --- ও

ঔ --- --- --- --- --- ঔ

তত --- --- --- --- --- তত

আতা --- --- --- --- --- আতা

অত --- --- --- --- --- অত

তাত --- --- --- --- --- তাত

V. अभ्यास

1. दिए गए अक्षरों में 'ত' को पहचानिए।

অ আ ত ও ঔ ত্ত

2. दिए गए अक्षरों में 'আ' को पहचानिए।

ত অ ভ আ ড ঔ

3. दिए गए अक्षरों में 'ঔ' को पहचानिए।

ত ও ত্ত ঔ ঐ

4. ऊपर की पंक्ति के जो अक्षर नीचे की पंक्ति में हैं उन अक्षरों पर घेरे लगाइए।

অ	
অ	ত

ত	
ত	আ

ও	
ও	ঔ

আ	
ও	আ

ঔ	
ঔ	ত

5. ऊपर की पंक्ति के जो शब्द नीचे की पंक्ति में हैं उन शब्दों पर घेरे लगाइए।

তাত	
তাত	অত

অত	
তাত	অত

আতা	
অত	আতা

তত	
অত	তত

তাও	
তাত	তাও

অত	
অত	আতা

6. दोहराए गए अक्षरों को पहचानिए।

তত অত মত অঅ আত তো তো

7. सही प्रकार से मिलाकर पढ़िए।

আ   তা

ত   ত

তা   ত

অ   ত

ও

8. देवनागरी लिपि में दिए गए असमिया शब्दों को असमिया लिपि में लिखिए।

औ   आता   अत   ताओ   आओ

9. कोष्ठक में दिए गए अक्षरों में से सही अक्षर चुनकर शब्द पूरे कीजिए।

(অ, ও, ত)

অ ______

তা ______

ত ______

আ ______

10. অ, ত तथा আ अक्षर आनेवाले एक-एक शब्द लिखिए।

11. रेखांकित अक्षर के स्थान पर एक अन्य अक्षर लिखकर नया शब्द बनाइए।

<u>ত</u>ত

12. सही अक्षर का प्रयोग कर शब्द पूरे कीजिए।

আ ___   অ ___   ত ___   তা ______

পাঠ
पाठ 1

চুবুৰীয়াৰ ঘৰত

জৈন : নমস্কাৰ, ডাঙৰীয়া। মম্প
जॅइन : नमस्कार, दाङओरिया। मोइ

সুকুমাৰ জৈন।
सुकुमार जॅइन।

চৌধুৰী : নমস্কাৰ। মম্প মহেন্দ্ৰ চৌধুৰী।
सौधुरी : नमस्कार। मोइ महेन्द्र सौधुरी।

মম্প এম্প গাঁৱৰ পোষ্ট-মাষ্টৰ।
मोइ एइ गाँवर पोस्त-मास्टर।

আপুনি ?
आपुनि?

জৈন : মম্প ম্পয়াৰ নতুন কৃষি
जॅइन : मोइ इयार नतुन कृस़ि

বিষয়া।
विस़या।

চৌধুৰী : আহক, ভিতৰলৈ আহক।
सौधुरी : आहक, भितरलोइ आहक।

জৈন : ধন্যবাদ।
जॅइन : धन्यबाद।

(চাহ লৈ বিমলা চৌধুৰীৰ প্ৰৱেশ)

पड़ोसी के घर में

जैन : नमस्कार, श्रीमानजी। मैं सुकुमार जैन हूँ।

चौधुरी : नमस्कार, मैं महेन्द्र चौधुरी हूँ। मैं इस गाँव का पोस्ट-मास्टर हूँ। (और) आप?

जैन : मैं यहाँ का नया कृषि-विकास अधिकारी हूँ।

चौधुरी : आइए, अंदर आइए।

जैन : धन्यवाद।

(चाय लेकर श्रीमती विमला चौधुरी का प्रवेश)

চৌধুৰী : এওঁ মোৰ পৰিবাৰ বিমলা
सौधुरी : एआँ मोर परिबार बिमला

চৌধুৰী। এইপ মোৰ ছোৱালী
सौधुरी। एइ मोर सोआली

বুলি। ইপ মোৰ সৰু ভাইপ
बुलि। इ मोर सरु
भाई

ৰঞ্জিৎ। এইপখনেইপ মোৰ
सरु

रंजित्। एइखनेइ मोर सरु

সংসাৰ।
संसार।

জৈন : মোৰ ভনীৰ নামো বিমলা।
जॅइन : मोर भनीर नामो बिमला।

মিচেচ চৌধুৰী : জলপান আৰম্ভ কৰক।
এয়া
मिसेस सौधुरी : जलपान आरम्भ करक। एया

অসমীয়া জলপান। কোমল
असमिया जलपान। कोमल

চাউল, দৈ, গুড়, আৰু
साउल, दोइ, गुड़ आरु

কল। এয়া তিল পিঠা।
कल। एया तिल पिठा।

এইপবোৰ নাৰিকলৰ লাৰু।
एइबोर नारिकलर लारु।

জৈন : এৰা, এইপ জলপান বৰ
जॅइन : एरा, एइ जलपान बर

चौधुरी : ये मेरी पत्नी विमला चौधुरी हैं। यह मेरी बेटी बुली है। यह मेरा छोटा भाई रंजीत् है। यही मेरा छोटा-सा परिवार है।

जैन : मेरी बहन का नाम भी विमला है।

श्रीमती चौधुरी : जलपान शुरु कीजिए। यह असमीया जलपान है। (यह हमारा) 'कोमल चावल', दही, गुड़ और केला है। यह तिलगुझिया और अनरशा है। ये नारियल के लड्डू हैं।

जैन : अहा। यह जलपान तो बड़ा स्वादिष्ट है। दही भी बढ़िया है। दही मेरे बड़े भाई को बहुत प्रिय है।

সোৱাদ। দৈখিনিও বৰ
स़ोआद। दोइखिनिओ ৱर
ভাল। দৈ মোৰ
ককাম্পদেউৰ
भाल। दोइ मोर ककाइदेउर
বৰ প্ৰিয়।
ৱर प्रिय।

মিচেচ চৌধুৰী : দৈ আমাৰো বৰ প্ৰিয়।
मिसेस चौधुरी : दोइ आमारो ৱर प्रिय।

জৈন : চাহখিনিও বেচ কড়া।
जॅइन : साह खिनिओ बेस कढ़ा।
এনে চাহেম্প মোৰ
পচন্দ।
एने साहेइ मोर पसन्द।

মিচেচ চৌধুৰী : ধন্যবাদ। এয়া তামোল।
मिसेस सौधुरी : धन्यबाद। एइया तामोल।

জৈন : ধন্যবাদ!
जॅइन : धन्यबाद!

श्रीमती चौधुरी : दही हम लोगों को भी बड़ा प्रिय है।

जैन : चाय भी बड़ी कड़क है। ऐसी ही चाय मुझे पसन्द है।

श्रीमती चौधुरी : धन्यवाद। लीजिए पान।

जैन : धन्यवाद!

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
ডাঙৰীয়া	दाङओरिया	महाशय
মম্প	मोइ	मैं
এম্প	एइ	इस (यह), वह (स्त्री)
গাঁৱৰ	गाँवर	गाँव का
কৃষি	कृसि़	कृषि

বিষয়া	विस़या	अधिकारी
আহক	आहक	आइए
ভিতৰলৈ	भितरलोइ	भीतर
চাহ	साह	चाय
মেজত	मेजत	मेज पर
এওঁ	एऑं	वे (आदर सूचक)
মোৰ	मोर	मेरा
পৰিবাৰ	परिबार	घरवाली, पत्नी
ছোৱালী	सोआली	लड़की (पुत्री)
সৰু	स़रु	छोटा
সংসাৰ	स़ंस़ार	परिवार
ভনী	भनी	बहन
জলপান	जलपान	जलपान
দৈ	दोइ	दही
কল	कल	केला
তিল-পিঠা	तिल-पिठा	तिल से बनायी हुई गुझिया
এম্পবোৰ	एइबोर	ये (सब)
নাৰিকলৰ লাৰু	नारिकलर लारु	नारियल के लड्डू
সোৱাদ	स़ोआद	स्वादिष्ट
ভাল	भाल	अच्छा
বেচ	बेस	बहुत
কড়া	कढ़ा	कड़क (कड़ी)
পচন্দ	पसन्द	पसंद

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

মই মাষ্টৰ। (পোষ্ট)
मोइ माष्टर। (पोस्ट)

→ মই পোষ্ট মাষ্টৰ। (ইয়াৰ)
मोइ पोस्टमाष्टर। (इयार)

→ মই ইয়াৰ পোষ্ট মাষ্টৰ।
मोइ इयार पोस्ट माष्टर।

1. মই বিষয়া (কৃষি, ইয়াৰ)
मोइ बिस़या (कृसि़, इयार)

2. এওঁ পৰিবাৰ (মোৰ)
एआँ परिबार (मोर)

3. এইখন সংসাৰ (সৰু, মোৰ)
एइखन स़ंस़ार (स़रु, मोर)

4. এইয়া জলপান (অসমীয়া, আমাৰ)
एइया जलपान (अस़मिया, आमार)

5. দৈ সোৱাদ (বৰ)
दोइ स़ोआद (बर)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) মই সুকুমাৰ জৈন।
मोइ सुकुमार जॅइन।

→ মোৰ নাম সুকুমাৰ জৈন।
मोर नाम सुकुमार जॅइन।

1. মই মহেন্দ্ৰ চৌধুৰী।
मोइ महेन्द्र सौधुरी।

2. মই বিমলা চৌধুৰী।

(ख) মোৰ পৰিবাৰ বিমলা চৌধুৰী।
मोर परिबार बिमला सौधुरी।

→ বিমলা চৌধুৰী মোৰ পৰিবাৰ।
बिमला सौधुरी मोर परिबार।

1. মোৰ ছোৱালী বুলি।
मोर सोआली बुलि।

2. মোৰ ভাই ৰঞ্জিৎ।

मोइ बिमला सौधुरी।

3. মই বুলি।
मोइ बुलि।

4. মই ৰঞ্জিৎ চৌধুৰী।
मोइ रंजित् सौधुरी।

5. ভনী বিমলা চৌধুৰী।
भनी बिमला सौधुरी।

मोर भाई रंजित।

3. মোৰ সংসাৰ এইখনেই।
मोर संसार एइखनेइ।

4. মোৰ ভনীৰ নাম বিমলা।
मोर भनीर नाम बिमला।

5. এইবোৰ লাৰু নাৰিকলৰ।
एइबोर लारु नारिकलर।

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए हुए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण :

এওঁ মোৰ ________ বিমলা। (पत्नी)
एआँ मोर ________ बिमला।

→ এওঁ মোৰ পৰিবাৰ বিমলা।
एआँ मोर परिबार बिमला।

1. ই মোৰ সৰু ____ ৰঞ্জিৎ। (भाई)
इ मोर सरु ______ रंजित्।

2. মোৰ ভনীৰ ______ বিমলা। (नाम भी)
मोर भनीर _______ बिमला।

3. এই বোৰ ________ লাৰু। (नारियल के)
एइबोर _____________ लारु।

4. দৈ ________ বৰ প্ৰিয়। (मेरा)
दोइ __________ बर प्रिय।

5. এনে চাহেই মোৰ _________। (पसंद)
एने साहेइ मोर _________।

IV. रेखांकित शब्दों के स्थान पर दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूप लिखकर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

<u>কোমল চাউল</u> ভাল জলপান।

<u>कोमल साउल</u> भाल जलपान।

তিল পিঠা
तिल पिठा

→ তিল পিঠা ভাল জলপান।
तिल पिठा भाल जलपान।

1. <u>জলপান</u> বৰ সোৱাদ।

   <u>जलपान</u> बर स़ोआद।

   নাৰিকলৰ লাৰু
   नारिकलर लारु

   কোমল চাউল
   कोमल साउल

   ঘিলা পিঠা
   घिला पिठा

   তিল পিঠা
   तिल पिठा

   তামোল
   तामोल

2. দৈ <u>ককাম্পদেউৰ</u> বৰ প্ৰিয়।

   दोइ <u>ककाइदेउर</u> बर प्रिय।

   মম্প
   मोइ

   আমি
   आमि

   সৰু ভাম্প
   स़रु भाई

   মোৰ পৰিবাৰ
   मोर परिबार

   মোৰ ভনী
   मोर भनी

3. এয়া তামোল, খাওক।
एया तामोल, खाओक।

জলপান
जलपान

চাহ
साह

দৈ
दोइ

কোমল চাউল
कोमल साउल

নাৰিকলৰ লাৰু
नारिकलर लारु

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

এইপ পোষ্ট মাষ্টৰ মইপ গাঁৱৰ
एइ पोष्ट माष्टर मोइ गाँवर

→ মইপ এইপ গাঁৱৰ পোষ্ট মাষ্টৰ।
मोइ एइ गाँवर पोष्ट माष्टर।

1. নতুন মইপ বিষয়া কৃষি এইপয়াৰ
नतुन मोइ बिस़या कृसि़ इयार

2. বিমলা এওঁ চৌধুৰী পৰিবাৰ মোৰ
बिमला एआँ सौधुरी परिबार मोर

3. মোৰ বুলি এইপ ছোৱালী
मोर बुलि एइ सोआली

4. কঢ়া বেচ চাহখিনিও
कढ़ा बेस साहखिनिओ

5. ভাল বৰ দৈখিনিও
भाल बर दोइखिनिओ

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া জলপান (असमिया जलपान)

জৈন ডাঙৰীয়া, আপুনি ভিতৰলৈ আহক। চাহৰ মেজত বহক। আপুনি চাহ খাওক।
जॅइन दाङओरीया, आपुनि भितरलोइ आहक। साहर मेजत बहक। आपुनि साह खाओक।

তামোল, জলপান খাওক। বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ যাওক। ৰঞ্জিতে কাম আৰম্ভ কৰক।
तामोल, जलपान खाओक। बिमला पोष्ट अफिसलोइ जाओक। रंजिते काम आरम्भ करक।

ককাম্পদেউ, জলপান খাওক। দৈ ৰঞ্জিতৰ বৰ প্ৰিয়। তিল পিঠা বুলিৰ বৰ পচন্দ।
ककाइदेउ, जलपान खाओक। दोइ रंजितर बर प्रिय। तिल पिठा बुलिर बर पसंद।

নাৰিকলৰ লাৰু ককাম্পদেউৰ বৰ প্ৰিয়। দৈ, গুড়, কোমল চাউল অসমীয়া জলপান।
नारिकलर लारु ककाइदेउर बर प्रिय। दोइ, गुड़, कोमल साउल अस़मिया जलपान।

অসমীয়া মানুহৰ চাহ বেচ কড়া। অসমৰ দৈ বৰ সোৱাদ। অসমৰ তামোলো বেচ কড়া।
अस़मिया मानुहर साह बेस कढ़ा। अस़मर दोइ बर सोआद। अस़मर तामोलो बेस कढ़ा।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
খাওক	खाओक	(आप) खाइए
লওক	लओक	(आप) लीजिए
যাওক	जाओक	(आप) जाइए
কৰক	करक	(आप) कीजिए

মানুহৰ मानुहर लोग का (मनुष्य का)

अभ्यास

I. **रिक्त स्थान में सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।**

জৈন ডাঙৰীয়া, চাহৰ মেজত ________ ।

जॅइन दाङरीया, साहर मेजत ________।

বিমলা পোষ্ট অফিচলৈ ________ ।

बिमला पोष्ट अफिसलोइ ________।

দৈ ৰঞ্জিতৰ ________ প্ৰিয়।

दोइ रंजितर ________ प्रिय।

কোমল চাউল________ জলপান।

कोमल साउल ________ जलपान।

অসমৰ তামোল বেচ ________ ।

असमर तामोल बेस ________ ।

II. **ऊपर दिए गए परिच्छेद में आए नये शब्दों को रेखांकित कीजिए।**

III. **हिंदी में अनुवाद कीजिए।**

মোৰ নাম বিজয় মালহোত্ৰা। মোৰ ভনীৰ নাম গীতা। নাৰিকলৰ লাৰু গীতাৰ প্ৰিয়।

मोर नाम बिजय मालहोत्रा। मोर भनीर नाम गिता। नारिकलर लारु गितार प्रिय।

প্ৰদীপ মোৰ সৰু ভাই। তিলৰ পিঠা প্ৰদীপৰ বৰ পছন্দ।

प्रदिप मोर सरु भाइ। तिलर पिठा प्रदिपर बर पसंद।

IV. **असमिया में अनुवाद कीजिए।**

मैं रामपुर में ग्राम-सेवक हूँ। यह मेरा छोटा भाई है। यह फुटबाल का खिलाड़ी है। यह मेरी बेटी रीता है। इसे रस-मलाई पसंद है।

टिप्पणियाँ

1. आपूनि (आपुनि) : असमिया भाषा में मध्यम पुरुष के तीन रूप होते हैं। अपरिचित एवं सम्मानित लोगोंको 'आपुनि' कहते हैं। यह हिन्दी के 'आप' का प्रतिरूप है। 'आपुनि' के साथ आज्ञावाची क्रिया पद में व्यंजनांत शब्दों के साथ -অক (-अक) और अन्य स्थनों पर -ওক (-ओक) प्रत्यय लगता है। जैसे -

आह	+	-अक	>	आहक	आइए
कर	+	-अक	>	करक	कीजिए
खा	+	-ओक	>	खाओक	खाइए
जा	+	-ओक	>	जाओक	जाइए

2. संबंध विभक्ति : संबंध पद बनाने के लिए असमिया में दो विभक्तियोंका प्रयोग किया जाता है। व्यंजनांत शब्दों के साथ -অৰ (-अर) और स्वरांत शब्दों के साथ -ৰ (-र) जोड़ा जाता है। जैसे --

চাহ	+	-অৰ	>	চাহৰ	साह	+	-अर	>	साहर
নাৰিকল	+	-অৰ	>	নাৰিকলৰ	नारिकल	+	-अर	>	नारिकलर
গাওঁ	+	-ৰ	>	গাঁৱৰ	गाओँ	+	-र	>	गाँओंर
ভনী	+	-ৰ	>	ভনীৰ	भनी	+	-र	>	भनीर

लेकिन पुरुष वाचक सर्वनामों के साथ इस प्रत्यय को जोड़ते समय सर्वनाम शब्दोंका रूप बदल जाता है। जैसे --

মই	+	-ৰ	>	মোৰ	मइ	+	-र	>	मोर
আপুনি	+	-ৰ	>	আপোনাৰ	आपुनि	+	-र	>	आपोनार

3. अधिकरण विभक्ति : अधिकरण कारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -অত (-अत) और स्वरांत शब्दों के साथ -ত (-त) जोड़ा जाता है। जैसे --

মেজ	+	-অত	>	মেজত	मेज	+	-अत	>	मेजत
ভিতৰ	+	-অত	>	ভিতৰত	भितर	+	-अत	>	भितरत

চাহখিনি+ -ত > চাহখিনিত साहखिनि + -त > साहखिनित

4. এওঁ (एओं) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष में भी तीन प्रकार होते हैं -- सम्मानित, समान और कनिष्ठ। बराबरी के व्यक्ति को এওঁ (एओं) कहते हैं। এওঁ पुरुष, स्त्री दोनों के लिए प्रयोग किया जाता है।

5. স্প (इ), এম্প (एइ) : असमिया भाषा में अन्य पुरुष कनिष्ठ व्यक्तियों के लिए -স্প (-इ) और

-এম্প (-एइ) का प्रयोग किया जाता है। স্প (इ) पुरुष वाचक और এম্প (एइ) स्त्री वाचक है।

6. बहुवचन विभक्ति : असमिया में बहुवचन बनाने के लिए अनेक विभक्तियों का प्रयोग होता है इस में से अधिक प्रयोग में आनेवाली विभक्ति होती है -বোৰ (-बोर)।

লাৰু + -বোৰ > লাৰুবোৰ लारु + -बोर > लारुबोर

পিঠা + -বোৰ > পিঠাবোৰ पिठा + -बोर > पिठाबोर

মেজ + -বোৰ > মেজবোৰ मेज + -बोर > मेजबोर

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों का प्रयोग किया गया है। संज्ञा के साथ दूसरी संज्ञा जोड़कर असमिया में वाक्य बनाना संभव है जबकि हिंदी में ऐसे वाक्यों में 'होना' क्रिया का प्रयोग करना ज़रुरी है। विद्यार्थियों को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए। इसके अलावा इसी पाठ में आज्ञावाची क्रियारूप का भी प्रयोग सिखाया गया है। लकिन इसका प्रयोग मध्यम पुरुष (आदरार्थ) में ही सीमित रखा गया है।

8. কোমল চাউল (कोमल साउल) : एक तरह का चावल। यह पानी में रखने से पक जाता है और दूध, दही के साथ खाया जाता है।

9. তামোল (तामोल) का व्यवहार : असमिया समाज में তামোল (तामोल) का स्थान बहुत महत्त्वपूर्ण है। अतिथियों को चाय जलपान के बाद पान का पत्ता और चूने के साथ कच्ची सुपारी दी जाती है। इसको 'तामोल' कहते हैं। शादी जैसे सामाजिक अवसर में निमंत्रण देने के लिए या ज्येष्ठ व्यक्तियों को सम्मानित करने के लिए 'तामोल पान' का व्यवहार किया जाता है।

পাঠ
पाठ **2**

কৃষি বিষয়াৰ লগত

মুকুন্দ, মহেশ্বৰ আদি : নমস্কাৰ, মহাশয়।
मुकुन्द, महेश्वर आदि : नमस्कार महाशय।

আমি মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।
आमि मधुपुर गाआँर मानुह।

জৈন : আহা, ভিতৰলৈ আহা।
जॅइन : आहा, भितरलोइ आहा।

মুকুন্দ : মই মুকুন্দ মালাকৰ। মোৰ ধানৰ
मुकुन्द : मोइ मुकुन्द मालाकर। मोर धानर

খেতি আছে। অলপ ভাল বীজ
खेति आसे। अलप भालो बीज

দিয়ক।
दियक।

জৈন : নবীন, এওঁক অলপ পুচা ধানৰ
जॅइन : नवीन, एआँक अलप पुसा धानर

বীজ দে। আৰু আপুনি ?
बीज दे। आरु आपुनि ?

মহেশ্বৰ : মই মহেশ্বৰ। মোৰ শাক পাচলিৰ
महेश्वर : मोइ महेश्वर। मोर श़ाक पासोलिर

খেতি আছে। মোৰ বাৰীত বহুত
खेति आसे। मोर बारीत बहुत

পোক পৰুৱা।

कृषि अधिकारी के साथ

मुकुंद, महेश्वर आदि : नमस्कार श्रीमान्। हम मधुपुर गाँव के लोग हैं।

जैन : आओ, अंदर आ जाओ।

मुकुंद : मैं मुकुंद मालाकर हूँ। मेरे पास धान की खेती है। थोड़ा सा अच्छा बीज दे दीजिए।

जैन : नवीन, इनको थोड़ा पुसा धान का बीज दे दे। और आप?

महेश्वर : मैं महेश्वर हूँ। मेरे पास साग सब्जी की काफ़ी खेती है। मेरी बाड़ी में कीड़े मकोड़े बहुत (हो गए) हैं।

पोक परुवा।

জৈন : নবীন, এওঁক অলপ কীটনাশক
जॅंइन : नवीन, एओंक अलप कीटनासक

দে। আৰু তোমাক ?
दे। आरु तोमाक?

मशारथ : মোক কিছু সাৰ দিয়ক। মোৰ পান,
महारथ : मोक किसु स़ार दियक। मोर पान,

তামোল, নেমু আৰু সৰিয়হৰ খেতি
तामोल, नेमु आरु स़रियहर खेति

আছে।
आसे।

জৈন : বৰ ভাল কথা। এইবোৰ বৰ লাভ-
जॅंइन : बर भाल कथा। एइबोर बर लाभ-

জনক খেতি। নবীন, এওঁক ইউৰীয়া
जनक खेति। नवीन, एआँक युरीया

এমোনা দে।
एमोना दे।

মহেশ্বৰ : মহাশয়, আপুনি এবাৰ আমাৰ
महेश्वर : महाश़य, आपुनि एबार आमार

গাওঁলৈ আহক।
गाआँलोइ आहक।

জৈন : ঠিক আছে, ঠিক আছে। এইবোৰ
जॅंइन : ठीक आसे, ठिक आसे। एइबोर

जैन : नवीन इन्हें थोड़ा-सा कीटनाशक (दवाई) दे दे। और तुम्हें ?

महारथ : मुझको थोड़ी खाद दे दीजिए। मेरी पान, सुपारी, नींबू और सरसों की खेती है।

जैन : बड़ी अच्छी बात है। यह बड़ी लाभजनक खेती है। नवीन, इनको यूरिया की एक बोरी दे दे।

महेश्वर : महाशय, आप एकबार हमारे गाँव आइए।

जैन : ठीक है, ठीक है। ये बीज, खाद और कीटनाशक विषयक किताबें हैं। दो चार तुमलोग ले लो।

বীজ, সাৰ আৰু কীটনাশক
बीज, स़ार आरु कीटनास़क
বিষয়ৰ কিতাপ। তোমালোকে দুষ্প
बिस़यर किताप। तोमालोके दुई
চাৰিখন নিয়া।
सारिखन निया।

सभीलोग : धन्यवाद।

সকলোৱেঃ ধন্যবাদ!
सकलुए : धन्यबाद!

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
আমি	आमि	हम (लोग)
আহা	आहा	(तुम) आओ
ধানৰ	धानर	धान का
খেতি	खेति	खेती
আছে	आसे	है
অলপ	अलप	थोड़ा, अल्प
দিয়ক	दियक	दीजिए / दें
দে	दे	(तू) दे
শাক পাচলিৰ	स़ाक पासोलिर	साग सब्जी की
বাৰীত	बारीत	बाड़ी में
পোক পৰুৱা	पोक परुवा	कीड़े-मकौड़े
ঔষধ	औस़ध	दवाई
সাৰ	स़ार	खाद

পান	पान	पान
তামোল	तामोल	पान
নেমু	नेमु	नींबू
সৰিয়হ	स़रियह	सरसो
কথা	कथा	बात, बातचीत
এমোনা	एमोना	एक बोरी
এবাৰ	एबार	एक बार
দুম্প	दुइ	दो
চাৰি	सारि	चार

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

তোমালোকে নিয়া। (কিতাপ)
तोमालोके निया। (किताप)

→ তোমালোকে কিতাপ নিয়া। (কেম্পখন)
तोमालोके किताप निया। (केइखन)

→ তোমালোকে কিতাপ কেম্পখন নিয়া।
तोमालोके किताप केइखन निया।

1. তোমালোক আহা (ভিতৰলৈ)
   तोमालोक आहा (भितरलोइ)

2. আপুনি দিয়ক (অলপ ̈কা)
   आपुनि दियक (अलप टका)

3. তম্প দে (কীনাশক)
   तोइ दे (कीटनास़क)

4. আপুনি আহক (গাওঁলৈ, আমাৰ)
आपुनि आहक (गाँउलोइ, आमार)

5. তুমি দিয়া (তামোল)
तुमि दिया (तामोल)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) আহা, ভিতৰলৈ আহা।
आहा, भितरलोइ आहा।

→ আহক, ভিতৰলৈ আহক।
आहक, भितरलोइ आहक।

1. মোক অলপ বীজ দে।
मोक अलप बीज दे।

2. এওঁক অলপ কীটনাশক দে।
एऑंक अलप कीटनास़क दे।

3. মহাৰথক কিছু সাৰ দে।
महारथक किसु स़ार दे।

4. এবাৰ আমাৰ গাওঁলৈ আহ।
एबार आमार गाऑंलोइ आह।

5. জলপান আৰম্ভ কৰ।
जलपान आरम्भ कर।

6. তোমালোকে দুষ্প চাৰিখন লোৱা।
तोमालोके दुइ सारिखन लोवा।

(ख) মোৰ ধানৰ খেতি।
मोर धानर खेति।

→ মোৰ ধানৰ খেতি আছে।
मोर धानर खेति आसे।

1. মহেশ্বৰৰ শাক পাচলিৰ খেতি।
महेश्वरर स़ाक पासोलिर खेति।

2. বাৰীত বহুত পোক পৰুৱা।
बारीत बहुत पोक परुवा।

3. মহাৰথৰ পান তামোলৰ খেতি।
महारथर पान तामोलर खेति।

4. এওঁৰ বাৰীত বহুত সৰিয়হ।
एऑर बारीत बहुत सरियह।

5. জৈনৰ ঘৰত বহুত কিতাপ।
जॅइनर घरत बहुत किताप।

III. बहुवचन रूप बनाइए।

उदाहरण :

এম্প
एइ

→ এম্পবোৰ

एइबोर

1. ধান
   धान
2. মানুহ
   मानुह
3. শাক পাচলি
   स़ाक पासोलि
4. পোক পৰুৱা
   पोक परुवा
5. নেমু
   नेमु
6. বীজ
   बीज

IV. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

মই মধুপুৰ ________ মানুহ। (गाँव का)
मोइ मधुपुर ________ मानुह।

→ মই মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ।
मोइ मधुपुर गाओँर मानुह।

1. আহা, ________ আহা। (भीतर)
   आहा, ________ आहा।
2. মোৰ ________ খেতি আছে। (धान की)
   मोर ________ खेति आसे।
3. নবীন ________ অলপ সাৰ দে। (उनको)
   नबीन ________ अलप स़ार दे।
4. আপুনি আমাৰ গাওঁলৈ এবাৰ ________। (आइए)
   आपुनि आमार गाओँलोइ एबार ________ ।
5. এইবোৰ কীটনাশক ________ কিতাপ। (विषय की)
   एइबोर कीटनास़क ________ किताप।

V. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

আপুনি ভিতৰলৈ আহক।
आपुनि भितरलोइ आहक।

(তোমালোক)
(तोमालोक)

→ তোমালোক ভিতৰলৈ আহা।
तोमालोक भितरलोइ आहा।

1. আপুনি আৰম্ভ কৰক।
आपुनि आरम्भ करक।

(তোমালোকে)
(तोमालोके)

(মহেশ্বৰে)
(महेश्वरे)

(তই)
(तोइ)

(মুকুন্দই)
(मुकुन्दइ)

(মহাৰথে)
(महारथे)

2. মোৰ পান তামোলৰ খেতি আছে।
मोर पान तामोलर खेति आसे।

(সৰিয়হ)
(सृरियह)

(ধান)
(धान)

3. মোক অলপ সাৰ দিয়ক।
मोक अलप सार दियक।

(এওঁ)
(एओं)

(মহাৰথ)
(महारथ)

(মুকুন্দ)
(मुकुंद)

(ককাইদেউ)
(ककाइदेउ)

(ভাই)
(भाई)

4. মহাৰথক এমোনা সাৰ দিয়ক।
महारथक एमोना सार दियक।

(ঔষধ)
(औषध)

(সৰিয়হ)
(सृरियह)

(শাক পাচলি) (কীটনাশক)
(स़ाक पासोलि) (कीटनास़क)

(নেমু) (ধান)
(नेमु) (धान)

(নাৰিকল) (কিতাপ)
(नारिकल) (किताप)

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

মানুহ মুকুন্দ গাৱৰ মধুপুৰ
मानुह मुकुन्द गावर मधुपुर

→ মুকুন্দ মধুপুৰ গাৱৰ মানুহ।
मुकुन्द मधुपुर गावर मानुह।

1. আছে খেতি মহেশ্বৰৰ শাক-পাচলিৰ
   आसे खेति महेश्वरर स़ाक-पासलिर
2. পোকপৰুৱা বাৰীত আছে বহুত শাক-পাচলিৰ
   पोकपरुवा बारीत आसे बहुत स़ाक-पासलिर
3. মহৰথৰ আছে খেতি আৰু সৰিয়হৰ তামোল নেমু
   महारथर आसे खेति आरु स़रियहर तामोल नेमु
4. আহক আপুনি মহাশয় গাৱলৈ আমাৰ এবাৰ
   आहक आपुनि महास़य गावलोइ आमार एबार

पढ़िए और समझिए।

আধুনিক খেতি (आधुनिक खेति)

মুকুন্দ মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ। তেওঁৰ শাক পাচলিৰ খেতি আছে। তেওঁৰ খেতিৰ ফচল

মুকুন্দ মধুপুৰ গাওঁৰ মানুহ। তেওঁৰ শাক পাচলিৰ খেতি আছে। তেওঁৰ খেতিৰ ফচল বহুত। গতিকে তেওঁৰ উপাৰ্জনো ভালেখিনি।

मुकुन्द मधुपुर गाओंर मानुह। तेओंर स़ाक पासोलिर खेति आसे। तेओंर खेतिर फसल बहुत। गतिके तेओंर उपार्जनो भालेखिनि।

যোগেন নগৰৰ মানুহ। তেওঁৰ এখন সাৰৰ দোকান আছে। দোকানত কীটনাশক আছে।

जोगेन नगरर मानुह। तेओंर एखन स़ारर दोकान आसे। दोकानत कीटनास़क आसे।

তেওঁক অলপ টকা লাগে। তেওঁক এখন বিপনি লাগে। এখন পুৰণি গাড়ীও লাগে।

तेओंक अलप तका लागे। तेओंक एखन बिपनि लागे। एखन पुरनि गाड़ीओ लागे।

ৰজত, তুমি কিতাপ দুখন নিয়া। ঘৰত ভালকৈ পঢ়া। কিতাপৰ মতে সাৰ দিয়া।

रजत, तुमि किताप दुखन निया। घरत भालकोइ पढ़ा। कितापर मते स़ार दिया।

কীটনাশক ব্যৱহাৰ কৰা। ভাল বীজ প্ৰয়োগ কৰা। ফচল ওচৰৰ সমবায়ত দিয়া।

कीतनास़क ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। फसल ओसरर स़मबायत दिया।

নবীন, তম্প এম্প বীজবোৰ নে। এওঁক এবস্তা ধান দে। আমালৈ অলপ চাহ কৰ। এম্প পিঠাবোৰ নে। চাহৰ লগত দে। তয়ো অলপ চাহ খা।

नबीन, तोइ एइ बीजबोर ने। एओंक एबस्ता धान दे। आमालोइ अलप साह कर। एइ पिठाबोर ने। साहर लगत दे। तयो अलप साह खा।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
ফচল	फसल	फसल
উপাৰ্জন	उपार्जन	उपार्जन
ভালেখিনি	भालेखिनि	पर्याप्त
নগৰৰ	नगरर	नगर का
বিপনি	बिपनि	दुकान
পুৰণি	पुरणि	पुराना

দোকান	दोकान	दुकान
ঘৰত	घरत	घर में
ভালকৈ	भालकोइ	अच्छी तरह
মতে	मते	के अनुसार
ব্যৱহাৰ	ब्यवहार	व्यवहार
ওচৰৰ	ओसरर	पास का
সমবায়	स़मवाय	समवाय, सहकारी
এবস্তা	एबस्ता	एक बोरी
লগত	लगत	के साथ
খা	खा	खाना

अभ्यास

I. सही शब्द भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

মুকুন্দ মধুপুৰ ______ মানুহ।
मुकुन्द मधुपुर ______ मानुह।

তেওঁৰ খেতিৰ ______ বহুত।
तेओंर खेतिर ______ बहुत।

যোগেনৰ এখন সাৰৰ ______ আছে।
जोगेनर एखन स़ारर ______ आसे।

তুমি কিতাপ ______ নিয়া।
तुमि किताप ______ निया।

কিতাপ ______ পঢ়া।
किताप ______ पढ़ा।

আমালৈ অলপ চাহ ________________ ।
आमालोइ अलप साह __________ ।

চাহৰ লগত পিঠা _____________ ।
साहर लगत पिठा ________ ।

তয়ো অলপ _________________ খা।
तयो अलप _____________ खा।

II. बहुवचन रूप बनाइए :

এইপ एइ	বস্তা बस्ता	ফচল फसल
লাৰু लारु	কিতাপ किताप	দোকান दोकान

III. वाक्य बनाइए :

ফচল, বিপনি, ভালেখিনি
फसल, बिपनि, भालेखिनि

ভালকৈ, মতে, লগা, পুৰণি
भालकोइ, मते, लगा, पुरनि

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

তুমি শাক-পাচলিৰ খেতি কৰা। খেতিত ভালকৈ সাৰ দিয়া। খেতিত কীটনাশক
तुमि स़ाक-पास़लिर खेति करा। खेतित भालकोइ सार दिया। खेतित कीटनास़क
ব্যৱহাৰ কৰা। ভাল বীজ প্ৰয়োগ কৰা। আজিকালি শাক-পাচলিৰ খেতিত বৰ লাভ।
ब्यवहार करा। भाल बीज प्रयोग करा। आजिकालि स़ाक-पास़लिर खेतित बर लाभ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं गाँव में रहता हूँ। गाँव में मेरी साग-सब्जी की दुकान है। दुकान में मैं कीटनाशक दवाएँ भी रखता हूँ। त्योहारों पर खिलौने आदि भी रखता हूँ। मेरे पास एक साइकिल भी है। मैं आसपास के गाँवों में जाता हूँ। वहाँ भी सामान बेचता हूँ।

VI. कृषि अधिकारी के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. तूमि (तुम) : मध्यम पुरुष एक वचन का समानार्थक रूप है। जो व्यक्ति मित्र स्थानीय होते हैं उनको 'तूमि' (तुमि) कहा जाता है। 'तूमि' (तुमि) के साथ जो क्रिया प्रयोग में आती है उसमें वर्तमान काल एवं भविष्य काल में -আ (-आ) जोड़ा जाता है। जैसे --

তুমি কৰ + -আ > কৰা	तुमि कर + -आ > करा
তুমি আন + -আ > আনা	तुमि आन + -आ > आना

लेकिन अकारांत और आकारांत धातु के '-अ', '-आ' का रूप '-ओ' हो जाता है। जैसे --

তুমি খা + -আ > খোৱা	तुमि खा + -आ > खोवा
তুমি ক + -আ > কোৱা	तुमि क + -आ > कोवा

2. সম্প্ৰদান কাৰক (सम्प्रदान कारक) : जब किसी स्थानवाचक शब्द में 'आना' और 'जाना' क्रिया का प्रयोग होता है तब स्थानवाचक व्यंजनांत शब्दों के साथ -অলৈ (-अलोइ) और स्वरांत शब्दों के साथ -লৈ (-लोइ) जोड़ा जाता है। जैसे --

ভিতৰ + -অলৈ > ভিতৰলৈ	भितर + -अलोइ > भितरलोइ
ঘৰ + -অলৈ > ঘৰলৈ	घर + -अलोइ > घरलोइ
বাৰী + -লৈ > বাৰীলৈ	बारी + -लोइ > बारीलोइ

3. কৰ্মকাৰক (कर्मकारक) : कर्मकारक के लिए व्यंजनांत शब्दों के साथ -অক (-अक) और स्वरांत शब्दों के साथ -ক (-क) जोड़ा जाता है। जैसे --

জৈন + -অক > জৈনক   जैन् + -अक > जैनक

মুকুন্দ + -অক > মুকুন্দক   मुकुन्द + -अक > मुकुन्दक

परन्तु व्यक्तिवाचक सर्वनाम के कर्मकारक में कुछ परिवर्तन होते हैं। जैसे --

মম্প + -ক > মোক   मइ + -क > मोक

তুমি + -ক > তোমাক   तुमि + -क > तोमाक

আপুনি + -ক > আপোনাক   आपुनि + -क > आपोनाक

তম্প + -ক > তোক   तोइ + -क > तोक

4. ক্রিয়া বিভক্তি -এ (क्रिया विभक्ति - ए) : वर्तमान काल में अन्य पुरुष की विभक्ति -এ (-ए) है। अकारांत और आकारांत शब्दों के साथ यह -য় (-य) रूप में जोड़ी जाती है। जैसे --

তেওঁ আছ + -এ > আছে   तेओं आस + -ए > आसे

তেওঁ কৰ + -এ > কৰে   तेओं कर + -ए > करे

জৈনে ক + -এ > কয়   जैने क + -ए > कय

ৰামে খা + -এ > খায়   रामे खा + -ए > खाए

5. তম্প (तू) : मध्यम पुरुष का तुच्छार्थक रूप তম্প (तू) होता है। তম্প (तू) के साथ अनुज्ञा भाव में जो क्रिया जोड़ी जाती है, उसमें खाली धातु होती है। जैसे --

তম্প দে।   तोइ दे।

তম্প আহ।   तोइ आह।

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य की संरचना के बारे में) : इस पाठ में क्रियाहीन वाक्यों की पुनरावृत्ति की गई है। इसके अलावा मध्यम पुरुष के तुच्छार्थक और आदरसूचक रूप के

साथ अनुज्ञा क्रिया के रूपों का प्रयोग दिखाया गया है। साथ ही व्यक्तिवाचक और निर्देशात्मक (संकेतार्थक) सर्वनामों के बहुवचन का रूप भी सिखाया गया है।

পাঠ
पाठ 3

প্ৰিয় ছাত্ৰৰ লগত

চেটাৰ্জী : হেৰ’ প্ৰেমকুমাৰ।
चेटार्जी : हेरो! प्रेमकुमार।

প্ৰেম : নমস্কাৰ চাৰ। আপোনাৰ ভাল নে?
प्रेम : नमस्कार सार। आपोनार भाल ने?

চেটাৰ্জী : এম্প আছোঁ আৰু। তম্প আজিকালি
चेटार्जी : एइ आसौँ आरु। तोइ आजिकालि
কি কৰ ?
कि कर्अ?

প্ৰেম : মম্প ব্যৱসায় কৰোঁ।
प्रेम : मोइ व्यवसाय करौँ।

চেটাৰ্জী : তোৰ দোকান ক’ত?
चेटार्जी : तोर दोकान कोत?

প্ৰেম : মোৰ দোকান নাম্প চাৰ! মম্প
प्रेम : मोर दोकान नाइ सर! मोइ
বাৰানসীত ৰেসমী শাড়ী লওঁ।
बारानसीत रेसमी सारी लऔँ।
সেম্পবোৰ অসমত বিক্ৰি কৰোঁ।
सेइबोर असमत बिक्रि करौँ।
অসমৰ পৰা চাহপাত, বাঁহ-বেতৰ
असमर परा साहपात, बाँह-बेतर

प्रिय छात्र के साथ

चटर्जी : अरे! प्रेमकुमार!

प्रेम : नमस्कार सर। आप अच्छे हैं?

चटर्जी : ठीक ही हूँ। और तुम आजकल क्या कर रहे हो?

प्रेम : मैं व्यवसाय कर रहा हूँ।

चटर्जी : तुम्हारी दुकान कहाँ है?

प्रेम : मेरी दुकान नहीं है, सर। मैं वाराणसी से रेशमी साड़ी लेता हूँ। उन्हें असम में बेचता हूँ। असम से चाय की पत्ती, बाँस-बेंत की चीजें ले आता हूँ। (उन्हें) बाराणसी में बेचता हूँ। कभी कभी अच्छा लाभ हो जाता है। कभी कभी नुकसान उठाता हूँ। सर, क्या आप अभी भी कहानियाँ लिखते हैं?

বস্তু আনোঁ। বাৰানসীত

বিক্ৰি

बस्तु आनौँ। बारानसीत

बिक्रि

কৰোঁ। কেতিয়াবা ভাল লাভ
करौँ। केतियाबा भाल लाभ

হয়। কেতিয়াবা লোকচান
हय। केतियाबा लोकसान

ভৰোঁ। চাৰ, আপুনি

এতিয়াও
भरौँ। सर, आपुनि एतियाओ

গল্প লিখে নে?
गल्प लिखे ने?

চেটাৰ্জী : মাজে মাজে লিখোঁ। পিছে

প্ৰকাশক
चेटार्जी : माजे माजे लिखौँ। पिसे प्रकास़क

নাম্প। গল্পবোৰ পৰি আছে। তোৰ
नाइ। गल्पबोर परि आसे। तोर

কোনো চিনাকি প্ৰকাশক নাম্প

নে?
कोनो सिनाकि प्रकास़क नाइ ने?

প্ৰেম : আছে। পিছে তেওঁৰ ধন নাম্প।
प्रेम : आसे। पिसे तेऔँर धन नाइ।

পাণ্ডুলিপিটো মম্প এবাৰ চাব
पांडुलिपिटो मोइ एबार साब

পাৰোঁনে?
पारौँने?

চেটাৰ্জী : তেনেহলে তম্প তেওঁক পম্পছা

দে।
चेटार्जी : तेनेहले तोइ तेऔँक पइसा दे।

चटार्जी : कभी कभी लिखता हूँ। पर प्रकाशक नहीं (मिलता)। कहानियाँ पड़ी हुई हैं। तुम्हारा कोई जान-पहचान का प्रकाशक नहीं है क्या?

प्रेम : है तो सही। पर उनके पास धन नहीं है। क्या मैं पांडुलिपि को एकबार देख सकता हूँ?

चटार्जी : ऐसा है तो तुम उनको पैसा दे दो। वह छापे।

प्रेम : (अच्छा) देखता हूँ।

चटर्जी : तुम मेरे साथ आओ। पांडुलिपिको देख लो।

তেওঁ ছপাওক।
तेऔं सपाओक।

প্ৰেম : চাওঁচোন।
प्रेम : साऔंसोन।

চৌার্জী : তম্প মোৰ লগত আহ।

পাণ্ডুলিপি-
चेटार्जी : तोइ मोर लगत आह। पांडुलिपि-

টো চাহি।
टो साहि।

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
হেৰ'	हर्अ	अरे, हे
আপোনাৰ	आपोनार	आपका
নে	ने	प्रश्नवाची अव्यय
আছোঁ	आसौं	हूँ
তম্প	तोइ	तू/तुम
আজিকালি	आजिकालि	आजकल
কৰ	कर्अ	(तू) करना
ব্যৱসায়	व्यवसाय	व्यवसाय
কৰোঁ	करौं	करता हूँ
দোকান	दोकान	दुकान
ক'ত	कोत	कहाँ
নাম্প	नाइ	नहीं
ৰেচমী	रेसमी	रेशमी
	सेइबोर	वे सब भी

সেম্পবোৰ		
বিক্ৰি কৰোঁ	बिक्रि करौँ	बेचता हूँ
তাৰ পৰা	तार परा	वहाँ से
চাহপাত	साहपात	चाय की पत्ती
বাঁহ	बाँह	बाँस
বেঁতৰ	बैंतर	बेंत की
বস্তু	बस्तु	वस्तु
আনোঁ	आनौँ	लाता हूँ
মাজে মাজে	माजे माजे	कभी-कभी
লাভ	लाभ	लाभ
লোকচান	लोकसान	नुकसान
ভৰোঁ	भरौँ	उठाता हूँ
এতিয়াও	एतियाओ	अभी भी
গল্প	गल्प	कहानियाँ
লিখে	लिखे	लिखता है
লিখোঁ	लिखौँ	लिखता हूँ
পিছে	पिसे	पर
প্ৰকাশক	प्रकास़क	प्रकाशक
পৰি আছে	परि आसे	पड़ी है
কোনো	कोनो	कोई
চিনাকি	सिनाकि	परिचित
পম্পছা	पइसा	पैसा, धन
পাণ্ডুলিপি	पांडुलिपि	पांडुलिपि
এবাৰ	एबार	एक बार
চাওঁ	साऔँ	(मैं) देखूँ
তেনেহলে	तेनेहले	तब, ऐसा है तो
ছপাওক	सपाओक	छपाए, छपाने दो
	साऔँसोन	देखता हूँ
	आह	(तू) आ
	साहि	तू आ और देख

চাওঁচোন

আহ

চাহি

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) তম্প আজিকালি কি কৰ ?
तोइ आजिकालि कि कर्अ?

→ তুমি আজিকালি কি কৰা ?
तुमि आजिकलि कि करा?

1. তম্প তাত কি কৰ ?
तोइ तात कि कर्अ?

2. তম্প কি বিক্ৰি কৰ ?
तोइ कि बिक्रि कर्अ?

3. তম্প তাৰপৰা কি আন ?
तोइ तारपरा कि आन्अ?

4. তম্প মোৰ লগত আহ।
तोइ मोर लगत आह।

5. আপুনি গল্প লিখে নে ?
आपुनि गल्प लिखे ने?

(ख) মোৰ দোকান আছে।
मोर दोकान आसे।

→ মোৰ দোকান নাম্প।
मोर दोकान नाइ।

1. মোৰ ব্যৱসায় আছে।
मोर व्यवसाय आसे।

2. মোৰ ধানৰ খেতি আছে।
मोर धानर खेति आसे।

3. মোৰ ৰেচমী শাড়ী আছে।
मोर रेसमी स़ारी आसे।

4. তেওঁৰ প্ৰকাশক আছে।
तेआँर प्रकास़क आसे।

5. তেওঁৰ চিনাকি মানুহ আছে।
तेआँर सिनाकि मानुह आसे।

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

उदाहरण :

প্ৰেমকুমাৰে কি কৰে ?
प्रेमकुमारे कि करे?

→ প্ৰেমকুমাৰে ব্যৱসায় কৰে।
प्रेमकुमारे व्यवस़ाय करे।

1. প্ৰেমকুমাৰৰ ভাল নে ?
प्रेमकुमारर भाल ने?

2. প্ৰেমকুমাৰে অসমত কি বিক্ৰি কৰে ?
प्रेमकुमारे अस़मत कि बिक्रि करे?

3. প্ৰেমকুমাৰে অসমৰ পৰা কি আনে ?
प्रेमकुमारे अस़मर परा कि आने?

4. চেটাৰ্জীৰ গল্পবোৰ কি হৈছে ?
चेटार्जीर गल्पबोर कि होइसे?

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से वाक्यों को पूरा कीजिए।

उदाहरण :

চাৰ ________ ভাল নে ? (आपका)
सार ________ भाल ने?

→ চাৰ আপোনাৰ ভাল নে ?
सार आपोनार भाल ने?

1. তম্প অসমত কি ________ ? (कर)
तोइ अस़मत कि ________?

2. প্ৰেম, ________ দোকান ক'ত ? (तू)
प्रेम, ________ दोकान को'त?

3. মম্প ________ চাহপাত আনোঁ। (असम से)
मइ ________ साहपात आनो।

4. মম্প কেতিয়াবা ________ ভৰোঁ। (नुकसान)
मइ केतियाबा ________ भरोँ।

5. মোৰ ________ পৰি আছে। (कहानियाँ)

मोर ________ परि आसे।

IV. **उदाहरण के अनुसार वाक्य में कर्तापद जोड़कर नया वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :

বানাৰসত ৰেচমী শাড়ী লওঁ।
बानारसत रेसमी स़ारी लआँ।

→ মই বানাৰসত ৰেচমী শাড়ী লওঁ।
मोइ बानारसत रेसमी स़ारी लआँ।

1. সেইবোৰ অসমত বিক্ৰি কৰোঁ।
सेइबोर अस़मत बिक्रि करौँ।

2. অসমৰ পৰা বাঁহৰ বস্তু আনোঁ।
अस़मर परा बाँहर बस्तु आनौँ।

3. কেতিয়াবা লোকচান ভৰোঁ।
केतियाबा लोकसान भरौँ।

4. এতিয়াও গল্প লিখে নে ?
एतियाओ गल्प लिखे ने?

5. কেতিয়াবা গল্প লিখোঁ।
केतियाबा गल्प लिखौँ।

6. পাণ্ডুলিপিটো চাহি।
पांडुलिपिटो साहि।

V. **उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्य में 'চোন' (सोन) या 'হি' (हि) प्रयोग कर नया वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :

(ক) মই পাণ্ডুলিপিটো চাওঁ।
मोइ पांडुलिपिटो साआँ।

→ মই পাণ্ডুলিপিটো চাওঁচোন।

(খ) তই পাণ্ডুলিপিটো চা।
तोइ पांडुलिपिटो सा।

→ তই পাণ্ডুলিপিটো চাহি।

मोइ पांडुलिपिटो साओँसोन।

1. তম্প শ্পয়াত বহ।
   तइ इयात बह।
2. তোমালোক ভিতৰলৈ আহা।
   तोमालोक भितरलोइ आहा।
3. আপুনি লিখক।
   आपुनि लिखक।
4. মম্প শাড়ী আনোঁ।
   मोइ स़ारी आनोँ।
5. মম্প পাণ্ডুলিপিটো চাওঁ।
   मोइ पांडुलिपिटो साओँ।

तोइ पांडुलिपिटो साहि।

1. তম্প তেওঁক কিতাপখন দে।
   तोइ तेओँक कितापखन दे।
2. তম্প ভিতৰত বহ।
   तोइ भितरत बह।
3. তুমি পাণ্ডুলিপিটো চোৱা।
   तुमि पांडुलिपिटो सोवा।
4. তোমালোকে সাৰ নিয়া।
   तोमालोके स़ार निया।
5. আপুনি চাহ খাওক।
   आपुनि साह खाओक।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

কেতিয়াবা লাভ হয় ভাল
केतियाबा लाभ हय भाल

→ কেতিয়াবা ভাল লাভ হয়।
केतियाबा भाल लाभ हय।

1. কৰে চৌধুৰীয়ে বিক্ৰী কাপোৰ অসমত
   करे सौधुरीये बिक्रि कापोर अस़मत
2. মাষ্টৰ স্কুলৰ ভায়েক প্ৰেমকুমাৰৰ
   मास्तर स्कुलर भायेक प्रेमकुमारर
3. নাম্পনে প্ৰকাশক চিনাকি তোৰ কোনো
   नाइने प्रकास़क सिनाकि तोर कोनो
4. চাব পাণ্ডুলিপিটো পাৰোঁনে এবাৰ মম্প
   साब पांडुलिपिटो पारोँने एबार मोइ

पढ़िए और समझिए।

বাণিজ্যত লক্ষ্মী (बाणिज्यत लक्ष्मी)

প্ৰেমকুমাৰে ব্যৱসায় কৰে। তেওঁ অসমত শাড়ী বিক্ৰি কৰে। তেওঁ কানপুৰত বাঁহ-বেতৰ

प्रेमकुमारे व्यवसा़य करे। तेआँ अस़मत स़ारी बिक्रि करे। तेआँ कानपुरत बाँह-बेतर

বস্তু বিক্ৰি কৰে। তেওঁৰ অৱস্থা এতিয়া বৰ ভাল। তেওঁৰ এতিয়া আৰু ৈকা পম্পচাৰ

बस्तु बिक्रि करे। तेओंर अबस्था एतिया बर भाल। तेओंर एतिया आरु तका पइसार

নৌনি নাম্প। চৌধুৰীৰ এখন কাৰখানা আছে। তেওঁৰ কাৰখানা নিৰালা নগৰত। তেওঁৰ

नाटनि नाइ। सौधुरीर एखन कारखाना आसे। तेओंर कारखाना निराला नगरत। तेओंर

কাৰখানাত বহুত কৰ্মীয়ে কাম কৰে। তেওঁৰ কেতিয়াবা লাভ হয়। কেতিয়াবা লোকচান

कारखानात बहुत कर्मीये काम करे। तेओंर केतियाबा लाभ हय। केतियाबा लोकसान

হয়। চৌধুৰীৰ তাৰ বাবে চিন্তা নাম্প। চৌধুৰীৰ ভায়েক স্কুল মাস্িৰ। তেওঁৰ ব্যৱসায়

हय। सौधुरीर तार बाबे सिन्ता नाइ। सौधुरीर भायेक स्कूल मास्टर। तेओंर व्यवसा़य

বাণিজ্য নাম্প। গতিকে ৈকা-পম্পচাও বিশেষ নাম্প। মম্প মাজে সময়ে কবিতা লিখোঁ।

बाणिज्य नाइ। गतिके तका-पइसाओ बिस़ेस़ नाइ। मोइ माजे समये कबिता लिखाँ।

ৰেডিওত গল্প পঢ়োঁ। মোৰ জমাও নাম্প। মোৰ ধাৰো নাম্প।

रेडिओत गल्प पढ़ाँ। मोर जमाओ नाइ। मोर धारो नाइ।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
অৱস্থা	अवस्था	हालत
কাৰখানা	कारखाना	कारखाना
কৰ্মী	कर्मी	कर्मचारी

তাৰ বাবে	तार बाबे	इसके लिए
বাণিজ্য	बानिज्य	वाणिज्य
ॆका पम्पचा	टका पइसा	रुपया-पैसा
কোনো ৰকম	कोनो रकम	किसी तरह से
মাজে সময়ে	माजे समये	कभी कभी, बीच बीच में
কবিতা	कबिता	कविता
পঢ়োঁ	पढ़ों	पढ़ता हूँ
জমাও	जमाओ	जमा भी, पूँजी भी
ধাৰো	धारो	कर्ज भी

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. প্ৰেমকুমাৰে অসমত কি কৰে ?
   प्रेमकुमारे अस़मत कि करे?
2. তেওঁৰ ॆका-पम्पचाৰ নাটনি আছে নে ?
   तेआँर टका-पइसार नाटनि आसे ने?
3. চৌধুৰীৰ কাৰখানা ক'ত ?
   सौधुरीर कारखाना कोत?
4. তোমাৰ ॆका-पम्पचा আছে নে ?
   तोमार टका पइसा आसे ने?
5. মম্প ৰেডিঅ'ত কি কৰোঁ
   मोइ रेडिअत कि करोँ?

II. रिक्त स्थान भरकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. প্ৰেমকুমাৰৰ _______ বৰ ভাল।
   प्रेमकुमारर ________ बर भाल।

2. প্ৰেমকুমাৰৰ ্কা পস্পচাৰ __________ নাস্প।

प्रेमकुमारर टका पइसार ________ नाइ।

3. মস্প কোনো __________ চলি আছোঁ।

मोइ कोनो __________ सलि आसौं।

4. মস্প __________ কবিতা লিখোঁ।

मोइ __________कबिता लिखौं।

5. মোৰ ধাৰো নাস্প, মোৰ __________ নাস্প।

मोर धारो नाइ, मोर ________ नाइ।

III.हिंदी में अनुवाद कीजिए :

কুমুদ বৰা ্য়িকত থাকে। তেওঁৰ এ্টা ছপাশাল আছে। ছপাশালত বহুত কৰ্মীয়ে কাম

कुमुद बरा टियकत थाके। तेऔँर एटा सपासाल आसे। सपासालत बहुत कर्मीये काम

কৰে। তেওঁৰ আয় ভাল। তেওঁ নতুনকৈ ঘৰ বনাস্পছে। তেওঁ অলপতে এখন

गाड़ीও करे। तेऔँर आय भाल। तेऔँ नतुनकोइ घर बनाइसे। तऔँ अलपते एखन

गाड़ीओ লৈছে।

लोइसे।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

हजारिका प्राइमरी विद्यालय में शिक्षक हैं। वे बहुत अच्छे शिक्षक हैं। वे कविता भी लिखते हैं। कभी-कभी वे नाटक में अभिनय भी करते हैं। वे बहुत लोकप्रिय हैं।

V. प्रेमकुमार का व्यवसाय के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. নে (ने) : यह प्रश्नवाची अव्यय है। निर्देशात्मक वाक्य के अंत में 'নে' (ने) जोड़कर वाक्य को प्रश्नवाची बनाया जाता है। ऐसे प्रश्न का उत्तर 'हाँ' या 'नहीं' में दिया जाता है।

2. আৰু (आरु) : यह संयोजक अव्यय है ; लेकिन वाक्य के अंत में प्रयुक्त होने पर यह केवल एक अन्तराल **(pause)** जैसा होता है।

3. क'ত (क'त) : असमिया प्रश्नवाचक शब्दों का मूलांश 'क-' है। इसी में विभिन्न कारकों की विभक्तियाँ जोड़ी जाती है। प्रस्तुत उदाहरण में इसमें अधिकरण की विभक्ति जुड़ी हुई है। दूसरी विभक्तियों के साथ इसके रूप इस प्रकार होते हैं --

क'	+	-ত	>	क'ত	क'	+	-त	>	कोत (कहाँ) पर
क'	+	-লৈ	>	क'লৈ	क'	+	-लोइ	>	कोलो (कहाँ) को
क'	+	-ৰ	>	क'ৰ	क'	+	-र	>	कोर (कहाँ) का

4. পুৰুষবাচক বিভক্তি -এ (पुरुष विभक्ति -ए) : वर्तमान काल में क्रिया के साथ प्रयुक्त होनेवाली पुरुष विभक्तियाँ इस प्रकार होती है --

पुरुष	एकवचन और बहुवचन
उत्तम पुरुष	-ওঁ (ओँ)
मध्यम पुरुष	-অ (अ)
	-আ (आ)
	-এ (ए)
अन्य पुरुष	-এ (ए)

उदाहरण :

मोइ कर	+	-ओ	>	मोइ करों
तोइ कर	+	-अ	>	तोइ कर्अ
तुमि कर	+	-आ	>	तुमि करा
आपुनि कर	+	-ए	>	आपुनि करे

5. নাই (नाइ) : 'আছ' (आस) धातु से बने हुए वर्तमान काल के हर क्रियारूप का एक ही नेतिवाचक रूप होता है। 'নাই' (नाइ) हर पुरुष के साथ प्रयोग में आता है। जैसा--

মই ঘৰত নাই।
मोइ घरत नाइ।

তুমি ইয়াত নাই।
तुमि इयात नाइ।

নৌনি নাম্প।
নাতনি নাই।

6. চোন (सोन) : आज्ञावाचक क्रिया पद के साथ 'চোন' (सोन) लग जाने से यह अनुरोध या विनम्रता का सूचक होता है।

7. হি (हि) : यह 'আহি' (आहि) असमापिका क्रिया का संक्षिप्त रूप है। किसी क्रिया के साथ इसको जोड़ने से 'आना' अर्थ जुड़ जाता है।

8. চাহি (साहि) : यह दो क्रियापदों का संक्षिप्त रूप है। जैसे -- आ और देख।

খাহি (खाहि) = आ, खा

দেহি (देहि) = आ, दे

9. रचना के बारे में : इस पाठ में 'আছ' (आस) धातुका नित्यवर्तमान काल का उत्तम पुरुष और अन्य पुरुष का रूप दिखाया गया है। ऐसे क्रिया पद का निषेधवाचक रूप सिर्फ 'নাম্প' (नाइ) शब्द से बनाया जाता है। इसके अलावा प्रश्नवाचक शब्दों का भी प्रयोग किया जाता है।

পাঠ
पाठ 4

·পুৰণি বন্ধু

পাণ্ডে : এম্পজন শুক্লা নেকি ?
पांडे : एइजन सुक्ला नेकि ?

শুক্লা : অ' কোন, পাণ্ডে দেখোন ! তুমি
सुक्ला : अ' कोन? पांडे देखोन! तुमि

হঠাতে স্পয়াত যে ?
हथाते इयात जे ?

পাণ্ডে : জানুৱাৰীৰ পৰা স্পয়াতে আছোঁ।
पांडे : जानवारीर परा इयाते आसों।

মিছামাৰী কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত।

তুমি
मिसामारी केंद्रिय बिद्यालयत। तुमि

ক'ত আছা ?
कोत आसा ?

শুক্লা : মম্প ৰেলৱেত আছোঁ। তোমাৰ
सुक्ला : मोइ रेलवेत आसों। तोमार

পৰিয়াল লগত আছে নে ?
परियाल लगत आसे ने ?

পাণ্ডে : নাম্প। ল'ৰা ছোৱালী দুয়োটাম্প
पांडे : नाइ। लोरा सोआली दुयोताइ

ডেৰাডুনত পঢ়ি আছে। মাকো
देरादूनत पढ़ि आसे। माको

पुराना मित्र

पांडे : शुक्लजी हैं क्या -- ?

शुक्ला : ओ कौन? पांडे! बाह! तुम
अचानक

यहाँ कैसे ?

पांडे : जनवरी से यही हूँ। मिसामारी के केंद्रीय विद्यालय में। तुम कहाँ हो?

शुक्ला : मैं रेलवे में हूँ। तुम्हारा परिवार साथ में है क्या?

पांडे : नहीं, बेटी-बेटे दोनों ही देहरादून में पढ़ते हैं। (उनकी) माँ भी वहीं हैं।

তাতেম্প আছে। মম্প ম্পয়াত
অকলে
तातेइ आसे। मोइ इयात अकले
থাকোঁ। আৰু তুমি?
थाकों। आरु तुमि?

শুক্লা : মম্প পৰিয়াল লগত ৰাখিছোঁ।
লগত
सुक्ला : मोइ परियाल लगत राखिसों।
लगत

মা দেউতাও আছে।
ছোৱালীজনীক
मा देउताओ आसे। सोआलीजनीक
কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত দিছোঁ। বলা,
केन्द्रीय बिद्यालयत दिसों। बला,
আমাৰ ঘৰলৈ যাওঁ।
आमार घरलोइ जाओं।

পাণ্ডে : তুমি বোধহয় কোৱাৰ্টাৰ পাম্পছা!
पांडे : तुमि बोधहय कोवार्टार पाइसा!

শুক্লা : এৰা, ৰেলৱেৰ চাকৰিৰ
সেম্পটোৱেম্প
सुक्ला : एरा, रेलवेर साकरिर सेइटोवेइ
সুবিধা। কোৱাৰ্টাৰ চহৰৰ মাজতে।
सुविधा। कोवार्टार सहरर माजते।
ম্পয়াৰ পৰা মাত্ৰ এক কিলোমিটাৰ।
इयार परा मात्र एक किलोमिटार।

পাণ্ডে : আজি নাযাওঁ দিয়া। মোৰ এটা
पांडे : आजि नाजाओं दिया। मोर एता

मैं यहाँ अकेला रहता हूँ। और तुम?

शुक्ला : मेरा परिवार साथ में है। साथ में माता पिता भी हैं। लड़कियाँ केंद्रीय विद्यालय में (पढ़ती) हैं। चलिए, हमारे घर चलिए।

पांडे : लगता है तुम्हें कवार्टर मिल गया है!

शुक्ला : अरे रेलवे की नौकरी में यही तो (बस) सुविधा है। कवार्टर शहर के बीच में है। यहाँ से मात्र एक किलोमिटर है।

पांडे : आज नहीं, एक ज़रूरी काम है। चलो अपने कवार्टर का नम्बर दे दो।

জৰুৰী কাম আছে। বাৰু,
जरुरि काम आसे। बारु,

কোৱাৰ্টাৰৰ নম্বৰটোকে দিয়াচোন।
कोवार्टारर नम्बरटोके दियासोन।

শব্দাৰ্থ (शब्दार्थ)

असमीया शब्द	उच्चारण	अर्थ
এম্পজন	एइजन	यह जन (यह व्यक्ति)
কোন	कोन	कौन
দেখোন	देखोन	दिखते हैं
হঠাতে	हथाते	अचानक
ম্পয়াত	इयात	यहाँ
পৰা	परा	से
ক’ত	कोत	कहाँ
পৰিয়াল	परियाल	परिवार
লগত	लगत	साथ
ল’ৰা	लोरा	लड़का
ছোৱালী	सोआली	लड़की
পঢ়ি আছে	पढ़ि आसे	पड़ रही है
মাকো	माको	माँ भी
তাতেম্প	तातेइ	वहीं
অকলে	अकले	अकेले
থাকোঁ	थाकों	रहता हूँ
ৰাখিছোঁ	राखिसों	(मैंने) रखा है
মা	मा	माँ
দেউতা	देउता	पिता
দিছোঁ	दिसों	(मैंने) दिया
	बला	चलिए

বলা		
বোধহয়	बोधहय	लगता है।
চাকৰি	साकरि	नौकरी
সুবিধা	सुबिधा	सुविधा
মাত্ৰ	मात्र	मात्र
নাযাওঁ	नाजाओं	नहीं जाता
জৰুৰী	जरुरी	ज़रूरी

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवरर्तन कीजिए।

उदाहरण

(क) এইজন শুক্লা নেকি ?
एइजन सुक्ला नेकि?

→ এইজন কোন -- শুক্লা নেকি ?
एइजन कोन -- सुक्ला नेकि?

1. এইজন পাণ্ডে নেকি ?
एइजन पांडे नेकि?

2. আপুনি জৈন নেকি ?
आपुनि जॅइन नेकि?

3. এইজনী তোৰ ছোৱালী নেকি ?
एइजनी तोर सोआली नेकि?

4. এইখন কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয় নেকি ?
एइखन केन्द्रीय बिद्यालय नेकि?

(ख) মই গয়াত থাকোঁ।
मोइ गयात थाकोँ।

→ মই গয়াত নাথাকোঁ।
मोइ गयात नाथाकोँ।

1. তেওঁ কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত পঢ়ে।
तेओं केन्द्रीय बिद्यालयत पढ़े।

2. মই ঘৰলৈ যাওঁ।
मोइ घरलोइ याओं।

3. মই কিতাপ চাওঁ।
मोइ किताप साओं।

4. তেওঁ চাহ খায়।
तेओं साह खाय।

5. এইটো তোমাৰ কোৱাৰ্টাৰ নেকি ?
एइटो तोमार कोवार्टार नेकि?

5. চেটাৰ্জীয়ে গল্প লিখে।
चेटार्जीये गल्प लिखे।

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

उदाहरण:

(क) তুমি ক'ত থাকা ?
तुमि कोत थाका?

→ মই অসমত থাকোঁ।
मोइ अस़मत थाकों।

(ख) সেইজন গুপ্তা নেকি ?
सेइजन गुप्ता नेकि?

→ হয়, সেইজন গুপ্তা।
हय, सेइजन गुप्ता।

1. শুক্লা ক'ত আছে ?
सुक्ला कोत आसे?

2. পাণ্ডেৰ ল'ৰাই ক'ত পঢ়ি আছে ?
पांडेर लोराइ कोत पढ़ि आसे?

3. পাণ্ডে ক'ত অকলে থাকে ?
पांडे कोत अकले थाके?

4. কোনে কোৱাৰ্টাৰ পাইছে ?
कोने कोवार्टार पाइसे?

5. কোৱাৰ্টাৰ এয়াৰ পৰা কিমান দূৰ ?
कोवार्टार इयार परा किमान दूर?

1. এইখন মিছামাৰী নেকি ?
एइखन मिसामारी नेकि?

2. এইখন কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয় নেকি ?
एइखन केन्द्रीय बिद्यालय नेकि?

3. পাণ্ডেৰ লগত পৰিয়াল আছে নে ?
पांडेर लगत परियाल आसे ने?

4. শুক্লাৰ লগত দেউতাক আছে নে ?
सुक्लार लगत देउताक आसे ने?

5. শুক্লাৰ কোৱাৰ্টাৰ চহৰৰ মাজতে নেকি
?
सुक्लार कोवार्टार सहरर माजते नेकि?

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से खाली जगह भरिए :

उदाहरण :

তুমি ________ আহিলা ? (अचानक)

तुमि ________ इयात?

→ তুমি হঠাতে ইয়াত।
तुमि हठाते इयात।

1. জানুৱাৰীৰ পৰা ________ আছোঁ? (यहाँ)
जानुवारीर परा ________ आसों।

2. তুমি এতিয়া ________ আছা ? (कहाँ)
तुमि एतिया ________ आसा?

3. তোমাৰ ________ পৰিয়াল আছে নে? (साथ)
तोमार ________ परियाल आसे ने?

4. বলা, আমাৰ ঘৰলৈ ________। (जाए)
बला, आमार घरलोइ ________।

5. মোৰ কোৱাৰ্টাৰ চহৰৰ ________। (बीच में)
मोर कोवार्टार सहरर ________।

6. মই আজি তোমাৰ ঘৰলৈ ________। (नहीं जाता)
मोइ आजि तोमार घरलोइ ________।

IV. उदाहरण के अनुसार वाक्य में कर्तापद जोड़िए :

उदाहरण :

জানুৱাৰীৰ পৰা ইয়াতে আছোঁ।
जानुवारीर परा इयाते आसों।

→ মই জানুৱাৰীৰ পৰা ইয়াত আছোঁ।
मोइ जानुवारीर परा इयात आसों।

1. মিছামাৰী বিদ্যালয়ত আছোঁ।
मिसामारी बिद्यालयत आसो।

2. স্পয়াত ক'ত আছা ?
इयात कोत आसा?

3. মোৰ লগত আছে।
मोर लगत आसे।

4. বোধহয় কোৱাৰ্টাৰ পাইছা।
बोधहय कोवार्टार पाइसा।

5. পৰিয়াল লগত ৰাখিছোঁ।
परियाल लगत राखिसों।

V. उदाहरण के अनुसार प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) শুক্লা ৰেলৱেত আছে।
सुक्ला रेलवेत आसे।

→ শুক্লা ক'ত আছে ?
सुक्ला कोत आसे ?

(ख) এইজন পাণ্ডে।
एइजन पांडे।

→ এইজন পাণ্ডে নে ?
एइजन पांडे ने?

1. পাণ্ডেৰ ছোৱালী ডেৰাডুনত আছে।
पांडेर सोआली देरादुनत आसे।

2. পাণ্ডেৰ এটা জৰুৰী কাম আছে।
पांडेर एटा जरुरी काम आसे।

3. কোৱাৰ্টাৰ স্পয়াৰ পৰা এক কিলোমিটাৰ দূৰত।
कोवार्टार इयार परा एक किलोमिटार दुरत।

1. তুমি ভালে আছা ?
तुमि भाले आसा?

2. তোমাৰ লগত পৰিয়াল আছে।
तोमार लगत परियाल आसे।

3. ল'ৰাৰ মাক গয়াত আছে।
लोरार माक गयात आसे।

4. কোৱাৰ্টাৰ চহৰৰ মাজতে।

4. শুক্লাম্প কোৰ্য়াৰ পাম্পছে।
   सुक्लाइ कोवार्टार पाइसे।

5. শুক্লাৰ ছোৱালী কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত পঢ়ে।
   सुक्लार सोआली केन्द्रीय बिद्यालयत पढ़े।

कोवार्टार सहरर माजते।

5. পাণ্ডেম্প চাকৰি পাম্পছে।
   पांडेइ साकरि पाइसे।

VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

ল'ৰাটোক দিছোঁ বিদ্যালয়ত কেন্দ্ৰীয়
लोरातोक दिसों बिद्यालयत केन्द्रीय

→ ল'ৰাটোক কেন্দ্ৰীয় বিদ্যালয়ত দিছোঁ ।
लोरातोक केन्द्रीय बिद्यालयत दिसों।

1. পৰিয়াল মি. শুক্লাম্প ৰাখিছে লগত
   परियाल मि. सुक्लाइ राखिसे लगत

2. অকলে মি. চৌধুৰী ম্পয়াত থাকে
   अकले मि. सौधुरी इयात थाके

3. এক কিল'মিটাৰ মাত্ৰ কোৰ্য়াৰ ম্পয়াৰ পৰা
   एक किलोमिटार मात्र कोवार्टार इयार परा

4. পঢ়ি আছে ডেৰাডুনত দুটাম্প ল'ৰা-ছোৱালী
   पढ़ि आसे देरादुनत दुटाइ लोरा-सोवाली

VII. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. পাণ্ডেৰ পৰিয়ালৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখা।

पांडे के परिवार के बारे में दो-तीन वाक्य लिखो।

2. শুক্লাৰ ঘৰত কোন কোন আছে ?
सुक्ला के घर में कौन कौन हैं?

3. পাণ্ডে শুক্লাৰ ঘৰলৈ আহিব নে?
क्या पांडे सुक्ला के घर जायेगा? यदि हाँ तो क्यों?

पढ़िए और समझिए।

সাধাৰণ কথা বতৰা   साधारण बातचीत
साधारण कथा बतरा

এইখন বিদ্যালয় হয় নে? অধ্যাপকসকলৰ কোৱাৰ্টাৰ কোনফালে? অসমীয়া অধ্যাপক
एइखन बिद्यालय हय ने? अध्यापकसॖकलर कोवार्टार कोनफाले? असॖमीया अध्यापक

কোৱাৰ্টাৰত থাকে নে? তেওঁ সদায় শ্ৰেণীলৈ আহে নে? তেওঁৰ ঘৈণীয়েক লগত থাকে
कोवार्टारत थाके ने? तेऑं सॖदाय श्रेणीलोइ आहे ने? तेऑंर घैनीयेक लगत थाके

নে? এইজন অনিল চৌধুৰী নহয়। তেওঁ ইয়াত নাথাকে। তেওঁ কোৱাৰ্টাৰ নিবিচাৰে।
ने? एइजन अनिल सौधुरी नहय। तेऑं इयात नाथाके। तेऑं कोवार्टार निविसारे।

তেওঁ প্ৰায়ে অফিচলৈ নাহে। তেওঁৰ ঘৈণীয়েক লগত নাথাকে। চৌধুৰীয়ে লাহ-বিলাহ
तेऑं प्राये अफिसलोइ नाहे। तेऑंर घैनीयेक लगत नाथाके। सौधुरीये लाह-विलाह

নকৰে। তেওঁ বাহিৰলৈ বৰকৈ নাযায়।
नकरे। तेऑं बाहिरलोइ बरकोइ नाजाय।

তুমি কেতিয়া শোৱা ? ৰাতি কেইবাৰ উঠা ? মই দহ বজাত শোঁ। মই ৰাতি প্ৰায়ে
तुमि केतिया सोवा? राति केइबार उठा? मोइ दह बजात सॖों। मोइ राति प्राये

নুউঠোঁ। তুমি বোধহয় কোৱাৰ্টাৰত থাকা। মই কোৱাৰ্টাৰত নাথাকোঁ।
नुथों। तुमि बोधहय कोवार्टारत थाका। मोइ कोवार्टारत नाथाकों।

তম্প ক'ত চাকৰি কৰ ? তম্প ক'ত থাক ? তম্প কোৱাৰ্টাৰ পাম্পছ নে ? তম্প পৰিয়াল
तोइ कोत साकरि कर? तोइ कोत थाक? तोइ कोवार्टार पाइस ने? तोइ परियाल
লগত ৰাখিছ নে? তম্প দেউতাক আনিছ নে? তোৰ কোৱাৰ্টাৰ ওচৰতে নেকি?
लगत राखिस ने? तोइ देउताक आनिस ने? तोर कोवार्टार ओसरते नेकि?

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
অধ্যাপক	अध्यापक	अध्यापक
কোনফালে	कोनफाले	किस दिशा में
সদায়	सदाय	रोज, सदा
ঘৈণীয়েক	घैनीयेक	(उनकी) पत्नी
নিবিচাৰে	निविसारे	नहीं चाहते
লাহ-বিলাহ	लाह-विलाह	विलासिता
বাহিৰলৈ	बाहिरलोइ	बाहर (को)
বৰকৈ	बरकोइ	खूब
কেতিয়া	केतिया	कब
শোৱা	सोवा	सो जाओ
ৰাতি	राति	रात
বজাত	बजात	बजे
প্ৰায়ে	प्राये	प्रायः, लगभग

अभ्यास

I. उत्तर दीजिए।

1. চৌধুৰী কোৱাৰ্টাৰত থাকে নে ?
सौधुरी कोवार्टारत थाके ने?

2. তেওঁ সদায় অফিচলৈ আহে নে ?
तेओँ स़दाय अफिसलोइ आहे ने?

3. চৌধুৰীৰ ঘৈণীয়েক লগত থাকে নে ?
सौधुरीर घैनीयेक लगत थाके ने?

4. মই কেই বজাত উঠোঁ ?
मोइ केइ बजात उठों?

5. মই কোৱাৰ্টাৰত থাকোঁ নে ?
मोइ कोवार्टारत थाकों ने?

II. खाली जगह भरकर वाक्य पूरे कीजिए :

1. অধ্যাপকসকলৰ কোৱাৰ্টাৰ ____________ ?
अध्यापकस़कलर कोवार्टार ____________?

2. অধ্যাপক কোৱাৰ্টাৰত থাকে ____________ ?
अध्यापक कोवार्टारत थाके ____________?

3. তেওঁ __________ শ্ৰেণীলৈ নাহে।
तेओं __________ श्रेणीलोइ नाहे।

4. চৌধুৰী ____________ বাহিৰলৈ নোলায়।
सौधुरी ____________बाहिरलोइ नोलाय।

5. তুমি __________ শোৱা।
तुमि __________स़ोवा।

6. তোৰ কোৰ্ৱাৰ ________ নেকি ?
तोर कोवार्टार ________ नेकि?

III.हिंदी में अनुवाद कीजिए :

প্ৰসাদ যোৰহাটলৈ নতুনকৈ আহিছে। তেওঁ পৰিবেশ বিজ্ঞানৰ অধ্যাপক। তেওঁক এটা
प्रसाद जोरहाटलोइ नतुनकोइ आहिसे। तेआँ परिबेस् बिज्ञानर अध्यापक। तेआँक एटा
ভাল ভাড়াঘৰ লাগে। তেওঁৰ পৰিয়াল ডাঙৰ। তেওঁৰ ল'ৰাম্প যোৰহাট স্পঞ্জিনিয়াৰিঙত
भाल भाराघर लागे। तेआँर परियाल डाङर। तेआँर लोराइ जोरहाट इनजिनियारिङत
পঢ়ে। ছোৱালীজনী জে. বি. কলেজত ভৰ্ত্তী হৈছে।
पढ़े। सोवालीजनी जे.बि. कलेजत भर्त्ती होइसे।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

दिखऔ नदी शिवसागर नगर के पास से बहती है। यहाँ नदी का दृश्य बहुत सुन्दर है। इसके किनारे 'सरागुड़ि सपोरि' एक देखने लायक जगह है। यहाँ आजान पीरकी दरगाह है। हिन्दू मुसलमान दोनों आजान पीर को मानते हैं।

V. प्रेमकुमार का व्यवसाय के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. নেকি (नेकि) : यह 'নে' (ने) का सम्प्रसारित रूप है। 'हाँ' या 'नहीं' उत्तर की उम्मीद रखते हुए प्रश्न में 'নেকি' (नेकि) जोड़ा जाता है।

2. মাকো (माको) : 'মাক' (माक) का अर्थ होता है, 'उनकी या उनलोगों की माँ'। असमिया भाषा में हर संबंधवाचक शब्द का (माँ, पिता आदि) का जिस पुरुष के साथ संबंध होता है इसका अलग अलग रूप होता है। जैसे --

মোৰ	मोर	তোমাৰ	तोमार	তোৰ	तोर	আপোনাৰ	आपका/उनका
দেউতা	देउता	দেউতাৰা	देउतारा	দেউতাৰ	देउतार	দেউতাক	देउताक
মা	मा	মাৰা	मारा	মাৰ	मार	মাক	माक
ভনী	भनी	ভনীয়েৰা	भनीयेरा	ভনীয়েৰ	भनीयेर	ভনীয়েক	भनीयेक
শাহু	साहु	শাহুৱেৰা	साहुवेरा	শাহুৱেৰ	साहुवेर	শাহুৱেক	साहुवेक

3. অপাদান কাৰক (अपादान कारक) : असमिया भाषा में अपादान कारक के लिए कोई स्वतंत्र विभक्ति नहीं है। मूल पद के संबंध कारक का रूप के साथ 'পৰা' (परा) जोड़ने से अपादान पद बनता है। जैसे --

গছ + পৰা = গছৰ পৰা   गछ + परा = गछर परा

কলিকতা + পৰা = কলিকতাৰ পৰা   कलिकता + परा = कलिकतार परा

4. এ (ए), এই (एइ) : किसी शब्द पर विशेष जोर देने के लिए '-এ' (-ए) या '-এই' (-एइ) जोड़ा जाता है। जैसे --

ইয়াত + -এ > ইয়াতে   इयात + -ए > इयाते

ইয়াত + -এই > ইয়াতেই   इयात + -एइ > इयातेइ

তাত + -এ > তাতে   तात + -ए > ताते

तात + -এম্প > তাতেম্প तात + -एइ > तातेइ

5. জনী (-जनी) निर्देशवाचक : यह निर्णयात्मक स्त्री लिंग का प्रत्यय है। किसी स्त्री विशेष को संबोधित करने के लिए विशेष (संज्ञा) पदों के साथ '-জনী' (-जनी) जोड़ा जाता है। पुंलिंग में '-জন' (-जन) जोड़ा जाता है। जैसे --

ছোৱালীজনী सोआलीजनी

মানুহজন मानुहजन

ল'ৰাজন लोराजन

পাঠ
पाठ 5

ভাৰাঘৰ বিচাৰি

মি. পাণ্ডে : হেৰি ডাঙৰীয়া! ইয়াত ভাৰাঘৰ
मि. पांडे : हेरि डाङओरिया! इयात भाराघर

আছে নে?
आसे ने?

ডা. বৰুৱাঃ ভাৰাঘৰ কাক লাগে?
डा. बरुआ : भाराघर काक लागे?

মি. পাণ্ডে : ভাৰাঘৰ মোকে লাগে। মই
मि. पांडे : भाराघर मोके लागे। मोइ

অলপতে আগ্ৰাৰ পৰা আহিছোঁ।
अलपते आग्रार परा आहिसों।

ডা. বৰুৱাঃ আপোনাৰ পৰিয়াল আছে?
डा. बरुआः आपोनार परियाल आसे?

মি. পাণ্ডে : হয়। তেওঁলোক বৰ্তমান আগ্ৰাত
मि. पांडे : हय। तेऑंलोक बर्तमान आग्रात

আছে।
आसे।

ডা. বৰুৱাঃ মোৰে দুটা কোঠাৰ ঘৰ এটা খালি
डा. बरुआः मोरे दुटा कोथार घर एटा खालि

मकान की तलाश में

मि. पांडे : श्रीमान् जी, यहाँ किराये का (कोई) मकान मिलेगा क्या?

डॉ. बरुआ : किराये का मकान किसे चाहिए?

मि. पांडे : मुझे ही चाहिए। मैं कुछ (दिन) पहले आगरा से आया हूँ।

डॉ. बरुआ : आपका परिवार है?

मि. पांडे : है। वे लोग अभी आगरा में हैं।

डॉ. बरुआ : मेरा दो कमरे का एक मकान खाली है। आइए, देख लीजिए।

আছে। আহক, চাওকহি।
आसे। आहक, साओकहि।

[চোৱাৰ পাছত]
[सोवार पासत]

[देखने के बाद]

মি. পাণ্ডে : ঘৰটো মোৰ পচন্দ হৈছে। ভাৰা
मि. पांडे : घरटो मोर पसन्द होइसे। भारा

কিমান কৰিছে?

किमान करिसे?

मि. पांडे : घर मुझे पसंद है। किराया कितना देना होगा?

ডা. বৰুৱাঃ মাহে বাৰ শ। আগধন ডেৰ-
डा. बरुआ : माहे बार सूअ। आगधन डेर-

হেজাৰ।
हेजार।

डॉ. बरुआ : महीने का बारह सौ। डेढ़ हजार रु. अग्रिम।

মি. পাণ্ডে : ঘৰটো তেনেই আটোমটোকাৰি।
मि. पांडे : घरटो तेनेइ आतोमतोकारि।

পৰিবেশো নিৰিবিলি। পিছে
परिबेस़ो निरिबिलि। पिसे

বজাৰৰ পৰা দূৰৈত। তাৰোপৰি
बजारर परा दूरोइत। तारोपरि

পাম্পপৰ পানীও নাম্প। ভাৰা

বেছি
पाइपर पानीओ नाइ। भारा बेसि

হৈছে। অলপ কম কৰক।
होइसे। अलप कम करक।

मि. पांडे : घर तो ठीक-ठाक है। परिवेश भी शांत है। पर बाज़ार से दूर है। उसपर, पानी के लिए नल भी नहीं है। किराया ज़्यादा है। थोड़ा कम कीजिए।

ডা. বৰুৱাঃ চাওক, মম্প বেংকৰ ধাৰ

লৈছোঁ।
डा. बरुआः साओक, मोइ बेंकर धार लोइसो।

डॉ. बरुवा : देखिए (भाई), मैंने बैंक से उधार लिया है। (उसका) मासिक ब्याज बारह सौ है। किराया भी बारह सौ है, कम नहीं। मेरे पास एक और पार्टी है।

माहिली সুত বাৰ শ। গতিকে
माहिली सुत बार सूअ। गतिके
ভাৰাও বাৰ শ; কম নাম্প।
भाराओ बार सूअ; कम नाइ।
মোক আৰু এটা পাৰ্টিয়ে ধৰি
मोक आरु एटा पार्टिये धरि
আছে।
आसे।

মি. পাণ্ডে : অলপ কম কৰক। আমি বাহিৰৰ
मि. पांडे : अलप कम करक। आमि बाहिरर
পৰা আহিছোঁ। সদায় নাথাকোঁ।
परा आहिसों। सदाय नाथाकौं।

ডা. বৰুৱাঃ বাৰু, পঞ্চাশ টকা কম কৰিছোঁ।
डा. बरुआः बारु, पंसास टका कम करिसौं।

মি. পাণ্ডে : এতিয়া ছ শ অগ্ৰিম লওক।
मि. पांडे : एतिया छ सूअ अग्रिम लओक।
আমি দুম্প এদিনতে আহি আছোঁ।
आमि दुइ एदिनते आहि आसौं।

ডা. বৰুৱাঃ ভাল বাৰু।
डा. बरुआः भाल बारु।

मि. पांडे : थोड़ा कम कर दीजिए। हमलोग बाहर से आए हैं। हमेशा नहीं रहेंगे।

डॉ. बरुआ : ठीक है। पचास रुपया कम दीजिए।

मि. पांडे : यह छः सौ अग्रिम लीजिए। मैं दो-एक दिन में आ रहा हूँ।

डॉ. बरुआ : ठीक है।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
ডাঙৰীয়া	दाङओरिया	श्रीमान जी
ভাৰাঘৰ	भाराघर	किराये का मकान
কাক	काक	किस को
অলপতে	अलपते	कुछ पहले
আহিছোঁ	आहिसों	आया हूँ
আপোনাৰ	आपोनार	आप का
তেওঁলোক	तेओंलोक	वे लोग
কোঠা	कोथा	कमरा
ভাৰা	भारा	भाड़ा
মাহে	माहे	महीने में
ডেৰহেজাৰ	डेरहेजार	डेढ़हज़ार
আগধন	आगधन	अग्रिम, बयाना
তেনেম্প	तेनेइ	ऐसे ही
আটোমটোকাৰি	आतोमतोकारि	साफ सुथरा और सुंदर
নিৰিবিলি	निरिबिलि	निर्जन
বজাৰৰ পৰা	बजारर परा	बाज़ार से
দূৰৈত	दुरोइत	दूरी पर
তাৰোপৰি	तारोपरि	इसके अलावा
বেছি	बेसि	ज़्यादा
কম	कम	कम
চাওক	साओक	(आप) देखिए
	माहिली	प्रति माह

মাহিলী		
সুত	सुत	सूद, ब्याज़
ধৰি আছে	धरि आसे	पीछे पड़ी है।
বাহিৰৰ পৰা	बाहिरर परा	बाहर से
সদায়	सु़दाय	सदा
বাৰু	बारु	ठीक है
পঞ্চাশ	पंसास	पचास
শ	सूअ	सौ
দুম্প এদিনতে	दुइ एदिनते	दो-एक दिन में

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. মি. পাণ্ডেক কি লাগে ?
   मि. पांडेक कि लागे?
2. মি. পাণ্ডে ক'ৰ পৰা আহিছে?
   मि. पांडे कोर परा आहिछे?
3. মি. পাণ্ডেৰ পৰিয়াল আছে নে?
   मि. पांडेर परियाल आसे ने?
4. ডা. বৰুৱাৰ ঘৰটোৰ ভাৰা কিমান ?
   डा. बरुआर घरटोर भारा किमान?
5. ঘৰটোত পাম্পপৰ পানী আছে নে ?
   घरटोत पाइपर पानी आसे ने?

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवरर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) ভাৰা অলপ কম <u>কৰক</u>।
भारा अलप कम <u>करक</u>।

(ख) মম্প ম্পয়াত <u>থাকোঁ</u>।
मोइ इयात <u>थाकों</u>।

→ ভাৰা অলপ কম কৰা।
भारा अलप कम करा।

1. এতিয়া ছশ অগ্ৰিম লওক।
एतिया छसूअ अग्रिम लओक।

2. আহক, ঘৰটো চাওক।
आहक, घरतो साओक।

3. আপোনালোক দুম্প এদিনতে আহক।
आपोनालोक दुइ एदिनते आहक।

4. আমাক দুটা কোঠা দিয়ক।
आमाक दुटा कोथा दियक।

5. ভাৰা এহেজাৰ দিয়ক।
भारा एहेजार दियक।

→ মম্প শ্পয়াত নাথাকোঁ।
मोइ इयात नाथाकों ।

1. ঘৰ মোক লাগে।
घर मोक लागे।

2. তেওঁৰ ভাৰাঘৰ আছে।
तेओंर भाराघर आसे।

3. আমি বজাৰলৈ যাওঁ।
आमि बजारलोइ जाओं।

4. মম্প পাম্পপৰ পানী খাওঁ।
मोइ पाइपर पानी खाओं।

5. ডা. বৰুৱা গয়াত থাকে।
डा. बरुआ गयात थाके।

III. कोष्ठक में कुछ हिन्दी शब्द दिए गए हैं। उनके समानार्थक असमिया शब्दों से खाली जगह भरिए।

उदाहरण :

ভাৰাঘৰ ________ লাগে? (किसे)
भाराघर ________ लागे?

→ ভাৰাঘৰ কাক লাগে?
भाराघर काक लागे?

1. মম্প অলপতে ________ আহিছোঁ? (दिल्ली से)
मोइ अलपते ________ आहिसों।

2. ঘৰটোৰ ভাৰা ________ । (कम लगाए)
घरटोर भारा ________ ।

3. আহক, ঘৰটো চাওক ________ । (आकर)
आहक, घरटो साओक ________ ।

4. ভাৰাঘৰটো তেনেম্প ______________ ।   (साफसुथरा)
   भाराघरटो तेनेइ ____________ ।

5. ঘৰটোৰ কাৰণে মোক আৰু এজনে ______________ । (पीछे पड़ी है)
   घरटोर कारणे मोक आरु एजने __________ ।

6. মম্প আজি তোমাৰ ঘৰলৈ ______________ ।   (नहीं जाता)

   मोइ आजि तोमार घरलोइ __________ ।

IV. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर वाक्यों का विस्तार कीजिए।

उदाहरण :

আমি আহি আছোঁ। (দুম্প এদিনতে)
आमि आहि आसों। (दुइ एदिनते)

→ আমি দুম্প এদিনতে আহি আছোঁ।
आमि दुइ एदिनते आहि आसौं।

1. ভাৰা কম কৰক।   (অলপ)
   भारा कम करक।   (अलप)

2. মোক ঐা পাৰ্টিয়ে ধৰি আছে।   (আৰু)
   मोक एटा पार्टिये धरि आसे।   (आरु)

3. মোৰ পচন্দ হৈছে।   (ঘৰটো)
   मोर पसन्द होइसे।   (घरतो)

4. মোৰ ঘৰ ঐা আছে।   (দুৃা কোঠাৰ)
   मोर घर एता आसे।   (दुता कोथार)

5. মম্প আগ্ৰাৰ পৰা আহিছোঁ।   (অলপতে)
   मोइ आग्रार परा आहिसों।   (अलपते)

V. उदाहरण के अनुसार प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

ঘৰটোৰ ভাৰা চাৰি শ।
घरटोर भारा सारि स।

→ ঘৰটোৰ ভাৰা কিমান?
घरटोर भारा किमान?

1. ঘৰটোৰ আগধন এহেজাৰ।
   घरटोर आगधन एहेजार।

2. পাণ্ডে দুম্প এদিনতে আহিব।
   पांडे दुइ एदिनते आहिब।

3. তেওঁলোক বৰ্তমান আগ্ৰাত আছে।
   तेऑंलोक बर्तमान आग्रात आसे।

4. বেংকৰ সুত মাহে দুশ।
   बेंकर सुत माहे दुसूअ।

5. পাণ্ডেক টকা লাগে।
   पाडेक टका लागे।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

লাগে মোক ভাৰাঘৰ এটা
लागे मोक भाराघर एटा

→ মোক এটা ভাৰাঘৰ লাগে।
मोक एटा भाराघर लागे।

1. দুটা খালী ঘৰ লাগে কোঠাৰ মি. পাণ্ডেক

दुटा खालि घर लागे कोठार मि. पाण्डेक

2. বাৰশ ভাড়া ঘৰটোৰ ডেৰহেজাৰ মাহে আগধন
बारस्अ भारा घरटोर डेरहेजार माहे आगधन

3. বেংকৰ লৈছে মি. বৰুৱাম্প ধাৰ
बेंकर लोइसे मि. बरुआइ धार

4. আছে মি. বৰুৱাক ঘৰটোৰ কাৰণে ধৰি দুটা পার্টিয়ে
आसे मि. बरुआक घरटोर कारणे धरि दुटा पार्टिये

पढ़िए और समझिए।

নতুন অধ্যাপক   नया अध्यापक
नोतुन अध्यापक

ম্স্প নগাওঁ কলেজৰ অধ্যাপক। ম্স্প ম্পয়ালৈ নতুনকৈ আহিছোঁ। নগাওঁৰ ওচৰে পাজৰে
मोइ नगाओं कलेजर अध्यापक। मोइ इयालोइ नतुनकोइ आहिसों। नगाओंर ओसरे पाजरे ভাৰাঘৰ বিচাৰি আছোঁ। এতিয়াও সুবিধাজনক ঘৰ পোৱা নাম্প। মোৰ ল'ৰা ছোৱালী
भाराघर बिसरि आसों। एतियाओ सुबिधाजनक घर पोआ नाइ। मोर लोरा सोआली

এতিয়াও পাটনাতে আছে। ডাঙৰ ল'ৰাটোৱে দিল্লীত এম. এ. পঢ়ি আছে। সৰু
एतियाओ पाटनाते आसे। डाङर लोराटोवे दिल्लीत एम. ए, पढ़ि आसे। सरु

ছোৱালীজনীয়ে দেৰাদুন স্কুলত পঢ়ি আছে।
सोआलीजनीये देरादुन स्कुलत पढ़ि आसे।

নগাওঁ বৰ ধুনীয়া ঠাম্প। ওচৰেৰে কুলু কুলু সুৰে কলং বৈ গৈছে। নগাওঁৰ অলপ দূৰত
नगाओं बर धुनिया ठाइ। ओसरेरे कुलु कुलु सुरे कलं बोइ गोइसे। नगाओंर अलप दूरत

বৰদোৱা। ম্প বৈষ্ণৱ ধৰ্মৰ পীঠস্থান। ম্পয়াত নিয়মিত নাম-কীৰ্তন হয়। ম্পয়াৰ সত্ৰ আৰু

बरदोवा। इ बोइष्णव धर्मर पीठस्थान। इयात नियमित नाम-कीर्तन हय। इयार सत्र आरु

আকাশী গংগা বৰ প্ৰসিদ্ধ। বৰদোৱা ধিং-নগাওঁ ৰাস্তাৰ দাঁতিত। তালৈ গাড়ী মটৰৰ
आकाशी गंगा बर प्रसिद्ध। बरदोवा धिं-नगाओं रास्तार दाँतित। तालोइ गाड़ी मटरर

বৰ সুবিধা। কিন্তু ৰেলৰ সুবিধা নাই। বহুত মানুহে বৰদোৱা দেখিছে।
बर सुबिधा। किन्तु रेलर सुबिधा नाइ। बोहुत मानुहे बरदोवा देखिसे।

नये शब्द

असमिया शब्द	उच्चारण	हिन्दी अर्थ
অধ্যাপক	अध्यापक	अध्यापक
নতুনকৈ	नोतुनकोइ	नये नये
ওচৰে পাজৰে	ओसरे पाजरे	आस पास में
বিচাৰি আছোঁ	बिसारि आसों	ढूँढ रहा हूँ
পোৱা নাই	पोवा नाइ	मिली नहीं
ধুনীয়া	धुनिया	सुन्दर
ওচৰেৰে	ओसरेरे	पास में
কুলু কুলু	कुलु कुलु	कल कल ध्वनि
নিয়মিত	नियमित	प्रतिदिन
সত্ৰ	सत्र	बैष्णव धर्म का पीठ
কাষেৰে	कासेरे	पास में
দেখিছে	देखिए	देख लिया

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. ডাঙৰ ল'ৰাটোৱে কি কৰি আছে ?
दाङर लोराटोवे कि कोरि आसे?

2. ছোৱালীজনীয়ে কি কৰি আছে ?
सोआलीजनीए कि कोरि आसे?

3. নগাওঁ কেনেকুৱা ঠাই ?
नगाओं केनेकुवा थाइ?

4. বৰদোৱা ক'ত ?
बरदोवा कोत?

5. বৰদোৱালৈ ৰেলৰ সুবিধা আছে নে ?
बरदोवालोइ रेलर सुबिधा आसे ने?

II. विपरीत शब्द लिखिए।

1.	সৰু	सॅ़रु	**4.**	অলপ	अलप
2.	ওচৰ	ओसर	**5.**	আছে	आसे
3.	বেছি	बेसि	**6.**	লাভ	लाभ

III. खाली जगह भरकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. মই ইয়ালৈ ________________ আহিছোঁ।
मोइ इयालोइ ________________आहिसों।

2. নগাওঁৰ ওচৰে __________ ভাৰাঘৰ বিচাৰি আছোঁ।
नगाओंर ओसरे _____________भाराघर बिसारि आसों।

3. নগাওঁ বৰ ________________ ঠাই।
नगाआँ बर ________________ थाइ।

4. ওচৰেৰে _______ ______ সুৰে কলং বৈ গৈছে।
ओसरेरे ________ ______ सु़रे कलं बोइ गोइसे।

5. বৰদোৱা থিং-নগাওঁ ৰাস্তাৰ ______________ ।
   बरदोवा थिं-नगाओं रास्तार ______________ ।

IV. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

অনুপ গুৱাহাটীলৈ নতুনকৈ আহিছে। সি এটা চাকৰি বিচাৰি আছে। টাউনতে তাক এটা
अनुप गुवाहाटिलोइ नतुनकोइ आहिसे। सि एटा साकरि बिसारि आसे। टाउनते ताक एता
চাকৰি লাগে। সি ইতিমধ্যে বি. এ. পাছ কৰিছে। এতিয়ালৈকে সি দুটা ইণ্টাৰভিউ দিছে।
साकरि लागे। सि इतिमध्ये बि.ए. पास करिसे। एतियालोइके सि दुता इन्टारभिउ दिसे।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए :

डिब्रुगड़ एक सुन्दर नगर है। यह ब्रह्मपुत्र नद के किनारे स्थित है। यहाँ ब्रह्मपुत्र की चौड़ाई लग-भग छह-सात किलोमिटार है। यहाँ 'बगीविल पुल' निर्मित हो रहा है।

VI. बरदोवा के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. লাগে (लागे) : लाग (लाग) धातु का वर्तमान काल अन्य पुरुष का क्रियारूप है। हिन्दी 'चाहिए' के समान है। इसके साथ कर्ताकारक का प्रयोग नहीं होता। संश्लिष्ट व्यक्तिवाचक सर्वनाम और विशेष्य पद के साथ कर्मकारक की '-অক' (-अक) या '-ক' (-क) द्वितीया विभक्ति जोड़ी जाती है। अप्राणिवाचक शब्द मुख्य कर्म के स्थान पर प्रयोग में आ सकते हैं; लेकिन इसके साथ कोइ विभक्ति नहीं लगती। जैसे --

ৰাম + -অক > ৰামক কিতাপ লাগে
राम + -अक > रामक किताप लागे।

বৰুৱা + -ক > বৰুৱাক চাহ লাগে
बरुआ + -क > बरुआक साह लागे।

2. লোক (लोक) : यह हिन्दी में -लोग की तरह बहुवचन की विभक्ति है। তুমি (तुमि), আপুনি (आपुनि) और তেওঁ (तेओं) शब्दों के साथ इसको जोड़ा जाता है। लेकिन इसको जोड़ते समय তুমি (तुमि) > তোমা (तोमा), আপুনি (आपुनि) > আপোনা (आपोना) रूप बनते हैं। जैसे --

তুমি + -লোক > তোমালোক
तुमि + -लोक > तोमालोक

আপুনি + -লোক > আপোনালোক
आपुनि + -लोक > आपोनालोक

তেওঁ + -লোক > তেওঁলোক
तेओं + -लोक > तेओंलोक

3. পচন্দ হ (पसन्द ह) : इस यौगिक क्रिया के साथ भी कर्तापद का प्रयोग नहीं होता है। संश्लिष्ट व्यक्तिवाचक सर्वनाम या संज्ञा शब्दोंमें संबंध पद (कारक) की विभक्ति '-অৰ' (-अर) या '-ৰ' (-र) जोड़ी जाती है। जैसे --

ৰামৰ ঘৰ পচন্দ হৈছে।
रामर घर पसन्द होइसे।

মধুৰ ছোৱালী পচন্দ হৈছে।
मधुर सोआली पसन्द होइसे।

4. মাহে (माहे) : মাহ (माह) বছৰ (साल) और দিন (दिन) शब्दों के साथ '-এ' (-ए) प्रयुक्त होने पर *हर माह*, *हर साल*, और *हर दिन* अर्थ सूचित होता है।

5. এহেজাৰ (एहेजार) : इसका मतलब होता है एक हजार। किसी संख्यावाचक शब्द या निर्देशात्मक शब्द के पहले এক (एक) या দুশ্প (दुइ) जोड़ते समय এক (एक) का '-

ক’

(-क) और দুম্প (दुइ) का ‘-ম্প’ (-इ) लुप्त हो जाता है। जैसे --

এক + হেজাৰ > এহেজাৰ

एक + हेजार > एहेजार

এক + শ > এশ

एक + श़ > एश़

এক + খন > এখন

एक + खन > एखन

দুম্প + দিন > দুদিন

दुइ + दिन > दुदिन

দুম্প + মাহ > দুমাহ

दुइ + माह > दुमाह

6. মাহিলী (माहिली) : মাহ + ম্পলী > মাহিলী ; इसका मतलब भी *মাহে* (माहे) जैसे माहवार है।

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में वर्तमान काल के असमाप्त वर्तमान का रूप सिखाया गया है। धातु के साथ केवल ‘-ম্প’ (-इ) जोड़ी जाती है और इसके पीछे सहायक ‘আছ’ (आस) धातु का क्रियारूप प्रयुक्त होता है। इसके साथ साथ ‘लाग’ धातु से उत्पन्न क्रियापद और ‘पसन्द है’ यौगिक धातु से उत्पन्न क्रियापद के प्रयोग करते हुए कैसे वाक्य बनाया जाता है इसे भी समझाया गया है।

8. भाड़ा देने का रिवाज : असम में वासभवन का किराया के लिए केवल एक या दो महीने का किराया अग्रिम लिया जाता है। भारी रकम या एक साल का भाड़ा अग्रिम लेने का कोई रिवाज नहीं है।

পাঠ
पाठ **6**

পিছলৈ উভতি চাওঁ

সুশীলা : তুমি কেতিয়াবা অসমলৈ গৈছা নে?

লীনা : মম্প কেতিয়াও যোৱা নাম্প। দাৰ্জিলিঙৰ সিফালে মম্প দেখা নাম্প।

সুশীলা : ময়ো সেম্পফালে যোৱা নাম্প। কিন্তু দূৰ-দৰ্শনত দেখিছোঁ। অসমখন সেউজীয়া গছ গছনিৰে ভৰা। চাহ বাগিছাবোৰ চালে চকুৰোৱা।

লীনা : আৰু কাজিৰঙা, মানস -- একো একোখন মনোৰম অভয়াৰণ্য। হাতী, বাঘ, গঁড় আৰু হৰিণাৰে ঠাহ খোৱা। কাজিৰঙাৰ গঁড় এশিঙীয়া। ম্প অসমৰ আপুৰুগীয়া সম্পদ।

সুশীলা : আৰু মহাবাহু ব্ৰহ্মপুত্ৰ! নদী নহয়, যেন এখন চলন্ত সাগৰ।

লীনা : ব'লা গৰম বন্ধত আমি তালৈ

आओ, पीछे देखें

सुशीला : तुम कभी असम गई हो क्या?

लीना : मैं कभी नहीं गई हूँ। दार्जिलिङ के आगे नहीं गई हूँ।

सुशीला : मैं भी उस दिशा में नहीं गई हूँ। किन्तु दूरदर्शन में देखा है। असम हरे-हरे पेड़-पौधों से भरा है। चाय के बगीचे देखने में नयनाभिराम हैं।

लीना : और काजिरंगा मानस जैसे एक से एक मनोरम अभयारण्य हैं। ये हाथी, बाघ, गैंडा और हरिणोंसे भरे हैं। काजिरंगा के गैंडे एक सींगवाले होते हैं। असम की यह दुर्लभ संपदा है।

सुशीला : और महाबाहु ब्रह्मपुत्र! यह तो नदी नहीं मानो एक बहता हुआ सागर है।

लीना : चलो, गर्मी का छुट्टी में वहीं चलें।

যাওঁ।

চন্দন : বাম্পদেউ গৰম বন্ধত তইঁত কলৈ যাৱ? মোকো লগত ল।

সুশীলা : আমি অসমলৈ ওলাম্পছোঁ। গৰম বন্ধত নাযাওঁ ভাম্প। তেতিয়া তাত ভৰ বাৰিষা। প্ৰবল ধুমুহা। কলহৰ কাণে ঢলা বৰষুণ। তাতে বানপানী আৰু ভূমিকম্প। কিন্তু আমি তোক নিনিওঁ চন্দন। তোৰ পৰীক্ষা ওচৰ চাপিছে। তম্প ঘৰতে থাক।

লীনা : তেনেহলে বাৰিষা অসম সুগম নহয়।

সুশীলা : হয়তো আকৌ। কিয় সিদিনা আয়ে কোৱা নাম্প?

লীনা : এৰা। তেনেহলে আমিও এতিয়া নোলাওঁ। চন্দনৰো পৰীক্ষা শেষ হওক।

चंदन : दीदी, गर्मी की छुट्टी में तुमलोग कहाँ जा रही हो? मुझे भी साथ ले चलें!

सुशीला : हम असम के लिए निकल रहे हैं। गर्मी की छुट्टी में नहीं जाएंगे भाई। तब वहाँ भारी वर्षा (होती) है। भारी तूफान होता है। (मानो) घड़ों से पानी डाला जा रहा है। उस समय बाढ़ और भूकम्प आते हैं। किन्तु चंदन, हम तुम्हें नहीं ले चलेंगे। तुम्हारी परीक्षा पास है। तुम घर पर रहो।

लीना : तब तो बरसात में असम जाना ठीक नहीं होगा।

सुशीला : बेशक। उस दिन माताजी ने भी यही नहीं कहा था क्या?

लीना : ठीक है। तब तो हम भी अभी नहीं जाएँगे। चंदन की परीक्षा भी खतम होने दो।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	उच्चारण	अर्थ
কেতিয়াবা	केतियाबा	कभी
সিফালে	सिफाले	उस पार
দেখা নাম্প	देखा नाइ	नहीं देखा

যোৱা নাম্প	जोवा नाइ	नहीं गया
গছ গছনি	गस गसनि	पेड़-पौधे
ভৰা	भरा	भरा
চাহ বাগিচা	साह बागिसा	चाय की बगीचे
চালে চকুৰোৱা	साले सोकुरोवा	नयनाभिराम
একোখন	एकोखन	एक से एक
মনোৰম	मनोरम	मनोरम
অভয়াৰণ্য	अभयारण्य	अभयारण्य
হাঁতী	हाँती	हाथी
বাঘ	बाघ	बाघ
গঁড়	गँर	गैंडा
হৰিণা	हरिणा	हरिण
ঠাঁহ খোৱা	थाँह खोवा	भरे हैं
আপুৰুগীয়া	आपुरुगीया	दुर्लभ
সম্পদ	सम्पद	सम्पदा
চলন্ত	सलन्त	बहता हुआ
বাম্পদেউ	बाइदेउ	दीदी
তেতিয়া	तेतिया	तब
ভৰ বাৰিষা	भर बारिसा	भरी बरसात
প্ৰবল	प्रबल	भारी
ধুমুহা	धुमुहा	तूफान
এৰা	एरा	ठीक है
	तेनेहले	तब

তেনেহলে

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरणः

(क) तुমি কেতিয়াবা অসমলৈ গৈছা নে?

→ আপুনি কেতিয়াবা অসমলৈ গৈছে নে?

1. ব'লা, আমি অসমলৈ যাওঁ।
2. তইঁত কলৈ যাৱ?
3. মোকো লগত ল।
4. তম্প ঘৰতে থাক।
5. তুমি কাজিৰঙা দেখা নাম্প ?

(খ) তুমি অসমলৈ গৈছা।

→ তুমি অসমলৈ যোৱা নাম্প।

1. তুমি গঁড় দেখিছা।
2. মায়ে কথাটো কৈছে।
3. পৰীক্ষা হৈছে।
4. মম্প কিতাপখন পঢ়িছোঁ।
5. আপুনি চিঠি লিখিছে।
6. মম্প বাৰিষা অসমলৈ যাওঁ।

II. कोष्ठक में दिए हुए दो शब्दों में से एक को चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए।

1. গৰম বন্ধত তইঁত __________ যাৱ? (কলৈ/ক'ত)

2. আমি এতিয়া অসমলৈ ________ । (নোলায়/নোলাওঁ)
3. আমি এতিয়া ________ নাযাওঁ। (তাত/তালৈ)
4. অসমখন ________ ভৰা। (গছ গছনিৰে/গছ গছনিয়ে)
5. তুমি ________ গঁড় দেখিছা নে? (কেতিয়াও/কেতিয়াবা)

III. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।**

1. তুমি কেতিয়াবা ________গৈছা নে? (অসম)
2. মম্প ________গঁড় দেখিছোঁ। (দূৰদৰ্শন)
3. মম্প ________ সিফালে যোৱা নাম্প। (দাৰ্জিলিং)
4. অসমৰ ________ গঁড় আছে। (কাজিৰঙা)
5. দাৰ্জিলিঙৰ ________ ________ বেছি দূৰ নহয়। (গুৱাহাটী)

IV. **एक वाक्य में उत्तर दीजिए।**

1. লীনা অসমলৈ কেতিয়াবা গৈছে নে?
2. সুশীলাম্প অসম নিজ চকুৰে দেখিছে নে?
3. অসমৰ চাহ বাগিচাবোৰ কেনেকুৱা?
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ সৰু নৈ হয় নে?
5. চন্দনৰ পৰীক্ষা হৈছে নে?

V. **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।**

उदाहरण:

মম্প নাম্প দেখা দাৰ্জিলিং কেতিয়াও

মম্প কেতিয়াও দাৰ্জিলিং দেখা নাম্প।

1. অসমলৈ ছুটি বন্ধৰ গৰম যাম আমি

2. ধুমুহা অসমত প্ৰচণ্ড কেতিয়াবা হয়

3. আছে চাহ অসমত বাগিচা বহুতো

4. গঁড় কাজিৰঙাৰ সম্পদ এশিঙীয়া আপুৰুগীয়া অসমৰ

VI. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. অসমৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে তিনি-চাৰিটা বাক্য লিখক।

2. কাজিৰঙা কি ? তাত কি কি চাবলগীয়া আছে ?

3. বৰ্ষাকালৰ অসমৰ বিষয়ে লিখক।

पढ़िए और समझिए।

অসমীয়া পৰিয়ালত

যোগান বিষয়া হিচাপে যুগিন্দৰ সিং অলপতে মৰিয়নিৰ কাৰ্য্যালয়ত যোগদান কৰিছে। তেওঁ অসমলৈ দুবছৰ আগতে আহিছে। এইটো তেওঁৰ দ্বিতীয় কৰ্মস্থান। বিৰাজ কুমাৰ ডেকা সিঙৰ এজন ভাল বন্ধু। সৎপাল সিং যোগান বিভাগৰ চৰকাৰী বাসভৱনত থাকে। এদিন মি. ডেকাই সিঙক তেওঁলোকৰ ঘৰলৈ মাতিলে। মি. সিং যথাসময়ত উপস্থিত হ'ল। তেওঁলোকে চ'ৰাঘৰত বহি কথা আৰম্ভ কৰিলে।

ডেকাই কলে, 'মি. সিং আপুনি নিশ্চয় অসমীয়া মানুহৰ ঘৰলৈ আগতে যোৱা নাই! দৈ, চিৰা, আঁখৈ, মুৰি, বৰা চাউল, চুঙাপিঠা খোৱা নাই! এইবোৰ অসমীয়া মানুহৰ প্ৰিয় জলপান। আজি আমাৰ ঘৰত এনেকুৱা জলপানেই কৰিছে।' যুগিন্দৰ সিং এ আগতেও অসমীয়া আহাৰৰ জুতি লৈছে। তেওঁ সেই কথা কলে।

ডেকাম্প মাজতে সুধিলে, ‘আপুনি স্থানীয় উৎপাদন, মানে বাঁহ বেতৰ কাম, তাঁতৰ কাম আদিৰ কিবা কিনিছেনে?’ যুগিন্দৰ সিঙে স্পতিসূচক ভাবে মূৰ যোকাৰিলে। তেখেতে বয় বস্তু বিশেষ কিনা নাম্প।

কেৰল মিচেচ সিঙৰ বাবে এযোৰ পীৰ কাপোৰ কিনিছে।

এনেতে ডেকাৰ ল’ৰা বিপুল দ্রয়িংৰুমলৈ সোমাম্প আহিল। মি. সিঙে সুধিলে, ‘তুমিনো এতিয়া কি কৰা?’ বিপুলে কলে, ‘মস্প এতিয়া বি. এ. পঢ়ি আছোঁ। বৰ্তমান সাহিত্য প্রতিযোগিতাৰ বাবে এখন ৰচনা লিখি আছোঁ।’ বিপুলে দেউতাকক সুধিলে, ‘ৰুদ্রসসিংহৰ মাক বাপেকৰ নাম কি?’

বিৰাজ ডেকাম্প নাম দু্‌া মনতো পেলাব নোৱাৰিলে। তেওঁ কলে, ‘কথাবোৰ আজিকালি বৰকৈ মনত নাথাকে। যাচোন, মাৰক সোধগৈ। তেওঁ বুৰঞ্জীৰ ছাত্ৰী।’

হঠাৎ সিঙে মাত দিলে, -- ‘মস্পয়ে কওঁ, শুনা। ৰুদ্রসিংহৰ বাপেকৰ নাম গদাপাণি কোঁৱৰ ওৰফে গদাধৰ সিংহ। মাকৰ নাম জয়মতী কুৱঁৰী।’ সিঙৰ উত্তৰত বিপুল আচৰিত হ’ল। সি সুধিলে, ‘আপুনি দেখোন বহুত কথাম্প জানে। এম্পবোৰ কেনেকৈ জানিলে?’

সিঙে কলে, ‘মস্প লুম্পতৰ পানী খাওঁ। অসমৰ বায়ু সেৱন কৰোঁ। গতিকে অসমৰ বুৰঞ্জীও মাজে সময়ে পঢ়োঁ।’ মি. সিঙৰ কথাত, মি. ডেকা, মিচেচ ডেকা আৰু বিপুলে বৰ সন্তোষ পালে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
স্পয়ালৈ	यहाँ
যোগান	जुगाड़ करना

মৰিয়নি
কৰ্মস্থান
চৰকাৰী
বাসভৱন
যথা সময়ত
চ'ৰা ঘৰত
চিৰা
আখৈ
মুৰি
বৰা চাউল
চুঙা পিঠা
জলপান
উৎপাদন
কিবা কিবি
জুতি
বয়-বস্তু
স্পতিসুচক
তেনেকৈ
মেখেলা চাদৰ
এৰীয়া
খুৰাদেউ
লগাম্পছোঁ

मड़ियनी (असम में एक जगह)
कार्यस्थल
सरकारी
निवास/आवास
यथासमय
ड्राइंगरुम
चिओड़ा
लावा
लाई
भुँजवा चावल
चावल से तैयार किया गया केक
जलपान
उत्पादन
कुछ न कुछ
स्वाद
चीज़ें
स्वीकृति हेतु सिर हिलाना
इस तरफ या उस तरफ
लहंगा और चादर
अरंडी
चाचाजी
(नाम) लिखाया/नाम लिखाना
पिता
आजकल

বাপেক	जाओ तो
আজিকালি	पूछो (जाकर)
যাচোন	उर्फ
সোধগৈ	ब्रह्मपुत्र नदी का दूसरा नाम
ওৰফে	सफेद रेशम और बादामी रेशम, रेशम और मूँगा
লুম্পত	कपड़ा
পাঁ মুগা	इतिहास
কাপোৰ	संतुष्ट, खुश
বুৰঞ্জী	
সন্তোষ	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. মি. সিং কেতিয়া অসমলৈ আহিছে?
2. মি. সিং ক'ত থাকে?
3. অসমীয়া মানুহৰ প্ৰিয় জলপান কি?
4. মি. সিং অসমীয়া পৰিয়াললৈ গৈছে নে?
5. তেওঁ অসমত কি কি কিনিছে?
6. বিপুলে এতিয়া কি কৰি আছে?
7. বুৰঞ্জীৰ ছাত্ৰী কোন?
8. মি. সিঙে মাজে সময়ে কি পঢ়ে?

9. মি. ডেকাম্প মি. সিঙকে কিমান দিন লগ পোৱা নাম্প?

10. গদাপাণি ৰুদ্ৰসিংহৰ কোন?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বুৰঞ্জী শব্দৰ অৰ্থ ____________ । (স্পতিহাস/বুনিয়াদ)
2. বাপেক শব্দৰ মানে ________________ । (মোৰ দেউতা/কাৰোবাৰ দেউতাক)
3. লুম্পত মানে _________________ । (লোগীক হ্ৰদ/ব্ৰহ্মপুত্ৰ)
4. জুতি শব্দৰ অৰ্থ __________ । (জৌ/সোৱাদ)
5. পৰিয়াল শব্দৰ অৰ্থ _______________ । (পৰিবাৰ/মাক-বাপেক, ল'ৰা ছোৱালী আদি)

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং উত্তৰ কাছাৰ জিলাত। হাফলং এখন পাহাৰীয়া ঠাম্প। স্পয়াৰ প্ৰাকৃতিক দৃশ্য বৰ মনোৰম। জাতিংগা হাফলঙৰ পৰা বেছি দূৰত নহয়। জাতিংগা পৰিভ্ৰমী চৰাম্পৰ বাবে বিখ্যাত।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मालती कभी असम नहीं गई। उसने असम की जानकारी इंटरनेट से प्राप्त की है। मालती और ललिता को प्राकृतिक दृश्य को देखने का बड़ा शौख है। वे पन्द्रह दिन की असम यात्रा पर जा रही हैं।

V. असमिया जलपान के बारे में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. १ से ५ पाठ तक वर्तमान काल के विभिन्न रूप सिखाए गए हैं। 'खा-' (खाना) और 'कर-' (करना) धातु के विभिन्न रूपों की एक सारिणी नीचे दी जा रही है।

'खा-' (सामान्य कथनात्मक)

মই	খাওঁ	খাইছোঁ	খাই আছোঁ
তই	খাৱ	খাইছ	খাই আছ
তুমি	খোৱা	খাইছা	খাই আছা
আপুনি	খায়	খাইছে	খাই আছে
তেওঁ/সি/তাই	খায়	খাইছে	খাই আছে

'कर-' (सामान्य कथनात्मक)

মই	কৰোঁ	কৰিছোঁ	কৰি আছোঁ
তই	কৰ	কৰিছ	কৰি আছ
তুমি	কৰা	কৰিছা	কৰি আছা
আপুনি	কৰে	কৰিছে	কৰি আছে
তেওঁ/সি/তাই	কৰে	কৰিছে	কৰি আছে

	'खा-' (आज्ञावाचक)		'कर-' (आज्ञावाचक)	
তই	খা	খাই থাক	কৰ	কৰি থাক
তুমি	খোৱা	খাই থাকা	কৰা	কৰি থাকা
আপুনি	খাওক	খাই থাকক	কৰক	কৰি থাকক

2. नेतिवाचक क्रियारूप तैयार करना बहुत आसान है। इसके लिए सामान्य वर्तमान और आज्ञावाचक क्रिया के आगे नेतिवाचक उपसर्ग 'न-' जोड़ा जाता है। क्रिया के आदि में जो

स्वर होता है 'न-' के साथ भी उसी स्वर पुनरावृत्ति होती है। पूर्ण वर्तमान में धातु के साथ '-আ' (-आ) जोड़कर बाद में 'নাম্প' (नाइ) परसर्ग जोड़ा जाता है। (आज्ञावाचक का नेतिवाचक रूप अलग ढंग से बनाया जाता है।) जैसे --

কৰোঁ	:	নকৰোঁ	কৰিছোঁ	:	কৰা নাম্প
দিওঁ	:	নিদিওঁ	দিছোঁ	:	দিয়া নাম্প
খায়	:	নাখায়	খাম্পছোঁ	:	খোৱা নাম্প
পঢ়ে	:	নপঢ়ে	পঢ়িছে	:	পঢ়া নাম্প
পঢ়	:	নপঢ়	দেখিছ	:	দেখা নাম্প

3. असमिया अन्यपुरुष के सर्वनाम में कुछ भेद है। यह निम्नप्रकार के हैं।

	एकवचन		बहुवचन	
	समिप्य में	दूर में	समिप्य में	दूर में
तुच्छार्थ	ম্প (पुरूष) এম্প (स्त्री)	সি (पुरूष) তাম্প (स्त्री)	ম্পহঁত এম্পহঁত	সিহঁত তাম্পহঁত/সিহঁত
सामान्यार्थ	এওঁ	তেওঁ	এওঁলোক	তেওঁলোক
मान्यार्थ	এখেত	তেখেত	এখেতসকল	তেখেতসকল

4. विभक्ति जोड़ने पर इनका रूप निम्नप्रकार परिवर्तन होता है।

कर्मकारक	सम्बन्ध
মম্প + -ক > মোক	মম্প + -ৰ > মোৰ

তম্প + -ক > তোক	তম্প + -ৰ > তোৰ
তুমি + -ক > তোমাক	তুমি + -ৰ > তোমাৰ
আপুনি + -ক > আপোনাক	আপুনি + -ৰ > আপোনাৰ
সি + -ক > তাক	সি + -ৰ > তাৰ

পাঠ
पाठ 7

এনাজৰী	मित्रता का बंधन
মিচেচ শম্পকীয়াঃ এয়া মিচেচ পাণ্ডে যে! আপোনালোক নগাওঁলৈ কেতিয়া আহিল?	श्रीमती साइकिया : ओ! श्रीमती पांडे हैं (क्या)? आप नगांव कब आईं?
মিচেচ পাণ্ডে : আমি যোৱা মাহত শ্পয়ালৈ আহিলোঁ। আপোনাৰ ভাল নে?	श्रीमती पांडे : मैं पिछले महीने यहाँ आई। आपके यहाँ सब ठीक हैं न?
মিচেচ শম্পকীয়াঃ আছোঁ আৰু একপ্ৰকাৰ। ঘৰটো কাৰ বাৰু?	श्रीमती साइकिया : हाँ, सब ठीक ही हैं। यह घर किसका है?
মিচেচ পাণ্ডে : কোনোবা বিকাশ বৰুৱাৰ। ঘৰৰ কাম পূৰা হোৱা নাম্প। আমি জোৰকৈ ললোঁ।	श्रीमती पांडे : किसी विकास बरुआ का है। घर का काम पूरा नहीं हुआ था। हम ने जोर जार कर ले लिया है।
মিচেচ শম্পকীয়াঃ হয় নেকি? কেনে পাম্পছে বাৰু?	श्रीमती साइकिया : ऐसा है क्या! पर ज्यादा दिक्कत तो नहीं है?
মিচেচ পাণ্ডে : ভালেম্প। আহক ভিতৰলৈ। ঐ বিনয়, কলৈ গলি অ? দুকাপ চাহ আন।	श्रीमती पांडे : आइए, अंदर आइए। अरे विनय! तू कहाँ है? दो कप चाय ला।
মিচেচ শম্পকীয়াঃ আপুনি ভাল	श्रीमती साइकिया : आप अच्छी असमिया

অসমীয়া কৈছে।

মিচেচ পাণ্ডে : অলপ অচৰপ কওঁ আৰু। বিনয়ৰ পৰাম্প শিকিছোঁ। চুবুৰীয়া মানুহ কেম্পঘৰো ভাল। সকলোৱে সহায় কৰে।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ হয় নেকি?

মিচেচ পাণ্ডে : এম্প 'আদিপাঠ'খন মিচেচ নাথে দিলে। মিচেচ চহৰীয়াৰ পৰা দুটা গীতো শিকিলোঁ।

মিচেচ শম্পকীয়াঃ বৰ আনন্দৰ কথা। এফাঁকি গীত গাওকনা, শুনোঁ।

মিচেচ পাণ্ডে : ভালকৈ নোৱাৰোঁ। তথাপি গাওঁ বাৰু।

জীৱন এঁটি
শেষ নোহোৱা
মধুৰ সাধুকথা,
ওঁঠৰ হাঁহি, চকুৰ পানী
আঁহে আঁহে গঁথা।

বিনয় : বাম্পদেউ, চাহ।

बोल रही हैं।

श्रीमती पांडे : थोड़ा बहुत बोल लेती हूँ। विनय से ही सीख लिया है। पड़ौसी भी भले हैं। सभी सहायता करते हैं।

श्रीमती साइकिया : यह तो बहुत अच्छी बात है।

श्रीमती पांडे : मुझे यह 'आदिपाठ' श्रीमती नाथ ने दिया है। श्रीमति सहरिया से दो गीत भी सीख लिए हैं।

श्रीमती साइकिया : बड़ी खुशी की बात है। एक पंक्ति गुनगुनाइए न! हम सुने।

श्रीमती पांडे : ठीक से नहीं आता है, फिर भी गाती हूँ।

यह जीवन
समाप्त न होने वाली
मधुर कहानी है।
होठों की हँसी
आँख के आँसू
दूर तार वाणी है।

विनय : दीदी ! चाय।

श्रीमती पांडे : खाली चाय? मिठाई नहीं लाया?

विनय : ला रहा हूँ, दीदी।

श्रीमती पांडे : आप लोग हिन्दी बोलते

মিচেচ পাণ্ডে : খালি চাহ দিলি। মিঠাম্প নানিলি?

বিনয় : আনি আছোঁ বাম্পদেউ।

মিচেচ পাণ্ডে : আপোনালোকে হিন্দী কয়। আমি আনন্দ পাওঁ। আমি অসমীয়া কওঁ। আপোনা-লোকে ভাল পায়। সেয়াম্প আমাক এক কৰিছে।

हैं, हमें खुशी होती है। मैं असमिया बोलती हूँ, आप लोग खुश होते हैं। इसी ने हमें जोड़ कर रखा है।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	अर्थ
কেতিয়া	कब
আহিল	आए
আহিলোঁ	आई (हूँ)
প্ৰকাৰ	तरह
কোনোবা	कोई
কাম	काम
পূৰা	संपूर्ण
জোৰ	ज़ोर/दबाव
পাম্পছে	(आपको) मिल गया है
ভিতৰলৈ	अन्दर
কলৈ	किधर

গলি	गई
কৈছে	बोल रहे हैं
অলপ অচৰপ	थोडा बहुत
শিকিছোঁ	सीख रहा हूँ
চুবুৰীয়া	पड़ौसी
সকলোৱে	सभी लोग
গীতো	गीत भी
ভালকৈ	ठीक से
শেষ নোহোৱা	समाप्त नहीं होने वाली
সাধুকথা	कहानी, लोक कथा
ওঁঠৰ	होंठ का, ओठ का
হাঁহি	हँसी
চকুৰ	आँख का
পানী	पानी

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. পাণ্ডেইঁত নগাওঁলৈ কেতিয়া আহিল?
2. পাণ্ডেইঁতৰ ঘৰটো কাৰ বাৰু?
3. ঘৰৰ কাম পূৰা হৈছে নে?
4. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে 'আদিপাঠ'খন দিলে?
5. তেওঁ কাৰ পৰা গীত শিকিলে?
6. বিনয়ে চাহৰ লগত মিঠাম্প দিলে নে?
7. মিচেচ পাণ্ডে অসমীয়া কয় নে?

8. মিচেচ পাণ্ডেক কোনে সহায় কৰে?

9. মিচেচ পাণ্ডেৰ ওচৰ চুবুৰীয়া মানুহবোৰ কেনে?

10. বিনয়ে মিচেচ শম্পকীয়াইঁতৰ কাৰণে কি আনিলে?

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरणः

(ক) আপোনালোক নগাৰলৈ কেতিয়া আহিল?

→ তহঁত নগাৰলৈ কেতিয়া আহিলি?

1. আপুনি কলৈ গ'ল?
2. আপুনি কাৰপৰা অসমীয়া শিকিলে?
3. আপুনি এফাঁকি গীত গাওক।
4. আপুনি কিয় মিঠাম্প নানিলে?
5. আপোনালোকে এম্প কিতাপখন কেনে পালে?

(খ) তম্প চাহ আনিলি।

→ মম্প চাহ আনিলোঁ।

1. তম্প স্কুললৈ গলি।
2. তম্প চাহ নানিলি।
3. তম্প মিচেচ চহৰীয়াৰ পৰা গীত শিকিলি।
4. আপুনি জোৰকৈ ঘৰটো ললে।
5. মিচেচ নাথে মিচেচ পাণ্ডেক 'আদিপাঠ' এখন দিলে।

(গ) তম্প চাহ আনিলি।

→ তম্প চাহ নানিলি।

1. তম্প মিঠাম্প আনিলি।
2. তেওঁ সাধুকথা কলে।

3. মম্প ঘৰলৈ গলোঁ।
4. চুবুৰীয়া মানুহে আমাক সহায় কৰিলে।
5. তেখেতে মোক কিতাপখন দিলে।
6. আমি গীত শুনিলোঁ।

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ঘৰৰ কাম পূৰা __________ নাম্প। (হোৱা, হয়)
2. এম্প ঘৰটো __________ বিকাশ বৰুৱাৰ। (কোনো, কোনোবা)
3. মম্প অসমীয়া অলপ __________ কওঁ। (চলপ, অচৰপ)
4. মিচেচ নাথে মোক এম্প __________ দিলে। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. মিচেচ __________ মোক 'আদিপাঠ'খন দিলে। (নাথ, নাথে)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমি স্পয়ালৈ কালি __________। (আহ)
2. আপোনালোক এম্পটো ঘৰলৈ যোৱাকালি __________নেকি ? (আহ)
3. তেওঁ মোক 'আদিপাঠ'খন __________। (দি)
4. আমি ঘৰটো জোৰকৈ __________। (ল)
5. মম্প তেওঁৰ পৰা দুটা গীত __________। (শিক)

V. उदाहरण के अनुसार वाक्यांश मिला कर सही वाक्य बनाइए।

उदाहरण

(ক) বৰ আনন্দৰ : সাধুকথা

(খ) জীৱন এটি মধুৰ : কিতাপ

: কথা

→ (ক) বৰ আনন্দৰ কথা।

→ (খ) জীৱন এটি মধুৰ সাধুকথা।

1. চুবুৰীয়া মানুহ : হাঁহি

2. মধুৰ এফাঁকি : গীত
3. ছোৱালীৰ চকুৰ : পানী
4. মানুহৰ ওঁঠৰ : কেম্পঘৰ
5. শেষ নোহোৱা : সাধুকথা
: জীৱন

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

আপোনালোক কেতিয়া আহিল অসমলৈ

→ আপোনালোক কেতিয়া অসমলৈ আহিল?

1. চাহ দুকাপ বনোৱা তুমি
2. ভাল চুবুৰীয়া খুওব আমাৰ
3. অন্তহীন জীৱনটো ঐা কাহিনী
4. কৰি জোৰ লৈ ললোঁ মম্প

VII. विस्तार से उत्तर दीजिए।

1. শ্ৰীমতী পাণ্ডেৰ বিষয়ে দুম্প চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
2. শ্ৰীমতী শম্পকীয়াৰ বিষয়ে তিনি চাৰি শাৰী বাক্য লিখক।
3. ভিন্ন ভাষী মানুহক এক জোঁ কৰাত কি কি বিষয়ে সহায় কৰে?

पढ़िए और समझिए।

যোৱাকালিৰ কথা

শিক্ষকে অনিলক হোমৱৰ্কৰ বিষয়ে সুধিলে। সি তলমূৰ কৰিলে। কাৰণ সি অঙ্ক কেম্পা কৰিব নোৱাৰিলে। অঙ্ক কেম্পা দৰাচলতে বেচান। তাৰোপৰি সি যোৱা দেওবাৰে সমনীয়াৰ

লগত চিৰিয়াখানালৈ গ’ল। চিৰিয়াখানা চহৰৰ ভিতৰতে। সিহঁত অ’ৗেৰে চিৰিয়াখানালৈ গ’ল। তাত সিহঁতে বাঘ, হাতী, জেব্ৰা, সিংহ, ভালুক, ময়ূৰ আদি নানান জীৱজন্তু দেখিলে। সিহঁতে ঘৰিয়াল, অজগৰ আৰু বহুত চৰাম্প চিৰিকতি দেখিলে।

অনিলহঁতে চিৰিয়াখানা ভালেম্প পালে। তাত সিংহৗেৱে এবাৰ হঠাতে খুব জোৰেৰে গোজৰণি মাৰিলে। সিহঁত ভয়তে দৌৰিলে। সিহঁত আৰু তাত নাথাকিল। সিহঁত এখন চাহৰ দোকানত সোমাল আৰু চাহ মিঠাম্প খালে। আবেলি সিহঁত বাছেৰে উভতি আহিল। অনিলে শিক্ষকক সুধিলে, ‘আপুনি যোৱাকালি কেনি গ’ল?’

শিক্ষকে কলে, “মম্প ল’ৰা-ছোৱালী কেম্পৗক বজাৰলৈ নিলোঁ। সিহঁতৰ সাজ-পোচাক কিনিলোঁ। নুমলীয়া ল’ৰাৗেৰ কাৰণে কিছুমান খেলনা চালোঁ। কিন্তু নিকিনিলোঁ। কাৰণ বস্তুবোৰৰ দাম বৰ বেছি। তাৰোপৰি বস্তুবোৰ বেয়া।’ এনেতে প্ৰধান শিক্ষক সেম্পপিনে আহিল। শিক্ষকে কলে, ‘কথা চোবাবলৈ বাদ দিয়া। গণিতৰ বহী বাহিৰ কৰা।’ সকলোৱে এম্পবাৰ অংকৰ বহী উলিয়ালে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
বিষয়ে	के विषय में
তলমূৰ কৰিলে	सिर झुकाना
দৰাচলতে	दर असल
বহী	खाता, बही, नोटबुक
নোৱাৰিলে	न कर पाए
ৗন	कठिन
সমনীয়া	दोस्तों
চিৰিয়াখানা	चिड़ियाघर
কিহেৰে	किस (वाहन) से

সিংহ	सिंह
জেব্ৰা	जेब्रा
ভালুক	भालू
ময়ূৰ	मोर
ঘৰিয়াল	मगरमच्छ
অজগৰ	अजगर
চৰাম্প চিৰিকতি	चिड़िया
গোজৰণি	सिंह की दहाड़
দেখিলোঁ	देखा
ভয়তে	भय से
দৌৰিলোঁ	भाग गया
আবেলি	शाम के समय
উভতি আহিল	लौटकर आया
নাথাকিলোঁ	नहीं रुकना
সোমালোঁ	(अंदर) गया
বজাৰ	बाज़ार
কেনি	कहाँ
সাজ-পোচাক	वेश-भूषा
নুমলীয়া	कनिष्ठ/छोटा
খেলনা	खेलना
বেয়া	खराब
কাৰণ	कारण
তাৰোপৰি	इसके अलावा
কথা চোবাবলৈ	बातें बनाना
বাদ দে	छोड़ो
	गणित

गणित

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. অনিল কালি কেনি গ'ল?
2. চিৰিয়াখানাত সিংহটোৱে কি কৰিলে?
3. অনিলে ভয়তে কি কৰিলে?
4. সিংহটোৱে অনিলক আঁচুৰিলে নে?
5. শিক্ষকে ল'ৰাহঁতৰ কাৰণে কি কিনিলে?
6. শিক্ষকে কিয় খেলনা নিকিনিলে?
7. চিৰিয়াখানালৈ অনিলহঁত কেনেকৈ গ'ল?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. সিংহটোৱে জোৰেৰে ________ মাৰিলে।
2. মম্প ভয়তে ________ ।
3. শিক্ষকে ল'ৰাহঁতৰ ________ কিনিলে।
4. তেওঁ ল'ৰাটোৰ কাৰণে খেলনা চালে ________ ?
5. অঙ্ককেম্পা বৰ ________ আছিল।
6. আমি এখন দোকানত ________।
7. দোকানৰ খেলনাবোৰ ________।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

দেওবাৰে আমি কাজিৰঙালৈ গলোঁ। আমি বহুত জীৱ-জন্তু দেখিলোঁ। কিন্তু আমি সিংহ নেদেখিলোঁ। আমি তাত দিনটো কটালোঁ। কিন্তু তাত ৰাতি নাথাকিলোঁ। ৰাতিটো চুমোৰে উভতিলোঁ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मेहरा जी छात्रों के साथ बाज़ार गए। उन्होंने पिकनिक के लिए बहुत सारा सामान खरीदा। उन्होंने अपने बच्चों के लिए कुछ नहीं खरीदा। वापस जाते समय सबने एक रेस्टोरेंट में चाय पी। दीपक की तबीयत खराब थी। इसलिए उसने कुछ नहीं खाया।

टिप्पणियाँ

1. भूत काल वाचक प्रत्यय -स्पल् (-इल्)/ -ल (-ल) : यह असमिया भाषा का साधारण भूत काल वाचक प्रत्यय है। व्यंजनांत धातु के साथ -स्पल् (-इल्) और स्वरांत धातु के साथ -ल (-ल) जोड़ा जाता है। इसके बाद पुरुष वाचक विभक्ति जोड़ी जाती है। जैसे --

मस्प आह + -स्पल् + -ওঁ > আহিলোঁ

আমি খা + -ল্ + -ওঁ > খালোঁ

2. मध्यम पुरुष की विभक्ति : भूत काल में मध्यम पुरुष (तुच्छार्थ में) -स्प (-इ) युक्त होता है। नित्य वर्तमान में जो विभक्ति लगती है वही भूत काल में भी (आदरार्थ और सम्मानार्थ में) लगती है। जैसे --

तस्प आन + -स्पल् + -स्प > আনিলি

আমি খা + -ল্ + -स्प > খালি

3. যা- (जा-) : जा- धातु का रूप भूत काल में हिन्दी के समान ही होता है। যা- (जा-) बदलकर গ- (ग-) हो जाता है। গ- (ग-) के साथ कालवाचक प्रत्यय का प्रयोग होता है। जैसे --

मस्प যা- > গ- + -লোঁ > গলোঁ

সি যা- > গ- + -ল > গ'ল

4. अन्य पुरुष की विभक्ति : भूत काल में अन्य पुरुष की विभक्ति वर्तमान काल की विभक्ति से अलग है। केवल सकर्मक क्रिया के साथ -এ (-ए) का प्रयोग होता है। जैसे --

সি কৰ + -ম্পল্ + -এ > কৰিলে

সি খা + -ল্ + -এ > খালে

সি আহ + -ম্পল্ + -Ø > আহিল

5. पार- धातु कि विशेषता : 'পাৰ-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप (नोवार-) होता है और इसके साथ ही कालवाचक विभक्तियों का प्रयोग होता है। जैसे --

পাৰোঁ > নোৱাৰোঁ

পাৰিলোঁ > নোৱাৰিলোঁ

পাৰিলি > নোৱাৰিলি

6. -না (-ना) : आज्ञावाचक क्रिया के साथ -না (-ना) का प्रयोग करने पर अनुरोध में नम्रता और आदेश का बोध होता है।

7. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में विद्यार्थियोंको साधारण भूत काल में प्रयोग में आने वाले वाक्योंसे परिचित करवाया गया है। इसके अलावा 'পাৰ-' (पार-) धातु का नेतिवाचक रूप में प्रयोग भी सिखाया गया है।

পাঠ
पाठ

8

আমাৰ মহান ভাৰতবৰ্ষ

মিচেচ জেনা : ৰাজু, ৰুমা, গৰমৰ বন্ধটো তোমালোকে কেনেকৈ কটালা? কিবা নতুন কিতাপ-পাতি পঢ়িলা নে?

ৰাজু : আমি ১৫ দিন ভাৰত ভ্ৰমণ কৰিলোঁ। যোৱা দেওঁবাৰে উভতিলোঁ

মিচেচ জেনা: ভাৰত ভ্ৰমণত কি কি দেখিলা? ক'ত ক'ত থাকিলা?

ৰাজু : আমি কলিকতা, কোণাৰ্ক, পুৰী আৰু মহীশূৰ চালোঁ। জানা বাম্পদেউ, কলিকতা মহানগৰীত বৰ ভিৰ। তাত পৰুৱাৰ লানি যেন মানুহৰ শাৰী। মানুহবোৰ কেৱল দৌৰেহে। কোণাৰ্ক উৰিষ্যাৰ চন্দ্ৰভাগাৰ তীৰত অৱস্থিত। সীমাহীন বালুকা-ৰাশিৰ

मेरा भारत महान

श्रीमती जेना : राजू, रूमा गर्मी की छुट्टी तुमलोगों ने कैसे बिताई? क्या तुमलोगों ने कोई नई पुस्तक-पत्रिका पढ़ी?

राजू : हमने १५ दिन भारत भ्रमण किया। पिछले रविवार को लौटे हैं।

श्रीमती जेना : भारत भ्रमण में क्या क्या देखा? कहाँ कहाँ रुके?

राजू : हमने कलकत्ता, कोणार्क, पुरी और मैसूर देखा। जानती हो दीदी, कलकत्ता बड़ा भीड़-भाड़ वाला शहर है। यहाँ चींटी की तरह लोगों की कतारे दिखती हैं। हर आदमी वहाँ केवल दौड़ता ही दिखता है। कोणार्क उड़ीसा में चन्द्रभागा के किनारे स्थित है। असीम बालू के ढेरों में झाउँ झण्डियों की तरह दिखते हैं। सुई की तरह नुकीली पत्तियाँ हवा में नाचती

মাজত শাৰী শাৰী ঝাউগছ। বেজি যেন জোঙা জোঙা পাত। তাতে বতাহৰ সোঁ সোঁৱনি, মাজে মাজে চৰাম্পৰ কিৰিলি, তাৰ মাজত যুগৰ সাক্ষীস্বৰূপ কোণার্ক সূর্য্যমন্দিৰ।

रहती हैं। बीच बीच में चिड़ियों की चहचहाहट। इन सबके बीच स्थित है -- युगों का साक्षी कोणार्क सूर्यमन्दिर।

মিচেচ জেনাঃ তোমালোকে কোণার্কৰ ফটো ল'লানে? ৰাতি ক'ত থাকিলা? আমাৰ ঘৰ কোণার্কৰ ওচৰতে। তোমালোকে আমাৰ তালৈ ন'গলা কিয়?

श्रीमती जेना : तुमलोगों ने कोणार्क के फोटो नहीं लिए क्या? रात कहाँ रहे? हमारा घर कोणार्क के पास ही है। तुमलोग हमारे यहाँ क्यों नहीं गए?

ৰুমা : আমি নাজানোঁ নহয়। আমি পান্থ নিবাসতে থাকিলোঁ।

रुमा : हमलोग जानते ही नहीं थे। हम पंथ निवास में रुके थे।

মিচেচ জেনাঃ পুৰীত কি কৰিলা? তাত চাগৈ ৰাতি নাথাকিলা?

श्रीमती जेना : पुरी में क्या किया? वहाँ शायद रात नहीं रुके?

ৰুমা : পুৰীত সাগৰত গা ধুলোঁ। মাছমৰীয়াবোৰৰ কাম কাজ উপভোগ কৰিলোঁ। তাৰ পাছত জগন্নাথ মন্দিৰ চালোঁ। তাত অগণন ভক্তৰ ভিৰ।

रुमा : पुरी में हमने सागर स्नान किया। मछुआरों के कार्यकलाप का आनन्द लिया। उसके बाद जगन्नाथ मन्दिर देखा। वहाँ अनगिनत भक्तों की भीड़ थी। मुख्य मन्दिर बहुत ऊँचा है। पास में अनेक छोटे बड़े मन्दिर हैं। हमारी आखों के सामने ही एक आदमी मन्दिर के शिखर पर चढ़ गया। शिखर पर पताका बांधी। पुरानी पताका

মূল মন্দিৰটো বেচ ওখ। কাষত অগণন সৰু চাপৰ মন্দিৰ। আমাৰ চকুৰ আগতে এজন মানুহ মন্দিৰৰ ওপৰত উঠিল। শিখৰত পতাকা বান্ধিলে। পুৰণি পতাকা তলত পেলাম্প দিলে। তাৰ পাছত সৰ সৰাম্প নামি আহিল। আমি তধা লাগিলোঁ।

মিচেচ জেনাঃ শেষত চাগৈ মহীশূৰ পালাগৈ? তাত চাগৈ বেচ মজা কৰিলা।

ৰাজু : হয় বাম্পদেউ। মহীশূৰ বৰ শুৱনি ঠাম্প। আলিবাটৰ দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে কৃষ্ণচূড়া। কিঁকীয়া ৰঙা ফুলৰ ভৰত দোঁ খাম্প আছে। ঠায়ে ঠায়ে ওখ ওখ স্পউক্লিপ্টাচ। বৃন্দাবন-গার্ডেনত আকৌ বগা, হালধীয়া, নীলা আৰু গোলাপী ৰঙৰ নানা ফুলৰ বাহাৰ। ফুলে ফুলে ৰং চঙীয়া

को नीचे फेंक दिया। उसके बाद सर सराकर नीचे उतर
आया। हमलोग देखते ही रह गए।

श्रीमती जेना: अंत में शायद मैसूर पहुँचे होगे? वहाँ तो बड़ा आनंद आया होगा?

राजू : हाँ दीदी, मैसूर बहुत सुंदर है। सड़को के किनारे गुलमोहर के पेड़ हैं। गाढ़े लाल फूलों के भार से पेड़ झुक गए हैं। स्थान स्थान पर लंबे लंबे युकलिपटस भी हैं। वृन्दावन-गार्डन में तो सफेद, पीले, नीले और गुलाबी हर रंग के फूलों की बाहार है। फूल-फूल पर रंग बिरंगी तितलियाँ उड़ती रहती हैं। पूरे बाग में पानी के फव्वारे हैं।

श्रीमती जेना: तब तो तुमलोगों ने छुट्टी का बहुत अच्छा प्रयोग कर लिया। अच्छा अब इस विषय में दोस्तों

পখিলা। গোটেই বাগিছাত অজস্ৰ পানীৰ ফোঁৱাৰা।

মিচেচ জেনা: তোমালোকে তেনেহলে বন্ধটো বৰকৈ উপভোগ কৰিলা। বাৰু, এই বিষয়ে বান্ধৱীলৈ এখন চিঠি লিখা।

को चिट्ठी लिखना।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
গৰম	गर्मी
কেনেকৈ	कैसे
নতুন	नया
কিতাপ-পাতি	पुस्तक आदि
দুসপ্তাহ	दो हफ्ते
দেওবাৰ	रविवार
উভতিলোঁ	वापस आया हूँ, लौटा हूँ
থাকিলা	(तुम) रहे
চালোঁ	(मैंने) देखा
সবাতোকৈ	सबसे
পৰুৱা	चींटी
লানি	कतार
শাৰী	पंक्ति
দৌৰে	दौड़ते हैं

তীৰত	किनारे, तीर पर
বেজি	सुई
জোঙা	नुकीली
বতাহ	हवा
সোঁ সোৱনি	सांय-सांय, सर-सर
চৰাম্প	चिड़िया
কিৰিলি	चहक, चहचहाना
ল’লা	(तुम) लिया
ওচৰতে	पास में ही
গা ধুলোঁ	(मैं) नहाया
মাছমৰীয়া	मछुआरे
ওখ	ऊँचा
ওপৰত	ऊपर
তলত	नीचे
সৰসৰাম্প	सर सराकर
তধা লাগিলোঁ	दीखती रह गई
মজা	आनन्द
দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে	किनारे किनारे
ˊকি ˊকীয়া	गाढ़ा रंग का
ভৰ	भार
দোঁ খাম্প আছে	झुक जाते हैं
বগা	सफेद
হালধীয়া	पीले, हल्दिया रंग में
নীলা	नीला
	गुलाबी

গোলাপী	रंगका
ৰঙৰ	तितलियाँ
পখিলা	उड़ती फिरती हैं
উৰি ফুৰিছে	पूरे
গোটেই	सहेली
বান্ধবী	चिट्ठी
চিঠি	

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए:

1. গৰমৰ বন্ধত ৰাজুহঁতে কি কি কৰিলে?
2. কোনে কোনে কলিকতা, পুৰী আদি চালে?
3. ঝাউ গছৰ পাতবোৰ কেনেকুৱা?
4. সূৰ্য মন্দিৰ ক'ত অৱস্থিত?
5. ৰুমাইঁত ৰাতি ক'ত থাকিল?
6. ৰুমাইঁতে পুৰীত কি চালে?
7. মানুহজনে মন্দিৰৰ শিখৰত কি বান্ধিলে?
8. গছবোৰ কিয় দোঁ খাম্প পৰিছে?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. দোকানৰ সম্মুখত মানুহৰ দীঘল ______________ ।
2. ঝাউ গছৰ পাত বেজীৰ দৰে ______________ ।
3. সাগৰৰ পাৰত ______________ মানুহে মাছ বেচিছে।
4. জগন্নাথ মন্দিৰ বৰ ______________ ।

5. ৰাস্তাৰ ____________ কৃষ্ণচূড়া।

6. ফলৰ ভৰত আমগছ ______________ খাম্পছে।

7. ফুলে ফুলে ___________ পখিলা।

8. তোমাৰ বন্ধুলৈ এখন ______________ লিখা।

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(নহয়, চাগৈ, না, চোন, হে, বা)

1. আমি পুৰী নহয়, কোণাৰ্ক _______ চালো।

2. মম্প ______ কি কলো?

3. তোমালোকে _____ বৰ মজা কৰিলা।

4. তুমি এখন চিঠি লিখা ____।

5. আমি পুৰী দেখা নাম্প ___

6. গোৱা ____ , গীত ঐা গোৱা।

IV. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(ক) বিনয়, তম্প ক’লৈ গলি?

→ বিনয়, তুমি ক’লৈ গ’লা?

1. তম্প ক’ত ঘৰ ললি?
2. তম্প কাৰ পৰা গীত শিকিলি?
3. তম্প কিয় মিঠাম্প নানিলি?
4. আপুনি পুৰীত ক’ত থাকিল?
5. আপুনি চাগৈ বৰ মজা কৰিলে!

6. তম্প চাগৈ বহুত ফটো ললি!

(খ) আমি কলিকতা দেখিছোঁ।

→ আমি কলিকতা দেখিলোঁ।

1. মম্প ঐা গীত গাম্পছোঁ।
2. তেওঁ মিচেচ নাথৰ পৰা শিকিছে।
3. তেওঁলোক মহীশূৰলৈ গৈছে।
4. ফুলৰ ভৰত গছ দোঁ খাম্প পৰিছে।
5. তোমালোকে সাগৰত গা ধুম্পছানে?
6. তম্প চিঠি লিখিছনে?
7. আপুনি সূৰ্য মন্দিৰ চাম্পছেনে?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

(क) বহীবোৰ মম্প পৰীক্ষাৰ চালোঁ

→ মম্প পৰীক্ষাৰ বহীবোৰ চালোঁ।

1. মম্প শুনিলোঁ গীত এম্পটো বহুতবাৰ
2. মম্প আহিলোঁ যোৱা দেওবাৰে দিল্লীৰ পৰা
3. নেদেখিলোঁ তেওঁক কতো মম্প
4. ফটো বৃন্দাবন তুমি গাৰ্ডেনৰ তুলিলানে

VI. नीचे दिए गए वाक्यों में विपरीत अर्थ देनेवाले शब्दों को रेखांकित कीजिए और इनका वाक्योंमें प्रयोग कीजिए:

তেওঁ কেতিয়াবা থিয়েটাৰ চায় ; কিন্তু কেতিয়াও চিনেমা নাচায়। তেওঁলোক এম্পবাৰ অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ভাল পালে ; কিন্তু শিৱসাগৰ বেয়া পালে।

তেওঁলোক গুৱাহাটীলৈও গ'ল। কামাখ্যা আৰু উমানন্দ চালে। কামাখ্যা মন্দিৰ পাহাৰৰ ওপৰত ; কিন্তু দেবীৰ পীঠ মাঁৰি তলত। উমানন্দ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ মাজত ; কিন্তু শুক্লেশ্বৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ কাষত।

VII. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. কলিকাতাৰ বিষয়ে দুাাআন বাক্য লিখক।
2. উৰিষ্যাৰ চন্দ্ৰভগা নদীৰ সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে লিখক।
3. বৃন্দাবন গাৰ্ডেনৰ বিষয়ে কেম্পশাৰীমান লিখক।

पढ़िए और समझिए।

সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান

কালি কলাক্ষেত্ৰত সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান হ'ল। সেম্প অনুষ্ঠানত উমাম্প ভৰত নাঁ্যম নাচিলে। কালি অনুষ্ঠানৰ মাজত লাম্পৌ গ'ল। তেতিয়া তাত হুলস্থুল লাগিল। পিছত পুলিচ আহিল। সকলো শান্ত হ'ল। অনুষ্ঠান আকৌ আৰম্ভ হ'ল। কালিৰ অনুষ্ঠানত উমাম্প প্ৰথম পুৰস্কাৰ পালে। কালি পুৰস্কাৰ ঘোষণাহে কৰিলে; কিন্তু নিদিলে। ৰাতি উমা দেউতাকৰ লগত উভতি আহিল।

আজি ৰাতিপুৱা উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ কাৰ্য্যালয়লৈ গ'ল। আবেলি গীতা আহিল। তাম্প কালিৰ অনুষ্ঠানলৈ নগ'ল। অনুষ্ঠানৰ কথা তাম্প পাহৰি গ'ল। গীতাম্প উমাক সুধিলে -- "তম্প সত্ৰীয়া নাচিলিনে ভাৰত নাঁ্যম?" তেতিয়া উমাম্প কলে -- "মম্প ভাৰত নাঁ্যমহে নাচিলোঁ; সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।" তেনেতে উমাৰ মাক আহিল। তেওঁ গীতাক সুধিলে -- "গীতা, কেতিয়া আহিলা, চাহপানী খালা নহয়?" গীতাম্প তেতিয়া কলে, "চাহ পানী ক'ত খালোঁ, এম্পমাত্ৰ আহিছোঁহে।"

উমাৰ মাক মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। মহিলা সমিতিয়ে এখন প্ৰদৰ্শনীৰ আয়োজন কৰিছে। গীতাৰ মাকো মহিলা সমিতিৰ সদস্যা। আহিবৰ সময়ত উমাৰ মাকে গীতাক সুধিলে -- "তোমাৰ মাৰায়ো কিবা কৌং বা চিলাম্প কৰিছে নেকি?" তেতিয়া গীতাম্প উত্তৰ দিলে -- "জানোঁ, মম্প ভালকৈ নাজানোঁ।"

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
লাম্পৌ	लाइट/बिजली
হুলস্থুল	शोरगोल
শান্ত	शांत
ঘোষণাহে	घोषणा ही
ৰাতিপুৱা	सवेरे
আবেলি	शामको
এম্পমাত্ৰ	अभी अभी
সদস্যা	सदस्या
আয়োজন	आयोजन
মাৰায়ো	(तुम्हारी) माँ भी
ভালকৈ	अच्छी तरह

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. উমা কলা ক্ষেত্ৰলৈ গ'লনে?
2. উমাম্প কি নাচ নাচিলে?
3. প্ৰথম পুৰস্কাৰ কোনে পালে?
4. উমাৰ মাক ক'লৈ গৈছিল?

5. মহিলা সমিতিয়ে কিহৰ আয়োজন কৰিছে?

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(দেম্প, চোন, তো, হে, ও, নহয়, দেখোন)

1. মম্প ভৰত নৌ্যম _______ নাচিলোঁ, সত্ৰীয়া নানাচিলোঁ।
2. বাৰু, ক _______ পুৰস্কাৰ কোনে পালে।
3. মম্প ____________ আশাম্প কৰা নাছিলোঁ।
4. মম্প চাহ ক'ত খালোঁ, মম্প _________ এম্পমাত্ৰ আহিছোঁ।
5. তোমাৰ মাৰা মহিলা সমিতিলৈ গৈছিল, আমাৰ মা _____ তালৈ গৈছিল।
6. বাৰু অলপ বহা ____, মম্প চাহ কৰি আনোঁ।

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

তেওঁলোক এম্পবাৰ অসমলৈ আহিছে। তেওঁলোকে কাজিৰঙা ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান চালে। কাজিৰঙা এশিঙয়া গড়ৰ কাৰণে প্ৰসিদ্ধ। তাৰ পাছত তেওঁলোক দেৰগাৱলৈ গ'ল। দেৰগাৱত নেঘেৰিং শিৱদ'ল চলে। এম্প শিৱদ'ল এৗ সৰু িলাৰ ওপৰত অবস্থিত। দেৰগাওাউনৰ পৰা নেঘেৰিঙলৈ ৬ কি. মি. মান দূৰ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल हमलोग क्न्याकुमारी गए थे। हमने वहाँ समुद्र में स्नान किया। गांधी मंडपम् देखा। फिर एक बड़ी नाव में बैठकर विवेकानन्द शिला पर पहुँचे। वहाँ से समुद्र का दृश्य देखने लायक था। शाम को हम समुद्र तट पर जा बैठे। वहाँ से सूर्यास्त का दृश्य देखा।

V. विस्तार से उत्तर दीजिए :

1. কলাক্ষেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ বিষয়ে লিখা।
2. কলাক্ষেত্ৰৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানৰ পুৰস্কাৰ বিতৰণৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখা।
3. উমাৰ মাকৰ বিষয়ে যি জানা লিখা।

टिप्पणियाँ

1. হে : असमिया वाक्य में किसी शब्द पर बल या जोर देने के लिए '-হে' (-हे) का प्रयोग किया जाता है। जैसे -- মানুহে দৌৰেহে (मानुहे दौरेहे) 'आदमी दौड़ता है'। हिन्दी (ही) के अर्थ में इसका प्रयोग होता है।

2. -কৈ (i) विशेषण शब्द के साथ '-কৈ' (-कोइ) जोड़कर असमिया में क्रिया विशेषण बनाया जाता है। जैसे- বৰ + -কৈ = বৰকৈ   লাহে + -কৈ = লাহেকৈ

(ii) तुलना के लिए भी {-কৈ} का प्रयोग होता है। इस स्थिति में अधिकरण का '-ত', '-অত' (-त, -अत) जोड़ने के बाद {-কৈ} जोड़ा जाता है।

जैसे -- বিমলা + -ত +-কৈ = বিমলাতকৈ

পুৰী + -ত +-কৈ = পুৰীতকৈ

ঘৰ + -অত +-কৈ = ঘৰতকৈ

3. এ : युग्म शब्दों में '-এ' (-ए) जोड़कर असमिया में अधिकरण कारक बनाया जाता है। जैसे --

ফুল ফুল = ফুলে ফুলে

দাঁতি দাঁতি = দাঁতিয়ে দাঁতিয়ে

4. নহয় : असमिया भाषा में इस शब्द का नकारात्मक अर्थ के अतिरिक्त सकारात्मक निश्चयार्थक अर्थ भी होता है। जैसे --

তুমি খাম্পছা নহয় -- तुमने खाया ना।

তুমি দিছা নহয় -- तुमने दिया ना।

5. চালোঁ : দেখিলোঁ : दोनों का हिन्दी अर्थ 'देखना' होता है। लेकिन दोनों के असमिया अर्थ में अंतर है। जैसे --

চালোঁ **--** ध्यान से देखना।

দেখিলোঁ -- सामान्य रूप से देखना।

6. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में भूत काल का ही विस्तृत प्रयोग दिखाया गया है। मध्यम पुरुष के सामान्य और मान्यार्थ दोनों रूपों का अधिक प्रयोग हुआ है। साथ ही कुछ नकारात्मक वाक्यों के प्रयोग भी दिखाए गए हैं।

পাঠ 9
पाठ 9

ডাক্তৰ বিচাৰি

মি. পাণ্ডে : নমস্কাৰ, ডাক্তৰ মহাশয়।

ডা. বৰুৱাঃ অ' নমস্কাৰ। আহক, আপোনাৰ আকৌ কি হ'ল?

মি. পাণ্ডে : যোৱা কালি বন্ধু এজনৰ ঘৰলৈ গৈছিলোঁ। তেওঁ মাছ মাংস দুয়ো্প যোগাৰ কৰিছিল। অলপ বোধহয় বেছিকৈ খালোঁ। পৈটো ঘুঁ ঘুঁম্প আছে।

ডা. বৰুৱাঃ শৌচ পেচাব কেনেকুৱা?

মি. পাণ্ডে : আগৰাতি তিনিবাৰ পাতল শৌচ কৰিছিলোঁ। তাৰ পিছত আৰু হোৱা নাম্প। কেৱল পৈটোহে বিষাম্প আছে।

ডা. বৰুৱাঃ এতিয়া শ্পয়াতে অকণমান শুম্প দিয়ক। আপোনাৰ জিভাখন চাওঁ। এবাৰ দীঘলকৈ উশাহ লওক।

डाक्टर की खोज में

श्रीमान पांडे : नमस्कार डाक्टर साहब?

डॉ. बरुआ : नमस्कार। आइए, बताइए, आपको क्या हुआ है?

श्रीमान पांडे : कल एक दोस्त के घर गया था। उन्होंने मांस मछली की व्यवस्था की थी। लगता है कुछ ज़्यादा खा लिया। पेट में गुड़ गुड़ाहट हो रही है।

डॉ. बरुआ : टट्टी पेशाब का क्या हाल है?

श्रीमान पांडे : आधी रात तक तीन बार पतले दस्त हुए। उसके बाद दस्त नहीं हुए। केवल पेट में दर्द है।

डॉ. बरुआ : यहाँ लेट जाइए। अपनी जीभ दिखाइए। जरा लंबी सांस लीजिए। अपना हाथ निकालिए। ....रक्तचाप भी

চাওঁ, হাতখন দিয়ক। ....ৰক্তচাপও ঠিকেই আছে। কেৱল অজীৰ্ণ। আগতে আপোনাৰ কেতিয়াবা এনেকুৱা হৈছিল নে?

মি. পাণ্ডে : যোৱা বছৰ এবাৰ হৈছিল। নিজে নিজে ভাল হ'ল। আৰু চাওক। এই আঙুলিটোত ঘাঁ হৈছে।

ডা. বৰুৱাঃ ঘাঁ কেনেকৈ হ'ল?

মি. পাণ্ডে : ব্লেডে কাটিছিল।

ডা. বৰুৱাঃ অলপ চেপ্তিকৰ নিচিনা হৈছে। কোনো কথা নাই। মই ঔষধ লিখি দিছোঁ।

মি. পাণ্ডে : ধন্যবাদ। আপোনাৰ ফিজটো লওক।

ডা. বৰুৱা : ধন্যবাদ।

ठीक है। केवल अजीर्ण है। आपको पहले कभी ऐसा हुआ था क्या?

श्रीमान पांडे : पिछले साल, एकबार हुआ था। ऐसे ही ठीक हो गया था। देखिए इस उंगली में घाव हो गया है।

डॉ. बरुआ : घाव कैसे हो गया?

श्रीमान पांडे : ब्लेड से कट गया था।

डॉ. बरुआ : थोड़ा सेप्टिक-सा हो गया है। कोई बात नहीं, मैंने दवाई लिख दी है।

श्रीमान पांडे : धन्यवाद। यह लीजिए आपकी फीस।

डॉ. बरुआ : धन्यवाद।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
আকৌ	फिर

কালি

মাছ

মাংস

ঘু ঘুাম্প

শৌচ

পেচাব

আগৰাতি

পাতল

কেৱল

বিষাম্প আছে

কিবা

শুম্প দিয়ক

দীঘল

উশাহ

হাত

ৰক্তচাপ

অজীর্ণ

আগতে

কেতিয়াবা

এনেকুৱা

যোৱা বছৰ

নিজে নিজে

আঙুলি

ঘাঁ

कल (बीता हुआ)

मछली

मांस

गुड़ गुड़ कर

टट्टी

पेशाब

रातका पहला भाग

पतला

केवल

पीड़ा, दर्द हो रहा है

क्या

लेट जाइए

लंबी

सांस

हाथ

रक्तचाप

अजीर्ण

पहले

कभी

ऐसा

पीछले साल

अपने आप

उंगली

घाव

कट गया

কৰিছিল	अल्प, थोड़ा
অলপ	जैसा
নিচিনা	कोई
কোনো	दवाई
ঔষধ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण:

(क) মই এদিন চিৰিয়াখানালৈ গলোঁ।

→ মই এদিন চিৰিয়াখানালৈ গৈছিলোঁ।

1. মই স্পয়ালৈ আহিলোঁ।
2. মই কামটো কৰিলোঁ।
3. মই আজি বহুত খালোঁ।
4. আমি গছ জোপা কাটিলোঁ।
5. মই কিতাপখন দিলোঁ।

(ख) তেওঁ চিঠিখন লিখিলে।

→ তেওঁ চিঠিখন লিখিছিল।

1. তেওঁ কিতাপখন দিলে।
2. তেওঁৰ হাতখন কাটিলে।
3. তেওঁলোকে ভাত খালে।
4. যোৱা ৰাতি খুব বৰষুণ হ'ল।
5. তেওঁ কামটো কৰিলে।

II. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम शब्द लिखिए।

বেছি

দীঘল

পিছ

বহুত

অলপ

III. सही जोड़े बनाइए।

পৈ	জন
কিতাপ	গৰাকী
মানুহ	জনী
ছোৱালী	টো
মহিলা	খন

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. যোৱা ৰাতি মি. পাণ্ডে কেনি গৈছিল?

2. মি. পাণ্ডেয়ে কি কি খাম্পছিল?

3. পাণ্ডেৰ আচলতে কি অসুখ হৈছে?

4. পাণ্ডেৰ ৰক্তচাপ ঠিক আছেনে?

5. পাণ্ডেৰ হাতত কেনেকৈ ঘাঁ হৈছিল?

V. वाक्य बनाइए :

আগত	আগতে
চালে	দেখিলে

কিহবাম্প কিহে

কেতিয়াবা কেতিয়াও

আছিলোঁ থাকিলোঁ

VI. नीचे दिए गए शब्दों के विलोम रूप लिखिए और उनका वाक्य में प्रयोग कीजिए।

বেছি

দীঘল

বহুত

ওখ

ভাল

पढ़िए और समझिए।

বতৰ

সেম্পদিনা ৰাতি আকাশত মেঘে গাজিছিল, মাজে মাজে বিজুলী ঢেৰেকনিও মাৰিছিল। তেতিয়ালৈ মিচেচ বৰুৱাৰ ভাত হৈছিল। তেওঁ সকলোকে মাতিছিল। দীপা আৰু ৰীতা আহিছিল। কিন্তু ৰাতুল অহা নাছিল। মাকে আকৌ মাতিছিল, 'ৰাতুল, বেগেতে আহ।' ৰাতুল আহিছিল। মাকে সুধিছিল -- 'তম্প কি কৰি আছিলি? স্পমান দেৰি কিয় অহা নাছিলি?' 'মম্প পঢ়ি আছিলোঁ' - ৰাতুলে কলে। তাৰ পাছত সি ভিতৰত বহিছিল। হঠাৎ জোৰেৰে বৰষুণ দিছিল। লগে লগে মিচেচ বৰুৱাম্প দুৱাৰ খিৰিকিবোৰ বন্ধ কৰি দিছিল। এনেতে ঘন ঘন কৈ ঘৰৰ কলিং বেল বাজিছিল। মিচেচ বৰুৱাম্প দুৱাৰ খুলিছিল। মি. বৰুৱা বাহিৰত বৈ আছিল। মিচেচ বৰুৱাম্প সুধিছিল -- 'তুমি স্পমান দেৰী ক'ত আছিলা'? বৰুৱাম্প লাহেকৈ কৈছিল -- 'মম্প

দত্তৰ ঘৰত আছিলোঁ’। মিচেচ বৰুৱাম্প কৈছিল -- ‘এতিয়া আহা, কাপোৰ সলোৱা আৰু ভাত খোৱাহি।’

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
সেম্প দিনা	उस दिन
ৰাতি	रात
আকাশত	आकाश में
মাজে মাজে	बीच बीच में
মেঘ	बादल
বিজুলী	बिजली
ঢেৰেকনি	कौंध, गड़गड़ाहट
সকলোৱে	सभी को
বেগেতে	जल्दी
সুধিছিল	पूछा था
অহা নাছিল	आया नहीं था
বহিছিল	बैठा था
হঠাৎ	अचानक
লগে লগে	साथ साथ में
পাছত	पीछे
দুৱাৰ	द्वार
খিৰিকি	खिड़की
ঘন ঘনকৈ	बार बार
বাজিছিল	बजा था

দেৰি	विलंब
সলোৱা	बदलना
খোৱাহি	आकर खाओ

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মিচেচ বৰুৱাৰ ল'ৰা ছোৱালী কেম্পা?
2. ৰাতুল কিয় অহা নাছিল?
3. কেনেকুৱা বৰষুণ হৈছিল?
4. মি. বৰুৱা স্পমান দেৰীলৈ ক'ত আছিল?
5. মিচেচ বৰুৱাৰ তেতিয়া ভাত হৈছিল নে?

II. पाठ के आधार पर रिक्त स्थानों की पूर्ति कर वाक्य बनाइए।

1. আকাশত মেঘে ________ ।
2. মাজে মাজে বিজুলী ________মাৰিছিল।
3. তেওঁ দীপা, ৰীতা আৰু ৰাতুল ________ মাতিছিল।
4. মাকে সুধিলে 'তম্প স্পমান ______ কি কৰিছিলি।'
5. মিচেচ বৰুৱাস্প দুৱাৰ ________বন্ধ কৰিছিল।
6. মিচেচ বৰুৱাস্প কলে -- 'আঁহা কাপোৰ ________।'

III. विलोम शब्द लिखिए।

ওপৰ, নতুন, আগে, স্পয়াত, ছুঁ, ওখ, বেয়া

II. हिंदी में अनुवाद कीजिए :

ম্স্প কালি কামাখ্যা মন্দিৰলৈ গৈছিলোঁ। মোৰ লগত বন্ধু বলীনো গৈছিল। আমি মন্দিৰত পূঁজা কৰিছিলোঁ। তাৰ পাছত আমি নামি আহিছিলোঁ। আহোঁতে অলপ অলপ বৰষুণ পৰিছিল। আমি গধুলি ঘৰ পাম্পছিলোঁ। মায়ে সুধিছিল -- 'কিয় স্পমান দেৰি হল?' আমি কৈছিলোঁ -- 'বৌত বৰষুণ আহিছিল।'

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मैं कल अपने दोस्त के घर गया था। दोस्त के घर भोज का आयोजन था। भोज में बढ़िया चीज़ें पेश की गईं। खाने में पूड़ी-कचौड़ी के साथ दोसा भी था। दाल-भात के साथ हलवा भी था। रसगुल्ले के साथ मालपुआ भी था। मैं कुछ ज़्यादा ही खा गया। नतीजा हुआ पेट की गड़बड़ी। डॉक्टर ने दो दिनों तक कुछ न खाने की हिदायत दी। आराम करने के लिए मैंने एक दिन की छुट्टी भी ली।

टिप्पणियाँ

1. पূর্ণভুত কালৰ ক্ৰিয়া (पूर्ण-भूत काल की क्रिया) : धातुके साथ {-স্পছ+-স্পল} जोड़ कर पुर्ण-भूत काल का गठन किया जाता है। इसी ढंग से गठित धातु के साथ उत्तम पुरुष में {-ওঁ}

(-ओं), मध्यम पुरुष तुच्छार्थ और समानार्थ में क्रमशः {-স্প} (-इ),{-আ} (-आ) जोड़ा जाता है। लेकिन मध्यम पुरुष मान्यार्थ और अन्यपुरुष में {-Ø} कोई पुरुष विभक्ति नहीं लगती। इस में सकर्मक और अकर्मक का कोइ भेद नहीं होता। जैसे --

ম্স্প	কৰ +	-স্পছ্	+ -স্পল্	+ -ওঁ	=	কৰিছিলোঁ
আপুনি	খা +	-স্পছ্	+ -স্পল্	+ -Ø	=	খাম্পছিল
বৰষুণ	হ +	-স্পছ্	+ -স্পল্	+ -Ø	=	হৈছিল

1. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में पूर्ण-भूत काल की क्रिया का प्रयोग बताया गया है।

পাঠ
पाठ 10

অৱসৰ পোৱাৰ পিচত

মি. গুপ্তা : নমস্কাৰ শম্পকীয়া দেৱ। আপোনাক আজি কালি দেখা নাপাওঁ।

মি. শম্পকীয়া : যোৱা জানুৱাৰীত মম্প অৱসৰ পালোঁ। কাজেম্প বেছি সময় ঘৰতে থাকোঁ। মাজে মাজে অবশ্যে দিছপুৰলৈ তাঁত বাতি কৰি থাকিব লাগে।

মি. গুপ্তা : কিয় বা?

মি. শম্পকীয়া : মোৰ পেঞ্চনৰ কামখিনি হোৱাগৈ নাম্প। প্ৰথমতে কেৰাণী, তাৰ পাছত বৰবাবুৰ পিছে পিছে ঘূৰিব লাগে। শেষত অফিছাৰ-কো সন্তুষ্ট কৰিব লাগে। এম্পদৰে ভালে কেম্পদিন হয়গৈ।

মি. গুপ্তা : আমাৰ পিছে এম্পটো চিন্তা নাম্প। পেঞ্চন সময়মতেম্প হয়।

सेवा निवृत्ति के बाद

श्री गुप्ता : नमस्कार सइकिया जी। आपको आजकल नहीं देख पा रहा हूँ।

श्री सइकिया : पिछली जनवरी में मुझे सेवा से अवकाश मिल गया है। इससे अधिक समय घर में ही रहता हूँ। बीच बीच में मुझे दिसपुर का चक्कर अवश्य लगाना पड़ता है।

श्री गुप्ता : ऐसा क्यों?

श्री सइकिया : मेरा पेंशन का काम तो लटका हुआ ही है। पहले क्लर्क, फिर बड़े बाबू के पीछे-पीछे घूमना पड़ता है। बाद में अफसरों को खुश करना पड़ता है। इस तरह चक्कर काटते-काटते महीनों गुज़र जाते हैं।

श्री गुप्ता : हमारे साथ इस तरह की परेशानी नहीं है। पेंशन के

कागज़ात समय पर तैयार मिलते हैं।

মি. শম্পকীয়া : আপোনালোক চেন্ট্ৰেলৰ চাকৰি-য়াল। তাত সেম্পৰিোৰেম্প ভাল। পিছে আপুনি কেতিয়া অৱসৰ লব?

মি. গুপ্তা : মম্প অহা জুনত অৱসৰ ল'ম।

মি. শম্পকীয়া : হয় নেকি? আপুনি চাগৈ নিজৰ ঠাম্পলৈ যাব!

মি. গুপ্তা : নহয়, মম্প স্পয়াতেম্প থাকিম। তেজপুৰৰ ওচৰতে মাঁটি দুকঠা লৈছোঁ। অহা মাহত তাতে ঘৰ আৰম্ভ কৰিম। ৰাম্পবেৰেলিলৈ আৰু নাযাওঁ।

মি. শম্পকীয়া : বৰ ভাল কথা। নিজৰ ঠাম্পনো আৰু কি? গোটেম্প ভাৰতবৰ্ষম্প আমাৰ নিজৰ। ঘৰৰ কাম কোনে চোৱা-চিতা কৰিব? আপুনি নিজেম্প কৰিব নেকি?

মি. গুপ্তা : মোৰ খুলশালিজন অভিযন্তা। প্ৰথমতে তেওঁ চোৱা চিতা কৰিব। শেষত ময়ো যোগ দিম। তলৰ মহলাত এখন গহনাৰ

श्री सइकिया : आपलोग तो केन्द्रीय सरकार के कर्मचारी हैं, न ! वहाँ ये ही सुविधाएँ हैं। वैसे भी आप कब सेवा निवृत्त हो रहे हैं?

श्री गुप्ता : अगले जून में मेरा भी सेवा से अवकाश हो जाएगा।

श्री सइकिया : ऐसा है? आप शायद अपने स्थान पर रहने चले जाएँगे।

श्री गुप्ता : नहीं, मैं यहीं रहूँगा। तेजपुर के पास करीब दो कट्ठा जमीन ली है। अगले माह वहाँ घर बनाना आरम्भ करूँगा। अब मैं रायबरेली वापस नहीं जाऊँगा।

श्री सइकिया : बड़ी अच्छी बात है। अपना स्थान क्या है? पूरा भारतवर्ष ही हमारा अपना है। घर का काम देख-रेख कौन करेगा? आप खुद करेंगे क्या?

श्री गुप्ता : मेरे साले महोदय अभियन्ता हैं। पहले वही देख-रेख करेंगे। बाद में मैं भी साथ दूँगा। नीचली मंजिल में एक गहने की दुकान खोलूँगा।

श्री सइकिया : मैं भी जनवरी के बाद एक अंग्रेज़ी विद्यालय आरम्भ

দোকান খুলিম।

মি. শম্পকীয়া : আমিও জানুৱাৰীৰ পৰা এখন স্পংৰাজী মাধ্যমৰ বিদ্যালয় আৰম্ভ কৰিম। মোৰ পত্নী প্ৰধান শিক্ষয়িত্ৰী হব। মম্প বাহিৰৰ কাম- কাজখিনি চাম।

মি. গুপ্তা : ভালেম্প হব। আমি অৱসৰ কালীন আমনি আৰু অনুভৱ নকৰোঁ। ব্যস্ততাম্প অৱসৰ জীৱন মধুময় কৰিব।

करूँगा। मेरी पत्नी प्रधानाध्यापिका होंगी। मैं बाहर का काम काज देखूँगा।

श्री गुप्ता :अच्छा रहेगा। हमें अवकाश के खाली समय का अनुभव नहीं होगा। व्यस्तता सेवा-निवृत्त जीवन को मधुमय बनाएगी।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
আজি কালি	आजकल
সময়	समय
অৱসৰ	सेवा निवृत्ति
কাজেম্প	इसलिए
তাঁত বাতি	इधर से उधर चक्कर लगाना
কামখিনি	ढेर सारे काम
প্ৰথমতে	पहले
কেৰাণী	क्लर्क
বৰবাবু	बड़े बाबू

পিছে পিছে	पीछे-पीछे
ঘূৰিব লাগে	घूमना पड़ता
শেষত	अंत में
সন্তুষ্ট	संतुष्ट
ভালেকেম্পদিন	कई दिन
সময়মতে	समय पर
চিন্তা	चिन्ता, सोचना
চাঁগে	शायद
মাঁটি	जमीन, भूमि
কঠা	कट्ठा, भूमि का माप
গোঁটেম্প	पूरा
নিজৰ	अपना
চোৱাচিতা	देख-रेख
গহনা	गहना
তলৰ	नीचली
মহলা	मंजिल
আৰম্ভ	आरम्भ
বাহিৰ	बाहर
আমনি	ऊब
ব্যস্ততা	व्यस्तता
মধুময়	मधुमय, मनोहर

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरणः

(ক) মম্প ঘৰলৈ যাওঁ।

→ মম্প ঘৰলৈ যাম।

1. মম্প স্কুলত কাম কৰোঁ।
2. মম্প স্পয়াত থাকোঁ।
3. আপুনি নিজৰ ঠাম্পলৈ যায়।
4. ল'ৰাঁোৱে কাম কাজ চায়।
5. খুলশালীয়ে স্পয়াত চাকৰি কৰে।

(খ) মম্প ঘৰত থাকোঁ।

→ মম্প ঘৰত নাথাকোঁ।

1. আপোনাক সদায় দেখা পাওঁ।
2. আমি আমনি অনুভৱ কৰোঁ।
3. মম্প বজাৰলৈ সদায় যাওঁ।
4. তেওঁ ঘৰৰ কাম চোৱাচিতা কৰে।
5. তেওঁ পিছবেলা দোকানলৈ যায়।

II. 'क' स्तम्भ के शब्दों के साथ 'ख' स्तम्भ में दिए गए प्रत्ययों में से सही प्रत्यय जोड़कर शब्द बनाइएः

'क'	'ख'
ৰাষ্টা	খন
দোকান	টো
গাম্প	কোছা
গৰু	জনী
ছাবি	টো

ডাল

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के सही रूप प्रयोग कर वाक्य बनाइए।

1. মস্প আজিকালি বেছি সময় ঘৰতেম্প ____________। (থাক)
2. মস্প অহা জানুৱাৰীত অৱসৰ ______________। (লব)
3. মস্প অহা বছৰ এখন দোকান ____________ । (খোল)
4. আপুনি অহা মাহত নিজৰ ঠাম্পলৈ ________ নেকি? (যা)
5. তেওঁ অহা মাহত কাম আৰম্ভ ______________। (কৰোঁ)

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মি. শম্পকীয়া আজিকালি কিয় বেছি সময় ঘৰতেম্প থাকে?

2. মি. গুপ্তা অৱসৰৰ পিচত নিজৰ ঠাম্পলৈ যাব নে?

3. মি. গুপ্তাম্প তলৰ মহলাত কি কৰিব?

4. মি. শম্পকীয়াৰ স্কুলৰ প্ৰধান শিক্ষয়িত্ৰী কোন হব?

5. তেওঁলোকৰ অৱসৰ জীৱন কিহে মধুময় কৰিব?

6. মি. গুপ্তাৰ মূল ঘৰ (জন্মস্থান) ক'ত?

V. उदाहरण के अनुसार वाक्य बनाइए।

उदाहरण:

যোৱা মাহত জানুৱাৰী পালোঁ অৱসৰ মস্প

→ যোৱা জানুৱাৰী মাহত মস্প অৱসৰ পালোঁ।

1. নাম্প হোৱাগৈ কামখিনি মোৰ পেঞ্চনৰ
2. দুকঠা মাঁটি লৈছোঁ ওচৰতে তেজপুৰৰ
3. নিজৰ ঠাম্প সমগ্ৰ আমাৰ ভাৰতবৰ্ষখনেম্প

4. বিদ্যালয় জানুৱাৰীৰ পৰা আমি অহা এখন আৰম্ভ স্পংৰাজী মাধ্যমৰ কৰিম

VI. विस्तार से उत्तर दीजिए।

1. শস্পকীয়াৰ সমস্যা সম্পৰ্কে দু-আষাৰ লিখা।
2. কেন্দ্ৰীয় চৰকাৰৰ চাকৰিয়ালৰ সুবিধা সম্পৰ্কে আলোচনা কৰা।
3. অৱসৰৰ পিছত মি. শস্পকীয়াস্প কি আঁচনি লৈছে?
4. অৱসৰৰ পিছত মি. গুপ্তাস্প কি কৰিব বুলি ভাবিছে?

पढ़िए और समझिए।

কলেজ দিৱস

ৰাতিপুৱা অতনুৱে মাকক সুধিলে -- "মা, তুমি আজি কেতিয়া কলেজলৈ যাবা?" মাকে ক'লে, "মস্প আজি অলপ দেৰীকৈ যাম।"

আজি অতনুৰ মাকৰ কলেজৰ 'কলেজ দিৱস'। সেয়েহে আজি ল'ৰা ছোৱালীয়ে ক্লাচ নকৰে, অতনুৰ মাকহঁতেও ক্লাচ নলয়। আজি কলেজত খেল-ধেমালি, নাচ-গান আদিৰ নানান প্ৰতিযোগিতা হ'ব। তাৰে কিছুমানত অতনুৰ মাক বিচাৰক। আন কিছুমানত পৰিচালক। তেওঁ তাতেস্প খাব। আবেলি তেওঁ ঘৰলৈ গুচি নাহে। আবেলি তৰ্ক প্ৰতিযোগিতা আছে। মাত্ৰ গধুলি অলপ সময়ৰ বাবে ঘৰলৈ আহিব। সাজ-পোচাক সলনি কৰিব। তাৰ পাছত আকৌ যাব। গধূলি এখন বিচিত্ৰানুষ্ঠান আছে। সেম্পখন তেওঁ উদ্বোধন কৰিব। তেওঁক অতনুক গধূলিৰ বিচিত্ৰানুষ্ঠানলৈ লগত লৈ যাব। তেওঁ ছয় বজাত ঘৰলৈ আহিব। তেতিয়া অতনু ঘৰত সাজু হৈ থাকিব। তেওঁলোকে অঁটো বা বাছেৰে নাযায়। অতনুহঁতক দেউতাকে গাড়ীৰে তাত থব। তেওঁলোকে ৰাতি দেৰীকৈ উভতিব।

অতনু উল্লাসিত হ'ল। সি হাততালি মাৰিলে। মাকে তেতিয়া কলে -- "নাচিব নালাগে, ঘৰত দেউতাৰাও নাস্প। যা, মোৰ কাৰণে এখন অঁটো আন। বহুত দেৰি হ'ল।"

অতনু তিনি আলিলৈ দৌৰ মাৰিলে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
অলপ	थोड़ा सा
ক্লাছ	क्लास
নকৰে	नहीं करेंगे
নলয়	नहीं लेगा
নানান	विभिन्न
প্ৰতিযোগিতা	प्रतियोगिता
তাৰে	उसमें से
কিছুমানত	किसी किसी में
বিচাৰক	विचारक
আন	अन्य, दूसरा
দুপৰীয়া	दोपहर
আহাৰ	खाना
আবেলি	शामको
গুছি	चले
সাজ-পোচাক	वेशभूषा
বিচিত্ৰানুষ্ঠান	विचित्रानुष्ठान/विविधा
উদ্বোধন	उद्वोधन
লগত	साथमें
সাজু	तैयार
দেউতাক	(उसकी) पिताजी
থব	रख आएगा
	ताली

হাততালি	नाचेंगे
নাচিব	लाओ
আন	तिराहा तक
তিনিআনিলৈ	

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. ল'ৰা ছোৱালীয়ে ক্লাছ কিয় নকৰে?
2. অতনুৰ মাকে দুপৰীয়া আহাৰ ক'ত খাব?
3. তৰ্ক প্ৰতিযোগিতা কেতিয়া হ'ব?
4. অতনুৰ মাক কলেজলৈ আবেলি কিহেৰে যাব?
5. বিচিত্ৰানুষ্ঠানখন কোনে উদ্বোধন কৰিব?

II. हिन्दी में अर्थ बताइए।

দেৰীকৈ

বিচাৰক

গুছি

বিচিত্ৰানুষ্ঠান

সাজু

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

দিছপুৰ অসমৰ ৰাজধানী। আমি এবাৰ গুৱাহাঁটীলৈ যাম। তাত থকা কামাখ্যা মন্দিৰ চাম। ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত থকা উমানন্দও চাম। উমানন্দ পৃথিৱীৰ ভিতৰতে আটাইতকৈ ক্ষুদ্ৰ নদী- দ্বীপ।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

मैं कल तेजपुर जाऊँगा। मेरे साथ मेरा छोटा भाई जाएगा। हम ब्रह्मपुत्र में नहाएँगे। ब्रह्मपुत्र में नौका-विहार भी करेंगे। बड़ा मज़ा आएगा। वहाँ से हम तवाँग भी जाएँगे। तवाँग हम बस से जाएँगे। तवाँग स्वीट्जरलैंड की तरह सुंदर है।

V. आप गर्मी की छुट्टियों में किसी दर्शनीय स्थान की सैर पर जा रहे हैं। इस बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. ভৱিষ্যৎ কালৰ প্ৰত্যয় (भविष्य काल के प्रत्यय) : असमिया भाषा में भविष्य काल के दो प्रत्यय हैं। उत्तम पुरुष में ‘-ইম’ (-इम) / ‘-ম’ (-म) तथा मध्यम और अन्य पुरुष में ‘-ইব’ (-इब) / ‘-ব’ (-ब) लगाया जाता है। व्यंजनांत शब्दोंके साथ ‘-ইম’ (-इम) और ‘-ইব’ (-इब) तथा स्वरांत शब्दों के साथ ‘-ম’ (-म) और ‘-ব’ (-ब) लगाया जाता है।

2. পুৰুষ বিভক্তি (पुरुष विभक्ति) : भविष्य काल में सर्वनाम पदों के विभिन्न पुरुष रूपों में लगनेवाली विभक्तियों की सारणी नीचे दी जा रही है --

उत्तम पुरुष :--

-Ø (शून्य), कुछ नहीं लगता।

मध्यम पुरुष :

तुच्छार्थ ‘-ই’ (-इ)

बड़ा बड़ी ‘-आ’ (-आ)

आदरार्थ '-অ' (-अ)

अन्य पुरुष :

आदरार्थ '-অ' (-अ)

ऊपर दिए गए प्रत्यय जोड़ने से क्रिया के रूप इस प्रकार बनते हैं --

मम्प खुल + -म्पम + -Ø > খুলিম

मम्प খা + -ম + -Ø > খাম

तम्प আন + -म्पব + -म्प > আনিবি

আপুনি যা + -ব্ + -অ > যাব

তেওঁ পঢ় + -म्पব্ + -অ > পঢ়িব

3. নো (नो) : प्रश्नवाची वाक्यों में किसी शब्द के ऊपर विशेष बल देने के लिए उसके साथ 'নো' (नो) जोड़ा जाता है। जैसे --

(क) তেওঁনো কি জানে?

(ख) তেওঁ কিনো জানে?

'क' में बल 'मम्प' के ऊपर है और 'ख' में बल 'कि' के ऊपर है।

4. ভৱিষ্যৎ কালৰ নেতিবাচক ৰূপ (भविष्य काल का नेतिवाचक रूप) : असमिया में साधारण भविष्य काल की क्रिया का नेतिवाचक रूप बनाने के लिए सामान्य वर्तमान काल का नेतिवाचक रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

मम्प याम > मम्प नायाওঁ।

আমি কৰিম > আমি নকৰোঁ।

তেওঁ আহিব > তেওঁ নাহে।

लेकिन विशेष बल देने के लिए उक्त रूपों का प्रयोग नहीं हो सकता है। तब भविष्य काल की क्रिया के आगे नेतिवाचक 'न-' उपसर्ग लगता है। जैसे --

মই নকৰিম নে? **(मैं नहीं करूँगा क्या?) इसका अर्थ होता है -- মই কৰিমেই (मैं अवश्य करूँगा)।**

পাঠ
पाठ 11

উদ্যোগ	उद्योग
লীলা : বাস্পদেউ যে! কিবা কামত আহিছে?	लीला : दीदी, क्या किसी काम से आई हैं?
মিচেচ পাণ্ডেঃ ছোৱালীজনীয়ে চুলি কাঁৰি। তুমি স্পয়াত কি কৰি আছা?	श्रीमती पांडे : लड़की के बाल कटवना है। तुम यहाँ क्या कर रही हो?
লীলা : বাস্পদেউ, এস্পখন বিউটি পাৰ্লাৰ ময়ে খুলিছোঁ। বয়-বস্তুৰ দাম দিনক দিনে বাঢ়ি গৈ আছে। ল'ৰা-ছোৱালী লাহে লাহে ডাঙৰ হৈছে। ঘৰৰ খৰছো বাঢ়ি আহিছে। এজনৰ উপাৰ্জনেৰে আৰু ঘৰ নচলে।	लीला : दीदी, यह ब्यूटी पार्लर मैंने ही खोला है। चीज़ों के दाम दिन-ब-दिन बढ़ रहे हैं। बच्चे बड़े हो गए हैं। घर का खर्च भी बढ़ गया है। एक ही आदमी की कमाई से अब घर नहीं चल सकता।
মিচেচ পাণ্ডেঃ ভালেস্প কৰিছা। কাম কৰি খোৱাত লাজ নাস্প। শ্ৰমৰ মৰ্য্যদা সদায় আছে। আমিও এখন গহনাৰ দোকান খুলিব খুজিছোঁ। স্পমান দিনে চকু মুদি আছিলোঁ। এতিয়া মেল খাস্পছে।	श्रीमती पांडे : अच्छा ही किया है। काम करके खाने में (कोई) लज्जा नहीं होनी चाहिए। श्रम का सम्मान सदैव होता है। मैं भी एक गहनों की दुकान खोलना चाह रही हूँ। इतने दिनों तक हमारी आँखें बंद थीं। अब खुल गई हैं।
লীলা : কৰক, কৰক, আমি প্ৰেৰণা	लीला : कीजिए, कीजिए। हमें भी प्रेरणा मिलेगी।

পাম।

মিচেচ পাণ্ডেঃ এৰা, জীৱন দুৰ্বিসহ হৈ আহিছে। গাখীৰ দহ ˋকাত লৈ আছিলোঁ। হঠাৎ চৌধ্য ˋকা হ'ল। ৰহৰ দাম্পল চৌব্বিশ ˋকাত লৈ আছিলোঁ। এতিয়া বত্ৰিছ ˋকা হ'ল। ঘৰ ভাৰা ডেৰহেজাৰ দি আছিলোঁ। এম্প মাহৰ পৰা আঢ়ৈ হেজাৰ কৰিলে।

লীলা : আপোনালোকে বোধ হয় স্পয়াত ঘৰ সজাম্প আছে?

মিচেচ পাণ্ডেঃ এৰা, কিন্তু কাম বহুত বাকী। অহা মাহত নিজৰ ঘৰলৈ যাম। বাকী কাম হৈ থাকিব।

লীলা : ঘৰ লোৱাঁলৈ আমাকো মাতিব আকৌ।

মিচেচ পাণ্ডেঃ নিশ্চয় মাতিম। তোমালোক আহিবা কিন্তু। ... বাৰু এতিয়া পম্পচাখিনি লোৱা। যাওঁ দেম্প।

লীলা : ভাল বাৰু। বাম্পদেউ, আপোনাৰে দোকান। আহি থাকিব কিন্তু।

श्रीमती पांडे : अरे जीना मुश्किल हो गया है। दूध दस रुपये में लेती थी, अब चौदह रुपये हो गया है। अरहर दाल चौबीस रुपये में लेती थी। अब बत्तीस रुपये है। घर का भाड़ा डेढ़ हज़ार दे रही थी। इस माह से अढ़ाई हज़ार कर दिया है।

लीला : लगता है आपने अपना घर बना रहे हैं।

श्रीमती पांडे : हाँ, किन्तु काम काफी बाकी है। अगले महीने अपने घर में चले जाएँगे। बाकी काम होता रहेगा।

लीला : गृह प्रवेश के समय हमें भी ज़रुर बुलाना।

श्रीमती पांडे : जरुर बुलाऊँगी। तुम भी जरुर आना। ... ये लो, पैसे ले लो। अब मैं चलती हूँ।

लीला : जी ठीक है। किन्तु दीदी दुकान आपकी ही है। आते रहिएगा।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
चुलि	बाल
दिनकदिने	दिन-ब-दिन
बाढ़ि	बढ़ रहा है
दाम	दाम
खৰच	खर्च
उपार्जन	कमाई
लाज	लाज
श्रम	श्रम
मर्य्यादा	सम्मान
चकु मुदि	आँखें बंद करके
मेल खाम्पछे	खुल गया
प्रेৰणा	प्रेरणा
दुर्बिसह	बहुत भारी
गाखीৰ	दूध
ॅका	रुपया
ह्ठाৎ	अचानक
ৰहৰ दाम्पल	अरहर की दाल
चौबिश	बत्तीस
बत्रिछ	घर का किराया
घৰ भाৰा	डेढ़ हज़ार
डेৰ हेजाৰ	अढ़ाई हज़ार
आढ़ै हेजाৰ	लगता है

বোধহয়	बना रहे हैं
সজাম্প আছে	हाँ
এৰা	बाकी
বাকী	गृहप्रवेश
ঘৰলোৱা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(ক) তুমি ম্পয়াত কি কৰিছা?

→ তুমি ম্পয়াত কি কৰি আছা?

1. বস্তুৰ দাম খুব বাঢ়িছে।
2. চকু মেল খাম্পছে।
3. মম্প বস্তুটো কিনিছোঁ।
4. আপুনি বহুত কথা কৈছে।
5. তম্প কি পঢ়িছ?

(খ) মম্প ভাত খাম্পছিলোঁ।

→ মম্প ভাত খাম্প আছিলোঁ।

1. তুমি কি কৰিছিলা?
2. আপুনি কলৈ গৈছিল?
3. তম্প কি লিখিছিলি?
4. সি দুৱাৰখন খুলিছিল।
5. আমি গাখীৰ ছ`কাত লৈছিলোঁ।

(গ) মম্প কাম্পলৈ ম্পমান সময়ত তেজপুৰলৈ যাম।

→ মম্প কাম্পলৈ ম্পমান সময়ত তেজপুৰলৈ গৈ থাকিম।

1. মম্প কামটো লাহে লাহে কৰিম।

2. তুমি চুলি পিছত কাঁবিা।
3. বাকী কাম নিজে নিজে হব।
4. আপুনি মোক পম্পছাখিনি মাহে মাহে দিব।
5. তম্প মাজে সময়ে চিঠি দিবি।

II. कोष्ठक में दो शब्द दिए गए हैं। उनमें से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. এজনৰ ---------------------------- ঘৰ নচলে। (উপাৰ্জনেৰে, উপাৰ্জনত)
2. আমি এখন দোকান --------------------- খুজিছোঁ। (খুলিব, খুলিবলৈ)
3. মোৰ ---------------------- চুলি কাঁবি। (ছোৱালীজনীয়ে, ছোৱালীজনী)
4. আমাৰ ---------------- আহিবা। (ঘৰ লোৱাত, ঘৰ লোৱালৈ)
5. অহা মাহত নিজৰ ---------------------- যাম। (ঘৰলৈ, ঘৰত)

III. प्रत्येक स्तम्भ से एक एक शब्द चुनकर सही जोड़ी बनाइए।

ল’ৰা	কাজ
ৈকা	চিতা
কাম	ছোৱালী
চোৱা	বস্তু
বয়	পম্পচা

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. মিচেচ পাঙেম্প লীলাক ক’ত লগ পাম্পছিল?
2. লীলা তালৈ কিয় আহিছিল?

3. মিচেচ পাগুেইঁতে কিহৰ দোকান খুলিব খুজিছে?

4. আগতে গাখীৰৰ দাম কিমান আছিল?

5. মিচেচ পাগুে কেতিয়া নিজৰ ঘৰলৈ যাব?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দাম আছে বাঢ়ি গৈ দিনকদিনে বয়-বস্তুৰ

বয়-বস্তুৰ দাম দিনকদিনে বাঢ়ি গৈ আছে।

1. দোকান গহণাৰ খুজিছোঁ আমি এখন খুলিব
2. জোৰেৰে আছিল প্ৰথমতে নাও বাম্প নাৱৰীয়াৰে
3. আছিলোঁ চাম্প তেতিয়া পাহাৰৰ মম্প ফালে
4. নাৱেৰে এদিন দেউতাৰ লগত উমানন্দলৈ গৈ আছিলোঁ।

पढ़िए और समझिए।

আম্পতাৰ কথা

চোতালৰ পৰা নাতিয়েকে আম্পতাকক মাতি আছিল। আম্পতাকে ৰান্ধনি ঘৰত ভাত ৰান্ধি আছিল। তেওঁ নাতিয়েকৰ মাত শুনা নাছিল। নাতিয়েক নিজেম্প পাকঘৰলৈ সোমাম্প গৈছিল। সি আম্পতাকক কৈছিল, 'আম্পতা, এটা সাধু কোৱা না....।'

আম্পতাকে কৈছিল, "অলপ ৰ। মম্প ভাতখিনি নমাম্প থওঁ।" অলপ পিছত আম্পতাক ওলাম্প আহিছিল। চোতালত ঢাৰি এখনও বহি লৈছিল। নাতিয়েক কাষত বহিছিল। আম্পতাকে কৈছিল, "আজি মোৰ ল'ৰালিৰ সঁচা কথাকে এটা কওঁ। মনোযোগাদি শুন। মম্প তেতিয়া সৰু ছোৱালী আছিলোঁ। এদিন দেউতাৰ লগত গুৱাহাটীৰ পৰা উমানন্দলৈ নাৱেৰে গৈ আছিলোঁ।"

নাতিয়েকে সুধিছিলে, "কিয় ফেৰীৰে যোৱা নাছিলা? নাৱত যাওঁতে ভয় লগা নাছিল?" আম্পতাকে কৈ গৈছিল, 'সেম্প সময়ত ফেৰী চলাম্প নাছিল। অ শুন -- নাৱৰীয়াৰে প্ৰথমতে

নাও জোৰেৰে বাম্প আছিল। তেতিয়া লাহে লাহে বতাহ মাৰি আছিল। পাছত জোৰেৰে বতাহ মাৰিছিল। তেতিয়া সি খৰকৈ বঠা মাৰিব খুজিছিল, কিন্তু পৰা নাছিল। অলপ আগত ঐা চাকনৈয়া আছিল। নাওখন চাকনৈয়াত পৰি ঘূৰিব ধৰিছিল। মম্প তেতিয়া ভয়তে দেউতাৰ হাতত ধৰি আছিলোঁ। ত্রেনেতে সকলোৱে চিঞৰি উঠিছিল।'

'নাৱৰীয়াটো কিন্তু বিতত হোৱা নাছিল। সি বৰ কষ্টেৰে নাওখন চাকনৈয়াৰ বাহিৰলৈ আনিছিল। আমি স্বস্তিৰ নিশ্বাস পেলাম্পছিলোঁ। নাতিয়েকে কৈছিল, "তোমালোকে ভাল সাৰিলা। তোমালোকনো কিয় বাৰিষা নাৱেৰে গৈছিলা? খৰালি যাব লাগিছিল।"

আম্পতাকে কৈছিল, "গ'ল কথা গুচিল। যা, এতিয়া ভাত খাগৈ।"

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
চোতাল	आंगन
আম্পতা	दादी
মাতি আছিল	बुला रहा था
ৰান্ধনি ঘৰত	रसोई घर में
ৰান্ধি	खाना पकाना
ভাত	भात
নাতি	नाति
ঢাৰি	दरी
ল'ৰালি	बचपन
সঁচা	सत्य
কাহিনী	कहानी
মনোযোগ	मनोयोग

তেতিয়া	तब
নাৱত	नाव से
গৈ আছিলোঁ	जा रही थी
ফেৰী	फेरी
নাৱৰীয়া	केवट / नाविक
বাম্প আছিল	खे रहा था
লাহে লাহে	धीरे धीरे
খৰকৈ	तेज़ी से
দুৰ্ঘনা	दुर्घटना
ঘৰ্লি	घट गई
চাকনৈয়া	भँवर
বিতত	डर के मारे अस्थिर
স্বস্তিৰ নিশ্বাস	जान बच जाने का आनंद
বাৰিষা	वर्षाकाल
খৰালি	सूखा

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. নাতিয়েকে আম্পতাকক কি অনুৰোধ কৰিছিল?
2. আম্পতাক নাৱেৰে ক'লৈ গৈছিল?
3. নাওখন ক'ত ডুবিব খুজিছিল?
4. নাৱৰীয়াটোৱে প্ৰথমতে বঠা কেনেকৈ মাৰিছিল?
5. আম্পতাকে ভয়তে কি কৰিছিল?

II. विलोम शब्द बनाइए।

সঁচা

জোৰেৰে

খৰকৈ

দূৰ

কান্দে

III. हिंदी में अनुवाद कीजिए।

হাফলং অসমৰ এখন স্বাস্থ্যকৰ ঠাম্প। গুৱাহাীৰ পৰা স্পয়ালৈ ৰেলেৰে যাব পাৰি। প্রায় পোন্ধৰাামান সুৰংগৰ তলেৰে ৰেল পাৰ হৈ যায়। এম্প ৰেলৰ যাত্রা বৰ আনন্দদায়ক। হাফলঙৰ ওপৰত বহুত কবিতা লিখা হৈছে। কালিলৈ তোমালোকক মম্প ঐা কবিতা শুনাম।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

एक सौदागर था। वह व्यापार करने निकला। उसने डिब्रूगड़ जाने के लिए किराये पर एक नाव ली। अचानक ब्रह्मपुत्र में बाढ़ आ गई। सौदागर तो बच गया लेकिन उसका सारा माल बह गया। वह बड़ा उदास था। एक आदमी ने कहा -- जान बची और लाखों पाए, लौटकर बुद्धू घर को आए।

V. 'मैं भी ब्यूटी पार्लर खोलूँगी' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. -জনী (-जनी) : यह स्त्रीलिंग वाचक प्रत्यय है। पुंलिंग में जहाँ '-জন' (-जन) होता है वहाँ स्त्रीलिंग में '-জনী' (-जनी) होता है।

2. अपूर्ण भूतकाल : अपूर्ण भूतकाल की क्रिया बनाने के लिए मुख्य धातु के साथ '-ম্প' (-इ) जोड़ा जाता है और इसके बाद 'আছ' (आस) धातु का साधारण भूतकाल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

মম্প কৰ + -ম্প আছিলোঁ > কৰি আছিলোঁ।

তুমি ল + -ম্প আছিলা > লৈ আছিলা।

সি মুদ + -ম্প আছিল > মুদি আছিল।

3. अपूर्ण भविष्य : अपूर्ण भविष्य काल की क्रिया बनाने के लिए धातु के साथ '-ম্প' (-इ) जोड़ा जाता है और बाद में 'থাক' (थाक) धातु का साधारण भविष्य काल का रूप जोड़ा जाता है। जैसे --

কাম হ + -ম্প > হৈ থাকিব।

আপুনি আহ + -ম্প > আহি থাকিব।

মম্প খা + -ম্প > খাম্প থাকিম।

4. क्रिय़ा वाचक विशेष्य (क्रिया वाचक संज्ञा) : धातु में '-आ' (-आ) जोड़कर क्रिया वाचक संज्ञा बनाई जाती है। आकारान्त और उकारान्त धातुके साथ यह '-ওৱা' (-ओवा) के रूप में, और इकारान्त धातु के साथ '-য়া' (-या) रूप में जोड़ा जाता है। जैसे --

যা + -আ > যোৱা

খা + -আ > খোৱা

কৰ + -আ > কৰা

5. निमित्तार्थक क्रिय़ा (क्रियार्थ क्रिया) : असमिया में क्रियार्थ क्रिया अंग्रेज़ी जैसी दो प्रकार की होती है। पहला प्रकार होता है साधारण निमित्तार्थक। दूसरे में केवल धातु में '-ম্পব' (-इब) लगाया जाता है और बाद में सहायक धातु का उचित काल और पुरुष का रूप प्रयोग में आता है। जैसे --

মম্প + খোল + -ম্পব > খুলিব খুজিছোঁ।

তেওঁ + পঢ় + -ম্পব > পঢ়িব খুজিছে।

তুমি + যা + -ব > যাব পাৰিবা।

7. वाक्यৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে (वाक्य के गठन के बारे में) : इस पाठ में अपूर्ण भूतकाल की क्रिया और सामान्य कालकी क्रिया वाले वाक्योंका प्रयोग किया गया है।

পাঠ 12
पाठ

মহাভাৰতৰ পম খেদি

মোমায়েক : মম্পনাইঁত, তোমালোকে ি. ভি. চাম্প আছা নেকি?

ভাগিনইঁত : মোমাম্পদেউ, আহক আহক।

মোমায়েক : তোমালোকে ি. ভি. কেতিয়া ল’লা?

ভাগিনইঁত : তিনি বছৰমান হল আৰু। নিজৰ ি. ভি.ত মহাভাৰত ধাৰাৱাহিক চালোঁ। অৱশ্যে লোকৰ ি. ভি.ত মাজে মাজে ৰামায়ণ চাম্পছিলোঁ। মোমাম্পদেউ আপুনি যে অকলে আহিল! লীনাহঁতক নানিলে?

মোমায়েক : পৰহি সিহঁত ভিনিহিয়েকৰ ঘৰ পালেগৈ। অহা পূজাৰ বন্ধত স্পয়ালৈ আহিব। বাৰু কোৱাচোন, তোমালোকে তো মহাভাৰত চাম্পছা; স্পয়াৰ আাম্পতকৈ ডাঙৰ

महाभारत के बारे में बातचीत

मामाजी : प्यारे बच्चो, क्या तुम टी. वी. देख रहो?

भांजे : हाँ मामाजी! आइए, आइए।

मामाजी : तुम लोगों ने टी. वी. कब लिया?

भांजे : लगभग तीन साल पहले। अपने टी. वी. पर महाभारत धारावाहिक देख रहे हैं। रामायण जरुर दूसरों के टी. वी. पर देखते थे। मामाजी आप अकेले ही आए हैं क्क्या? लीला और मामी को नहीं लाए क्या?

मामाजी : वे परसों अपनी दीदी के घर चले गये हैं। वे अगली पूजा की छट्टियों में यहाँ आएँगे। अच्छा बताओ, महाभारत तो तुमने देखा; उसका सबसे बड़ा वीर पुरुष कौन है?

বীৰ কোন আছিল?

দীপক :মোৰ মতে কৰ্ণ আছিল ঔাম্পতকৈ ডাঙৰ বীৰ। কিন্তু অদৃষ্টম্প তেওঁক নানা ধৰণে চলনা কৰিছিল। ফলত কৰ্ণৰ পৰাজয় হৈছিল।

দীপক : मुझे लगता है सबसे बड़ा वीर कर्ण। किन्तु नियति ने उसके साथ खिलवाड़ किया। फलस्वरुप कर्ण पराजित हुआ।

মোমায়েক : আৰু অৰ্জুন?

मामाजी : और अर्जुन?

দীপালি :অৰ্জুনৰ নিজৰ সামৰ্থ সীমিত আছিল। কৃষ্ণ আছিল অৰ্জুনৰ শক্তি। কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুনে একো কৰিব নোৱাৰিছিল ।

दीपाली : अर्जुन की शक्ति सीमित थी। कृष्ण ही थे अर्जुन की शक्ति। कृष्ण नहीं होते तो अर्जुन कुछ करने में भी समर्थ नहीं थे।

মোমায়েক : বাঃ, বঢ়িয়া সমালোচনা কৰিছা।

मामाजी : वाह! बढ़िया बात कही।

দীপালি : দুৰ্যোধন আছিল খাঁি ভিলেম্পন। তেওঁ পাণ্ডৱক হিংসা কৰিছিল। সেম্প কথা লুকাম্প ৰখা নাছিল। তেওঁ শেষ পৰ্যন্ত তেওঁৰ দম্ভ ত্যাগ কৰা নাছিল।

दीपाली : दुर्योधन था पूरा खलनायक। उसकी पांडवों के प्रति हिंसा की प्रवृत्ति थी। यह बात उसने छिपाई भी नहीं। अंत तक उसने अपना दंभ नहीं छोड़ा।

দীপক : কৌৰৱে আগতে অন্যায় কৰিছিল সঁচা। কিন্তু অভিমন্যু বধৰ পাছত একো অন্যায় কৰা নাছিল। পাণ্ডৱেহে কৰিছিল।

दीपक : सच में कौरवों ने पहले अन्याय किया था, पर अभिमन्यु वध के बाद उन्होंने अन्याय नहीं किया। बाद में अन्याय पांडवों ने ही किया था।

মোমায়েক : অহা পৰহিৰ পৰা হেনো ি.

मामाजी : सुना है -- (अगले) परसों से 'श्रीकृष्ण' टी. वी. में दिखाएँगे।

ভি.ত 'শ্ৰীকৃষ্ণ' দেখুৱাব।

সেম্পখনো বৰ ভাল ধাৰাবাহিক হব। তোমালোকে মনযোগ সহকাৰে চাবা।

দীপালি : আমাক কব লাগে নে? আমি নিশ্চয় চাম।

(এনেতে দীপালিৰ মাকৰ প্ৰবেশ)

মাক : অ' ককাম্পদেউ আহিছা! মম্প গমেম্প নাপাওঁ। ঐ দীপালি, তহঁতে কিয় মোক আগতে নকলি? মোমায়েৰক চাহ একাপ দিলি নে? ......আহা ককাম্পদেউ, প্ৰথমে হাত ভৰি ধোৱাহি। পিছত কথা পাতিম।

মোমায়েক : ব'ল বাৰু। দীপক মম্পনা, চাহৰ পাছত আকৌ কথা পাতিম দেম্প।

वह भी बड़ा अच्छा धारावाहिक होगा। तुम लोग ज़रूर देखना।

दीपाली : क्या यह आप हमसे कह रहे हैं? हम जरुर देखेंगे।

(दीपाली की माँ का प्रवेश)

माक : ओ! बड़े भैया आए हैं। मुझे पता ही नहीं। दीपाली, तुमलोगों ने भी मुझसे नहीं कहा। मामाजी को चाय पिलाई या नहीं। आइए भैया, पहले हाथ पैर धो लीजिए। बादमें बातें होंगी।

मामाजी : ठीक है! चलो। दीपक बेटे, चाय के बाद तुम लोगों के साथ फिर बातें होंगी।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
মম্পনাইঁত	प्यारे बच्चो!
নিজৰ	अपना
লোকৰ	अन्य लोगों का
মোমাম্পদেউ	मामा
পূঁজা	पूजा
ঔাম্পতকৈ	सबसे
বীৰ	वीर
অদৃষ্ট	अदृष्ट
ধৰণে	प्रकार से
নিৰস্ত্ৰ	निरस्त्र
ফলত	फलस्वरूप
পৰাজয়	पराजय
অবিহনে	के अभाव में
বঢ়িয়া	बढ़िया
সমালোচনা	समालोचना
খাঁটি	पूरी तौर पर, शुद्ध
হিংসা	हिंसा
লুকাম্প	छिपा कर
শেষ	अंत
দম্ভ	दंभ
ত্যাগ	त्याग
অন্যায়	अन्याय
যুদ্ধত	युद्ध में
	(बीता हुआ)

পৰহি	परसों
মনোযোগ	मनोयोग, ध्यान से
সহকাৰে	के साथ
গম	पता
প্ৰথমে	पहले
ভৰি	पैंर
হাত	हाथ

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार कोष्ठक में दिए शब्दों की सहायता से वाक्य पूरे कीजिए।

उदाहरण : তেওঁ নাহিল, কাৰণ ____________। (গা বেয়া)

→ তেওঁ নাহিল, কাৰণ তেওঁৰ গা বেয়া।

1. তোমালোক ধাৰাবাহিক শ্ৰীকৃষ্ণ চাবা, কাৰণ ______। (ধাৰাবহিক)
2. তেওঁলোকে লোকৰ টি. ভি.ত ৰামায়ণ চাম্পছিল, কাৰণ __________। (টি. ভি. নাছিল)
3. লীনাহঁত বাপেকৰ লগত নাহিল, কাৰণ ________। (ভিনিহ্নিয়েক ঘৰ)
4. অৰ্জুনৰ শক্তি সীমিত আছিল, কাৰণ ____________। (শ্ৰীকৃষ্ণ .....শক্তিৰ মুল)
5. দুৰ্যোধনে শেষ পৰ্যন্ত দম্ভ ত্যাগ কৰা নাছিল, কাৰণ _______। (তেওঁ .... ভিলেম্পন)

II. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण : (ক) মহাভাৰতৰ ডাঙৰ বীৰ কৰ্ণ।

→ মহাভাৰতৰ ডাঙৰ বীৰ আছিল কৰ্ণ।

1. মহাভাৰতৰ প্ৰধান ভিলেম্পন দুৰ্যোধন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে অৰ্জুন শক্তিহীন।
3. মহাভাৰত ধাৰাবাহিকৰ প্ৰেৰণা ৰামায়ণ।
4. মথুৰা 'শ্ৰীকৃষ্ণৰ' জন্মভূমি।
5. দীপালিহঁতৰ মহাভাৰতৰ সমালোচনা বৰ বঢ়িয়া।

(খ) সেম্পখন এখন ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

→ সেম্পখন এখন ভাল ধাৰাবাহিক হব।

1. ৰামায়ণৰ আদৰ্শত বহুতো পৌৰাণিক ধাৰাবাহিক ওলাল।
2. ককাম্পদেউ তুমি কেতিয়া আহিলা?
3. আমি লোকৰ ঘৰত ি. ভি. চাম্পছিলোঁ।
4. তম্প মোৰ কাৰণে চাহ আনিলি।
5. 'মহাভাৰত'খন বৰ ভাল ধাৰাবাহিক আছিল।

(গ) কৃষ্ণৰ জন্মস্থান দ্বাৰকা।

→ দ্বাৰকা কৃষ্ণৰ জন্মস্থান।

1. দুৰ্যোধন আছিল প্ৰকৃত ভিলেম্পন।
2. কৃষ্ণ অবিহনে একো কৰিব নোৱাৰিছিল অৰ্জুনে।
3. নিজৰ কি আছিল অৰ্জুনৰ?
4. কৰ্ণ আছিল মহাভাৰতৰ আঁাম্পতকৈ ডাঙৰ বীৰ।
5. ি. ভি. তোমালোকে কেতিয়া ল'লা?

III. वाक्य में रेखांकित शब्दों के स्थान पर कोष्ठक में दिए गए शब्दों का प्रयोग कर सही वाक्य बनाइए।

उदाहरण : आमि <u>যোৱা</u> বছৰ ি. ভি. ললোঁ। (অহা)

→ আমি অহা বছৰ টি. ভি. লম।

1. যোৱা মাহত মোমাম্পদেউ আহিছিল। (অহা)
2. যোৱা কালি ভিনিহিয়েৰ ঘৰলৈ গ'ল। (পৰহি)
3. পৰহিৰ পৰা 'শ্ৰীকৃষ্ণ' দিব। (যোৱাকালি)
4. প্ৰথমৰ পৰা দুৰ্যোধনে দম্ভ ত্যাগ কৰা নাছিল। (শেষ)
5. মোমাম্পদেউ, আপুনি 'মহাভাৰত' চালে? (লীনাহঁত)

IV. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।**

(গম, বঢ়িয়া, লোকৰ, আম্পতকৈ, দেম্প, চোন, নেকি)

1. কৰ্ণ আছিল ____________ ডাঙৰ বীৰ।
2. এম্প কথাৰ মম্প ________ নাপাওঁ।
3. অৱশ্যে ________ টি. ভি.ত মাজে মাজে ৰামায়ণ চাম্পছিলোঁ।
4. দীপালিহঁতৰ সমালোচনা বৰ ______________।
5. ককাম্পদেউ আহা, ভৰি হাত ______________।
6. পিছত তোমালোকৰ লগত কথা পাতিম __________।

V. **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।**

উদাহৰণ : চালোঁ নিজৰ ধাৰাবাহিক টি. ভি.ত ৰামায়ণ

→ নিজৰ টি. ভি.ত ধাৰাবাহিক ৰামায়ণ চালোঁ।

1. সিহঁত বায়েকৰ পালেগৈ ঘৰ পৰহি
2. কৃষ্ণ বন্ধু বিপদৰ সকলোৰে
3. অভিমন্যু বীৰ মহাভাৰতৰ এজন
4. দিবা মোমায়েৰাক চাহ তোমালোকে

VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य से जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण : মম্প সদায় ৰাতিপুৱা ছয় বজাত শুম্প উঠোঁ।

→ মম্প কেম্পবজাত শুম্প উঠোঁ?

→ ছয় বজাত কোন শুম্প উঠোঁ?

→ মম্প ছয় বজাত কি কৰোঁ?

1. সি সদায় ফুটবল খেলি ভাল পায়।

2. মাদক দ্রব্য স্বাস্থ্যৰ বাবে ক্ষতিকৰ।

पढ़िए और समझिए।

প্ৰকৃত যোৰ

এসময়ত এজন সন্যাসীয়ে এখন অৰণ্যত তপস্যা কৰি আছিল। এদিন হঠাৎ কাউৰীৰ মুখৰ পৰা ঐা নিগনি পোৱালি তেওঁৰ হাতত পৰিল। তেওঁ নিগনি পোৱালিটোক ঘৰলৈ নিলে। ঘৈণীয়েকৰ অনুৰোধত তেওঁ নিগনিটোক এজনী দিপলিপ ছোৱালীত পৰিণত কৰিলে। ছোৱালীজনীৰ নাম ৰাখিলে মুষিকা।

মুষিকা লাহে লাহে গাভৰু হল। মাকে দৰা বিচাৰিলে। বাপেককো তাগিদা দিলে। সন্যাসীয়ে প্ৰথমতে দৰা হিচাপে সূৰ্যক মাতিলে। দৰাম্প কম্পনা চালে। দৰাম্প ছোৱালী পচন্দ কৰিলে। কিন্তু নকৰিলে মুষিকাম্প। তাম্প কলে, 'এওঁ বৰ উজ্বল। এওঁতকৈ ভাল আৰু ডাঙৰ কোনো নাম্প নে?' সন্যাসীয়ে এম্পবাৰ মেঘক মাতি আনিলে। মুষিকাম্প কলে, 'এওঁ ঠিকেম্প আছিল। পিছে বৰ ক'লা। এওঁতকৈ ভাল আৰু বলবান কোনো নাম্প নে?' সন্যাসীয়ে এম্পবাৰ ধুমুহাক আনিলে। মুষিকাম্প দেউতাকক কলে, 'দেউতা, তুমি কেনেকুৱা দৰা আনিলা? এওঁ বৰ চঞ্চল। এওঁতকৈ ধীৰ স্থিৰ কোনো নাম্প নে?' এম্পবাৰ সন্যাসীয়ে পৰ্বতক আনিলে। মুষিকাম্প কলে, 'দেউতা বেয়া নাপাবা। এম্পজন দৰাও মোৰ পচন্দ নহ'ল। এওঁতকৈ ডাঙৰ আৰু কোনো নাম্প নে?' সন্যাসীৰ খং উঠিল। ঘৈণীয়েকে গিৰিয়েকক কলে, 'আৰু এবাৰ চেষ্টা কৰক।

এম্পটোৱে আমাৰ শেষ চেষ্টা হব।' সন্যাসীয়ে খঙতে ঐা নিগনি পোৱালি ধৰি আনিলে। তেওঁ জীয়েকক কলে, 'শেষ বাৰৰ বাবে এম্পজন দৰা আনিলোঁ। মম্প আৰু নোৱাৰিম। তম্প মনটোক সুধি চা।'

দৰাম্প কম্পনা চালে। ছোৱালীয়ে দৰা দেখিলে। এম্পবাৰ মূষিকাৰ আনন্দম্প পাৰ নধৰা হ'ল। তাম্প উলাহতে এপাক নাচিলে। বাপেকক কলে, -- 'এম্পজন মোৰ কাৰণে উপযুক্ত দৰা হব। এওঁৰ লগতে মম্প বিয়া হম। তোমালোকে ততালিকে বিয়াৰ দিহা কৰা।' সন্যাসীৰ হিয়ামন জুৰ পৰিল। তেওঁ সকলো কথা বুজিলে। তেওঁ মূষিকাক মন্ত্ৰৰ বলত পুনৰ ঐ নিগনি পোৱালিত পৰিণত কৰিলে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
এসময়ত	एक समय
সন্যাসী	सन्यासी
অৰণ্য	अरण्य, जंगल
তপস্যা	तपस्या
কাউৰী	कौआ
নিগনি	चूहा
পোৱালি	बच्चा
দিপলিপ	बहुत सुन्दर
অনুৰোধ	अनुरोध
মন্ত্ৰ	मन्त्र
গাভৰু	(जवान) लड़की
দৰা	वर
কম্পনা	वधू
কন্যা	कन्या

উজ্বল	उज्ज्वल
মেঘ	मेघ
বলবান	बलवान
কেনেকুৱা	कैसे
খং	गुस्सा, क्रोध
উঠিল	उठ गया
চেষ্টা	कोशिश
মন	मन
উলাহ	उल्लास
উপযুক্ত	उपयुक्त
বিয়া	शादी
হুম	हूँगी
দিহা	सलाह
হিয়া	हिया, हृदय
জুৰ	ठंडक
পৰিণত	परिणत

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए ।

1. সন্যাসীয়ে মুষিকাক ক'ত পালে?
2. সন্যাসীয়ে প্ৰথমতে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
3. মেঘক কিয় ছোৱালীজনীয়ে অপচন্দ কৰিলে?
4. সন্যাসীৰ মতে মেঘতকৈ কোনজন দৰা ভাল?
5. সন্যাসীয়ে শেষবাৰৰ বাবে দৰা হিচাপে কাক আনিলে?
6. নিগনিক দেখি ছোৱালীজনীয়ে কি কলে?

II. प्रश्न क्रम 1 में दिए गए वाक्यों में आए नये शब्दों पर घेरा लगाइए।

III. दोनों स्तम्भों में दिए गए शब्दों के सही जोड़े बनाइए।

দৰা	স্থিৰ
ধীৰ	কম্পনা
হিয়া	ঘৈণীয়েক
লাহে	মন
গিৰিয়েক	ধীৰে

IV. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

জিম কৰবে৲ এজন বিখ্যাত চিকাৰী আছিল। তেখেতে কুমায়ুন ৰেঞ্জত কেম্পবাঁওাও নৰখাদক বাঘ বধ কৰিছিল। তেখেতে নিজৰ চিকাৰ কাহিনীৰ ওপৰত কেম্পবাখনো কিতাপ লিখিছিল। জিম কৰবে৲ ৰাষ্ট্ৰীয় উদ্যান তেখেতৰ নামেৰে নামাকৰণ কৰা হৈছিল। আমি কালি তাঁলৈ গৈছিলোঁ।

V. असमिया में अनुवाद कीजिए :

कल मैं कामाख्या मंदिर गया था। मेरा दोस्त हरि भी मेरे साथ गया था। हमलोगों ने मंदिर में पूजा की और प्रसाद चढ़ाया। उसके बाद हमलोग नीचे उतर आए। आते समय थोड़ी बारिश भी हुई। हमलोग भीग गए। शाम को हमलोग घर पहुँचे। माताजी ने पूछा -- 'इतनी देर क्यों हुई?' हमने उन्हें पूरा हाल बता दिया। उनका गुस्सा शांत हो गया।

VI. 'रामायण' सीरियल के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. १ से १२ तक पाठों में आए भूत और भविष्य काल के वाक्यों से विद्यार्थियों को परिचित कराया गया है। इस संदर्भ में विद्यार्थियों की सुविधा के लिए एक सारणी नीचे दी जा रही है।

सर्वनाम	सामान्य भूत	पूर्ण भूत	अपूर्ण भूत	भविष्य	अपूर्ण भविष्य
মম্প	আহিলোঁ	আহিছিলোঁ	আহি আছিলোঁ	আহিম	আহি থাকিম

তম্প	খালি	খাম্পছিলি	খাম্প আছিলি	খাবি	খাম্প থাকিবি
তুমি	চালা	চাম্পছিলা	চাম্প আছিলা	চাবা	চাম্প থাকিবা
সি	পালে	পাম্পছিলা	পাম্প আছিলা	পাবা	পাম্প থাকিবা
আপুনি	দিলে	দিছিল	দি আছিল	দিব	দি থাকিব

3. असमिया में बहुवचन बनाने के लिए तीन प्रकार की विभक्तियाँ लगती हैं। जैसे 'तुमि', 'तेओँ', 'आपुनि' के साथ -'लोक' , तुच्छार्थ बोधक विशेष्य पदों के साथ '-बोर' और 'तइ', 'सि', 'एइ', 'ताइ' सर्वनाम और संबंधवाचक विशेष्य पदों के साथ '-हँत' का प्रयोग किया जाता है। जैसे --

एकवचन	बहुवचन
तुमि	तोमालोक
आपुनि	आपोनालोक
तेओं	तेओंलोक
तइ	तहँत
सि	सिहँत
एइ	एइहँत
ताइ	ताइहँत / सिहँत *
लोरा	लोराबोर
किताप	कितापबोर
घर	घरबोर

* कभी कभी 'लड़की' या 'स्त्री' का बहुवचन रूप बनाने के लिए 'सिहँत' का प्रयोग होता है।

পাঠ 13
पाठ

কিতাপ বিচাৰি

মি. শুক্লা : মহাশয়, স্পয়াত অসমীয়া কিতাপ আছে নে? মস্প এখন প্ৰাথমিক অসমীয়া পাঠ্যপুথি চাব খোজোঁ।

মি. গোস্বামী : সেস্পফালে সোমাস্প যাওক। সৌবোৰ ‘আদি পাঠ’, ‘কুঁহি-পাঠ’, ‘মৌকোঁহ’। আপোনা-লোকে আন পুথিও চাব পাৰিব। সোঁফালে সেস্পবোৰ হিন্দী কিতাপৰ ৰেক। বাওঁফালে এস্পবোৰ স্পংৰাজী কিতাপ। আপোনালোকক কি লাগে নিজে চাওক।

* * * *

(কিতাপ চোৱাৰ পাছত)

মি. শুক্লা : আমাক অসমীয়া শিকিবৰ কাৰণে সহায়ক পুথি লাগে। কিন্তু এনে পুথি তাত নাস্প। আপুনি কৰবাৰ পৰা

पुस्तक की खोज में

मि. शुक्ला : श्रीमान जी, क्या यहाँ असमिया की पुस्तकें मिल जाएँगी? मुझे असमिया सीखने के लिए प्रवेशिका चाहिए।

मि. गोस्वामी : उधर जाइए। वहाँ ‘आदिपाठ’, ‘कुँहिपाठ’, ‘मौ कोँह’ (आदि) हैं। वहाँ आप अन्य पुस्तकें भी देख सकेंगे। दाईं ओर हिंदी पुस्तकों के रैक हैं और बाईं ओर अंग्रेज़ी की पुस्तकें हैं। जो भी चाहें देख सकते हैं।

* * * *

(पुस्तकें देखने के बाद)

मि. शुक्ला : मुझे असमिया सीखने की प्रवेशिका चाहिए। ऐसी कोई पुस्तक वहाँ नहीं है। आप कहीं से मँगवा सकते हैं क्या?

আনি দিব পাৰিবনে?

মি. গোস্বামী : কিয় নোৱাৰিম? অলপ আগধন দিব লাগিব। আপোনালোকক আৰু কিবা লাগিব?

মি. মহালিংগম: মোক এখন অসমীয়া-হিন্দী অভিধান লাগে। এখন অসমীয়া ব্যাকৰণো লাগে।

মি. গোস্বামী : আপোনালোক অলপ বহিব লাগিব। মই ভিতৰত বিচাৰি চাওঁ।

* * * * * *

মি. গোস্বামী : এই কেইখন কিতাপ এতিয়া নাই। কিন্তু আপোনালোকেতো সুন্দৰ অসমীয়া কব পাৰে। এইবোৰ এতিয়া আপোনা-লোকক কিয় লাগে?

মি. শুক্লা : মই কবহে পাৰোঁ। কিন্তু মই লিখিবও নোৱাৰোঁ, পঢ়িবও নোৱাৰোঁ।

मि. गोस्वामी : क्यों नहीं? थोड़ा अग्रिम देना होगा। आप को और कुछ चाहिए क्या?

मि. महालिंगम : मुझे एक असमिया-हिन्दी कोष चाहिए। एक असमिया व्याकरण की पुस्तक भी चाहिए।

मि. गोस्वामी : आपलोगों को थोड़ा इंतज़ार करना पड़ेगा। मैं देखकर बता सकूँगा।

* * * * * *

मि. गोस्वामी : माफ कीजिए। इनमें से एक भी नहीं है। किन्तु आपलोग तो अच्छी असमिया बोल लेते हैं। ये सब आपलोगों को क्यों चाहिए?

मि. शुक्ला : मैं केवल बोल लेता हूँ। किन्तु लिख नहीं पाता, पढ़ भी नहीं सकता।

মি. মহালিংগমঃ মোৰো একেম্প দশা। ময়ো অসমীয়াত নিৰক্ষৰ।

মি. গোস্বামী : আপোনালোকে ঠিকেম্প ভাবিছে। আপোনালোক সোমবাৰে আহিব পাৰিবনে? স্পতিমধ্যে মম্প এম্প কিতাপখন কেম্পখন গৌাম্প থম।

মি. শুক্লা : ভাল বাৰু, ধন্যবাদ।

মি. গোস্বামীঃ ধন্যবাদ, আকৌ আহিব।

मि. महालिंगम : मेरा भी यही हाल है। एक तरह से असमिया में मैं निरक्षर हूँ।

मि. गोस्वामी : आप लोग ठीक ही कह रहे हैं। ऐसा कीजिए, आपलोग अगले सोमवार को आ जाइए। इसी बीच में मैं उन्हें मँगवा लूँगा।

मिं. शुक्ला : जरूर। धन्यवाद।

मि. गोस्वामी : धन्यवाद! फिर आइए।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
প্ৰাথমিক	प्राथमिक/प्रवेशिका
পুথি	पुस्तक
সেম্পফালে	उधर
সোমাম্প	घुसकर
সৌবোৰ	वे
কুঁহি	कोमल, किशलय
মৌ	मधु
কোঁহ	कोश

শিকিবৰ কাৰণে	सीखने के लिए
সহায়ক	सहायक
কৰবাৰ পৰা	कहीं से
আগধন	अग्रिम
দিব লাগিব	देना होगा
অভিধান	कोश
ব্যাকৰণ	व्याकरण
ভিতৰত	भीतर में
সুন্দৰ	सुन्दर
কব পাৰে	बोल सकते हैं
এম্পবোৰ	ये सब
কবহে পাৰোঁ	बोल ही सकता हूँ
লিখিব নোৱাৰোঁ	लिख नहीं सकता
পঢ়িবও নোৱাৰোঁ	पढ़ भी नहीं सकता
ভাবিছে	सोच रहे हैं
সোমবাৰে	सोमवार को
ম্পতিমধ্যে	इसी बीच में
গৌাম্প থম	संग्रह करूँगा

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) মম্প এখন অসমীয়া পুথি চাওঁ।

→ মম্প এখন অসমীয়া পুথি চাব খোজোঁ।

1. মম্প কাম্পলৈ গুৱাহাটীলৈ যাওঁ।
2. তেওঁ চিনেমাখন চাম্পছে।
3. মম্প স্পয়াত বহোঁ।
4. আমি ভাত খাওঁ।
5. আমি এতিয়া গান গাওঁ।

(খ) আপুনি অলপ বহক।

⟶আপুনি অলপ বহিব লাগিব।

1. আপুনি তালৈ যাওক।
2. তম্প একাপ খা।
3. আপুনি কিতাপখন দিয়ক।
4. তুমি আমাৰ স্পয়াত ভাত খোৱা।
5. তেওঁ নিজে কিতাপ কেম্পখন চাওক।
6. আপুনি আগধন দিয়ক।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति कर वाक्य बनाइए:

1. আপোনাক কিবা ______________ নেকি? (লাগিছে, লাগিব)
2. আপুনি আনিব ______________ নে? (পাৰিব, লাগিব)
3. মম্প অসমীয়া লিখিব ______________ ।
(নাপাৰোঁ/নোৱাৰোঁ)
4. তুমি অহা সোমবাৰে আহিব ______________ নে? (পাৰিছা, পাৰিবা)

5. মম্প কেলেম্প কব ____________? (নোৱাৰিম, নোৱাৰোঁ)

6. মম্প ভিতৰলৈ সোমাব ________ নে? (পাৰোঁ. খোজোঁ)

III. सही शब्द चुनकर शब्दों की जोड़ी बनाइए।

চোৱা	পম্পছা
কাম	বস্তু
দিনক	চিতা
বয়	কাজ
ৈকা	দিনে

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মি. শুক্লাম্প কি চাব খোজে?
2. মি. শুক্লাৰ প্ৰয়োজনীয় বস্তু গোস্বামীৰ দোকানত আছেনে?
3. মি. মহালিংগমক সেম্প কিতাপবোৰ কিয় লাগে?
4. মি. শুক্লাম্প অসমীয়া কব পাৰেনে?
5. মি. মহালিংগমে অসমীয়া লিখিব পঢ়িব পাৰেনে?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বাংলা হাতপুথি দিয়া এখন

→ এখন বাংলা হাতপুথি দিয়া।

1. ইংৰাজী কাষত ৰেক কিতাপৰ বাংলা আছে কিতাপৰ
2. ভাল কব আপোনালোকেতো পাৰে বাংলা
3. দিল্লীৰ মই আনিম কিতাপ কেইখন পৰা
4. অভিধান অসমীয়া মোক এখন দিয়া

VI. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

জিম কৰবেট এজন বিখ্যাত চিকাৰী আছিল।

→ জিম কৰবেট কোন আছিল?

→ জিম কৰবেটে ক'ত চিকাৰ কৰিছিল?

→ জিম কৰবেটে কুমায়ুন ৰেঞ্জত কি কৰিছিল?

→ জিম কৰবেটে কুমায়ুন ৰেঞ্জত চিকাৰ কৰিছিল।

1. আকবৰ এজন মোগল সম্রাট আছিল
2. গোস্বামীৰ দোকানত কিতাপ পোৱা যায়

पढ़िए और समझिए।

খোৱাৰ পৰত (भोजन के समय)

মীনা, ৰীণা, পুতুল আৰু মাক খোৱা মেজত বহিল। প্ৰথমতে মীনাই অলপ ভাত খুজিলে। তাই অলপ তেতেলীও খাব বিচাৰিলে। ৰীণাই অলপমান আচাৰ বিচাৰিলে। মাক চকীৰ পৰা উঠিল। তেনেতে পুতুলে কাঁহী পেলাবৰ কাৰণে সৰু কাঁহি এখন আৰু মীনাই অমলৈ খাবৰ বাবে এখন কটা চামুচ বিচাৰিলে। মাকে সিহঁতক অলপ সময় ৰবলৈ কলে। কাৰণ

বাহিৰত কাঁ চামুচও নাম্প সৰু কাঁহীও নাম্প। সেম্পবিলাক আলমাৰীতহে আছে। আচাৰৰ বৈলটোও আলমাৰিতে আছে। তাৰ পৰা আনিব লাগিব।

মাকে আলমাৰী খোলাৰ যো-জা কৰিলে। পুতুলে হাত ধুম্প মাকৰ কাষ পালেহি। সি মাকক সুধিলে -- ‘মা মম্প আলমাৰিটো খুলি দিব লাগিব নেকি ?’ পুতুলৰ কথা শুনাৰ লগে লগে মীনাম্প কলে -- ‘ম্পস, পুতুলে যেনিবা খুলিব পাৰিবহে! সি ছাবি ঘূৰাবতো নোৱাৰেম্প, গধুৰ দুৱাৰখনো খুলিব নোৱাৰিব।’ তেতিয়া পুতুলে কলে -- ‘ৰীণা বাম্পদেৱেও খুলিব নোৱাৰিব।’

মাকে ম্পতিমধ্যে বিচনাৰ তলৰ পৰা ছাবি কোচা উলিয়ালে। আলমাৰিৰ চাৰিপাত ঘূৰাম্প পকাম্প চালে। চাৰিপাত বেঁকা হৈ আছে। এম্পবাৰ তেওঁ গিৰিয়েকক বিচাৰিলে। এম্পবোৰ কাম তেওঁহে কৰিব পাৰে। কিন্তু তেওঁ তেতিয়া ঘৰত নাছিল। গতিকে ছাবিও ঠিক নহ’ল, আলমাৰিও খুলিব নোৱাৰিলে। মীনাম্প কাঁচামুচ নাপালে, পুতুলে সৰু-কাঁহীও নেদেখিলে। সকলোৱে তেনেকৈয়ে দুপৰীয়াৰ ভাত-গৰাহ খালে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
তেতেলী	इमली
অলপ	थोड़ा सा
আচাৰ	अचार
কাঁম্পী	काँटा
পেলাবৰ বাবে	फेंकन के लिए
কাঁহী	थाली
চামুচ	चम्मच
আলমাৰি	अलमारी
যো-জা	तैयारी
যেনিবা	मतलब, जैसे
	चाबी

ছাবি	
গধুৰ	वजनदार
টানিব নোৱাৰিব	खींच नहीं सकेगा
বিচনা	बिस्तर
ঘূৰাম্প-পকাম্প	घुमाफिरा कर
বেঁকা	तिरछा

अभ्यास

I. प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. মীনাক কি লাগে?
2. ৰীণাম্প কি খাব খুজিছে?
3. পুতুলক কিয় কাঁহী লাগে?
4. ষ্টিলৰ থাল ক'ত আছে?
5. পুতুলে আলমাৰীৰ দুৱাৰখন কিয় টানিব নোৱাৰে?
6. পুতুল ৰীণাৰ ভায়েক নে ককায়েক?

II. विलोम शब्द लिखिए :

সৰু

গধুৰ

ওখ

অলপ

লাহে লাহে

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए :

মই কালিলৈ মাজুলীলৈ যাব লাগিব। তাত মই এজন মানুহক লগ ধৰিব লাগিব। তেখেত আউনীআটি সত্ৰৰ সত্ৰাধিকাৰ। তেখেতৰ লগত মই সত্ৰৰ বিষয়ে কথা পাতিব লাগিব। মই সত্ৰৰ ওপৰত এটা অধ্যয়ন কৰি আছোঁ। তাৰ পৰা মই কালিলৈ ঘূৰি আহিব লাগিব। পৰহিলৈ মই মৰাণলৈ যাম। তাত মোৰ অলপ কাম কৰিবলগীয়া আছে।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए :

मैं कल तुम्हारे घर नहीं आ पाऊँगा। कल मैं एक जरूरी काम से बड़ापानी जाऊँगा। बड़ापानी में मुझे किसी से मिलना है। बाद में वहीं एक वनभोज में शामिल होऊँगा। इसमें मेरे कुछ अन्य दोस्त भी शामिल होंगे। वनभोज के बाद सब लोग नाचेंगे-गाएँगे। बड़ा मज़ा आएगा। मैं कविता सुनाऊँगा। सब लोग वाह-वाह करेंगे। शाम तक हमलोग वापस लौट आएँगे।

V. 'मेरी प्रिय पुस्तक' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. এই, সেই, সৌ : असमिया 'एइ' और 'सेइ' का प्रयोग हिन्दी भाषा के 'यह - इस' और 'वह - उस' के समान है। असमिया में 'सौ' का प्रयोग अधिक दूरी के लिए होता है।

2. '-इব' का प्रयोग : जिस तरह हिन्दी में *खाने के लिए, जाने के लिए* आदि का प्रयोग होता है असमिया में यह '-इব (-इब)ৰ কাৰণে' जोड़कर किया जाता है।

আহ্ + -इব + ৰ >	আহিবৰ কাৰণে	आने के लिए
শিক্ + -इব + ৰ >	শিকিবৰ কাৰণে	सीखने के लिए
খা + -ব + ৰ >	খাবৰ কাৰণে	खाने के लिए

3. 'লাগ' क्रिया : (क) हिन्दी 'चाहिए' की तरह असमिया 'লাগ' क्रिया का भी दो अर्थों में प्रयोग होता है -- (**i**) मूल क्रिया के रूप में (प्रयोजन के अर्थ में) और (**ii**) सहायक क्रिया के रूप में (उचितार्थ में) जैसे :

(**i**) মোক কাপোৰ লাগে : मुझे कपड़ा चाहिए

(ii) ৰামে পঢ়িব লাগে : रामको पढ़ना चाहिए

(ख) इस पाठ में हिन्दी के 'करना होगा, देना होगा, देना पड़ेगा' आदि के अर्थ में असमिया रूप 'दिब लागिब, बहिब लागिब' आदि का प्रयोग दिखाया गया है। असमिया 'लाग' क्रिया का यह एक विशेष प्रयोग है। इस स्थिति में असमिया वाक्य में कर्ता का मूल रूप प्रयुक्त होता है, जबकि हिन्दी में कर्ता में कर्मकारक का ही रूप प्रयुक्त होता है। जैसे :

(i) আপুনি অলপ আগধন দিব লাগিব।
आपको थोड़ा अग्रिम देना होगा (पड़ेगा)।

(ii) আপুনি অলপ বহিব লাগিব।
आपको थोड़ा बैठना होगा।

পাঠ
पाठ 14

শিৱসাগৰলৈ যাওঁ আহক

মিচেচ বৰুৱাঃ অহা পূজাৰ বন্ধত আমি শিৱসাগৰ চাবলৈ যাম। বাটত কাজিৰঙা চাবলৈ পাম। আপোনালোকো ওলাব।

মিচেচ পাণ্ডেঃ বৰ ভাল কথা। আমিও বহুত দিনৰ পৰা ভাবি আছোঁ। ওলাবহে পৰা নাই। ছোৱালীজনীয়ে ফুৰিবলৈ পছন্দ কৰে। ল'ৰাটোৱে ফটো তুলিবলৈ ভাল পায়। আমাৰ তেখেতৰ আকৌ পিকনিকতহে চখ। বিধে বিধে বস্তু খাবলৈ ভাল পায়।

মিচেচ বৰুৱাঃ আমি বনভোজো খাম। জয়সাগৰ পুখুৰীৰ পাৰত এটা কুৰা নিমাওমাও ঠাই আছে। চৌধুৰীহঁত যোৱা বছৰ তালৈ ফুৰিবলৈ গৈছিল।

মিচেচ পাণ্ডেঃ অ' হয় নেকি? তাত চাবলগীয়া বহুতো মঠ মন্দিৰ

आइए, शिवसागर चलें

श्रीमती बरुवा : आगामी पूजा की छुट्टियों में हम शिवसागर जाएँगे। रास्ते में काजिरंगा भी देख सकेंगे। आपलोग भी चलें।

श्रीमती पांडे : बहुत अच्छी बात है। हम भी बहुत दिनों से सोच रहे थे। लेकिन जा नहीं सके। बेटी को घूमना पसंद है। बेटे को फोटो खींचना अच्छा लगता है। हमारे उनको (पति को) पिकनिक का बड़ा शौक है। तरह-तरह के पकवान खाने के भी शौकीन हैं।

श्रीमती बरुवा : हम पिकनिक भी मनाएँगे। जयसागर तालाब के किनारे एक बड़ी सुनसान जगह है। चौधुरीलोग पिछले साल वहीं घूमने गए थे।

श्रीमती पांडे : ओह! ऐसा है क्या? वहाँ शायद और भी दर्शनीय

আছে।

মিচেচ বৰুৱাঃ হয়, শিৱসাগৰৰ শিৱদ'ল, বিষ্ণুদ'ল আৰু দেৱীদ'ল চাবলগীয়া। এম্প দলকেম্পা শিৱসাগৰ পুখুৰীৰ পাৰত অৱস্থিত। শিৱদ'লটো অসমৰ ভিতৰত সবাতোকৈ ওখ দ'ল। শিৱসাগৰৰ গাতে লগা জয়সাগৰ। তাৰ জয়সাগৰ পুখুৰী আৰু পাৰৰ জয়দ'ল বৰ প্ৰসিদ্ধ।

মিচেচ পাণ্ডেঃ তাত থাকিবলৈ ভাল হোটেল বা যাত্ৰী নিবাস আছে নে?

মিচেচ বৰুৱাঃ আপোনালোক কবলৈ পাহৰিছোঁ। তাত মোৰ মাৰ ঘৰ। আপোনালোকে প্ৰোগ্ৰাম কৰক। মম্প দেউতালৈ লিখিম। তেওঁ আপোনালোকক নিবলৈ বাছ আস্থানলৈ আহিব।

মিচেচ পাণ্ডেঃ শিৱসাগৰৰ ওচৰে-পাজৰে আৰু কিবা দৰ্শনীয় স্থান আছেনে?

स्थान होंगे।

श्रीमती बरुवा : जरूर हैं। शिवसागर का शिवदोल, विष्णुदोल और देवीदोल बेहद दर्शनीय हैं। ये दोल शिवसागर पुखुरि के किनारे ही हैं। इनमें शिवदोल असम में सबसे ऊँचे शिखरवाले मंदिर हैं। जयसागर शिवसागर से लगा हुआ ही है। जयसागर पुखुरि और उसके किनारे पर स्थित जयदोल भी बड़ा प्रसिद्ध है।

श्रीमती पांडे : क्या वहाँ रहने के लिए अच्छा होटल अथवा यात्री-निवास मिल जाएगा?

श्रीमती बरुवा : आपको बताना भूल गई। वहाँ मेरी माँ का घर है। आप कार्यक्रम बनाएँ। मैं अपने पिताजी को लिख दूँगी। वे आपलोगों को लेने के लिए बस अड्डे पर आ जाएँगे।

श्रीमती पांडे : उसके अलावा शिवसागर के पास और क्या देखने लायक है?

श्रीमती बरुवा : हाँ, आप रङघर और कारेङघर भी देख सकते हैं। ये दोनों रंगपुर में हैं। ये

মিচেচ বৰুৱাঃ অ' আপুনি ৰংঘৰ আৰু কাৰেংঘৰ চাব পাৰে। এম্পকেম্পৗ ৰংপুৰত অৱস্থিত। ৌউনৰ পৰা মাত্র চাৰি কি.মি. দূৰত। স্প শিৱসাগৰ আৰু জয়সাগৰৰ মাজত।

शिवसागर से चार कि. मी. दूर स्थित हैं। यह शिवसागर और जयसागर की बीच में है।

মিচেচ পাণ্ডেঃ আৰু গড়গাঁও নামৰ ঠাম্পৰ কথাও শুনিছিলো?

श्रीमती पांडे : और यह गढ़गाँव कहाँ है? मैंने इसके बारे में काफी सुना है।

মিচেচ বৰুৱাঃ অ', গড়গাঁও শিৱসাগৰৰ পৰা মাত্র বিশ কিল'মিাৰ দূৰত। তাত আহোম ৰজাৰ কাৰেংঘৰ আছে। আৰু চৰাম্পদেউ চল্লিশ কিল'মিাৰ হব। তাত আহোম ৰজা আৰু ডাঙৰীয়াসকলৰ মৈদাম আছে।

श्रीमती बरुवा : हाँ, गढ़गाँव शिवसागर से 20 कि.मी. दूर है। वहाँ आहोम राजाओं के महल हैं। वहाँ से सराईगाँव 40 कि.मी. दूर है। यहाँ आहोम राजाओं और राज्याधि-कारियों की समाधियाँ हैं।

মিচেচ পাণ্ডেঃ শিৱসাগৰৰ পৰা তালৈ যাবলৈ যান-বাহন পোৱা যায়নে?

श्रीमती पांडे : शिवसागर से इन स्थानों के लिए वाहन मिल जाते हैं, क्या?

মিচেচ বৰুৱাঃ অ' পাব। খুওব কম সময়ৰ মূৰে মূৰে তালৈ বাছ চলি থাকে।

श्रीमती बरुवा : हाँ मिलते हैं। थोड़ी-थोड़ी देर के बाद यहाँ के लिए बसें मिलती हैं।

মিচেচ পাণ্ডেঃ ভালেম্প হ'ল। আপুনি সকলো কথা বুজাম্প দিলে। আমি

श्रीमती पांडे : बढ़िया है। आपने हमें विस्तार से सब कुछ बता दिया है। हम जरूर जाएँगे।

निश्चय याम।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
भावि	सोचकर
फुৰिवलै	घूमने के लिए
स्पच्छा	इच्छा, इरादा
तुलिवलै	उठाने के लिए
भाल पाय়	पसंद करता है
चख	शौक
विधे विधे	विविध प्रकार के
पुखुৰी	तालाब
पाৰ	किनारा
ऐंकुৰा	एक टुकड़ा
निमाओमाओ	सुनसान
ठाम्प	जगह
चावलगीया়	देखने लायक
दर्शन (कৰिवलगीया়)	दर्शनीय
द'ल	दोल (मंदिर)
गाते लगा	लगा हुआ, पास ही
पाৰৰ	किनारे का
ওख	ऊँचा
प्रसिद्ध	प्रसिद्ध
दर्शनीय়	दर्शनीय
	(निमित्त) मात्र

মাত্ৰ	राजा
	(दाङओरिया) राज्य-अधिकारी
ৰজা	समाधि
ডাঙৰীয়া	वाहन
মৈদাম	भूल गई
যানবাহন	
পাহৰিছোঁ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(ক) আমি শিৱসাগৰলৈ যাম, তাত শিৱদ'ল চাম।

→ আমি শিৱদ'ল চাবলৈ শিৱসাগৰলৈ যাম।

1. আমি যোৱা বছৰ দিল্লীলৈ গৈছিলোঁ; তাত বহুত ফুৰিলোঁ।
2. তেওঁ হোটেললৈ গৈছিল; তাত চাহ-মিঠাম্প খালে।
3. মম্প আজি ৰীণাৰ ঘৰলৈ যাম; কিতাপখন ঘূৰাম্প দিম।
4. সি কাজিৰঙালৈ যাব; তাত গঁড় চাব।
5. মোৰ দেউতা বাছ-আস্থানলৈ আহিব; মোক ঘৰলৈ লৈ যাব।

(খ) শিৱসাগৰ ঠাম্পখন চাবলৈ যাব লাগে।

→ শিৱসাগৰখন চাবলগীয়া ঠাম্প।

1. অসম ৰাজ্যখন ভ্ৰমণ কৰিবলৈ যাব লাগে।
2. কাজিৰঙা অভয়াৰণ্যখন চাব লাগে।

3. শিৱদ'ল বিষ্ণুদ'ল আৰু দেৱীদ'ল দর্শন কৰিব লাগে।
4. এম্প কামটো কৰিব লাগে।
5. এম্প কথাটো মনত ৰাখিব লাগে।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. জয়সাগৰৰ ____________ বৰ প্ৰসিদ্ধ। (জয়দ'লটো, জয়দ'লখন)
2. মোৰ সৰু ____________ ঘৰত নাম্প (ল'ৰাটো, ল'ৰাগৰাকী)
3. তেখেতৰ ডাঙৰ ____________ কলেজলৈ গৈছে। (ছোৱালীটো, ছোৱালীজনী)
4. তোমাৰ ____________ মম্প পঢ়িলোঁ। (কিতাপটো, কিতাপখন)
5. শিৱসাগৰ ____________ দেখিবলৈ বৰ ধুনীয়া। (ঠাম্পটো, ঠাম্পখন)

III. विलोम शब्द बताइए ।

ভাল

ডাঙৰ

ওচৰ

ছুঁ

লাগে

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. মিচেচ পাণ্ডেৰ ল'ৰাটোৱে কি কৰি ভাল পায়?
2. শিৱসাগৰৰ কি কি স্থান দর্শন কৰিবলগীয়া?
3. জয়সাগৰ ক'ত আছে?
4. কাৰেংঘৰ ক'ত আছে?

5. মিচেচ বৰুৱাৰ মাকৰ ঘৰ ক'ত?

V. **उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।**

उदाहरण :

যাম শ্বিলঙ বন্ধত আমি পূজাৰ চাবলৈ

→ আমি পূজাৰ বন্ধত শ্বিলঙত চাবলৈ যাম।

1. বৰাপানীত খাম পিকনিক আমি

2. বিশ্বদ্বীপে তুলিব শ্বিলঙত ফটো

3. বিহুত কুমুদে বাঁহী এস্পবাৰ বজাব

4. তোমালোকো অসমৰ চাবলৈ এবাৰ বিহু আহিবা

VI. **'क्या', 'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'क्यों', 'कैसे' का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जीतने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।**

1. মোৰ বন্ধু কালিলৈ ৰেলেৰে বাংগালোৰলৈ যাব।

2. আমি কালিলৈ বনভোজলৈ যাম বুলি ভাবিছোঁ।

पढ़िए और समझिए।

শ্বিলং ভ্ৰমণ

নিতুল শ্বিলঙলৈ যাবলৈ ওলাম্পছে। তাত তাৰ মাহীয়েক থাকে। মহাকে শ্বিলঙত চাকৰি কৰে। মাহীয়েকৰ ঘৰত চাৰিদিনমান থাকিব আৰু ভালকৈ শ্বিলং চাব। মাহীয়েক আৰু মহাকৰ লগত সি চেৰাপুঞ্জীও চাবলৈ যাব।

নিতুলৰ ঘৰ নলবাৰীত। নিতুল গুৱাহাটীলৈকে ৰেলেত আহিল। শ্বিলঙলৈ ৰেল নচলে, বাছহে চলে। গুৱাহাটীৰ পৰা ৈক্সিৰেও শ্বিলঙলৈ যাব পাৰি। কিন্তু নিতুল গুৱাহাটীৰ পৰা বাছেৰেহে শ্বিলঙলৈ যাব। সি আগতীয়াকৈ িকি কাটিলে। শ্বিলঙলৈ যোৱা ৰাস্তাটো বৰ একাবেঁকা। সেম্প ৰাস্তাত বাছৰ জোকাৰণিত বহুত মানুহে বমি কৰিবলৈ আৰম্ভ কৰে। গতিকে সেম্পটো ৰাস্তাত সাৱধান হব লাগে। বমি নহবৰ বাবে নিতুলক মাকে ঐা দৰব দিছে। লগতে শুঙি থাকিবলৈ চাৰিা নেমুঙোও দিছে। বৌত খাবলৈ বিধে বিধে খোৱা বস্তুও তৈয়াৰ কৰি দিছে, কাৰণ ৰাস্তাত ভাল খোৱা বস্তু পাবলৈ বৰান।

নিতুলৰ বন্ধুৰ নাম বুবুল। তাৰো শ্বিলং চাবলৈ খুওব স্পচ্ছা আছে। শ্বিলঙৰ বিষয়ে বুবুলে বহু কথা পঢ়িছে। শ্বিলং এখন ধুনীয়া ঠাম্প। একাবেঁকা ৰাস্তাৰে পাহাৰত উঠিব পাৰি। ৰাস্তাৰ কাষত ধুনীয়া ধুনীয়া দৃশ্য চাব পাৰি। পিছত পাহাৰ বগাবলৈকো যাব পাৰি। তাৰ পৰা আপাৰ-শ্বিলঙৰ দৃশ্য বৰ মনোৰম দেখি।

নিতুলৰ লগত বুবুলো যাবলৈ ওলাল। কিন্তু তাৰ কপাল বেয়া। সি িকি নাপালে। সেয়েহে নিতুলৰ বেয়া লাগিল। সি তাৰ িকি বাতিল কৰিলে। পিছৰ দেওবাৰে দুয়ো লগলাগি শ্বিলঙলৈ যাব। সন্ধিয়া মাহীয়েকক ফোনত জনাম্প দিলে। মাহীয়েকেও ভালেম্প পালে। কাৰণ সিদিনা এজন বন্ধুৱে তেওঁলোকক ৰাতিৰ আহাৰ খাবলৈ মাতিছিল।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
একা বেঁকা	टेढ़-मेढ़ा
উঠিবলৈ	चढ़ने
জোকাৰণি	हिलने-झुलने का कार्य
বমি	कै, वमन, उल्टी

সাৱধান	सावधान
দৰব	दवा
তৈয়াৰ	तैयार
কাষৰ	किनारे का, पास का
দৃশ্য	दृश्य
পাহাৰ	पहाड़
বগাবলৈ	चढ़ने
মনোৰম	मनोरम
বাতিল	स्थगित करना

अभ्यास

I. नीचे दिए गए असमिया शब्दों के हिन्दी अर्थ बताइए।

স্পচ্ছা

নিমাওমাও

কপাল

একা বেঁকা

মনোৰম

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. নিতুল কেনি যাবলৈ ওলাম্পছে?
2. নিতুল কিহেৰে যাব?

3. বুবুল কিয় নিতুলৰ লগত যাব নোৱাৰে?
4. নিতুলৰ মাকে কিয় দৰব খাবলৈ কৈছে?
5. শ্বিলঙত নিতুলৰ কোন আছে?

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

কালিলৈ সি কোকোৰাঝাৰলৈ যাব। কোকোৰাঝাৰ জিলা অসমৰ উত্তৰ-পশ্চিম সীমান্তত। তাত সি বড়ো জনগোষ্ঠীৰ লোকসকলক লগ পাব। তেওঁলোক অসমৰ পুৰণি বাসিন্দা। তেওঁলোকৰ সংস্কৃতি বৰ চহকী। পৰহিলৈ বড়ো সকলে এটা উৎসৱ পালন কৰিব। সি তাত বড়ো সকলৰ নাচগান চাবলৈ পাব।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

अगले रविवार को हम नैनीताल जाएँगे। नैनीताल में देखने के लिए बहुत कुछ है। नैनीताल में नौका विहार बड़ा आह्लादकारी है। मालरोड की चहल-पहल में पर्यटक खो जाता है। रोप वे से चाइना पीक पर जा सकते हैं। यहाँ से हिमाच्छादित चोटियाँ दिखाई देती हैं।

V. 'मेरी पहली रेल यात्रा' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

प्रस्तुत पाठ में '-লৈ' और '-লগীয়া' का प्रयोग दिखाया गया है।

1. : असमिया में भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ '-লৈ' जोड़कर हिन्दी के 'के लिए' का अर्थ बताया जाता है। हिन्दी में 'जाने' या 'जाने के लिए' के लिए

असमिया में 'যাবলৈ' (যা + ভবিষ্যৎ কালৰ বিভক্তি + -লৈ) का प्रयोग होता है। जैसे :

খাবলৈ (खाने के लिए) যাবলৈ (जाने के लिए)

কবলৈ (कहने के लिए) आदि।

2. **'-লৈ' : के प्रयोग द्वारा भविष्य की सूचना मिलती है। खासकर *পৰহি, কালি* आदि समयवाचक शब्दों में '-লৈ' जोड़ा जाता है। जैसे :**

পৰহি	**परसों (पिछला)**
পৰহিলৈ	**परसों (आगामी)**
কালি	**कल (पिछला)**
কালিলৈ/ কাম্পলৈ	**कल (आगामी)**

3. **'-लगीय़ा' : भविष्य काल की क्रिया रूप के साथ 'योग्य के' अर्थ में '-लगीय़ा' का प्रयोग होता है। जैसे :**

खाव	**+**	**-लगीय़ा**	**=**	**खावलगीय़ा**	**खाने योग्य**
चाव	**+**	**-लगीय़ा**	**=**	**चावलगीय़ा**	**देखने योग्य**
पढ़िव	**+**	**-लगीय़ा**	**=**	**पढ़िवलगीय़ा**	**पढ़ने योग्य**

4. **आहोम : एक जनजाति जो दक्षिणी चीन (बार्मा) से आकर असम में बसी तथा जिसने सन् 1228 से 1826 तक राज्य किया। इनलोगों ने अपनी भाषा, धर्म और संस्कति को छोड़कर अपनी प्रजा की भाषा, धर्म, संस्कृति आदि को अपनाया।**

5. **रङ्पुर : आहोम राज्य की राजधानी।**

6. **कारेङ्घर : आहोम राजाओं के महल।**

7. रङ्घर : आहोम राजाओं द्वारा निर्मित प्रेक्षा-गृह।

8. जयसागर पुखुरि : मानव निर्मित एशिया का सबसे बड़ा एक तालाब जो लगभग 172 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ है।

9. मैदाम : आहोम राजाओं और राज्याधिकारियों की समाधियाँ जिनकी आकृति बौद्ध स्तूपों जैसी है।

10. कालिंलै : आजकल 'आगामी कल' के लिए 'काम्पॅलै' (काइलोई) के विकल्प के रूप में 'कालिंलै' (कालिलोई) का प्रयोग होने लगा है।

পাঠ
पाठ 15

অসমীয়া জীৱন আৰু সংস্কৃতি

মমতা : সুৰভি, অসমীয়া তুমি কেনেকৈ শিকিলা?

সুৰভি : মই *লক্ষ্ণৌ ভাৰতীয় ভাষাকেন্দ্ৰত* অসমীয়া শিকিলোঁ। তাত বাংলা, মাৰাঠী, তামিল, তেলেগু আদি ভাষাও শিকায়।

মমতা : তোমালোকক ভাষা কোনে শিকায়? নে কম্পিউটাৰত শিকা?

সুৰভি : এগৰাকী অসমীয়া বাইদেৱে শিকায়। তেওঁ মাজে মাজে আমাক অসমীয়া বোলছবি দেখুৱায়। যোৱা সপ্তাহত ‘কণিকাৰ ৰামধেনু’ দেখুৱালে। কাইলৈ কিছুমান অসমীয়া গীতো শুনাব।

মমতা : হয় নেকি? তেনেহলে ময়ো অসমীয়া শিকিম। বাইদেৱে আমাক অসমীয়া সংস্কৃতিৰ বিষয়ে পঢ়ুৱাবনে?

সুৰভি : অ’ পঢ়ুৱাব। বিহু গীত, বৰগীত

असमिया जीवन और संस्कृति

ममता : सुरभि, तुमने असमिया कैसे सीखी?

सुरभि : मैंने *लखनऊ के भारतीय भाषा केन्द्र* में असमिया सीखी है। केन्द्र में बंगाली, मराठी, तमिल, तेलुगु आदि भाषाएँ भी सिखाई जाती हैं।

ममता : तुमलोगों को भाषा कौन सिखाते हैं? क्या कम्प्यूटर से भी भाषा सीखते हो?

सुरभि : एक असमिया की अध्यापिका सिखाती हैं। बीच बीच में वे हमें असमिया फिल्म भी दिखाती हैं। पिछले सप्ताह हमें ‘कनिकार रामधेनु’ दिखाई थी। कल कुछ गीत भी सुनाएँगी।

ममता : ऐसा है क्या? तब तो मैं भी असमिया सीखूँगी। अध्यापिका क्या हमें असम की संस्कृति के बारे में भी पढ़ाएँगी?

सुरभि : हाँ पढ़ाएँगी। बिहु गीत, बरगीत भी

শুনাব, বিহু নাচ দেখুৱাব। বিয়া সবাহৰ কথা বুজাম্প কব। জানা, অসমৰ বিয়াত যৌতুক নাম্প। দৰাঘৰেহে কম্পনাৰ আ-অলংকাৰ, সাজ-পাৰ দিয়ে। শ্পয়াক ‘জোৰণ’ বোলে।

মমতা : হয় নেকি? তাত তেনেহলে মহিলাৰ বৰ সন্মান।

সুৰভি : এৰা, আগৰে পৰা তাত মহিলাৰ বৰ সন্মান। এসময়ত অসমত মহিলাম্প ৰাজপী চলাম্পছিল। এতিয়াও বিয়া-সবাহত মহিলাম্প আগভাগ লয়। নামঘৰত নাম-কীৰ্ত্তন কৰিব পাৰে। আজিকালি প্ৰায়বিলাক পৰিয়ালে ছোৱালীক ‘ভাৰত নাঁ্যম’, ‘সত্ৰীয়া নৃত্য’ আদি শিকায়।

মমতা : মম্প কিবা ‘দেওধনী’ নৃত্যৰ কথা শুনিছিলোঁ। এম্প বিষয়ে তুমি কিবা জনানে?

সুৰভি : অ’ অসমৰ বড়োসকলে ‘খেৰাম্প’ নামে ঐা পূজা পাতে। তাত

सुनाएँगी। बिहु नृत्य भी दिखवाएँगी। विवाह की प्रथाओं आदि से परिचित करवाएँगी। जानते हो, असम के विवाह में दहेज नहीं होता। वर के घरवाले लड़की को ‘जोरन’ में वस्त्र, आभूषण आदि देते हैं।

ममता : यह सच है क्या? इसका मतलब है कि वहाँ महिलाओं का बड़ा सम्मान है।

सुरभि : हाँ, वहाँ महिलाओं का पहले से ही बड़ा सम्मान है। एक समय था जब असम में महिलाएँ राज काज चलाती थीं। सभी शादी-ब्याह में महिलाएँ बढ़-चढ़कर भाग लेती हैं। नामघर में कीर्तन भी करती हैं। आजकल हर परिवार लड़कियों को ‘भरत-नाट्यम’ और ‘सत्रीयानृत्य’ सिखाता है।

ममता : मैंने ‘देवधनी’ नृत्य के बारे में सुना है। वह क्या होता है?

सुरभि : असम की बोरो जनजाति ‘खेराइ’ नाम का पर्व मनाती है। इस पर्व पर देवधनी नचाया जाता है। पहले

निचले असम में मारे पूजा या काली पूजा पर देवधनी नृत्य होता था।

তেওঁলোকে দেওধনী নচুৱায়। আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজা বা কালী পূজাত দেওধনী নচুৱাম্পছিল।

মমতা : তেনেহলে অসমৰ সংস্কৃতি বৰ বিচিত্ৰ। বলা, আমি অসমৰ কৃষ্টি-সংস্কৃতি নিজ চকুৰে এবাৰ চাম্প আহোঁ।

ममता : तब तो असम की संस्कृति बड़ी विविधतापूर्ण है। चलो, हम असम की इस विविधापूर्ण संस्कृति को अपनी आँखों से देखें।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
কেনেকৈ	कैसे
শিকিলা	सीखा
ভাষা কেন্দ্ৰ	भाषा केन्द्र
শিকায়	सिखाता है
মাজে মাজে	बीच बीच में
বোলছবি	फिल्म
সপ্তাহত	सप्ताह में
দেখুৱালে	दिखाया
শুনাব	सुनाएगा
সংস্কৃতি	संस्कृति
বিয়া	विवाह/शादी
যৌতুক	दहेज
	वर का घर

দৰাঘৰ	वस्त्र आदि
সাজপাৰ	आभूषण, गहने
আ-অলংকাৰ	तब
তেনেহলে	सुना है
হেনো	महिला
মহিলা	राजकाज
ৰাজপী	नाम घर (पूजा स्थल) में
নামঘৰত	अगुआ
আগভাগ	निचला
নামনি	भविष्य वाणी
ভবিষ্যৎ বাণী	परंपरा
কৃষ্টি	नृत्य करवाना
নচুৱাম্পছিল	बलि का प्रसाद (मांस, खून)
বলিৰ প্ৰসাদ	अनिवार्यता, जबरदस्ती
বাধ্য বাধকতা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

বাম্পদেৱে মোক অসমীয়া শিকায়।

→ বাম্পদেৱে মোক অসমীয়া শিকালে।

1. ি. ভি.ত অসমীয়া বোলছবি দেখুৱায়।
2. মাকে ল'ৰাোক ভাত খুৱায়।
3. তেওঁ মোক গান শুনায়।
4. হেডমাষ্টৰে ইংৰাজী পঢ়ুৱায়।

5. সি বান্দৰ নচুৱায়।

6. বাম্পদেৱে ল'ৰাইঁতক গান শুনায়।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. টি. ভি.ত প্ৰত্যেক সপ্তাহতে একোখন বোলছবি ____________ । (দেখ)

2. কাম্পলৈৰ পৰা 'চাণক্য' খন ____________ । (দেখ)

3. অহা বছৰৰ পৰা আমাক দাস চাৰে অসমীয়া ____________ । (পঢ়)

4. অহা সপ্তাহৰ পৰা হেনো ৰেডিঅ'ত অসমীয়া গান ____________ । (শুন)

5. মাকে ল'ৰাটোক এম্পমাত্ৰ ভাত ____________ । (খা)

III. नीचे दिए गए हिंदी शब्दों के असमिया अर्थ बताइए।

दहेज
सिनेमा
विवाह
गहना
जबरदस्ती

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. সুৰভিয়ে অসমীয়া ক'ত শিকিলে?

2. সুৰভিক অসমীয়া কোনে শিকালে?

3. 'অৰণ্য' বোলছবি ক'ত দেখুৱালে?

4. অসমৰ বিয়াত যৌতুক আছে নে নাম্প?

5. অসমৰ প্ৰধান নাচটোৰ নাম কি?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

দেখুৱায়নে চিনেমাও তোমালোকক

→ তোমালোকক চিনেমাও দেখুৱায়নে?

1. মানুহৰ চিনেমাম্প প্ৰতিফলিত জীৱন কৰে
2. চাবলৈ সত্ৰীয়া নৃত্য তোমালোক যাবা নে
3. চলাম্পছিল মহিলাম্প ৰাজপাঁ অসমৰ
4. নহয়নে বিচিত্ৰ সংস্কৃতি বৰ অসমৰ

VI. 'क्या', 'कौन', 'कहाँ', 'कब', 'किसको' का प्रयोग कर प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. আজিকালি বেছিভাগ পৰিয়ালে ছোৱালীক নাচগান শিকায়।
2. আগতে নামনি অসমত মাৰে পূজাত দেওধনী নচুৱাম্পছিল।

पढ़िए और समझिए।

বসন্ত ৰোগ (চেচক)

মিচেচ হাজৰিকাম্প ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক বিচাৰি আহিছিল। ডাক্তৰ বৰঠাকুৰক তেওঁ লগ নাপালে। কাৰণ গধূলি সময়ত তেখেত ক্লিনিকতহে বহে। মিচেচ বৰঠাকুৰে তেওঁক তামোল চালি দিলে। তেওঁ মিচেচ হাজৰিকাৰ বেমেজালিৰ কথা সুধিলে। মিচেচ হাজৰিকাম্প সকলো বিবৰি কলে। তেওঁৰ ল'ৰাৰ যোৱাকালিৰে পৰা গা বেয়া, খুব জ্বৰ আৰু তাৰ গাত কেম্পবাঁাও ফোঁহা দেখা গৈছে।

মিচেচ বৰঠাকুৰে মিচেচ হাজৰিকাক কেম্পাাামান সজ কথা কলে। বৰ্ত্তমান কেউফালে আম্পসকল ওলাম্পছে। তাৰো হয়তো মাজু আম্পয়েম্প ওলাম্পছে। গতিকে ডাক্তৰক মতাৰ

প্ৰয়োজন নাম্প। কেম্পৗমান কথা মানি চলিবহে লাগে। আম্পসকল আপোনা-আপুনি ঠিক হৈ যাব।

হাজৰিকাম্প ব্যগ্ৰ হৈ সুধিলে, ‘কওকচোন বাৰু কি কি কৰিব লাগিব?’

মিচেচ বৰঠাকুৰে কলে, ‘তাক পাতল বস্তু খুৱাবা। ভজা-পোৰা বস্তু একেবাৰে নুখুৱাবা। ঠাণ্ডা লগাব নালাগে। প্ৰথম কেম্পদিন গা নুধুৱাবা। গাত চাবোন-পাউদাৰ আদি নলগাবা। তাক একো কাম কৰিবলৈ নিদিবা। তাক সময়মতে খুৱাবা আৰু সময়মতে শুৱাবা। সকলো ঠিক হৈ যাব। চিন্তা নকৰিবা।’

মিচেচ বৰঠাকুৰৰ সজ উপদেশত মিচেচ হাজৰিকাম্প সন্তুষ্টি প্ৰকাশ কৰিলে। তেওঁ মিচেচ বৰঠাকুৰক নমস্কাৰ জনাম্প বিদায় ললে। যাবৰ পৰত কলে, ‘ভাল বাম্পদেউ, আপোনাৰ উপদেশবোৰ আখৰে আখৰে পালন কৰিম।’

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
গধূলি সময়ত	शाम के समय
তামোল-চালি	तांबूल, पान वगैरह
বেমেজালি	उलटा-सीधा
বিবৰি	वर्णन करना
গা-বেয়া	तबीयत खराब होना
জ্বৰ	ज्वर, बुखार
ফোঁহা	फुंसी
সজ উপদেশ	सदुपदेश
বৰ্ত্তমান	वर्त्तमान
আমনি	विरक्ति
কেউফালে	चारों तरफ
	माताएँ, चेचक

আম্প সকল	
মাজু আম্প	खसरा
প্রয়োজন	प्रयोजन
মানি চলিলে	मान लेने पर
আপোনা আপুনি	अपने आप
ব্যগ্র	व्यग्र
বাৰু	अच्छा, जी
খুৱাবা	खिलाना
ভজা-পোৰা	जला-भुना
নুখুৱাবা	नहीं खिलाना
নুধুৱাবা	नहीं नहलाना
চাবোন	साबुन
নলগাবা	नहीं लगाना
সময়মতে	समय पर
শুৱাবা	सुलाइए
সন্তুষ্টি	संतुष्टि
বিদায়	विदाई
আখৰে আখৰে	आक्षरिक रूप से

अभ्यास

I. एक वाक्य मे उत्तर दीजिए।

1. কাৰ ল'ৰাৰ জ্বৰ হৈছে?
2. ডা. বৰঠাকুৰ গধূলি সময়ত ক'ত থাকে?
3. মিচেচ হাজৰিকাম্প ল'ৰাটোৰ গাত কি দেখিলে?
4. ল'ৰাটোক কেনেকুৱা বস্তু খুৱাব নালাগে?

5. আম্পৰ ৰোগীয়ে গা ধুব পাৰেনে?

II. विलोम शब्द बनाइए।

ভাল

লাহে লাহে

আগতে

যোৱাবাৰ

অহাবাৰ

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

বিহু অসমৰ জাতীয় উৎসৱ। বিহু তিনি প্ৰকাৰৰ। বহাগ বিহু, কাতি বিহু আৰু মাঘ বিহু। মাঘ বিহুত খোৱা লোৱাৰ ব্যৱস্থা বেছি থাকে। অগ্নি পূজা মাঘ বিহুৰ ঐা প্ৰধান অংগ। মাঘ বিহুক ভোগালী বিহু বুলিও কয়। বিহুৰ আগ দিনাক উৰুকা বুলি কোৱা হয়। মাঘ বিহুত ল'ৰা-ডেকাম্প হেৰালি ঘৰ বা ভেলাঘৰ সাজি ভোজ ভাত খায়।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

आज महिलाएँ हर क्षेत्र में आगे हैं। प्रशासनिक पदों पर भी काम कर रही हैं। वे सेना और पुलिस में उच्चपदों पर आसीन हैं। कला और साहित्य के क्षेत्र भी उन्होंने नाम कमाया है। वे रेल से लेकर ट्रक चला रही हैं। वे हवाई जहाज भी उड़ा रही हैं। श्रीमती इंदिरा गाँधी भारत की प्रधान-मंत्री थीं। वे कल्पना-चावला ने अंतरिक्ष यात्रा के क्षेत्र में अपना स्थान बनाया। जीवन के हर क्षेत्र में वे पुरूषों से टक्कर ले रही हैं।

V. 'नारी तुम अबला हो' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. इस पाठ में प्रेरणार्थक क्रिया का प्रयोग सिखाया गया है। हिन्दी की तरह ही असमिया की मूल क्रिया में **'-आ', '-उवा'** जोड़कर प्रेरणार्थक रूप बनाया जाता है। जैसे :

'শিক্' (सीख) प्रेৰणार्थक (प्रेरणार्थक) क्रिया

শিক্	+	-আ	+	-ম্পছে	=	শিকাম্পছে
শিক্	+	-আ	+	-ম্পছিল	=	শিকাম্পছিল
শিক্	+	-আ	+	-ব	=	শিকাব

लेकिन,

'পঢ়' (पढ़)	পঢ়	+	-উৱা	+ -ব	=	পঢ়ুৱাব
	খা	+	-উৱা	+ -ব	=	খুৱাব

2. 'সকলো' : इस असमिया शब्द में विभक्ति लगने पर हमेशा विभक्ति जोड़ने के बाद (-ए) स्वर का प्रयोग आभास होता है। जैसे :

-ৰ	:	সকলো + -ৰ + -এ	=	সকলোৰে
-ক	:	সকলো + -ক + -এ	=	সকলোকে

3. হেনো : इस का प्रयोग असमिया में हिन्दी के 'सुना जाता है, कहा जाता है' आदि के अर्थ में होता है। हिन्दी शब्द 'मानों' से इसका अर्थ पृथक है। जैसे :

তুমি হেনো নপঢ়া : सुना है तुम पढ़ते नहीं; लोग कहते हैं तुम पढ़ते नहीं।

4. वरगीत : यह धर्ममूलक ध्रुपदीय संगीत है। इसका आधार नव रस है। नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने जनता को आकर्षित करने के लिए इस तरह के गीत पहली बार लिखे थे। उनके शिष्य माधवदेव ने भी कुछ गीत लिखे हैं। इन दोनों महापुरुषों के लिखे गीतों को ही *वरगीत* कहा जाता है। वरगीत की भाषा ब्रजवुलि है, जो ब्रजभाषा और प्राचीन असमिया का मिश्रण है।

5. बिहुगीत और बिहुनाच : असम में बिषुव संक्रांति के समय सात दिन तक 'रंगालि बिहु' उत्सव मनाया जाता है। इस समय वसंत ऋतु का आगमन होता है। पृथ्वी शस्य-श्यामला होती है। इस अवसर पर युवा-युवतियाँ आनन्दित होकर नाचती और गाती हैं। इस तरह के बिहु गीतों का मूल भाव प्रेम होता है।

6. जोरन : यह असमिया विवाह का एक अनुष्ठानिक मांगलिक कार्य है। यह आम तौर पर विवाह के एक दिन पहले मनाया जाता है। इसमें दूल्हे के घर से कुछ पुरुष और स्त्रियाँ दुल्हन के लिए कपड़े, आभूषण, सिंदूर, नारियल, सुपारी आदि लेकर जाते हैं।

7. सवाह : उत्सव आदि धार्मिक, मांगलिक कार्य।

8. सत्रीया नृत्य : यह एक ध्रुपदीय नृत्य है जिसका प्रारंभ नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक शंकरदेव ने किया था।

9. बरो : असम की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी जनजाति का एक समूह।

10. खेराइ : बोरो लोगों के द्वारा अपने समाज की उन्नति के लिए किया जाने वाला अनुष्ठान जिसमें पशु-बलि भी दी जाती है।

11. देवधनी : शक्ति पूजा के समय नृत्य करनेवाली नर्तकी।

পাঠ 16
पाठ

পৰিবেশ আমাৰ বন্ধু

নৰেণ : ডাক্তৰবাবু, আজি কিছুদিনৰ পৰা গাঁওখনৰ ঘৰে ঘৰে বেমাৰ। নিৰুপায় হৈ আপোনাৰ ওচৰলৈ আহিলোঁ।

ডাক্তৰ : আপোনালোক বহক। এম্প একে কাৰণতে ময়ো বৰ চিন্তিত। আমাৰ মানুহৰ সৰহ ভাগ বেমাৰ-আজাৰৰ কাৰণ দূষিত পৰিবেশ। গতিকে পৰিবেশ নিৰ্মল ৰখাটো বৰ প্ৰয়োজনীয়।

মহেশ : পৰিবেশনো কি? আমাক অলপ সহজ ভাষাত বুজাম্প ক'বনে?

ডাক্তৰ : পৰিবেশৰ ঐটা প্ৰধান উপাদান হল পানী। পানীয়েম্প সৰহভাগ ৰোগৰ বীজাণু কঢ়িয়ায়। নৈ আৰু পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খোৱাটো বেয়া। কেৱল উতলোৱা পানীহে খাব লাগে।

গোবিন্দ : আজিকালি আমি বালি আৰু এঙাৰৰ কলহত পানী বিশুদ্ধ কৰোঁ।

ডাক্তৰ : বৰ ভাল কথা। দ্বিতীয় কথা হল ---

वातावरण हमारा मित्र

नरेन : डॉक्टर बाबू, पिछले कुछ दिनों से गाँव में घर-घर बीमारी फैली है। निरुपाय होकर हम आपकी शरण में आए हैं।

डॉक्टर : आपलोग बैठें। इस बात से तो मैं भी चिन्तित हूँ। हमलोगों की अधिकांश बीमारियों का कारण है दूषित पर्यावरण। इसलिए पर्यावरण को निर्मल रखना अत्यंत आवश्यक है।

महेश : पर्यावरण से आपका मतलब क्या है? हमें थोड़ी सरल भाषा में समझाइए।

डॉक्टर : पर्यावरण में कई बातें शामिल हैं। इनमें मुख्य है पानी। पानी के कारण रोगों के जीवाणु फैलते हैं। नदी तथा तालाबों का पानी बिना उबाले (कच्चा) पीना हानिकारक होता है। केवल उबला हुआ पानी ही पीना चाहिए।

गोविन्द : आजकल हम बालू और कोयले से पानी साफ करते हैं।

डॉक्टर : बहुत अच्छी बात है। दूसरी बात है

য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰা বেয়া। এম্প দুটাৰ পৰাও ৰোগ বিস্তাৰিত হয়। গতিকে চেনিতেৰি পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰিব লাগে। এম্পবোৰ কথা আপোনা-লোকে জানিলেম্প নহব, ৰাম্পজকো বুজোৱা উচিত।

নৰেণ : গোঁহালিত ধোঁৱা দিওঁ। আবেলি ঘৰত ধূনা দিওঁ। এম্পবোৰত একো অসুবিধাতো নাম্প?

ডাক্তৰ : বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰখাটো আমাৰ সকলোৰে কৰ্তব্য। বায়ুৰ পৰা আমি অক্সিজেন লওঁ। গতিকে আমি বায়ু বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে। গছৰ পাত, আবৰ্জনা আদি পুৰি পেলোৱাটো বেয়া। এম্পবোৰৰ পৰা পচন সাৰ উৎপাদন কৰিব লাগে। ঘৰত ধূনা কম পৰিমানেহে দিব লাগে।

মোহন : গাওঁত মহ মাখিৰো বৰ উৎপাত। ৰাতি শুব নোৱাৰি।

ডাক্তৰ : মহ মাখিয়েও বেমাৰ বিয়পায়। মহে কামোৰাটো বিপদজনক। মেলেৰীয়া, ফাম্পলেৰীয়া আদি ৰোগ মহে

कि इधर-उधर टट्टी-पेशाब करना भी बुरी बात है। इन दोनों से भी बीमारी फैलती है। इसलिए पक्का शौचालय बना लेना चाहिए। केवल आप लोगों के लिए ही यह जानकारी काफी नहीं है। यह बात जनता को भी समझाना होगा।

नरेन : घर में जहाँ पशुओं को रखते हैं वहाँ धुआँ करते हैं। शाम को अपने घर में 'धूना' करते हैं। इसमें कोई बुराई तो नहीं है?

डॉक्टर : वायु-मंडल को शुद्ध रखना हम सब का कर्त्तव्य है। वायु से हम ऑक्सीजन लेते हैं। फलतः वायु को शुद्ध रखना चाहिए। पौधों के पत्ते कूड़े आदि को जला देना गलत बात है। इन सबसे खाद बनाना चाहिए। घर में धूना कम मात्रा में ही देना चाहिए।

मोहन : गाँव में मक्खी-मच्छरों का बड़ा उत्पात है। रात को सो नहीं पाते।

डॉक्टर : मक्खी-मच्छरों से भी बीमारी फैलती है। मच्छर का काटना भी खतरनाक है। मलेरिया, फाइलेरिया आदि मच्छरों से फैलते हैं।

मक्खियाँ भी हमारी खाने की चीज़ों को विषाक्त बना देती हैं। इसलिए

বিয়পায়।

মাখিয়েও আমাৰ খোৱা বস্তু বিষাক্ত কৰে। গতিকে মহ মাখিৰ বৃদ্ধিহে ৰোধ কৰিব লাগে। মহৰ উৎপত্তিস্থল নলা নৰ্দমা। গতিকে নলা নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ ৰখা, জাৱৰ জোথৰ পুৰি পেলোৱা আৰু লেতেৰা হবলৈ নিদিয়াটো অতি প্ৰয়োজনীয় কথা।

মহেশ : এইবোৰ বৰ জানিবলগীয়া কথা। আপুনি এদিন আমাৰ ৰাইজক এখন সভাত এইবোৰ কথা বুজাই কোৱা ভাল হব।

ডাক্তৰ : ঠিক আছে। আপোনালোকে বন্দবস্ত কৰক। মই নিশ্চয় যাম।

মহেশহঁত: ডাক্তৰ চাহাব! বহুত ধন্যবাদ।

कोशिश करें कि मक्खी-मच्छर पैदा ही न हों। मच्छरों के पैदा होने के स्थान हैं -- नालियाँ, गड्ढे, गंदगी। हमें चाहिए कि नालियों को साफ रखें, गड्ढों को पूर दें और गंदगी न होने दें।

महेश : ये सब बातें जानने लायक हैं। कृपया आप एक दिन ये सब बातें ग्राम सभा में जनता को भी समझा दें तो अच्छा होगा।

डॉक्टर : ठीक है। आपलोग व्यवस्था कीजिए, मैं ज़रूर आऊँगा।

महेश : डॉक्टर साहब! बहुत-बहुत धन्यवाद।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
ঘৰে ঘৰে	घर घर में
বেমাৰ-আজাৰ	बीमारी
বেমাৰী	बीमार

কিবা	कुछ
নিৰুপায়	निरुपाय
একে	एक ही
কাৰণ	कारण
চিন্তিত	चिंतित
সৰহ	अधिकांश
দূষিত	दूषित
নিৰ্মল	निर्मल
ৰখা	रखना
প্ৰয়োজন	आवश्यक
পানী	पानी
বীজাণু	जीवाणु
কঢ়িয়ায়	फैलाते हैं
নৈ	नदी
পুখুৰী	तालाब
এনেয়ে	यों ही
বেয়া	अनुचित, खराब
উতলোৱা	उबालना
বালি	बालू
এঙাৰ	कोयला
কলহ	कलश, घड़ा
বিশুদ্ধ	शुद्ध
	दूसरा
	इधर-उधर, जहाँ-तहाँ

দ্বিতীয়	विस्तारित
য’তে ত’তে	फलस्वरूप, इसलिए
বিস্তাৰিত	गड्ढा
গতিকে	गंदगी
গাঁত	शौचालय
লেতেৰা	जानते हो
পায়খানা	समझना
জানা	घर में पशुओं को बाँधने की जगह
বুজা	धुआँ
গোহালি	देना
ধোঁৱা	धूना
দিয়া	जानता हूँ
ধূনা	के विषय में
জানো	दो शब्द
বিষয়ে	वायुमंडल
দুআষাৰ	सब
বায়ুমণ্ডল	कर्तव्य
সকলো	वायु
কৰ্তব্য	रखना
বায়ু	फैलाते हैं
ৰাখ	रोग
বিয়পায়	विषाक्त
	पैदा होना
	रोकना

ৰোগ	जानने लायक
বিষাক্ত	जनता
বৃদ্ধি	बन्दोबस्त
ৰোধ	
জানিবলগীয়া	
ৰাম্পজ	
বন্দোবস্ত	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को परिवर्तित कीजिए।

उदाहरण :

(क) পৰিবেশ নিৰ্মল ৰখাটো প্ৰয়োজন।

→ পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে।

1. উতলোৱা পানী খোৱাটো ভাল।

2. য'তে ত'তে শৌচ পেচাব কৰাটো বেয়া।

3. বালি আৰু এঙাৰেৰে পানী বিশুদ্ধ কৰাটো প্ৰয়োজন।

4. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰখাটো প্ৰয়োজনীয় কথা।

5. নলা নৰ্দমাত মহ মাখি বৃদ্ধি ৰোধ কৰা প্ৰয়োজন।

(ख) আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ আহিব লাগে।

→ আপুনি এবাৰ গাওঁলৈ অহাটো প্ৰয়োজন/উচিত।

1. এম্পবোৰ কথা গাওঁত ৰাম্পজে জানিব লাগে।

2. খোৱা বস্তুত মাখি পৰিবলৈ দিব নালাগে।

3. জীৱ-জন্তুক মহৰ কামোৰৰ পৰা বচাম্প ৰাখিব লাগে।
4. গছৰ পাত, গোবৰ আদি পুৰিব নালাগে।
5. আমি সকলোৱে বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে।
6. আমি নৈ বা পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খাব নালাগে।

II. एक वाक्य में उत्तर दीजिए :

1. গাওঁৰ মানুহ বিলাকৰ কি হৈছে?
2. গাওঁৰ মানুহৰ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণে আৰু কোন চিন্তিত?
3. বেমাৰ আজাৰ নহবৰ কাৰণে প্ৰয়োজনীয় কথা কি?
4. কেনেকুৱা পানী খোৱাটো ভাল?
5. আজিকালি গাওঁৰ মানুহে কেনেকৈ পানী বিশুদ্ধ কৰে?
6. আমাৰ সকলোৰে কৰ্তব্য কি?
7. কিহৰ পৰা সাৰ উৎপাদন কৰিব পাৰি?
8. মেলেৰীয়া, ফাম্পলেৰীয়া আদি কিহে বিয়পায়?

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(ম্প, টো, তো, এম্প, নো, হে)

1. মাখিয়ে ______ আমাৰ খোৱা বস্তু বিষাক্ত কৰে।
2. এম্পবোৰ কথা দুম্প এজনে জানিলে ______ নহব।
3. নৈ আৰু পুখুৰীৰ পানী এনেয়ে খোৱা ______বেয়া।
4. আমি কেবল উতলোৱা পানী ______ খাব লাগে।
5. পানীয়ে সৰহ ভাগ ৰোগৰ ______ বীজাণু কঢ়িয়ায়।
6. পৰিবেশ ______ কি?

IV. पाठ में से उचित शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. আমাৰ মানুহৰ ____________ ভাগ বেমাৰ আজাৰৰ কাৰণ দূষিত পানী।
2. পুখুৰীৰ পানী ________ খোৱাটো বেয়া।
3. গছ পুৰিলে __________ হয়।
4. অসমত মানুহে গৰু ________বান্ধে।
5. বায়ুমণ্ডল বিশুদ্ধ কৰাটো আমাৰ ____________ কৰ্তব্য।
6. মহৰ উৎপত্তিস্থল নলা ___________ ।
7. মহ মাখিয়ে বেমাৰৰ বীজানু ____________।
8. গুৱাহাটীত মহৰ বৰ ___________।
9. ডাক্তৰে এখন সভাত __________ স্বাস্থ্য ৰক্ষাৰ কথা বুজাম্প কোৱা উচিত।

V. पाठ के आधार पर उपयुक्त शब्द/वाक्यांश जोड़कर वाक्य पूरे कीजिए।

1. ডাক্তৰ বৰ চিন্তিত; কাৰণ ....।
2. আমি পৰিবেশ নিৰ্মল ৰাখিব লাগে; কাৰণ ....।
3. খোৱা পানী বিশুদ্ধ হব লাগে; কাৰণ ....।
4. মহে কামোৰাটো বিপদজনক; কাৰণ ....।
5. নলা-নৰ্দমা পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; কাৰণ ....।
6. ডাক্তৰে ৰাম্পজক স্বাস্থ্যৰ কথা কব লাগে; কাৰণ ....।

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

বতাহ হাওফাওৰ সেৱনেম্প ৰোগৰ দুষিত কাৰণ

→ দূষিত বতাহ সেৱনেম্প হাওফাওৰ ৰোগৰ কাৰণ।

1. ৰোগৰ প্ৰধান পানীয়েম্প কাৰণ

2. বিশুদ্ধ প্ৰধান কৰাৰ পানী উপায়বোৰ কি কি

3. পচন সাৰ উপাদান বাবে শস্যৰ ভাল

4. বিয়পে মেলেৰীয়া মহৰ পৰা

5. কথা এম্পবোৰ বৰ সঁচাকৈয়ে জানিবলগীয়া

VII. नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।

1. অসমীয়া মহিলাম্প তাঁতত বোৱা পাঁমুগাৰ কাপোৰ পৃথিৱী বিখ্যাত।

2. বাঁহ-বেতৰ আচবাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

पढ़िए और समझिए।

জামিলাৰ চিঠি

জামিলা বেগম

সিজুবাৰী, গুৱাহাঁটী-৩৮

৩ এপ্ৰিল, ৯২

পূজনীয়া মা,

পোন প্ৰথমে মোৰ সেৱা লবা। খোদাৰ দোঁৱাত মম্প স্পয়াত ভালেম্প আছোঁ। আশা কৰোঁ ঘৰত তোমালোক আঁায়ে ভালে আছা।

কলেজত পৰিবেশ সম্বন্ধে কিছু নতুন কথা শিকিলোঁ। সেম্পবোৰ ভাৰ্ম্পী-ভঁম্পিহঁতৰ বাবে লিখি পঠালোঁ।

জানা মা, পৰিবেশ আমাৰ ডাঙৰ বন্ধু। স্পয়াক বিশুদ্ধ কৰি ৰখাৌ অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা। আমি জধে মধে গছ গছনি কৗা অনুচিত। গছে বায়ুৰ পৰা এঙাৰ গেচ শুহি লয়, বিশুদ্ধ অম্লজান আমাৰ কাৰণে এৰি দিয়ে। গছে পৰিবেশ শীতল আৰু নিৰ্মল কৰি ৰাখে। স্প আমাক ছাঁ, ফলমূল আৰু কাঠ দিয়ে। সেয়ে আমি ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে।

জানা মা, আমি জাবৰ-জোঠৰ, গছৰ পাত আদি পুৰিব নালাগে। সেম্পবোৰ পুতি থব লাগে। তাৰ পৰা ভাল পচন সাৰ হয়। গোবৰ পুৰিব নালাগে। গোবৰ পুৰিলে ধোঁৱা উৎপন্ন হয় আৰু স্প পৰিবেশ দুষিত কৰে। বৰং গোবৰৰ সাৰ খেতিত দিব লাগে।

মুকলি ঠাম্পত শৌচ পেচাব কৰা বেয়া। স্প ৰোগ বিয়পায়। গতিকে আমি ঐা চেনিতেৰি পায়খানাৰ ব্যৱস্থা কৰি লব লাগে। ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধোৱা অনুচিত। তাত কাপোৰ ধোৱাও ঠিক নহয়।

নলা বা বন্ধ পানীত মহ মাখি ওপজে। স্পহঁতে ৰোগৰ বীজাণু বাঢ়িয়ায়। গতিকে বন্ধ পানী উলিয়াম্প দিব লাগে।

মাঁ, কথাবোৰ ভাৰ্ম্পহিঁতক কবা। বন্ধত আমি লগ লাগি এম্পবোৰ কাম কৰিম। বিশুদ্ধ পৰিবেশে মানুহৰ স্বাস্থ্য ভালে ৰাখে।

বেছি লিখি আমনি নকৰোঁ। পুনৰ সেৱা জনাম্প স্পমানতে সামৰিলোঁ।

স্পতি

তোমাৰ মৰমৰ

জামিলা

প্ৰতি

শ্ৰীমতী হাচিনা বেগম

গাওঁ : ঢেকীয়াখোৱা

পোঃ আঃ - ভূৰাগাওঁ

জিলা : মৰিগাওঁ

অসম

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
আশা কৰোঁ	आशा करता हूँ
সম্বন্ধে	के संबंध में
কিছু	कुछ
ভাৰ্ম্পি	छोटा भाई
ভণ্টি	बहन
পঠালোঁ	भेज दिया
বন্ধু	बन्धु
অতিশয়	अधिकता
জধে মধে	जहाँ-तहाँ
গছ-গছনি	पेड़-पौधे
কৈা	काटना
অনুচিত	अनुचित
এঙাৰ গেছ	कार्बन डाइ-अक्साईड
শুহি	सोख लेते हैं
অম্লজান	ऑक्सीजन
শীতল	शीतल
	छाया

ছাঁ	फल-मूल
ফলমূল	लकड़ी, काठ
কাঠ	लगाना, रोपना
ৰোৱা	जलाना
পুৰিব	गाड़ना
পুতি	कंपोस्ट खाद
পচন সাৰ	गोबर
গোবৰ	जला, भुना
পোৰা	उत्पन्न
উৎপন্ন	दूषित
দূষিত	खुला, खुली
মুকলি	रोग
ৰোগ	जनता
ৰাজহুৱা	पोखर
পুখুৰী	धुआँ
ধোঁৱা	कपड़ा
কাপোৰ	बन्द
বন্ধ	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

(क) পৰিবেশ বিশুদ্ধ ৰাখিব লাগে। স্প অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা।

→ পৰিবেশ বিশুদ্ধ ৰখাটো অতিশয় প্ৰয়োজনীয় কথা।

1. ৰাস্তাৰ দাঁতিত গছ ৰুব লাগে; স্প জনহিতকৰ কাম।

2. পুখুৰীৰ পানী পৰিষ্কাৰ কৰি ৰাখিব লাগে; স্প স্বাস্থ্যৰ কাৰণে ভাল।

3. সদায় গা ধুব লাগে। স্প স্বাস্থ্যৰ বাবে ভাল।

4. মানুহে সময়মতে খাব লাগে; স্প বৰ ভাল কথা।

5. জাবৰ জোঠৰ পুতি থব লাগে; স্প বৰ প্ৰয়োজনীয় কথা।

(খ) জধে মধে গছ-গছনি কাঁবি নালাগে; স্প অনুচিত কথা।

→ জধে মধে গছ-গছনি কাটো অনুচিত কথা।

1. আমি গোবৰ পুৰিব নালাগে; স্প বৰ বেয়া কথা।

2. ৰাজহুৱা পুখুৰীত গা ধুব নালাগে; স্প ঠিক কথা নহয়।

3. বন্ধ পানী ৰাখিব নালাগে; স্প মহ মাখিৰ বংশ বৃদ্ধিৰ সহায়ক।

4. মাংস বেছিকৈ খাব নালাগে; স্প পেৰ কাৰণে বেয়া।

5. বেছিকৈ ি. ভি. চাব নালাগে; স্প চকুৰ কাৰণে হানিকাৰক।

II. **कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।**

1. স্প ৰোগ ______________ । (বিয়পা)

2. জধে মধে গছ-গছনি ______ নালাগে। (কাঁ)

3. বন্ধ পানী সদায় ____ দিব লাগে। (উলিয়া)

4. গছৰ পাত _____ থব লাগে। (পোত)

5. পুখুৰীত গা _____ অনুচিত। (ধো)

III. **विलोम शब्द बनाइए।**

বন্ধ

দীঘল

কম

চাপৰ

ডাঙৰ

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. গছে বায়ুৰ পৰা কি শুহি লয়?
2. গছে আমাক কি কি দিয়ে?
3. ৰাস্তাৰ দাঁতিত কিয় গছ ৰুব লাগে?
4. বন্ধ পানীত কি হয়?
5. মহ মাখিয়ে কি কৰে?
6. জামিলাৰ মাকৰ নাম কি?

V. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

অসমৰ মানুহ পৰিবেশ সচেতন। অসমৰ গাওঁবোৰ পৰিষ্কাৰ আৰু আহল বহল। গাওঁৰ মানুহবোৰ সহজ সৰল আৰু বন্ধুত্ব পৰায়ণ। অসমীয়া মহিলাম্প তাঁতত বৰ সুন্দৰ কাপোৰ বব পাৰে। অসমৰ পাঁ-মুগাৰ কাপোৰ পৃথিবী বিখ্যাত। কাঁহ-পিতল আৰু হাতী-দাঁতৰ শিল্পৰ বাবেও অসম প্ৰসিদ্ধ। বাঁহ-বেতৰ আচবাব বনোৱাত অসমীয়া মানুহ বৰ নিপুন।

VI. असमिया में अनुवाद कीजिए।

दिन-ब-दिन हमारा पर्यावरण दूषित हो रहा है। हमें पर्यावरण के प्रति सचेत रहना चाहिए। पर्यावरण का संबंध हवा और पानी से है। प्रदूषण फैलाने वाले कारखानों को चाहिए कि वे नई तकनीक अपनाएँ। धुआँ छोड़ने वाले वाहनों में सी. एन. जी का प्रयोग करना चाहिए। इससे

हवा साफ रहेगी। हमें ज़्यादा से ज़्यादा पेड़ लगाना चाहिए। अधिक से अधिक पेड़ लगाकर ही हम प्रदूषण को कम कर सकते हैं।

VII. 'शोर भी प्रदूषण है' पर एक अनुच्छेद असमिया में लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. '-নো' (-नो) : प्रश्नार्थक वाक्यों में जिस शब्द पर बल देना होता है उसके बाद '-নো' (-नो) जोड़ा जाता है। जैसे :

   'তুমিনো কেতিয়া আহিলা?' में তুমি (तुम) पर बल दिया जाता है। किन्तु 'তুমি কেতিয়ানো আহিলা' में কেতিয়া (कब) पर बल दिया जाता है।

2. '-ওৱা' (-ओवा) : धातु के साथ '-ওৱা' (-ओवा) जोड़कर भूतकाल वाचक विशेषण बनाया जाता है। जैसे :

   উতল + -ওৱা > উতলোৱা (পানী) उबला हुआ पानी

   পঢ় + -ওৱা > পঢ়োৱা (বিষয়) पढ़ा हुआ विषय

3. '-আ' (-आ) : मूल धातु के साथ '-আ' (आ) जोड़कर क्रियावाची संज्ञा बनाई जाती है। आकारांत शब्दों में '-আ' जोड़ने पर अन्तिम स्वर ওঁ *(ओं)* में बदल जाता है। ऐसे क्रिया निर्देशात्मक अर्थ प्रकट करने के लिए संज्ञा के साथ '-টো (-तो)' युक्त होता है। जैसे :

   কৰ + -আ > কৰা + টো = কৰাটো

   যা + -আ > যোৱা + টো = কৰাটো

   কামোৰ + -আ > কামোৰা + টো = কামোৰাটো

পাঠ
पाठ 17

বিহু

ৰমেন : অ' চুব্বায়া, আহক, আহক; আজি আকৌ ল'ৰা-ছোৱালীকেইটা ঘৰত নাই।

চুব্বায়া : কলৈ গ'ল সিহঁত?

ৰমেন : সিহঁত কালি মাকৰ লগত গাৱঁৰ ঘৰলৈ গৈছে। কালিলৈৰ পৰা আমাৰ বিহু।

চুব্বায়া : আপোনালোকৰ প্ৰধান উৎসৱ বিহু নেকি?

ৰমেন : হয়। তিনিটা ঋতুত আমি তিনিটা বিহু পালন কৰোঁ।

চুব্বায়া : তিনিওটা বিহু একে ধৰণে নে বেলেগ বেলেগ ধৰণে মনা হয় ?

ৰমেন : অসমীয়া নতুন বছৰৰ সংক্ৰান্তিত প্ৰথমটো বিহু হয়। দক্ষিণ ভাৰতৰ উগাদি আদিৰ দৰে। ইয়াক *বহাগ বিহু* বোলে। উত্তৰ ভাৰতৰ

बिहु

रमेन : आइए! आइए सुब्बायाजी! आज तो बच्चे घर में नहीं हैं।

सुब्बाया : अरे! वे लोग कहाँ गए हैं?

रमेन : वे अपनी मम्मी के साथ कल गाँव चले गए हैं। कल से हमलोगों का बिहु शुरु हो रहा है।

सुब्बाया : आप का मुख्य उत्सव बिहु है क्या?

रमेन : हाँ, है। तीन ऋतुओं में तीन बिहु मनाए जाते हैं।

सुब्बाया : तीनों बिहु एक ही तरह मनाए जाते हैं, या अलग अलग?

रमेन : असमिया नववर्ष की संक्रान्ति पर प्रथम बिहु मनाते हैं। यह दक्षिण भारत के *उगादि* उत्सव की तरह है। इसे *बहाग बिहु* कहा जाता है। उत्तरी भारत की होली से यह मिलता जुलता है। इस बिहु में युवक युवतियाँ खुले मैदान में

হোলী উৎসৱৰ লগত স্পয়াৰ মিল আছে। ডেকা-গাভৰুৱে মুকলি পথাৰত বিহু নাচে, সন্ধিয়া ঘৰে ঘৰে হুঁচৰি গায়। ৰং ধেমালি কৰা হয় বাবে স্পয়াক *ৰঙালী বিহু* বুলিও কোৱা হয়।

চুব্বায়া : এস্প সকলোবোৰ একে দিনাস্প হয়নে?

ৰমেন : নহয়। আগতে এস্প বিহু এমাহ ধৰি পালন কৰা হৈছিল। আজিকালি এসপ্তাহ, দহদিনতকৈ বেছি মনা নহয়। এস্প বিহুৰ প্ৰথম দিনটোক *গৰু-বিহু* বুলিও কোৱা হয়। সেস্পদিনা গৰু-ম'হক গা ধুওৱা হয়। নতুন পঘা দিয়া হয় আৰু ভাল খাদ্য খাবলৈ দিয়া হয়।

চুব্বায়া : মানুহৰ বাবে একো নাস্প নেকি?

ৰমেন : আছে, আছে। দ্বিতীয় দিনা *মানুহ বিহু*। সেস্পদিনা মানুহে মাহ-হালধি ঘঁহি গা ধোৱে। ভগৱানৰ মূৰ্তি ধুউৱাৰ পিছত নতুন কাপোৰ দিয়া হয়। নামঘৰৰ থাপনা নতুনকৈ

नाचते-गाते हैं। शाम को घर-घर में जाकर ये 'हुसरी' गाते हैं। माहौल रंगीन होता है; इसलिए इसे *रंगाली बिहु* भी कहते हैं।

सुब्बाया : तो क्या यह सब एक ही दिन में हो जाता है?

रमेन : नहीं। बहुत पहले यह बिहु महीने भर मनाया जाता था। आजकल एक सप्ताह या दस दिन तक मनाया जाता है। इस बिहु के प्रथम दिन को गो-बिहु कहते हैं। उस दिन पालतू गाय-भैंसों को नहलाया जाता है, उनके गले में नई रस्सियाँ बँधी जाती हैं और विशेष भोजन कराया जाता है।

सुब्बाया : आदमियों के लिए कुछ भी नहीं है क्या?

रमेन : है, ज़रूर है। दूसरे दिन *मानव बिहु* होता है। उस दिन आदमी पिसी हुई उड़द-हल्दी मलकर नहाते हैं। भगवान की मूर्ति को स्नान कराने के बाद नए कपड़े पहनाते हैं। पूजाघर को विशेष रूप से सजाया जाता है। विशेष नैवेद्य चढ़ाए जाते हैं। छोटे-बड़े सभी नये कपड़े पहनते हैं। स्त्रियाँ खुद बुने हुए गमछे पुरूषों को भेंट करती हैं। उसे '*बिहुवान*' कहते हैं।

সজোৱা

হয়। তাত নৈবদ্য উৎসৰ্গ কৰা হয়। সেম্পদিনা সৰু ডাঙৰ সকলোৱে নতুন কাপোৰ পিন্ধে, তিৰোতাসকলে নিজেম্প বৈ পুৰুষক গামোছা দিয়ে। স্পয়াক *বিহুৱান* বোলে।

চুব্বায়া : তাত মাম্পকী মানুহে কাপোৰ বয় নেকি? আমাৰ স্পয়াত মতা মানুহেহে কাপোৰ বয়।

ৰমেন : হয়। দুম্প তিনি মাহ আগৰে পৰা তিৰোতাবিলাকে বিহুৰ কাপোৰ ববলৈ আৰম্ভ কৰে।

চুব্বায়া : বাকী দুা বিহু কেতিয়া পালন কৰা হয়?

ৰমেন : দ্বিতীয় বিহুৌক *কাতি বিহু* বুলি কোৱা হয়। আহিন আৰু কাতি মাহৰ সংক্ৰান্তিত স্পয়াক পালন কৰা হয়। এম্প সময়ত খাদ্য শস্যৰ প্ৰাচুৰ্য্য কম হয় বাবে স্পয়াক *কঙালী বিহু* বুলিও কোৱা হয়।

सुब्बाया : क्या वहाँ औरतें कपड़े बुनती हैं? हमारे यहाँ तो पुरुष ही कपड़े बुनते हैं।

रमेन : हाँ, दो तीन महीने पहले से औरतें बिहु के कपड़े बुनना प्रारंभ कर देती हैं।

सुब्बाया : फिर बाकी दो बिहु कब-कब मनाए जाते हैं?

रमेन : दूसरे बिहु को *काति बिहु* बोला जाता है। आश्विन और कार्तिक की संक्रान्ति पर इसे मनाया जाता है। उस समय खान-पान की चीज़ों का प्राचुर्य नहीं रहता है। इसलिए इसे *कंगाली बिहु* भी कहा जाता है। कहा जाता है उस दिन धान में पहली बाली आती है। शामको खेत में और तुलसी के सामने थाले में नैवेद्य चढ़ाया जाता है और दीपक जलाया जाता है।

सुब्बाया : तीसरा बिहु कैसे और कब मनाया जाता है?

रमेन : असम का तीसरा बिहु *माघ बिहु* जो पूस और माघ की संक्रान्ति पर मनाया जाता है। इस बिहु से पहले

তেতিয়া ধানে ঠোৰ মেলেহে। সন্ধিয়া পথাৰত আৰু তুলসীৰ তলত নৈবদ্য দিয়া হয় আৰু চাকি জ্বলোৱা হয়।

খেত का अनाज घर आ जाता है। इसलिए धान, उड़द, साग-सब्जी आदि का प्राचुर्य होता है। घर-घर में विविध प्रकार के गुझिया और लड्डू बनते हैं।

চুব্বায়া : তৃতীয় বিহুটো কেনেকৈ আৰু কেতিয়া পালন কৰা হয় বাৰু?

ৰমেন : অসমৰ তৃতীয় বিহু *মাঘ বিহু।* পুহ আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিত স্পয়াক পালন কৰা হয়। বিহুৰ আগে আগে খেতি চপোৱা হয়। সেয়ে ধান, মাহ, শাক পাচলিৰে মানুহৰ ঘৰ উভৈনদী হয়। ঘৰে ঘৰে নানান তৰহৰ পিঠা পনা কৰা হয়।

চুব্বায়া : স্পয়াৰো বেলেগ নাম আছে নেকি?

ৰমেন : আছে। স্পয়াক *ভোগালী বিহু* বুলি কোৱা হয়। এস্প বিহুৰ প্ৰধান বৈশিষ্ট্য হল ভোগ। সেয়ে স্পয়াক *ভোগালী* বোলা হয়। বিহুৰ আগদিনা ৰাতি পথাৰত ৰাজহুৱা ভাবে ভোজভাত খোৱা হয়।

চুব্বায়া : বিহুলৈ আমাক নামাতে নেকি?

ৰমেন : আপুনি মোৰ লৰাটোৰ ঘৰুৱা

सुब्बाया : इसका भी अलग नाम है क्या?

रमेन : जी हाँ, है। इसे *भोगाली बिहु* कहा जाता है। इस बिहु की मूल विशेषता है -- भोग। इसलिए इसे *भोगाली बिहु* कहा जाता है। इस बिहु के पहले दिन रात को खुले मैदान में सामूहिक भोज होता है।

सुब्बाया : बिहु के लिए हमें नहीं बुलाओगे क्या?

रमेन : आप हमारे बेटे को पढ़ाते हैं। आपको क्यों नहीं बुलाएँगे? आप एकबार भोगाली बिहु पर हमारे गाँव में अवश्य आएँ। इस बिहु पर प्रत्येक गाँव में मेजि बनाया जाता है। बिहु के दिन बड़े सबेरे इसे जलाया जाता है। मेजि में उड़द,

तिल, नारियल, सुपारी आदि चढ़ाया जाता है। आप एक बार जैसे भी हो अवश्य आएँ।

শিক্ষক। আপোনাক নামাতিমনে? আপুনি এবাৰ ভোগালী বিহুত আমাৰ গাঁৱলৈ ওলাব। এম্প বিহুত গাঁৱে গাঁৱে মেজি সজা হয়। বিহুৰ দিনা

ঢলপুৱাতে মেজি জ্বলোৱা হয়। মেজিত মাহ, তিল, নাৰিকল, তামোল আদি উৎসৰ্গা কৰা হয়। আপুনি যেনে তেনে এবাৰ আহিবলৈ চেষ্টা কৰিব।

सुब्बाया : ज़रूर आऊँगा।

চুব্বায়া : ভাল বাৰু।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
লৰালৰি	जल्दी-जल्दी
উৎসৱ	उत्सव
বিহু	बिहु (असम में मनाया जानेवाला लोकोत्सव)
ঋতু	ऋतु
পালন কৰা	पालन करना
মনা হয়	पालन किया जाता है / मनाया जाता है
সংক্ৰান্তি	संक्रान्ति
উগাদি	दक्षिण भारत (कर्णाटक, आँध्र) का नए वर्ष का उत्सव

নানান	विविध
ৰং ৰহম্পচ	रंग-रेलियाँ
ৰং ধেমালি	रंग-रेलियाँ
পথাৰ	खेत
হুচৰি	बिहु-गीत से पहले गाए जानेवाला मांगलिक गीत
ধেমালি	खेलकूद
ৰঙালী	रंगीन
গৰু বিহু	गो-बिहु
গৰু	गो
ম'হ	भैंस
পঘা	पगहा (रस्सी)
খাদ্য	खाद्य
মাহ হালধি	उड़द-हल्दी (उबटन सामग्री)
ঘঁহি	मलकर
গোসাঁম্প	गोसाईं (भगवान की मूर्ति)
ধুৱাম্প	स्नान कराकर
নতুন	नवीन, नया
কাপোৰ	कपड़ा
গামোচা	गमछा
বিহুৱান	बिहु के दिन भेंट किया जानेवाला वस्त्र
বয়	बुनती है
আহিন	आश्विन
কাতি	कार्तिक
প্ৰাচুৰ্য্য	प्रचुरता, प्राचुर्य
	कंगाली

কঙালী	धान
ধানে	बाली
ঠোৰ	निकलते हैं
মেলেহে	संध्या
সন্ধিয়া	आधार
ভেঁটি	तुलसी
তুলসী	दीपक
চাকি	जलाना
জ্বলোৱা	पौष माह
পুহ	माघ
মাঘ	आगे-आगे, पहले
আগে আগে	खेत
খেতি	संग्रह करना
চপোৱা	उड़द
মাহ	प्राचुर्य
উঁভৈনদী	घर घर में
ঘৰে ঘৰে	गुझिया आदि
পিঠাপনা	भोगाली
ভোগালী	विशेषता
বৈশিষ্ট্য	भोग
ভোগ	पहले दिन
আগদিনা	सामूहिक
ৰাজহুৱা	भोज
ভোজভাত	घरेलू
ঘৰুৱা	बाँस आदि से बनाया गया मंदिरनूमा ढाँचा
	बड़े सवेरे, पौ फटते ही

মেজি	तिल
ঢলপুৱা	नारियल
তিল	चढ़ाना
নাৰিকল	
উৎসৰ্গা	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

তিনিটা ঋতুত তিনিটা বিহু পালন কৰে।

→ তিনিটা ঋতুত তিনিটা বিহু পালন কৰা হয়।

1. বিহুত খুব ৰং ধেমালি কৰে।
2. বিহুৰ বাবে নতুন কাপোৰ বয়।
3. বিহুত গৰুক নতুন পঘা দিয়ে।
4. বহাগ বিহুক ৰঙালী বিহু বুলিও কয়।
5. মাঘ বিহুত মেজি জ্বলায়।

II. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

1. বিহু ____________ পাছতে হ’ব। (একমাহৰ, এমাহৰ)
2. মম্প সকলো কাম ____________ কৰিম। (এদিনাম্প, একেদিনাম্প)
3. বিহুৰ দিনা তিৰোতা সকলে পুৰুষক গামোচা দিয়ে, ____________ বিহুৱান বোলে। (স্পয়াক, এম্পটোক)

4. ৰঙালী বিহুৰ দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু; ______________ সকলোৱে নতুন কাপোৰ পিন্ধে।

(সেম্পদিনা, সেম্পৌদিনা)

5. তাৰ পিছত ভোগালী বিহু; ______________ বিহুত ঘৰে ঘৰে মেজি সজা হয়।

(স্প, এস্প)

III. विलोम शब्द बनाइए।

নতুন

মতামানুহ

ডাঙৰ

ৰাজহুৱা

স্পপাৰ

IV. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. অসমৰ প্ৰধান উৎসৱ কি?

2. বহাগ বিহুৰ আন এটা নাম কি?

3. বহাগ বিহুৰ প্ৰথম দিনটোক কি বিহু বোলে?

4. বিহুৰ গামোচাৰ আন এটা নাম কি?

5. কাতি বিহুৰ আন এটা নাম কি?

6. মেজি কোনটো বিহুৰ সময়ত সজা হয়?

7. মাঘ বিহুক কিয় ভোগালী বিহু বোলা হয়?

8. ৰাজহুৱা ভাৱে ভোজভাত কোন দিন খোৱা হয়?

9. চুব্বায়া কাৰ ঘৰুৱা শিক্ষক?

10. মেজিত কি কি উৎসৰ্গা কৰা হয়?

V. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

जातीय় অসমৰ বিহু উৎসৱ

→ বিহু অসমৰ জাতীয় উৎসৱ।

1. বহাগ উপাদান বিহুৰ হুচৰি প্ৰধান ঐ।

2. কৃষি উৎসৱ প্ৰধান কৰা হয় বহাগত পালন বিহু

3. মাস্পকী তাঁতত অসমৰ মানুহে বয় কাপোৰ

4. বিহু হয় হিচাপে গামোচা বিহুৱান দিয়া

VI. **नीचे दिए गए प्रत्येक वाक्य के जितने हो सकें उतने प्रश्नवाची वाक्य बनाइए।**

1. গৰু বিহুৰ দিনা গৰুক মাহ-হালধিৰে গা-ধুৱাস্প নতুন পঘা দিয়া হয়।

2. ভোগালী বিহুৰ দিনা ভেলাঘৰত ৰাজহুৱা ভাৱে ভোজভাত খোৱা হয়।

पढ़िए और समझिए।

বিহুৱান

বিহু অসমৰ প্ৰধান উৎসৱ। স্প অসমীয়াৰ বাপতি সাহোন। বিহু তিনি।। তিনিওঁ। বিহু তিনি। বিভিন্ন ঋতুত পালন কৰা হয়।

বসন্ত ঋতুৰ চ'ত আৰু বহাগ মাহৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনাৰ পৰা 'বহাগ বিহু' পালন কৰা হয়। স্পয়াক 'ৰঙালী বিহু'ও বোলা হয়। প্ৰথম দিনা গৰু ম'হক গা ধুওৱা হয়। নতুন পঘাৰে বন্ধা হয়। দ্বিতীয় দিনা মানুহ বিহু। সেস্পদিনা তিৰোতা সকলে পুৰুষসকলক নতুন কাপোৰ-কানি দিয়ে। তাকে 'বিহুৱান' বোলে। ৰঙালী বিহুত বৰকৈ ৰং ধেমালি কৰা হয়। ডেকা গাভৰুৱে মুকলি পথাৰত বিহু নাচে। সন্ধিয়া ল'ৰাবোৰে ঘৰে ঘৰে হুচৰি গায়।

শৰৎকালত আহিন আৰু কাতি মাহৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনা 'কাতি বিহু' পালন কৰা হয়। এস্প বিহুক 'কঙালী বিহু'ও বোলে। তেতিয়া ধানে ঠোৰ মেলে। সন্ধিয়া পথাৰত নৈৱদ্য দিয়া হয় আৰু দীপ জ্বলোৱা হয়। ঘৰত সাধাৰণ পিঠা-পনা কৰা হয়।

শীত কালত পুহ আৰু মাঘৰ সংক্ৰান্তিৰ দিনা 'মাঘ বিহু' পালন কৰা হয়। খোৱা বস্তুৰ প্ৰাচুৰ্য্যৰ বাবে এম্প বিহুক 'ভোগালী বিহু'ও বোলে। এম্প বিহুত দুম্প তিনিদিন আগৰে পৰা মানুহৰ ঘৰে ঘৰে নানা তৰহৰ পিঠা-পনা কৰা হয়। বিহুৰ আগদিনা ডেকাহঁতে পথাৰত ভেলাঘৰ আৰু মেজি বনায়। বিহুৰ দিনা বোৱাৰী পুৱাতে মেজি জলোৱা হয়। মেজিত মানুহে মাহ, তিল, সৰিয়হ, তামোল, নাৰিকল উৎসৰ্গা কৰে। গাঁৱৰ ল'ৰাবিলাকে মেজিৰ ওচৰত নানান খেল ধেমালি কৰে। মাঘ বিহুত মহৰ যুঁজ পতা হয় আৰু কণী-যুঁজ খেলো খেলা হয়।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
বাপতি	पैतृक
সাহোন	जायदाद, धरोहर
বসন্ত	वसंत
কাপোৰ-কানি	कपड़ा-लत्ता
শৰৎকালত	शरदकाल
দীপ	दीपक
শীত	शीत
ফচল	फसल
কণী	अंडा
বোৱাৰী পুৱা	बहुत सुबह

अभ्यास

I. एक वाक्य मे उत्तर दीजिए।

1. বহাগ বিহু কোন ঋতুত পালন কৰা হয়?

2. বিহুত নতুন কাপোৰ কোনে কাক দিয়ে?
3. কঙালী বিহু কেতিয়া পালন কৰা হয়?
4. ভোগালী বিহুৰ সময়ত মানুহৰ ঘৰে ঘৰে কি থাকে?
5. বিহুৰ দিনা মেজি কোন সময়ত জ্বলোৱা হয়?

II. विलोम शब्द बनाइए।

মুকলি

আগদিনা

এইফালে

ওচৰত

বহল

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

দেশৰ স্বাধীনতা আন্দোলনত অসমেও আগ ভাগ লৈছিল। তৰুণৰাম ফুকনইঁতে গান্ধীজীক সহযোগ দিছিল। এই আন্দোলন গাঁৱে ভুঁঞেও বিয়পি যায়। কুশল কোঁৱৰক এই আন্দোলনত ফাঁচি দিয়া হয়। অসমীয়া ছোৱালী বোৱাৰীয়েও এই আন্দোলনত যোগ দিছিল। আন্দোলন কৰাৰ বাবে ভোগেশ্বৰী ফুকননীক ইংৰাজে গুলিয়াই মাৰিছিল। মুকুন্দ কাকতিইঁতক জেলত দিয়া হৈছিল। ওঠৰ বছৰীয়া কণকলতাকো গুলিয়াই হত্যা কৰা হৈছিল।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

हिंदी हमारी राष्ट्रभाषा है। स्वाधीनता संग्राम के दौरान देश को जोड़ने का काम हिंदी ने ही किया। हमारे नेताओं ने हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा दिया। इनमें महात्मा गांधी, गोपालकृष्ण गोखले, केशवचन्द्र सेन, सुभाषचन्द्र बोस आदि प्रमुख हैं। संविधान में हिंदी को राजभाषा का दर्जा दिया गया है। इसके अनुसार हिंदी को राजकाज की भाषा बना दिया गया है। आजकल

केन्द्रीय सरकार के दस्तावेज हिंदी में भी तैयार किए जाते हैं। हिंदी उत्तरोत्तर उन्नति कर रही है।

V. 'बुरा न मानों, होली है' पर एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. कर्मवाच्य की क्रिया : असमिया में कर्मवाच्य की क्रिया बनाना बहुत आसान है। धातु में '-আ' (-आ) जोड़कर, इसके बाद वर्तमान काल की सहायक क्रिया '-হয়' (-हय) या '-যায়' (-जाय) का प्रयोग किया जाता है। जैसे :

   কৰ্ + -আ + হয় = কৰা হয় किया जाता है।

   দি + -আ + হয় = দিয়া হয় दिया जाता है।

2. अकारांत या आकारांत धातु का रूप -आ जोड़ते समय कुछ बदल जाता है। जैसे :

   ক + -আ + হয় = কোৱা হয় बोला जाता है।

   খা + -আ + হয় = খোৱা হয় खाया जाता है।

3. सहायक क्रिया काल के अनुसार बदलती है। जैसे :

   কৰা গৈছিল ---किया गया था।

   কৰা যাব --- किया जाएगा।

4. হুচৰি (हुसरि) : बिहु के समय पुरुषों के द्वारा घर-घर में मांगलिक गीत गाया जाता है जिसमें आशीर्वाद का भाव होता है। इसमें स्त्रियाँ या लड़कियाँ भाग नहीं लेतीं। यह बिहु का ही एक अंग है।

5. বিহুৱান (बिहुवान) : रंगाली बिहु पर स्त्रियाँ (लड़की, बेटी, पत्नी) उपहार के रूप में स्वयं का बुना हुया वस्त्र पुरुषों को देती हैं। इसे 'बिहुवान' कहते हैं।

6. মেজি (मेजि) : बांस, फूस, पेड़ की टहनियों आदि से बनाया गया मंदिरनुमा ढाँचा जिसे भोगाली बिहु के दिन सुबह जलाया जाता है।

7. **मइ-यूँज (भैंसे की लड़ाई) : असम में माघ बिहु के दिन भैंसे लड़ाए जाते हैं। यह एक पारंपरिक खेल है। आजकल यह शौक बढ़कर प्रतिद्वंद्विता का रूप ले रहा है।**

8. **कणी-यूज (अंडे की लड़ाई) : माघ बिहु के ही दिन लोग मजे के लिए अंडे लड़ाते हैं। वे अंडे हाथ में लेकर उन्हें प्रतिद्वन्द्वी के अंडे से टकराते हैं। जिसका अंडा पहले फूट जाता है वह हारा हुआ माना जाता है। हारा हुआ व्यक्ति शर्त के अनुसार निश्चित संख्या में अंडे जीतने वाले को देता है।**

পাঠ
पाठ 18

মেলা	मेला
মাক :তুলতুল, মুনমুন, তহঁতক অথনিৰে পৰা খাবলৈ মাতি আছোঁ। অহা নাম্প কিয়?	माँ : तुलतुल, मुनमुन खाने के लिए तुम्हें कब से बुला रही हूँ। आए नहीं।
তুলতুল : গৈছোঁ, ৰবা।	तुलतुलः आ रहे हैं।
মাক :বেগেতে আহ। ককাৰকো আহিবলৈ ক।	माँ : जल्दी आओ। दादाजीको भी आने के लिए कह दो।
মুনমুন :ককাম্প তেওঁৰ কাৰণে জলপান দিবলৈ মানা কৰিছে। ময়ো জলপান অলপহে খাম।	मुनमुन : दादा ने जलपान के लिए मना किया है। मैं भी जलपान थोड़ा ही लूँगी।
মাক :কিয়? কৰবাত কিবা খালি নেকি তহঁতে?	माँ : क्यों? कहीं कुछ खा लिया है क्या तुम लोगोंने?
তুলতুল : আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ গৈছিলোঁ। আমি জোনবিল মেলা পালোঁগৈ।	तुलतुलः हम दादाजीके साथ घूमने गए थे। हम जोनबिल मेले में पहुँच गए।
মুনমুন :মেলাত ককাম্প আমাক ভেলপুৰী আৰু ৰসগোল্লা খুৱালে। আমিও ককাক আম্পচক্ৰিম খুৱালোঁ।	मुनमुन : मेले में दादाजीने हमें भेल-पुरी और रसगुल्ला खिलाया। हमने भी दादाजी को आइसक्रीम खिलाई।
মাক :মেলাত ৰেষ্টুৰেণ্ট আছে নেকি?	माँ : मेले में रेस्टोरेंट भी है क्या?

তুলতুল : আছে আকৌ। তাত যে আৰু কিমান খেল ধেমালি দেখুৱাম্পছে। এঠাম্পত এজনে বান্দৰ নচুৱাম্পছিল। অন্য এজনে এঠাম্পত যাদু দেখুৱাম্পছিল। তাত জায়েঁ হুম্পলৰ কাষত বেছি ভীৰ আছিল, সেম্পটো কোনোবাম্প এম্প অলপতে মোম্বাম্পৰ পৰা অনাম্পছে।

মাক :কথা পিছতো চোবাব পাৰিবি। এতিয়া খোৱা মেজলৈ আহ। নহলে খোৱা বস্তু ঠাণ্ডা হব।

মুনমুন :জানা মা, মেলাত বহুত দোকান পোহাৰ দিছে। পাকঘৰৰ লাগতিয়াল সকলো বস্তু পোৱা যায়। কুলা চালনি, বেলনা -- নোপোৱা বস্তু একো নাম্প।

মাক :মেলাত সোমাবলৈ ˋকিˋ লাগে নেকি?

তুলতুল : গ্রন্থ মেলাতহে লাগে। বাকী ঠাম্পত নালাগে। অবশ্যে চাৰ্কাচ, যাদু আদিৰ বাবে বেলেগে ˋকিˋ লব লাগে। আগতে ˋকিˋ বিজয়া

तुलतुलः हाँ है। वहाँ कई तरह के खेलकूद हो रहे थे। एक जगह बंदर को नचवाया जा रहा था। एक जगह मैजिक (जादू) का खेल दिखाया जा रहा था। वहाँ जायेंट व्हील देखनेवालों की भीड़ थी जिसे अभी अभी बोम्बे से मँगवाया गया है।

माँ : बातें बाद में होती रहेंगी। अब जल्दी से खाने की मेज पर आओ। खाना ठंडा हो जाएगा।

मुनमुन : जानती हो माँ। मेलेमें बहुत दुकानें हैं। रसोई घर के लिए जरूरी सभी चीज़ें वहाँ मिलती हैं। सूप, छलनी, बेलन वगैरह -- वहाँ ऐसी कोई चीज़ नहीं है जो न मिलती हो।

माँ : मेले में प्रवेश करने के लिए टिकट भी लगता है क्या?

तुलतुलःटिकट पुस्तक मेले में ही लगता है। बाकी जगह ज़रूरत नहीं है। सर्कस, जादू आदि के लिए भी टिकट चाहिए। पहले टिकट विजया स्टुडिओ में ही बिकता था।

आजकल, टिकट काउन्टर मेले में ही है। तुम भी जाओगी क्या माँ?

ষ্টুডিঅ'ত বিক্রি কৰিছিল। আজি কালি কাউন্টাৰতহে কিঁ বেচা হয়। তুমিও যাবা নেকি মা?

মাক :চাওঁচোন, খুৰীয়েৰাক কাম্পলৈ আহিবলৈ কৈছোঁ। দুয়ো একেলগে যাম বুলি ভাবিছোঁ।

তুলতুল : মা, দেওবাৰে যোৱাটো ঠিক নহব। সেম্পদিনা বৰ ভীৰ হব। সেম্পদিনা চিটি বাছত উঠাটোও বৰ টান।

মাক :চাওঁচোন, কি কৰিব পাৰোঁ। তোক লুচি লাগিব নেকি? মুনমুনক ভাজি দিম?

মুনমুন :তোমাৰ কাৰণে দেখোন একোৱেম্প নেথাকিব। আমাকহে হেঁচি হেঁচি খুওৱা। নিজৰ বাবে দেখোন একেবাৰেম্প নাৰাখা।

মাক :মোৰ কাৰণে হব দে। লুচি আছে নহয়।

माँ : देखती हूँ। चाची को कल आनेके लिए कहा है। दोनों ने एक साथ जाना तय किया है।

तुलतुल: माँ रविवार को जाना ठीक नहीं होगा। उस दिन बहुत भीड़ होती है। उस दिन सिटि बस में चढ़ना भी मुश्किल होगा।

माँ : देखूँ, क्या कर सकती हूँ। तुम्हें पूरी चाहिए क्या? मुनमुन, तुम्हें सब्जी दूँ क्या?

मुनमुन: तुम्हारे लिए तो कुछ भी नहीं बचेगा। हमें ही ठूँस-ठूँस कर खिलाती हो। अपने लिए कुछ भी नहीं रखती हो।

माँ : मेरे लिए चल जाएगा, पूरी है न?

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
অথনিৰে পৰা	इतनी देर से
বেগেতে	जल्दी ही

ককাৰক
আহিবলৈ
ক
দিবলৈ
বাৰণ
ফুৰিবলৈ
মেলা
লুচি
ৰসগোল্লা
ধেমালি
বান্দৰ
নচুৱাম্পছিল
সন্ধিয়া
লগে লগে
যাদু
দেখুৱাম্পছে
জায়েন্ট হুম্পল
চোবাবি
মেজ
ঠাণ্ডা
লাগতিয়াল
কুলা

(तुम्हारा) दादाजी को
आने के लिए
बुलाओ
देने के लिए
मना करना
घूमने के लिए, टहलने
मेला
पूरी/पूड़ी
रसगुल्ला
खेलकूद
बंदर
नचवाया था
शाम, संध्या
साथ-साथ
जादू
दिखवाया है
जायेंट व्हील
बातें करना
मेज़
ठंडा
ज़रूरत की चीज़ें
सूप
छलनी
बेलन

চালনি	न मिलनेवाली चीज़
বেলনা	प्रवेश करने के लिए
নোপোৱা বস্তু	टिकट
সোমাবলৈ	पुस्तक मेला
টিকট	अलग से
গ্ৰন্থমেলা	बिक्री होती है
বেলেগে	जाना
বেচা হয়	भीड़
যোৱাটো	उठना
ভীৰ	सब्जी
উঠাটো	ठूँस ठूँस कर
ভাজি	
ঠেলি ঠেলি	

अभ्यास

I. उदाहरण के अनुसार नीचे दिए गए वाक्यों का परिवर्तन कीजिए।

उदाहरण :

(क) আমি ৰসগোল্লা খুৱালোঁ।

→ আমি ৰসগোল্লা খুৱাইছিলোঁ।

1. এজনে বান্দৰ নচুৱালে।

2. এজনে যাদু দেখুৱালে।

3. ৰমেশে জায়েণ্ট হুম্পল উলিয়ালে।

4. তেওঁলোকে এখন আলোচনী উলিয়ালে।

5. তেওঁ আমাক জলপান খুৱালে।

(খ) তেওঁ ৰসগোল্লা খালে।

→ মম্প তেওঁক ৰসগোল্লা খুৱালোঁ।

1. বান্দৰটো নাচিছিল।
2. এখন আলোচনী ওলাম্পছিল।
3. লৰাটোৱে বিজ্ঞান পঢ়িলে।
4. ছোৱালীজনীয়ে পুৰী দেখিছে।
5. ককাদেউতাম্প আম্পচ্ক্রিম খালে।

(গ) তাত সকলো বস্তু পাওঁ।

→ তাত সকলো বস্তু পোৱা যায়।

1. মেলাত কুলা চালনি আদি পাওঁ।
2. কৈ বিজয়া ষ্টুডিঅ'ত পায়।
3. তালৈ তিৰোতাকো যাবলৈ দিয়ে।
4. স্পয়াৰ পৰা উমানন্দ ভালকৈ দেখোঁ।
5. অসমীয়া কিতাপ ক'ত পাম?

II. उदाहरण के अनुसार दिए गए वाक्यों को जोड़कर नया वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

আমি মেলালৈ যাম। তাত চাৰ্কাচ চাম।

→ আমি চাৰ্কাচ চাবলৈ মেলালৈ যাম।

1. আমি নগৰলৈ যাম। তাত কিতাপ কিনিম।
2. ককা মেলালৈ গ'ল। তাত ভেলপুৰী খালে।
3. মুনমুনে লুচি খায়। সি লুচি ভাল পায়।
4. তম্প মেলালৈ আহিবি। বান্দৰ নাচ চাবি।
5. তুমি মেলালৈ আহিবা। লাগতিয়াল বস্তুবোৰ কিনিবা।

III. कोष्ठक में दिए गए शब्दों के उपयुक्त रूपों से वाक्य पूरे कीजिए।

1. মা, তুমি __________ যোৱাটো ঠিক নহব। (দেওবাৰ)
2. সন্ধিয়া চিৰ্টি বাছত __________ বৰ ান। (উঠা)
3. ৰাজু, __________ লুচি লাগিব নে? (তম্প)
4. মম্প ________________ খুৰীয়েৰক আহিবলৈ কৈছোঁ। (অহাকালি)
5. মেলাত __________ কি লাগে নেকি? (সোমা)

IV. कोष्ठक में दिए गए शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य पूरे कीजिए।

(গৈ, নহয়, ও, টো, দেখোন, চোন, বা)

1. মোৰ কাৰণে __________ নায়েম্প।
2. তোমাৰ কাৰণে লুচি আছে ________________ ?
3. খুৰীৰ লগত তুমি __________ যাবা নেকি?
4. আমি বজাৰ পালোঁ ____________ ।
5. মম্প দেওবাৰে ঘৰলৈ যোৱা __________ ঠিক কৰিছোঁ।
6. চাওঁ ______ , মেলালৈ যাব পাৰোঁ নেকি?

V. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. তুলতুলইঁত কোন মেলা পালেগৈ?
2. তুলতুলইঁতক মেলাত ককায়েকে কি খুৱালে?
3. মেলাৰ জায়েণ্ট হুম্পল ক'ৰ পৰা অনাম্পছে?
4. তুলতুলইঁতৰ মাকে খুৰীয়েকক কেতিয়া আহিবলৈ কৈছে?
5. কোনদিনা বাছত বৰ ভীৰ?

VI. उदाहरण के अनुसार दिए गए शब्दों को सही क्रम में रखकर वाक्य बनाइए।

उदाहरण :

আমি ককাৰ ফুৰিবলৈ লগত যাম

→ আমি ককাৰ লগত ফুৰিবলৈ যাম।

1. নিজে আমি কৰিব খেলধেমালি লাগে
2. আমি পৰা গ্ৰন্থমেলাৰ কিনিম কিতাপ
3. ময়ে ৰসগোল্লা ভাৰ্ম্পীয়ে খাম
4. চাম মেলাত আমি যাদু খেল
5. খুৱালে আমাক ককাম্প ভেলপুৰী মেলাত

पढ़िए और समझिए।

গাওঁৰ উৎসৱ

মেলা আৰু সবাহে জন জীৱনক আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে। গাওঁ অঞ্চলত ধনী-দুখীয়া, ডেকা-বুঢ়া সকলো মানুহ মেলালৈ যায়। মেলাত নানা ধৰণৰ দোকান-পোহাৰ দিয়া হয়। ঘৰৰ গৃহিনীয়ে ঘৰুৱা সামগ্ৰী, যেনে -- কুলা, পাচি, খৰাহি, মাকো, ৰাহ (ৰাঁচ), গাৰী (টোলোঠা) আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়। খেতিয়কে মেলাত নাঙলৰ কুৰ, মৈ, খালৈ, দা-কঁাৰী, কাঁচি আদি

কিনিবলৈ সুযোগ পায়। ল'ৰা-ছোৱালীয়ে খেলিবলৈ নানা সা-সৰঞ্জাম পায়। ডেকা-গাভৰুহঁতে গধূলি ভাওনা, থিয়েটাৰ চাবলৈ পায়। দুম্প একে তাত ভাগ লবলৈও সুবিধা পায়।

মেলাত নানা জনে নানা ধৰণে পম্পচা ঘটে। কোনোবাম্প ভালুক, বান্দৰ নচুৱায়, কোনোবাম্প বা কুস্তি দেখুৱায়। দুম্প একে নানা খোৱা বস্তু উলিয়ায়। চানাচুৰ, চানপাপৰি, বৰফ, খিলিপান আদি উলিয়ায়। দুম্প একে হাতী বা গাধও মেলালৈ আনে। ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা গাধৰ পিঠিত তোলায়।

এনেকুৱা মেলা গাৱে গাৱে বছৰি এবাৰকৈ পতা হয়। ম্পয়াৰ কাৰণে চৰকাৰী অনুদান পোৱা নাযায়। বাম্পজৰ বৰঙনিৰে এম্পবোৰ চলে। আগতে মেলাৰ লগত মাৰৈ পূজা আদি অনুষ্ঠিত কৰা হৈছিল। ঠায়ে ঠায়ে এনেধৰণৰ মেলাত পুতলা নাচো দেখুওৱা হয়। পুতলা নাচৰ পুতলা কুঁহিলা বা কাপোৰৰ পৰা তৈয়াৰ কৰা হয়। এম্প পুতলা সুতাৰে আঙুলিত বান্ধি নচুওৱা হয়। ম্প অসমৰ ঐা প্ৰাচীন আৰু জনপ্ৰিয় লোককলা।

আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ওজাপালিও উঠিছিল। তাত ছোৱালীৰ ওজাপালিও আছিল। আজিকালি পুৰুষৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি দেখা যায়। ছোৱালীৰ দ্বাৰা পৰিবেশিত ওজাপালি বৰকৈ দেখা নাযায়। ম্প প্ৰায় বিলুপ্তিৰ পথত। কলা-কৃষ্টিৰ লগত জড়িত সংস্থা বিলাকে এম্প লোককলাসমূহৰ সংৰক্ষণৰ বাবে উপযুক্ত পদক্ষেপ লোৱা উচিত। চৰকাৰো এম্পবোৰ সংৰক্ষণৰ প্ৰতি সচেষ্ট হোৱা উচিত।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
সবাহ	मांगलिक कार्य
জন-জীৱন	जन-जीवन

মুখৰ
ডেকা
বুঢ়া
ধৰণ
পোহাৰ
গৃহিণী
খৰাহি
মাকো
ৰাহ
গাৰী
খেতিয়ক
কুঁৰ
মৈ
খালৈ
দা
কাঁৰী
কাঁচি
গধূলি
ভাওনা
ভাগ
ঘটে
চানাচুৰ

मुखर
युवक
बूढ़ा
तरह-तरह के
दुकान
पत्नी/घरवाली
टोकरी
ढरकी, जुलाहों का शटल
करघे का कूँच या कंघा
करघे का बेलन
किसान
हल का एक हिस्सा
परेला
मछली रखने की टोकरी
गँडासा
कटार
हँसिया
गोधुलि वेला
अभिनय
भाग
कभी कभी होता है
दाल मोठ
सोन पापड़ी
बर्फ

চানপাপৰি
বৰফ
খিলিপান
গাধ
পিঠি
তোলায়
পতা হয়
অনুদান
বৰঙনি
পুতলা
কুঁহিলা
সূতা
প্ৰাচীন
জনপ্ৰিয়
লোককলা
বিলুপ্ত
কলাকৃষ্টি
জড়িত
সংস্থা
সংৰক্ষণ
উপযুক্ত
পদক্ষেপ

पान, बीड़ा
गधा
पीठ
चढ़ाता है
बुलाता है
अनुदान
दान
पुतला
बोतल का डाट बनाने के सामान
धागा
प्राचीन
लोकप्रिय
लोक कला
विलुप्त
लोक-संस्कृति
शामिल
संस्था
संरक्षण
उपयुक्त
कदम
सतर्क

সচেষ্ট

अभ्यास

I. एक वाक्य में उत्तर दीजिए।

1. জন জীৱনক কিহে আনন্দ-মুখৰ কৰি ৰাখে?
2. কোন মেলালৈ যায়?
3. মেলাত কি কি কিনিবলৈ পোৱা যায়?
4. মেলাত কিছুমানে কেনেকৈ পম্পচা ঘটে?
5. মেলাৰ বাবে চৰকাৰী মঞ্জুৰী দিয়া হয়নে?
6. পুতলা কেনেকৈ তৈয়াৰ কৰা হয়?
7. আগতে নামনি অসমৰ মেলা সবাহত ছোৱালীয়ে কি পৰিবেশন কৰিছিল?

II. पाठ में आए शब्दों की सहायता से वाक्यों को पूरे कीजिए।

1. জন জীৱনক আনন্দ ______________ কৰি ৰাখে।
2. ঘৰৰ গৃহিণীয়ে কুলা ________________ আদি কিনিবলৈ সুবিধা পায়।
3. গাভৰুহঁতে ___________ ভাওনা থিয়েটাৰ চায়।
4. ল'ৰা-ছোৱালীক হাতী বা __________ পিঠিত তোলায়।
5. এম্পবোৰ ৰাম্পজৰ ________ চলে।
6. পুতলা নাচ আৰু ওজাপালিৰ দৰে লোককলাৰ সংৰক্ষণৰ বাবে _______ চেষ্টা কৰা উচিত।

III. हिन्दी में अनुवाद कीजिए।

জ্যোতিপ্ৰসাদৰ বিষয়ে তোমালোকে জানানে? জ্যোতিপ্ৰসাদ আগৰৱালা অসম তথা ভাৰতৰে এজন প্ৰসিদ্ধ শিল্পী আছিল। তেওঁ প্ৰথম অসমীয়া বোলছবি নিৰ্মাতা আছিল। ১৯৩৬ চনত তেওঁ প্ৰথমখন অসমীয়া বোলছবি 'জয়মতী' নিৰ্মাণ কৰিছিল। জ্যোতিপ্ৰসাদৰ সকলো গীত, কবিতা, নাটক আৰু প্ৰবন্ধ গোটাই 'জ্যোতিপ্ৰসাদৰ ৰচনাৱলী' প্ৰকাশ কৰা হৈছে। জ্যোতিপ্ৰসাদৰ গীতবিলাকক 'জ্যোতিসংগীত' নামৰে জনা যায়। এইবিলাক অসমীয়া লোকসংগীতৰ সুৰৰ আধাৰত ৰচিত। আজিকালি ৰেডিঅ' আৰু দূৰদৰ্শনত জ্যোতিপ্ৰসাদৰ নাটক, গীত আদি প্ৰচাৰ কৰা হয়।

IV. असमिया में अनुवाद कीजिए।

असम चाय का पर्यायवाची है। असम के एक चौथाई भाग में चाय बागान हैं। मोनाबाड़ी एशिया का सबसे बड़ा चाय बागान है। यह विश्वनाथ सारियाली क्षेत्र में स्थित है। मनिराम देवान ने असम में सबसे पहले चाय का बाग लगाया था। असम के चाय बागान हज़ारों मज़दूरों की रोजी-रोटी का साधन हैं। चाय बागानों के आसपास ही चाय के कारखाने हैं। इनमें भी सैकड़ों लोगों को रोजगार मिला हुआ है। असम चाय विदेशों को भी भेजी जाती है। चाय के विदेशी व्यापार का एक केन्द्र गुवाहाटी में है। यहाँ चाय की नीलामी होती है। नीलामी के समय देश-विदेश के सैकड़ों व्यापारी यहाँ इकट्ठे होते हैं।

V. 'ब्रह्मपुत्र' के बारे में असमिया में एक अनुच्छेद लिखिए।

टिप्पणियाँ

1. क्रियावाचक संज्ञा : असमिया में धातु के साथ '-আ' (आ) जोड़कर क्रियावाचक संज्ञा बनाई जाती है। ऐसे शब्द अन्य संज्ञा शब्दों के समान विभिन्न कारकों में रूपांतरित होते हैं। अकारांत य आकारांत धातु '-আ' (-आ) जोड़ने पर '-ও' (-ओ) कारांत हो जाते हैं। जैसे :

কৰ্	+	-আ	>	কৰা
লিখ্	+	-আ	>	লিখা
খা	+	-আ	>	খোৱা

क + -आ > কোৱা

2. गोहालि : असम में गाय, बकरी, बैल आदि पालतू जानवरों को बांधने के लिए हर परिवार में एक अलग मकान रहता है। इसे गोहालि (গোহালি) कहते हैं। इसे गोसार के बराबर माना जा सकता है।

3. मेला : सर्दी के दिनों में (खासकर माघ से लेकर बैसाख महीने तक) अनेक अवसरों पर मेलों का आयोजन होता है। इसके द्वारा लोग आनन्द उल्लास को प्रकट करते हैं और दूसरी ओर अपनी ज़रूरत की चीज़ें खरीदते हैं।

4. बोआ-कटा : असम की संस्कृति की यह एक विशेषता है। असम के घर-घर में हथ-करघे की व्यवस्था है। हर स्त्री कपड़ा बुनना जानती है। वह अपने परिवार के लिए आवश्यक वस्त्र खुद बुन लेती है। करघे के लिए सभी ज़रूरी सामग्री बाँस से बनाई जाती है। असमिया बिहुगीतों और वनगीतों में करघे से संबंधित अनेक छंद हैं।

5. जोनबिल मेला : असम के मोरी गाँव जिले के जागीरोद नामक स्थान पर अप्रैल माह में यह मेला लगता है। इस मेले में पहाड़ और मैदान के लोगों के बीच चीज़ों का आदान-प्रदान होता है। इसका मतलब है चीज़ों के बदले दूसरी चीज़ें प्राप्त करना।

6. ओजा पाली : यह एक गीति-नृत्य धर्मी प्रदर्शन कला है। इसमें 'ओजा' मूल कहानी को गीत के द्वारा प्रस्तुत करता है और 'पाली' जो चार - पाँच लोगों का समूह होता है -- इसे दोहराते हैं।

পাঠ 19
पाठ

ৰূপহী অসম

গোবিন্দন : বাম্পদেউ, চাৰে হেনো কিছুদিন অসমত চাকৰি কৰিছিল। তেখেতে বহুত ঠাম্প ঘূৰিছিল, আপুনিও হেনো লগত আছিল। অসমৰ বিষয়ে অক'ণমান কওক না।

गोविन्दन : दीदी, सुना है सर ने कुछ समय तक असम में नौकरी की थी। वे बहुत जगह घूमे थे, आप भी साथ थीं। असम के बारे में कुछ बताइए न।

মিচেচ দুৱা : অ', তহঁতে কোনেও অসম দেখা নাম্প নেকি? তেনেহলে শুনা। অসমখন বৰ বিতোপন ঠাম্প। স্প সেউজীয়া গছ গছনি আৰু পৰ্বত-পাহাৰেৰে আগুৰা। অসমৰ উত্তৰে সুউচ্চ হিমালয়।

श्रीमती दुआः ओह! तुम लोगों में से किसी ने असम देखा नहीं है क्या? तब सुनो। असम एक मनोरम जगह है। यह हरे भरे पेड़-पौधों और पहाड़-पर्वतों से घिरा है। असम के उत्तर में हिमालय है।

ৰংগনাথ : বাম্পদেউ, অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ দেখি নেকি? তাৰ গছ- গছনি আৰু বৰফে ঢকা িং ভালকৈ মণিব পাৰি নে?

रंगनाथ : दीदी, असम से हिमालय अच्छी तरह दिखाई देता है क्या? हिमालय की बर्फ से ढकी चोटियाँ वहाँ से अच्छी तरह देखी जा सकती हैं क्या?

মিচেচ দুৱা : ভালকৈ মণিব নোৱাৰি। কিন্তু হিমালয়ৰ আকাৰটো ধৰিব

श्रीमती दुआः अच्छी तरह से तो नहीं दिखतीं। किन्तु हिमालय का

পাৰি। বৰফে ঢকা িংবোৰো দেখি।

মালতী : অসমৰ সীমান্তত অৰুণাচল আৰু নাগালেণ্ড। তাঁলৈ যেতিয়াম্প তেতিয়াম্প যাব পাৰিনে?

মিচেচ দুৱা : অৰুণাচললৈ অসমৰ পৰা অনায়াসে খৰালি যাব পাৰি। বাৰিষা বানপানী, ভূমিস্খলন আদি হয়। গতিকে বাৰিষা নিৰ্ভয়ে যাব নোৱাৰি। নগালেণ্ডলৈ যাবলৈ অনুমতি লাগে। অৰুণাচললৈ যাবলৈও অন্তৰ্দেশীয় অনুমতি লব লাগে।

গোবিন্দন : শ্বিলং হেনো চালে চকু ৰোৱা ঠাম্প! আমাৰো তাঁলৈ যাবৰ মন গৈছে।

মিচেচ দুৱা : এৰা। শ্বিলং বৰ্তমান মেঘালয়ৰ ৰাজধানী। ম্প এখন ঠাণ্ডা, মনমোহা আৰু স্বাস্থ্যকৰ ঠাম্প। তাঁলৈ বাছেৰে বা ৈক্সিৰে যাব

आकार साफ देखा जा सकता है। बर्फ से ढकी चोटियाँ भी दिखती हैं।

मालती : असम के सीमांत पर है -- अरुणाचल और नगालैंड। क्या वहाँ आसानी से जाया जा सकता है?

श्रीमती दुआः शीतकाल में आसानी से असम से जाया जा सकता है। बरसात में बाढ़, भूस्खलन आदि होते हैं। इसलिए बरसात में निश्चिंत होकर नहीं जा सकते। नगालैंड जाने के लिए अनुमति ज़रूरी है। इसी प्रकार अरुणाचल जाने के लिए भी इनरलाइन परमिट लेना पड़ता है।

गोविन्दन : दीदी! सुनते हैं शिलंग एक खूबसूरत जगह है। हम भी वहाँ जाना चाहेंगे।

श्रीमती दुआः हाँ, शिलंग वर्तमान मेघालय की राजधानी है। यह एक ठंडी, मनोरम और स्वास्थ्यप्रद जगह है। वहाँ बस या टैक्सी से जाया जा सकता है। शिलंग का ऊपरी भाग ऊपरी शिलंग है। वहाँ

राजधानी का शोरगुल सुनाई नहीं पड़ता।

পাৰি। শ্বিলঙৰ ওপৰভাগ ‘আপাৰ শ্বিলং।’ তাৰ পৰা ৰাজধানীৰ হাম্প উৰুমি নুশুনি।

মালতী : মেঘালয়ৰ অধিবাসী হ’ল খাচী আৰু গাৰো জনগোষ্ঠী। তেওঁ-লোকৰ সমাজখন মাতৃপ্ৰধান সমাজ। তাত হেনো বিয়াৰ পিছত দৰাহে ছোৱালীৰ ঘৰত থাকিবলৈ যায়। সা-সম্পত্তিৰ উত্তৰাধিকাৰ সৰু জীয়েকে পায়, ল’ৰাম্প নাপায়। ছোৱালীজনীৰ হৈ মোমায়েকে সা-সম্পত্তিৰ চোৱাচিতা কৰে।

মিচেচ দুৱা : এৰা, তাত মহিলাক বৰ সন্মান দিয়া হয়। যৌতুকৰ নাম গোন্ধ নাম্প। আৰু জানা, তাত অতিথিক মৌ, কল, আনাৰস, কমলা, তামোল আদি ফল খুওৱা হয়।

ৰংগনাথ : তেনেহলে বাম্পদেউ, চাৰক কবচোন। তেখেতে সোনকালে আমাক তালৈ নিয়াৰ বন্দোবস্ত

मालती : मेघालय के निवासी गारो और खासी जनजाति के हैं। उनका समाज मातृप्रधान समाज है। सुना है वहाँ शादी होने पर दूल्हा ही दुल्हन के घर रहने जाता है। सम्पत्ति आदि की उत्तराधिकारिणी छोटी बेटी होती है, बेटा नहीं। लड़की का मामा लड़की का तरफ से सम्पत्ति की देखरेख करता है।

श्रीमती दुआ: हाँ, वहाँ नारी का बड़ा सम्मान किया जाता है। दहेज का नामोनिशान नहीं है। और जानते हो -- वहाँ अतिथि के लिए शहद, केला, अनन्नास, संतरा और सुपारी पेश की जाती है।

मालती : तब दीदी सर को कहिएगा -- वे हमें जल्दी ही वहाँ ले जाने की व्यवस्था करें।

কৰক।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
চাকৰি	नौकरी
তেখেত	वे
তেনেহলে	तब
অক'ণমান	थोड़ा सा/कुछ
বিতোপন	सुन्दर/मनोरम
বৰফ	बर्फ
ঢকা	ढका हुआ
িং	शिखर, चोटियाँ
মণিব পাৰি	पहचाना जा सकना
আকাৰ	आकार
ধৰিব পাৰি	अनुमान कर सकते हैं
শুকুলা	श्वेत/सफेद
তুলা	कपास
যেতিয়াম্প তেতিয়াম্প	जब-तब
খৰালি	वर्षा के बाद का समय, शरदकाल
অনায়াসে	अनायास
বানপানী	बाढ़
ভূমিস্খলন	भू-स्खलन
নির্ভয়ে	निर्भय
	वर्षा

বাৰিষা
বিনা
অনুমতি
অন্তৰ্দেশীয়
চকু ৰোৱা
মন গৈছে
ৰাজধানী
ঠাণ্ডা
মনোমোহা
স্বাস্থ্যকৰ
হাম্প উৰুমি
নুশুনি
অধিবাসী
সমাজ
মাতৃ প্ৰধান
দৰা
থাকিবলৈ
সা-সম্পত্তি
উত্তৰাধিকাৰ
জীয়েক
মোমায়েক
চোৱাচিতা
মহিলা
নাম গোন্ধ
অতিথি

बिना
अनुमति
अंतर्देशीय, इनर लाइन
आकर्षक
इच्छा हुई
राजधानी
ठंडा
सुन्दर/आकर्षक
स्वास्थ्यकर
शोरगुल
नहीं सुना
निवासी
समाज
मातृप्रधान
दूल्हा
रहने
ज़मीन-जायदाद
उत्तराधिकार
(उसकी) बेटी
(उसका) मामा
देखरेख
औरत, नारी
नामोनिशान
अतिथि
शहद/मधु
संतरा

মৌ অনন্নাস

কমলা সুপারী

আনাৰস ব্যৱস্থা

তামোল

বন্দোবস্ত

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া বাক্যবিলাক পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণঃ

(ক) অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ দেখা যায়।

→ অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ দেখি।

1. যোৰহীৰ পৰা নাগালেণ্ডলৈ যাব পৰা যায়।
2. সিংহৰ গৰ্জন বহুত দূৰৰ পৰা শুনা যায়।
3. নগালেণ্ডলৈ বিনা অনুমতিত যাব পৰা নাযায়।
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদী নগাওঁৰ পৰা দেখা নাযায়।
5. মাংস বেছিকৈ খাব পৰা নাযায়।
6. বৰ হাম্প উৰুমি, একো শুনা নাযায়।

(খ) অৰুণাচললৈ বাৰিষা যাব পাৰি।

→ অৰুণাচললৈ বাৰিষা যাব পাৰি নে?

1. শ্বিলং গুৱাহাটীৰ পৰা দেখি।
2. আপাৰ শ্বিলঙত ৰাজধানীৰ হাম্প উৰুমি নুশুনি।

3. মেঘালয়ত পুৱা সূৰ্য নেদেখি।
4. নাগালেণ্ডলৈ বিনা অনুমতিত যাব নোৱাৰি।
5. অসমৰ পৰা হিমালয় ভালকৈ নেদেখি।

II. 'ক' স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত 'খ' স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

'ক' স্তম্ভ	'খ' স্তম্ভ
1. স্পয়াৰ পৰা হিমালয়	ভালকৈ শুনি
2. শ্বিলঙলৈ ৰেলেৰে	মণিব নোৱাৰি
3. গধূলি দূৰৰ পাহাৰ	ভালকৈ নমনি
4. বাৰিষা অৰুণাচললৈ	মণিব নোৱাৰি
5. স্পয়াত পুৱা চৰাম্পৰ মাত	যাব পাৰি
	যাব নোৱাৰি

III. বন্ধনিৰ পৰা উপযুক্ত শব্দ বিচাৰি লৈ খালি ঠাম্প পূৰণ কৰক।

1. তেখেতে অসমত ______ কৰিছিল। (চাকৰি, ৈকা)
2. অসমখন বৰ ______ ঠাম্প। (শুকুলা, বিতোপন)
3. হিমালয়ৰ ______ বৰফে ঢকা। (ৈিং, গা)
4. ৈিংবোৰ ______ তুলাৰ পাহাৰ যেন দেখি। (শুকুলা, সেউজ)
5. তাৗলৈ ______ তেতিয়াম্প যাব নোৱাৰি। (তেতিয়াম্প, যেতিয়াম্প)
6. স্পয়াৰ পৰা বাহিৰৰ হাম্প ______ বৰকৈ নুশুনি। (উৰুমি, গছনি)

IV. বিপৰীত শব্দ দিয়ক।

ঠাণ্ডা	ছোৱালী
তাত	ভালকৈ
দৰা	বাৰিষা

V. ঐা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. হিমালয় অসমৰ কোনফালে?
2. অৰুণাচললৈ কেতিয়া যাব পাৰি?
3. শ্বিলঙলৈ কেনেকৈ যাব পাৰি?
4. খাচী সমাজত সা-সম্পত্তিৰ অধিকাৰী কোন?
5. ৰংগনাথ আগতে অসমলৈ গৈছে নে?

VI. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া শব্দবোৰ ঠিক ক্ৰমত বহুৰাম্প বাক্য ৰচনা কৰক।

উদাহৰণঃ

প্ৰাকৃতিক অসমৰ উত্তৰে সৌন্দৰ্য্যৰে ভৰপুৰ সুউচ্চ হিমালয়

→ প্ৰাকৃতিক সৌন্দৰ্য্যৰে ভৰপুৰ অসমৰ উত্তৰে সুউচ্চ হিমালয়।

1. অলপ দেখি অসমৰ পৰা শুকুলা িং অলপ বৰফে ঢকা হিমালয়ৰ
2. শ্বিলঙৰ পৰা নুশুনি মেঘালয়ৰ ৰাজধানী আপাৰ শ্বিলঙৰ হাম্পউৰুমি
3. উত্তৰাধিকাৰ নিয়মমতে খাচীসমাজৰ ছোৱালীজনীক দিয়া হয় ঘৰৰ সৰু সা-সম্পত্তিৰ
4. পাৰৰ সমগ্ৰ ভাৰতত প্ৰসিদ্ধ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ নীলাচল পাহাৰত কামাখ্যা তীৰ্থ অৱস্থিত

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

মহাবাহু ব্ৰহ্মপুত্ৰ

অসম ভাৰতবৰ্ষৰ উত্তৰ পূৱত অৱস্থিত এখন ক্ষুদ্ৰ ৰাজ্য। স্প এখন অতি বিতোপন ঠাম্প। কেউফালে সেউজীয়া গছ-গছনি। অসমৰ প্ৰায়বিলাক উদ্ভিদেম্প চিৰ-সেউজীয়া প্ৰকৃতিৰ। স্পয়াৰ পৰা হিমালয়ৰ বৰফে ঢকা শুকুলা িং অলপ অলপ দেখি। অসমৰ মাজেৰে পূৱৰ পৰা পশ্চিমলৈ বৈ গৈছে বিশাল ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদ; স্প নদী নহয়, মহানদ। পৃথিবীৰ ভিতৰত স্পয়েম্প

একমাত্র নদ (পুৰুষ নৈ)। স্পয়াৰ আন ঐাঁ নাম ‘লুম্পত’। কোনো কোনোৱে স্পয়াক ‘বৰ লুম্পত’ও বোলে।

অসমৰ কেম্পবাখনো প্ৰধান চহৰ -- ধুবুৰী, গুৱাহাঁটী, তেজপুৰ, ডিব্ৰুগড় -- স্পয়াৰ দাঁতিত অৱস্থিত। গুৱাহাঁটীৰ ওচৰত ব্ৰহ্মপুত্ৰ আঁাম্পতকৈ ঠেক। স্পয়াতেম্প জালুকবাৰী আৰু আমিনগাওঁক সংযোগ কৰি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ ওপৰত প্ৰথমখন দলং বনোৱা হৈছিল। স্পয়াক *শৰাম্পঘাঁ দলং* বোলা হয়। স্প দুখলপীয়া। তলেদি ৰেল আৰু ওপৰেদি মঁৰ গাড়ী চলে। ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত নীলাচল পাহৰত অৱস্থিত কামাখ্যা তীৰ্থ সমগ্ৰ ভাৰততে প্ৰসিদ্ধ। উমানন্দ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ মাজত আৰু দৌলগোবিন্দ, শুক্ৰেশ্বৰ, অশ্বক্লান্ত আদি তীৰ্থস্থান স্পয়াৰ দাঁতিত অবস্থিত। গুৱাহাঁটীৰ পৰা শুৱালকুছি আৰু পলাশবাৰীলৈ ব্ৰহ্মপুত্ৰম্পদি নাৱৰ যোগেদি যাতায়ত আৰু বেহাবেপাৰ কৰা হয। শুৱালকুছি পী-মুগা আৰু পলাশবাৰী কাঠৰ বাবে বিখ্যাত।

তেজপুৰ চহৰৰ কেম্পবাখনো দৰ্শনীয় স্থান ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত। ‘অগ্নিগড় পাহাৰ’, ‘বামুণীপাহাৰ’, ‘ভৈৰৱীমন্দিৰ’, ‘গণেশঘাঁ’ আদি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত। অগ্নিগড় পাহাৰ আৰু গণেশঘাঁৰ পৰা ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত সূৰ্য্যাস্তৰ দৃশ্য বৰ মনোৰম দেখি। তেজপুৰ আৰু কলিয়াবৰক সংযোগ কৰি ‘কলিয়াভোমোৰা দলং’ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে। গণেশঘাঁৰ পৰা কলিয়াভোমোৰা দলঙৰ দৃশ্য বৰ সুন্দৰ দেখি।

ডিব্ৰুগড় নগৰৰ নিচেম্প কাষেদি ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদ বৈ গৈছে। স্পয়াত ব্ৰহ্মপুত্ৰক বহল দেখি। স্পপাৰৰ পৰা সিপাৰ মণিব নোৱাৰি। ‘অসম চিকিৎসা মহাবিদ্যালয়’, ‘জালান মন্দিৰ’ আদি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত অৱস্থিত। ডিব্ৰুগড়ৰ বগীবিলৰ পৰা উত্তৰ পাৰলৈ ‘বগীবিল দলঙ’ৰ নিৰ্মাণ কাৰ্য্য চলি আছে। অসমৰ পশ্চিম সীমান্তত অবস্থিত ধুবুৰী চহৰ ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ নিচেম্প দাঁতিত অবস্থিত। স্প পশ্চিম অসমৰ শিক্ষা, সংস্কৃতি আৰু বাণিজ্যৰ ঐাঁ প্ৰধান কেন্দ্ৰ। স্পয়াৰ কিছুদূৰত যোগীঘোপা আৰু পঞ্চৰত্নক সংযোগ কৰি ‘নৰনাৰায়ণ সেতু’ নিৰ্মাণ কৰা হৈছে। এম্প দলঙৰ নিৰ্মাণৰ ফলত ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ দুয়োপাৰৰ মানুহৰ মাজত যোগাযোগ ঘনিষ্ঠ হৈ পৰিছে। ব্যৱসায়-বাণিজ্যৰ সুচল হৈছে। আজিকালি জম্মু-কাশ্মীৰৰ নৌকা-গৃহৰ **(House Boat)** আহিঁত অসমতো পৰ্য্যঁকৰ বাবে নৌকাযাত্ৰাৰ বন্দবস্ত কৰা হৈছে। বৰ্ত্তমান গুৱাহাঁটী আৰু ডিব্ৰুগড়ৰ

মাজত বিলাস-বহুল ফেৰী-বিহাৰৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে। অসমৰ বিভিন্ন স্থানত ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত ওপঙা ৰেষ্টুৰা তৈয়াৰ কৰা হৈছে। এম্প আঁচনিসমূহে পৰ্য্যটক আৰু স্থানীয় লোকৰ মাজত জনপ্ৰিয়তা লাভ কৰিছে।

নদীকেন্দ্ৰিক অসমীয়া সভ্যতা আৰু সংস্কৃতি ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰতে ঠন ধৰি উঠিছে। সেয়েহে বিখ্যাত গীতিকাৰ আৰু গায়ক ড. ভূপেন হাজৰিকাম্প গাম্পছে --

মহাবাহু ব্ৰহ্মপুত্ৰ
মহামিলনৰ তীৰ্থ
কত যুগ ধৰি আহিছে প্ৰকাশি
সমণ্বয়ৰ অৰ্থ............

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
দিশ	दिशा
বিতোপন	अति सुंदर
সেউজীয়া	हरा
উদ্ভিদ	अपने आप उगने वाला
প্ৰকৃতিৰ	स्वभाव से
বৰফ	बर्फ
শুকুলা	सफेद
বিশাল	विशाल
নদ	नद
কোনো কোনোৱে	कोई-कोई
প্ৰধান	प्रधान
দাঁতিত	पास ही
ঠেক	सँकरा
	संयोग

সংযোগ
দলং
দুখলপীয়া
তলেদি
ওপৰেদি
তীৰ্থ
সমগ্ৰ
মাজত
যাতায়ত
কাঠ
বহল
উত্তৰ পাৰ
সীমান্ত
নিচেম্প
বাণিজ্য
যোগাযোগ
ঘনিষ্ঠ
সুচল
নৌকাগৃহ
আৰ্হি
পৰ্য্যটক
নৌকাযাত্ৰা
বন্দোবস্ত
আৰম্ভ
ওপঙা

पुल
दोमंजिला
नीचे से
ऊपर से
तीर्थ
समग्र
बीच में
यातायात
काठ
फैला हुआ
उत्तरी तट
सीमांत
पास ही
वाणिज्य
योगायोग
घनिष्ठ
आसान
नाव घर
अनुकृति
पर्यटक
नाव यात्रा
बंदोबस्त
आरंभ
तैरता हुआ
तैयार
सारणी

তৈয়াৰ	जनप्रियता
আঁচনি	विलासी
জনপ্ৰিয়তা	नौका विहार
বিলাসবহুল	नदी केन्द्रित
ফেৰী-বিহাৰ	अच्छी तेज बाड़/वृद्धि
নদীকেন্দ্ৰিক	गीतकार
ঠন ধৰি	
গীতিকাৰ	

अभ्यास

I. ঐটা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ পাৰত অৱস্থিত চহৰ কেম্পখনৰ নাম কি কি?
2. গুৱাহাটীৰ পৰা ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ ঠেক অংশটো নে বহল অংশটো দেখি?
3. কলিয়া ভোমোৰা দলঙেৰে ক'ৰ পৰা কলৈ যাব পাৰি?
4. ব্ৰহ্মপুত্ৰ নদীৰে ক'ৰ পৰা কলৈ যাব পাৰি?
5. ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ আন দুটা নাম কি?
6. কামাখ্যা মন্দিৰ ক'ত?

II. বিপৰীত শব্দ দিয়ক।

ঠেক	স্পপাৰ
মুকলি	গধুৰ
ওচৰ	গৰম
খৰালি	বেছি

III. পাঠত শব্দকেম্পৗ বিচাৰি উলিয়াম্প তলত আচ ানক।

চকুত পৰে	আঁম্পতকৈ
গা কৰি	বহল
মুকলি	জাহাজ
ক'ত	সেয়েহে

IV. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

অসমীয়া সংগীত জগতত ভূপেন হাজৰিকাক গুৰুত্বপূৰ্ণ স্থান দিয়া হয়। তেওঁ একেধাৰে গীতিকাৰ, সুৰকাৰ আৰু গায়ক। বিগত প্ৰায় পাঁচ ছয় দশক ধৰি অসমীয়া সংগীতলৈ সেৱা আগবঢ়োৱা ভূপেন হাজৰিকা ভাৰতৰে এজন স্বনামধন্য সংগীত শিল্পী। ভাৰতৰ কথাছবি জগতলৈ আগবঢ়োৱা অৱদানৰ বাবে তেওঁক *দাদা চাহেব ফালকে* বঁা দিয়া হয়। 'ৰুদালি'ৰ সংগীত পৰিচালনাৰ বাবে তেওঁক শ্ৰেষ্ঠ সংগীত পৰিচালকৰ বঁাও দিয়া হয়। 'বিস্তৃৰ্ণ পাৰৰে' তেওঁৰ ঐা বিশেষ গান। কবিতা আৰু প্ৰবন্ধ পাতিৰ বাবেও ভূপেন হাজৰিকাৰ বিশেষ সম্মান আছে। তেওঁৰ গানত অসমীয়া জন-জীৱন প্ৰতিফলিত হোৱাৌ দেখা যায়। চাহবাগিছাৰ বনুৱাক লৈ লিখা 'ঐা কলি দুঁ পাত' তেনে ঐা গান। প্ৰেমৰ ওপৰতো ভূপেন হাজৰিকাৰ বহু গান শুনিবলৈ পোৱা যায়।

V. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

शंकरदेव का जन्म असम में *आलि पुखुरि* में सन **1449** में हुआ था। वे नव वैष्णव धर्म के प्रवर्तक थे। बचपन से ही वे अत्यंत प्रतिभाशाली थे। मामूली अक्षर ज्ञान होते ही उन्होंने गंभीर कविताएँ लिखना शुरु कर दिया था। 'करतल कमल कमल दल नयन' उनकी प्रथम कविता थी। यह कविता उन्होंने बारह साल की आयु में लिखी थी। उन्होंने दो बार तीर्थाटन किया था। पहली बार उन्होंने उत्तर भारत की यात्रा की थी। दूसरी बार उन्होंने दक्षिण के तीर्थ-स्थानों की यात्रा की थी। इसके बाद उन्होंने 'सत्र' नामक सामाजिक और धार्मिक अनुष्ठान की स्थापना की। उन्होंने 'कीर्तन', 'नाम घोषा', 'भागवत' आदि ग्रंथों की रचना की। वे आजीवन अपने विचारों का प्रचार करते रहे। एक सौ बीस की आयु में बरपेटा के पास पात-बाँउसी में उनका स्वर्गवास हो गया।

VI. 'অসমৰ হস্তশিল্প'ৰ ওপৰত অসমীয়াত এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. জঁতুৱা ঠাচৰ কৰ্মবাচ্য : অসমীয়াত কৰ্মবাচ্যৰ ক্রিয়াপদ কেনেকৈ গঠন কৰা হয় সেইটো শিকাৰুৱে আগৰ পাঠত শিকিছে। এই পাঠত কেৱল আন এক প্ৰকাৰৰ কৰ্মবাচ্যৰ আৰ্হিহে দেখুওৱা হৈছে। ধাতুত -ই প্রত্যয় যোগ কৰি এনে ধৰণৰ কৰ্মবাচ্যৰ ক্রিয়াপদ গঠন কৰা হয়। এনে ধৰণৰ ক্রিয়াই কেৱল ৩য় পুৰুষৰ লগতহে অণ্বয় দেখুৱায়। মন কৰিবলগীয়া যে কেৱল দেখ-, শুন-, বুজ-, পাৰ- আদি কেইটামান ধাতুৰ পৰাহে এনে ধৰণৰ কৰ্মবাচ্যৰ ক্রিয়াপদ গঠন কৰিব পাৰি। যেনে --

দেখ + -ই > দেখি = 'দেখা যায়'

শুন + -ই > শুনি = 'শুনা যায়'

2. -ৰে : কাৰণ কৰকত '-ৰে' বিভক্তি যুক্ত হয়। স্বৰান্ত শব্দৰ পাছত ই পোনে পোনে লগ লাগে। ব্যঞ্জনান্ত শব্দৰ পাছত ই '-এৰে' ৰূপত লগ লাগে। যেনে --

ভৰি + -ৰে > ভৰিৰে

জাহাজ + -এৰে > জাহাজেৰে

3. হেনো : কোনো উদ্ধৃত মন্তব্য সংক্ষেপে উল্লেখ কৰিবৰ কাৰণে 'হেনো'ৰ সংযোগ কৰা হয়। 'হেনো' যুক্ত বাক্যৰ মূল কথা কোনোবাই কোৱা বা কৰবাত শুনা।

4. বাক্য গঠনৰ আৰ্হি : এই পাঠত জতুৱা কৰ্মবাচ্যৰ ক্রিয়াপদ থকা বাক্য ব্যৱহাৰ কৰা হৈছে। বাক্যৰ গঠনৰ ফালৰ পৰা ই পূৰ্বত ১৭ নম্বৰ পাঠত দিয়া বাক্যৰ আৰ্হিৰ।

5. **অন্তৰ্সীমা অতিক্ৰম অনুমতি :** অৰুণাচল বা নাগালেণ্ডলৈ কোনো কামত যাব লাগিলে তাৰ চৰকাৰৰ পৰা আগতে অনুমতি লব লাগে। অনুমতি পত্ৰ নাথাকিলে কাকো তালৈ যাবলৈ দিয়া নহয়।

পাঠ
पाठ 20

প্ৰাপ্তবয়স্ক শিক্ষা

শিক্ষা : ৰাম্পজ, আপোনালোকে নিশ্চয়

বিষয়া শিক্ষাৰ গুৰুত্বৰ বিষয়ে জানে। শিক্ষা মানুহৰ বিতচকু। শিক্ষাৰ সহায়ত মানুহে বৰ্হিজগতক চিনিব পাৰে। জীৱন নিৰ্বাহ সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে।

বুদুৰাম : শিক্ষা লাভৰ কাৰণে একৌা বয়স থাকে। আমি প্ৰায়খিনিয়েম্প দুকুৰিৰ দেওনা পাৰ হৈছোঁ। চকুত চলিহা পৰিছে।

বিষয়া :সেম্পটৌ কোনো কথা নহয়। চলিহা পৰা মানুহৰ কাৰণে চচমা দিয়াৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে। লিখা-পঢ়া শিকাবৰ কাৰণে গাঁৱে ভূঞে

शिक्षा अधिकारी : सज्जनो, आप लोग शिक्षा के महत्व के बारे में जानते ही हैं। शिक्षा मनुष्य को दृष्टि देती है। शिक्षा की सहायता से मनुष्य बहिर्जगत को पहचान सकता है। इसके द्वारा जीवन-निर्वाह सुगम और मधुर किया जा सकता है।

बुदुराम : शिक्षा के लिए उम्र की एक सीमा होती है। हम प्रायः सभी चालीस की सीमा पार कर गए हैं, आँखों में कम दिखने लगा है।

अधिकारी : यह कोई बाधा नहीं। कम दिखने पर व्यक्ति के लिए चश्मे की व्यवस्था है। लिखना-पढ़ना सिखाने के लिए गाँव-गाँव में केन्द्र खोले गए हैं। यहाँ 'अ', 'आ', 'क', 'ख' के अलावा हिसाब भी सिखाया जाता है। किताब-कापियाँ मुफ्त में दी जाती हैं।

শিক্ষাকেন্দ্ৰ খোলা হৈছে। তাত 'অ', 'আ', 'ক', 'খ'ৰ বাহিৰেও যোগ-বিয়োগ কৰিবলৈ শিকোৱা হয়। কিতাপ বহীও বিনামূলীয়াকৈ বিতৰণ কৰা হয়।

কনপাম্প : আমাক শিকোৱাতকৈ মাম্পকী মানুহবিলাকক শিকোৱা ভাল। আমি ঘৰত নথকা সময়ত ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহ-বিলাকক বৰকৈ ঠগায়। আগৰ দিনততো ছোৱালীক স্কুললৈ পঠোৱা নাছিল। ফলত তেওঁলোকে জোখ-মাখ ेকাপম্পচাৰ হিচাপ ভালকৈ নাজানিছিল।

বিষয়া :মাম্পকী মানুহৰ কাৰণেও কিছুমান বিশেষ কেন্দ্ৰ আছে। আকৌ আন কিছুমান কেন্দ্ৰলৈ মতা-মাম্পকী উভয়কে আহিবলৈ দিয়া হয়। তেওঁলোকক নানা ঠাম্প দেখুওৱা হয়, বোলছবি দেখুওৱা হয়। থলুৱা গীত মাত, শিক্ষা সংস্কৃতিৰ

कनपाई : हमें सिखाने के बदले हमारी घरवालियों को सिखाना अच्छा होगा। हमारे घर पर न रहने पर फेरीवाले औरतों को खूब ठगते हैं। पुराने जमाने में लड़कियों को स्कूल भेजा नहीं जाता था। घर पर भी नहीं पढ़ाते थे। फलतः वे निरक्षर बनी रहीं।

अधिकारी : स्त्रियों के लिए कुछ विशेष केन्द्र हैं। कुछ केन्द्रों में पुरुष-स्त्रियाँ दोनों आते हैं। उन्हें आसपास के स्थान दिखाए जाते हैं। सिनेमा दिखाया जाता है। तरह-तरह के स्थानीय गीत, शिक्षा-संस्कृति संबंधी केसेट सुनाए जाते हैं।

निधिराम : ऐसा है क्या? तब तो हमारी घरवाली भी यहाँ आ सकती है। मर्द और औरतों को एक ही साथ एक ही तरह के पाठ भी पढ़ाए जाएँगे क्या?

কেছৈ শুনোৱা হয়।

নিধিৰাম : হয় নেকি? তেনেহলে আমাৰ ঘৰৰজনীও স্পয়ালৈ আহিব পাৰিব। মতা তিৰোতাক একেলগে একে কথা পঢ়ুওৱা হবনে?

বিষয়া : নহয়। বেলেগে বেলেগে পঢ়ুওৱা হব। শিক্ষকো বেলেগ। বিষয়বস্তু আৰু সা-সৰঞ্জামো বেলেগ। আপোনালোকে এম্প সুযোগ নেহেৰুৱাব।

ৰাম্পজ : নিদিওঁ, নিদিওঁ। আমি দলে বলে তালৈ যাম।

अधिकारी : नहीं। अलग अलग पढ़ाया जाएगा। शिक्षक भी अलग अलग होंगे। विषय वस्तु और पुस्तकें भी अलग हैं। आप लोग इस अवसर को हाथ से मत जाने दीजिए।

सबलोग : नहीं जाने देंगे, नहीं जाने देंगे। हमलोग दल-बल सहित यहाँ आएँगे।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
প্ৰাপ্তবয়স্ক	प्रौढ़
ৰাম্পজ	जनता/लोग
গুৰুত্ব	महत्व
বিতচকু	चश्मा/ऐनक
সহায়ত	की सहायता से
বহিৰ্জগত	बहिर्जगत
চিনিব	पहचानना

সুগম	सुगम
মধুৰ	मधुर
বয়স	उम्र, वय
কুৰি	बीस
চলিহা	कम दिखना
শিকাবৰ কাৰণে	सिखाने के लिए
শিকোৱা হয়	सिखाया जाता है
বিনামূলীয়া	मुफ्त
ফেৰীৱালা	फेरीवाला
মাম্পকী	औरत
ঠগায়	ठगते हैं
পঠোৱা নাছিল	भेजा नहीं था
জোখ-মাখ	नाप-तौल
দেখুওৱা হয়	दिखाया जाता है
থলুৱা	स्थानीय
গীত মাত	गीत आदि
শুনোৱা হয়	सुनाया जाता है
মতা	पुरुष
তিৰোতা	औरत
সা সৰঞ্জাম	साज-सामान/पुस्तक आदि
সুযোগ	अवसर
দলে বলে	दल-बल सहित

অভ্যাস

I. ঐা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. শিক্ষাক কিহৰ লগত তুলনা কৰা হৈছে?
2. কিহে জীৱন সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে?
3. চলিহা পৰা মানুহৰ কাৰণে কিহৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে?
4. প্ৰাপ্তবয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি শিকোৱা হয়?
5. কনপাম্পৰ মতে কাক লিখাপঢ়া শিকোৱা ভাল?
6. প্ৰাপ্তবয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি শিকোৱা হয়?
7. সকলো কেন্দ্ৰত মতা-তিৰোতাক একেলগে পঢ়ুওৱা হয় নে?

II. তলৰ অসম্পূৰ্ণ বাক্যকেম্পৗ একৌ কাৰণ বুজোৱা সৰু বাক্য যোগ কৰি সম্পূৰ্ণ কৰক।

1. বুদুৰামৰ চকুত চলিহা পৰিছে, কাৰণ ....
2. চলিহা পৰা মানুহৰো কোনো সমস্যা নাম্প, কাৰণ ....
3. মতা মানুহক শিকোৱাতকৈ তিৰোতাক শিকোৱা বেছি ভাল, কাৰণ ....
4. আগৰ দিনত তিৰোতাম্প জোখ-মাখ,ৈকাপম্পচাৰ হিচাপ পত্ৰ নাজানিছিল, কাৰণ ....
5. নিধিৰামৰ ঘৰৰ জনী শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ আহিব পাৰিব, কাৰণ ....

III. উদাহৰণ অনুসৰি ‘বহুবচন’ বা ‘স্পত্যাদি’ বুজোৱা শব্দ গঠন কৰক।

উদাহৰণঃ

সৰঞ্জাম ⟶ সা-সৰঞ্জাম

1. ডাঙৰীয়া
2. খবৰ
3. চিনাকি
4. বাতৰি
5. জলপান

IV. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া বাক্যবোৰ পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণ:

শিক্ষাকেন্দ্ৰত যোগ বিয়োগ কৰিবলৈ শিকোৱা হয়।

→ শিক্ষাকেন্দ্ৰত যোগ বিয়োগ কৰিবলৈ শিকা হয়।

1. স্পয়াৰ পৰা হিমালয়ৰ িং দেখুওৱা হয়।
2. ভাষা কেন্দ্ৰত গীত শুনোৱা হয়।
3. ভাষা কেন্দ্ৰত চাহ-জলপান খুওৱা হয়।
4. তাঁলৈ বিদেশী বোলছবি অনোৱা হয়।
5. কেন্দ্ৰলৈ সা-সৰঞ্জাম অনোৱা হয়।
6. সদায় লুচি তৰকাৰী খুওৱা হয়।

V. উদাহৰণ অনুসৰি বন্ধনিত দিয়া শব্দৰ উপযুক্ত ৰূপেৰে বাক্যৰ ৰেখাংকিত শব্দ সলনি কৰক। বাক্যৰ অন্য শব্দৰ প্ৰয়োজনীয় সালসলনি কৰিব পাৰিব।

উদাহৰণ:

আপোনালোকে এম্প সুযোগ হাতৰ পৰা যাবলৈ নিদিব।(তোমালোক)

→ তোমালোকে এম্প সুযোগ হাতৰ পৰা যাবলৈ নিদিবা।

1. আমাৰ তিৰোতাজনী শ্পয়ালৈ আহিব পাৰিব। (ল'ৰা)
2. শিক্ষা কেন্দ্রত ছায়াছবি দেখুওৱা হয়। (নাচ-গানৰ কেচৈ)
3. ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহক বৰকৈ ঠগায়। (ঘৰৰ মানুহক)
4. শিক্ষা কেন্দ্রত 'অ' 'আ' লিখিবলৈ শিকোৱা হয়। (যোগ-বিয়োগ)
5. আমাক শিকোৱাতকৈ মাম্পকী মানুহবিলাকক শিকোৱা ভাল। (পঢ়--)

VI. পাঠত দিয়া শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি বাক্য সম্পূর্ণ কৰক।

1. শিক্ষা মানুহৰ ______________ ।
2. প্ৰায়খিনি মানুহেম্প দুকুৰিৰ ____________ পাৰ হৈছে।
3. তেওঁৰ বয়স দুকুৰি ; গতিকে চকুত ______________ পৰিছে।
4. প্ৰাপ্ত বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্রত কিতাপ বহী ______________ দিয়া হয়।
5. ফেৰীৱালাবিলাকে মাম্পকী মানুহক বৰকৈ ____________ ।
6. মতা তিৰোতাক _________ একে কথা পঢ়ুওৱা হয় নে?
7. আপোনালোক কেন্দ্রলৈ ___________ আহক।

I. তলৰ জঁকাৰ আলম লৈ এটা পৰিচ্ছেদ লিখক।

আজিকালি ---- স্ত্রী শিক্ষাৰ প্রসাৰ ---- গাঁৱে গাঁৱে স্কুল ---- অশিক্ষিত ছোৱালী নাম্প ---- আজিকালি বিদ্যাত সমান অধিকাৰ ---- আগতে ছোৱালী বিদ্যালয় ---- যোৱা নাছিল ---- ছোৱালীতকৈ ল'ৰাক বেছি মূল্য ---- আজিকালি সমান ---- এতিয়া ছোৱালী উচ্চ শিক্ষা ---- ডাঙৰ ডাঙৰ চাকৰি ---- পুলিচ বিষয়া ---- বৈদেশিক বিষয়া ---- গতিকে পঢ়া ---- কৈ ---- ডাঙৰ কাম ---- ল'ৰাছোৱালীৰ কাৰণে ---- নাম্প।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

ঐা প্ৰধান মাধ্যম

জ্ঞান লাভৰ ঐা প্ৰধান মাধ্যম হ'ল শিক্ষা। সকলো শিক্ষা লাভৰ মূলতে হ'ল ভাষা শিক্ষা। ভাষা শিক্ষা সম্পূৰ্ণ হলেহে অন্য শিক্ষা লাভ কৰিব পাৰি। শিক্ষাৰ জৰিয়তে মানুহে বহিৰ্জগতক চিনিব পাৰে। জীৱন নিৰ্বাহ সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে। শিক্ষা লাভৰ কাৰণে কোনো ধৰাবন্ধা বয়স নাম্প। বিয়া বাৰু কৰাম্পয়ো লিখা পঢ়া শিকিব পাৰি। আজিকালি বয়সীয়া মানুহক শিক্ষা দিবৰ কাৰণে বহুতো কেন্দ্ৰ খোলা হৈছে। তাত মাতৃভাষা লিখিবলৈ আৰু পঢ়িবলৈ, আৰু অংক কৰিবলৈ শিকোৱা হয়। এম্পবোৰ শিকা একো ান কাম নহয়। সমগ্ৰ কেৰেলাত, পশ্চিমবংগৰ বৰ্দ্ধমান জিলাত আৰু কৰ্ণা কৰ দক্ষিণ কানাড়া জিলাত আজি কোনো নিৰক্ষৰ নাম্প। বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ কাকো জোৰকৈ পঠোৱা নহয়। তাত চাহ বিস্কুত খুওৱা নহয়। কেৱল পুথি পাঁজি আৰু কাগজ কলম বিনামূলীয়াকৈ দিয়া হয়। আজৰি পৰতহে পঢ়ুওৱা হয়।

আগতে আমাৰ স্পয়াত মানুহে ছোৱালীৰ শিক্ষাত গুৰুত্ব দিয়া নাছিল। ছোৱালীক স্কুললৈ পঠোৱা নাছিল। ঘৰতো সকলোকে পঢ়ুওৱা নাছিল। ছোৱালীক কেৱল ঘৰৰ কাম কাজ শিকাম্পছিল। দূৰ অতীজত কিন্তু এনেকুৱা নাছিল। বৈদিক যুগত গাৰ্গী, মৈত্ৰেয়ীৰ দৰে দুম্প এগৰাকী মহিলাম্প পুৰুষৰ সমানে উচ্চ শিক্ষা লাভ কৰিছিল। তেওঁলোক কোনো গুণে পুৰুষতকৈ কম নাছিল। গতিকে এতিয়াও পুৰুষ-স্ত্ৰী উভয়ে বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ যোৱা উচিত আৰু তাত পঢ়া শুনা কৰা উচিত।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
মূলতে	मूलतः
চিনিব	पहचानना
ধৰাবন্ধা	निर्धारित/निश्चित
বয়সীয়া	उम्रवाले
অংক	गणित/हिसाब
শিকোৱা	सिखाना
ান কাম	कठिन काम
জোৰকৈ	जबरदस्ती
বয়স্ক	वयस्क/प्रौढ़
খুওৱা	खिलाना
বিস্কুত	बिस्कुट
পুথিপাঁজি	पोथी-पत्रा
আজৰি পৰত	विश्राम के समय
পঢ়ুওৱা	पढ़ाना
অতীজত	अतीत काल में

अभ्यास

I. ঐা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. সকলো ধৰণৰ শিক্ষা লাভৰ মূলতে কি?
2. কিহে জীৱন নিৰ্বাহ সুগম আৰু মধুৰ কৰি তুলিব পাৰে?
3. শিক্ষা লাভৰ বিশেষ বয়স আছে নেকি?
4. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কি দিয়া হয় আৰু কি দিয়া নহয়?

5. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত কেতিয়া পঢ়ুওৱা হয়?
6. আগতে ছোৱালীক স্কুললৈ পঠোৱা হৈছিল নে?
7. আগতে ছোৱালীক ঘৰত কি শিকোৱা হৈছিল?

II. পাঠত দিয়া উপযুক্ত শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি বাক্য পূৰণ কৰক।

1. শিক্ষাৰ ________ মানুহে বহিৰ্জগতক চিনিব পাৰে।
2. শিক্ষাৰে জীৱন নিৰ্বাহ ________ কৰি তুলিব পাৰে।
3. লিখা পঢ়া শিকা একো ________ কাম নহয়।
4. বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰলৈ কাকো ________ পঠোৱা নহয়।
5. শিক্ষা কেন্দ্ৰত কাগজ কলম ________ দিয়া হয়।
6. তাত ________ পৰতহে শিক্ষা দিয়া হয়।
7. পুৰুষ-স্ত্ৰী উভয়ে বয়স্ক শিক্ষা কেন্দ্ৰত ____ ____ কৰা উচিত।

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

কাতিৰামৰ সপোন

বহুদিনৰ আগৰ কথা। এসময়ত কাতিৰাম নামে এজন লুভীয়া আৰু এলেহুৱা স্বভাৱৰ লোকে বড়মপুৰ গাঁৱত বাস কৰিছিল। কাতিৰামে খুজি মাগি জীৱন নিৰ্বাহ কৰিছিল। শোৱনি কোঠাৰ হেঁদালি এখনতে এটা মাৰি কলহত তেওঁ খুজি পোৱা চাউলৰ এটা অংশ সাঁচি থৈছিল। জমা অংশৰ কৈলিটো চাম্প চাম্প কাতিৰামে দিনটোৰ বেছিভাগ সময় কল্পনা কৰিয়েম্প কটাইছিল। কল্পনাত বিভোৰ হৈ কাতিৰামে ভাবিছিল, এদিন তেওঁ চাউলখিনি বজাৰত বেচিব আৰু সেইটকাৰে এটা হাঁতী কিনিব। হাঁতীটোত উঠি তেওঁ মাজে মাজে নগৰলৈ ফুৰিবলৈ যাব। নগৰৰে এজন ধনী মানুহৰ ছোৱালীক তেওঁ বিয়া

কৰাব। ঘৈণীয়েকে তেওঁক ডাঙৰ মানুহ বুলি সমীহ কৰি চলিব আৰু তেওঁৰ সকলো কথা নির্বিবাদে মানি চলিব। যদি ঘৈণীয়েক অবাধ্য হয় তেন্তে তাম্পক কোবাম্প ঘৰৰ পৰা খেদি দিব।

ঘৈণীয়েকক কোবোৱাৰ চিন্তাত বিভোৰ হৈ কাতিৰামে দুৱাৰৰ দাঙডালেৰে হেঁদালিখনতে মাৰ সোধালে। হেঁদালিখন হুৰ-হুৰাম্প ভাঙি পৰিল। মাঁৰি কলহটো মাঁতি পৰি ডোখৰ ডোখৰ হ'ল। কাতিৰামৰ সপোনবোৰো ভাঙি চুৰমাৰ হ'ল।

IV. তলৰ চিঠিখন অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

विश्वजीत बरुवा
द्वारा श्री डी.पी. बरुवा
109 सैक्टर **12**, पुष्पविहार
नई दिल्ली -- **110017**

12.02.04

प्रिय देवाशीष,

खुश रहो!

हम लोग गुवाहाटी से चलकर दूसरे दिन दिल्ली पहुँच गए। मेरे तीनों दोस्त विश्व युवक केन्द्र में ठहरे हैं। मैं यहाँ चाचाजी के पास ठहरा हूँ। यहाँ से विश्व युवक केन्द्र के लिए सीधी बस जाती है। इससे चलकर मैं रोज युवक केन्द्र पहुँच जाता हूँ। वहाँ से हमलोग एक साथ घूमने निकल पड़ते हैं। कल हमलोग प्रगति मैदान गए थे। प्रगति मैदान में देश के सभी राज्यों के मंडप हैं। यहाँ कोई न कोई मेला लगता रहता है। दो दिन पहले यहाँ *विश्व पुस्तक मेला* शुरु हुआ है।

इस *विश्व पुस्तक मेले* में सभी भारतीय भाषाओं की पुस्तकों के स्टॉल हैं। इसके अलावा जर्मनी, जापान, चीन, ब्रिटेन आदि देशों की पुस्तकें भी प्रदर्शित हैं। हम किसी भी पुस्तक को उलट-पलट कर देख सकते तथा चाहें तो खरीद सकते हैं। पुस्तकों पर **15** से **20** प्रतिशत छूट भी दी जाती है।

दो-तीन स्टॉलों पर असमिया पुस्तकें भी थीं। मैंने वहाँ से *हिंदी-असमिया कोश* खरीदा है। मेले में बच्चों की पुस्तकें ही नहीं सुंदर-सुंदर खेल आदि भी उपलब्ध हैं। बच्चों की पुस्तकों का एक अलग मंडप है। मैंने मिनी के लिए एक इलेक्ट्रानिक गेम खरीदा है।

कल हमलोग *कतुब मीनार* और *हुमायूँ का मकबरा* देखने जाएँगे। अभी तीन-चार दिन हमारे पास हैं। दिल्ली में देखने के लिए बहुत कुछ है। हम ज़्यादा से ज़्यादा स्थान देखने की कोशिश करेंगे। समय निकालकर हम दिल्ली-मेट्रो में भी सफर करेंगे।

दोस्तों के साथ मैं 22 फरवरी को वापस लौटूँगा।

मम्मी, पापा को प्रणाम!

तुम्हारा भाई,
विश्वजीत

श्री देवाशीष
द्वारा श्री बी.पी. बरुवा
कनकलता पथ, बी.टी. कॉलेज बाई लेन
लासितनगर, गुवाहाटी -- 78 007

V. বানপানী সমস্যা সমাধানৰ বাবে জনমত গঢ়ি তুলিবলৈ বাতৰি কাকতৰ সম্পাদকলৈ অসমীয়াত এখন চিঠি লিখক।

টোকা

1. পাচনি বা প্ৰযোজক ক্ৰিয়াৰ কৰ্মবাচ্যৰ ৰূপ : আগতে শিকাৰুক কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদৰ গঠন শিকোৱা হৈছে। তেওঁলোকক পাচনি বা প্ৰযোজক ক্ৰিয়া ৰূপৰ গঠনো শিকোৱা হৈছে। কেতিয়াবা পাচনি ক্ৰিয়া কৰ্মবাচ্যতো ব্যৱহাৰ কৰিবলগীয়া হয়। তেতিয়াহলে ধাতুৰ লগত প্ৰথমে পাচনি প্ৰত্যয় '-আ' বা '-উৱা' যোগ কৰি পাচনি ধাতু গঠন কৰা হয়। এম্প পাচনি ধাতুত আকৌ কৰ্মবাচ্যৰ '-আ' যোগ কৰি তাৰ পিছফালে সহায়কাৰী ক্ৰিয়া 'হয়' বা 'যায়' যুক্ত কৰা হয়। যেনে --

খা + -উৱা + -আ > খুওৱা হয়

পঢ়   + -উৱা + -আ > পঢ়ুওৱা হয়

আন + -আ   + -আ > অনোৱা হয়

2. নিজন্ত ক্ৰিয়াৰ লগত কৰ্মবাচ্যৰ সংযোগ : শিকাৰুৱে আগতে নিজন্ত বা নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়াপদ গঠন কৰিববৈলে শিকিছে। তেনে নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়া পদ কৰ্মবাচ্যৰ ক্ৰিয়াপদৰ আগফালে ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। এম্প পাঠত তাকে দেখুওৱা হৈছে। যেনে --

কৰ + -ম্পব +   -লৈ   দি +   -আ হয় >

কৰিববৈলে দিয়া হয়

খা   + -(ম্প) ব + -লৈ   দি + -আ হয় >   খাববৈলে দিয়া হয়

3. পাচনিৰ ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য ৰূপ : শিকাৰুৱে আগতে ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য পদ গঠন কৰিববৈলে শিকিছে। এম্প পাঠত তেনে পাচনি ধাতুৰ পৰা কেনেকৈ ক্ৰিয়া বাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয় তাকে দেখুওৱা হৈছে। পূৰ্ব বৰ্ণিত নিয়মে পাচনি ধাতু গঠন কৰাৰ পিছত তাত '-আ' যোগ কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ লগত নিৰ্দেশাত্মক '-টো' যুক্ত হব পাৰে। যেনে --

শিক + -আ   +   -আ   > শিকোৱা + -টো   = শিকোৱাটো

পঢ় + -আ   + -আ   > পঢ়ুওৱা   + -টো = পঢ়ুওৱাটো

4. বাক্যৰ আৰ্হিৰ বিষয়ে : এম্প পাঠত ব্যৱহাৰ কৰা বাক্যৰ আৰ্হি ১৭ নম্বৰ পাঠত দিয়া বাক্যৰ নিচিনাম্প। কেৱল পাচনি আৰু নিমিত্তাৰ্থক ক্ৰিয়াৰ লগত কৰ্মবাচ্যৰ ব্যৱহাৰ হ'লে কেনেকুৱা ৰূপ হয় তাকে দেখুওৱা হৈছে। কববৈলে গলে এম্প পাঠ ১৭ নম্বৰ পাঠৰে সম্প্ৰসাৰণ।

5. **ৰাম্পজ : ৰাম্পজ মানে এক জন সমাগম। স্প এনেয়ে বহুবচনৰ ভাৱ সূচনা কৰে। গতিকে স্পয়াত আকৌ বহুবচনৰ বিভক্তি যোগ কৰা নিৰৰ্থক।**

পাঠ
पाठ
21

চিত্ৰাভিনেত্ৰীৰ সাক্ষাৎকাৰ

প্ৰতিনিধি : নমস্কাৰ, ৰবীনাজী।

ৰবীনা : অ’ নমস্কাৰ, আহক

প্ৰতিনিধি : মস্প অসমৰ বোলছবি আলোচনী ‘পূবালী’ৰ প্ৰতিনিধি। অসমৰ কলামোদী ৰাম্পজৰ বাবে আপোনাৰ ঐা সাক্ষাৎকাৰ লব খুজিছোঁ।

ৰবীনা : সাক্ষাতকাৰ দি দি মস্প বিৰক্ত হৈ পৰিছোঁ। তাৰোপৰি মস্প কওঁ কিবা ঐা, আপোনালোকে লিখে কিবা ঐা।

প্ৰতিনিধি : মস্প আপোনাক কেম্পৗমান প্ৰয়োজনীয় কথাহে সুধিম। বাৰু কওকচোন, আজৰি পৰত

पत्रकार : नमस्कार रवीना जी!

रवीना : नमस्कार! आइए!

पत्रकार : मैं असमिया फिल्मी पत्रिका ‘पुबाली’ का प्रतिनिधि हूँ। असम के कला-प्रेमी लोगों के लिए आपका साक्षात्कार लेना चाहता हूँ।

रवीना : साक्षात्कार दे-देकर तो मैं तंग आ गई हूँ। मैं बोलती कुछ हूँ, आपलोग लिखते कुछ हैं।

पत्रकार : मैं आपसे कुछ उपयोगी बातें ही पूछूँगा। अच्छा, बताइए आप अपना खाली समय कैसे गुजारती हैं?

আপুনি কি কৰি ভাল পায়?

ৰবীনা : মম্প আলোচনী পঢ়ি ভাল পাওঁ।
মোৰ 'শ্বপিং' কৰিও ভাল লাগে। তাৰ বাবে কেতিয়াবা চিংগাপুৰ আৰু কেতিয়াবা ডুবাম্পলৈ যাওঁ।

প্ৰতিনিধি : কল্পনা লাজমীৰ 'দমন'ত অভিনয় কৰি আপোনাৰ কেনে লাগিছিল? তাত আপোনাক সাম্পলাখ অসমীয়া বোৱাৰীৰ দৰে লাগিছিল।

ৰবীনা : 'দমন'ত কল্পনাজী আৰু ভূপেন হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ পোৱাটো মোৰ সৌভাগ্য বুলি ভাবোঁ। তেওঁলোকৰ পৰা শিকিবলগীয়া বহুত কথা আছে।

প্ৰতিনিধি : 'দমন'ত মুগাৰ মেখেলা চাদৰ পিন্ধি আপুনি অভিনয় কৰিছিল। মেখেলা চাদৰ পিন্ধি আপুনি

रवीना : खाली समय में मुझे पत्रिकाएँ पढ़ना अच्छा लगता है। मुझे खरीदारी का भी शौक है। खरीदारी के लिए मैं कभी-कभी सिंगापुर और दुबई भी जाती हूँ।

पत्रकार : कल्पना लाजमी की 'दमन' में काम करते हुए आपको कैसा लगा था? उसमें तो आप पूरी असमिया बहू जैसी ही दिखती थीं!

रवीना : 'दमन' में कल्पना लाजामी और भूपेन हजारिका के साथ काम करना मेरे लिए सौभाग्य की बात थी। उन लोगों से सीखने के लिए बहुत कुछ है।

पत्रकार : 'दमन' में आपने मूँगा की मेखला-चादर पहन कर अभिनय किया था। मेखला-चादर पहनकर आपको कैसा लगा, कुछ बताएँगी।

रवीना : असम की मूँगा मेखला-चादर की अपनी ही एक खासियत है। ऐसे सोने की तरह चमकते कपड़े भारत

কেনেকুৱা পালে কবনে?

ৰবীনা : অসমৰ মুগাৰ মেখেলা চাদৰৰ ঐা নিজস্ব বিশেষত্ব আছে। এনে কেঁচা সোণ-বৰণীয়া কাপোৰ ভাৰতৰ ক'তো পোৱা নাযায়। মেখেলা-

চাদৰ পিন্ধি মোৰ নিজকে অসমীয়া যেন লাগিছিল। অসমৰ সংস্কৃতি বৰ অনুপম। স্পয়াৰ শৰাম্প, গামোচা আদিয়ে মানুহৰ মন মুহি নিয়ে। স্পয়াৰ লোকসকলো খুওব অতিথিপৰায়ণ, সংস্কৃতিবান আৰু সহজ সৰল। সেয়ে অসমলৈ আহি মোৰ খুওব ভাল লাগিছে।

প্ৰতিনিধি : 'দমন'ৰ শ্যুঁং কৰোঁতে আপুনি অসমৰ বহুত ঠাম্প ঘূৰিছে। অসমৰ প্ৰাকৃতিক সৌন্দৰ্য্যৰ বিষয়ে আপোনাৰ কেনে অনুভৱ হ'ল?

ৰবীনা : অসমখন বৰ বিতোপন। মম্প ঐা

में कहीं भी नहीं मिलते। मेखला-चादर पहनकर मुझे असमिया जैसा ही लगा। असम की संस्कृति बड़ी अनूठी है। यहाँ की सराई-गमछा आदि तो लोगों का मन मोह लेते हैं। यहाँ के लोग भी बड़े ही अतिथि-प्रेमी, संस्कृति-प्रेमी और सहज-सरल हैं। इसलिए असम आना मुझे अच्छा लगता है।

पत्रकार : 'दमन' की शूटिंग के दौरान आप असम में कई जगह घूमी हैं। असम की प्राकृतिक सुंदरता के बारे में आपका क्या अनुभव है?

रवीना : असम बड़ा खूबसूरत है। लेकिन मुझे एक बात समझ में नहीं आती, उत्तर-पूर्व में इतनी सुंदर जगह होने पर भी हमारे यहाँ के फिल्म डायरेक्टर स्वीट्जरलैंड या मारीशस क्यों जाते हैं? यहाँ पर भी तो बहुत सारी फिल्मों की शूटिंग हो सकती है।

पत्रकार : भुपेन हजारिका की तरह बहुत सी फिल्मी-हस्तियाँ चुनाव में उतरी थीं।

কথা বুজি নাপাওঁ -- উত্তৰ-পূৰ্বাঞ্চলত শ্পমান সুন্দৰ সুন্দৰ ঠাম্প থকা স্বত্বেও আমাৰ পৰিচালনক সকল চুম্পজাৰলেও, মৰিচাচলৈ কিয় দৌৰি আছে। শ্পয়াতেম্পতো বহু চিনেমাৰ শ্যুটিং হব পাৰে।

প্ৰতিনিধি : যোৱা নিৰ্বাচনত ভূপেন হাজৰিকাৰ দৰে চিনেমা জগতৰ লগত জড়িত বহুতো লোক নিৰ্বাচনত নামিছিল।

কোনোবা পাৰ্টিয়ে আপোনাক ধৰিলে আপুনি নিৰ্বাচনত নামিবনে?

ৰবীনা : কোনোবা ডাঙৰ পাৰ্টিয়ে কলেও ম্প নিৰ্বাচনত নানামোঁ। ম্প ভাবোঁ যে অভিনয় ঐা কলা আৰু ৰাজনীতি ঐা কৌশল। শ্পইঁতক একেলগ নকৰাম্প ভাল।

প্ৰতিনিধি : বিয়াৰ পাছত আপোনাক ৰূপালী পৰ্দাত দেখা নাম্প। আপুনি

अगर कोई बड़ी पार्टी आपसे चुनाव लड़ने के लिए कहे तो क्या आप भी

चुनाव लड़ेंगी?

रवीना : कोई बड़ी पार्टी भी कहती तो भी मैं चुनाव नहीं लड़ूँगी। मेरे विचार में अभिनय एक कला है और राजनीति एक कौशल। दोनों को मिलाना ठीक नहीं है।

पत्रकार : शादी के बाद आपको रूपहले पर्दे पर नहीं देखा। क्या आपने अभिनय से संन्यास लेने का मन बना लिया है?

रवीना : नहीं संन्यास लेने का नहीं सोच रही हूँ। अभिनय तो मेरे खून में है। अभी नाम तय नहीं हुआ है लेकिन तीन-चार फिल्मों के लिए तो मैं अनुबंध भी कर चुकी हूँ। भविष्य में एक असमिया फिल्म में भी काम करने का इरादा है।

पत्रकार : समय देने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद!

रवीना : धन्यवाद!

অভিনয় বাদ দিব নেকি?

ৰবীনা : নাম্প। বাদ দিব খোজা নাম্প। অভিনয় মোৰ তেজত আছে। স্পতিমধ্যে মস্প নাম থিৰ নোহোৱা তিনি চাৰিখনমান ছবিত চহী কৰিছোঁ। ভবিষ্যতে এখন অসমীয়া ছবিতো অভিনয় কৰাৰ মন আছে।

প্ৰতিনিধি : সময় দিয়াৰ বাবে ক্হুত বহুত ধন্যবাদ ৰবীনাজী।

ৰবীনা : ধন্যবাদ।

शब्दार्थ

असमिया शब्द	हिंदी अर्थ
সাক্ষাৎকাৰ	साक्षात्कार
কলামোদী	कलाप्रेमी
লব খুজিছোঁ	लेना चाहता हूँ
দি দি	दे-देकर
বিৰক্ত	विरक्त, तंग आ जाना
তাৰোপৰি	उसके ऊपर
আন কিবা	दूसरे और कोई
লাগতিয়াল	आवश्यक
আজৰি	खाली समय
পৰত	समय पर
আলোচনী	पत्रिका
সাম্পলাখ	हूबहू
বোৱাৰী	वधू
সৌভাগ্য	सौभाग्य
কেঁচা সোণবৰণীয়া	कच्चा सोना जैसा
নিজস্ব	अपना
মুহি নিয়ে	मन मोह लेता है
অতিথি পৰায়ণ	अतिथि-प्रेमी
সহজ সৰল	सहज-सरल
স্বত্তেও	के बावजूद
	निर्देशक

পৰিচালক	दौड़
	जुड़ा हुआ
দৌৰ	कला
জড়িত	राजनीति
কলা	कौशल
ৰাজনীতি	रूपहला-पर्दा
কৌশল	खून में (होना)
ৰূপালী পৰ্দা	दस्तखत कर चुका हूँ, अनुबंध हो चुका हूँ
তেজত	भविष्य में
চহী কৰিছোঁ	
ভবিষ্যতে	

अभ्यास

I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দৰ পৰা একোটা অৰ্থ-ভিত্তিক শব্দশৃংখল তৈয়াৰ কৰক।

(শ্পয়াৰ দ্বিতীয়, তৃতীয় আৰু চতুৰ্থ শব্দৰ আগফালৰ আৰু পিছফালৰ শব্দৰ লগত সম্বন্ধ থাকিব।)

উদাহৰণঃ

ফুল

⟶ ফুল -- সুবাস -- আঁতৰ -- দামী -- ৰেচম

1. খবৰ
2. বোলছবি

3. শৰাম্প
4. অসমীয়া
5. বিতোপন

II. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটাকৈ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. সাম্পলাখ : বিতোপন
2. কিবা : কিহবা
3. আজৰি : আমনি
4. আলোচনী : আলোচনা
5. বাদ : বাজ

III. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য পৰিবৰ্তন কৰক।

উদাহৰণঃ

মম্প বাৰে বাৰে সাক্ষাৎকাৰ দি বিৰক্ত হৈছোঁ।

→ মম্প সাক্ষাৎকাৰ দি দি বিৰক্ত হৈছোঁ।

1. বোলছবিখন বাৰে বাৰে চাম্প বৰ আমনি লাগিল।
2. অনবৰতে কিতাপ পঢ়ি চকু বিষাল।
3. দিনৰ পিছত দিন বহি খাব নোৱাৰি।
4. একেৰাহে কাম কৰি ভাগৰ লাগিল।
5. শিক্ষকজনৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰ দি তৎ পোৱা নাম্প।

IV. ‘ক’ স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত ‘খ’ স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

'ক' স্তম্ভ	'খ' স্তম্ভ
1. মম্প নিজকে কেতিয়াও গ্লেমাৰ গাৰ্ল	যাত্ৰা কৰিলে
2. মম্প নিজকে কেতিয়াবা গ্লেমাৰ গাৰ্ল	উঠিম বুলি ভাবোঁ
3. তেওঁ বিহুৰ পাছত কলিকতালৈ	বুলি ভাবিছিলোঁ
4. অসমখন স্পমান ধুনীয়া ঠাম্প বুলি মম্প কেতিয়াও	বুলি ভবা নাছিলোঁ
5. মম্প কেতিয়াবা নিৰ্বাচনত	ভবা নাছিলোঁ

V. তলত দিয়া উদাহৰণ অনুসৰি দুটা বাক্য লগ লগাম্প এটা কৰক।

উদাহৰণঃ

মম্প ঘৰলৈ আহি আছিলোঁ। এনেতে এটা দুৰ্ঘটনা ঘটিল।

→ মম্প ঘৰলৈ আহি থাকোঁতে এটা দুৰ্ঘটনা ঘটিল।

1. হেমা কলেজত পঢ়ি আছিল। সেম্প সময়তে চিনেমাত নামিবলৈ সুযোগ পালে।
2. হেমাম্প নলবাৰী কলেজত পঢ়িছিল। তেতিয়াম্প 'গ্লেমাৰ গাৰ্ল' শব্দটো শুনিছিল।
3. মম্প ভাত খাম্প আছিলোঁ। এনেতে লাম্পট গ'ল।
4. তম্প তেতিয়া ১ম মানত। সেম্প বছৰত দেউতাৰ ঢুকায়।
5. খবৰ কাগজখন পঢ়ি আছোঁ। কেতিয়াবা আপুনি আহিল।

VI. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া প্ৰতিটো বাক্য ভাঙি প্ৰয়োজনীয় শব্দৰ ব্যৱহাৰেৰে দুটাকৈ অৰ্থসূচক বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

উদাহৰণঃ

হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ পোৱাটো মম্প মোৰ সৌভাগ্য বুলি ভাবোঁ।

→ মম্প হাজৰিকাৰ লগত কাম কৰিবলৈ পাম্পছিলোঁ। সেম্পটো মোৰ সৌভাগ্য বুলি ভাবোঁ।

1. মম্প অসমৰ বোলছবি আলোচনী ‘পূবালী’ৰ পাঠকৰ কাৰণে আপোনাৰ ঐ্া সাক্ষাৎকাৰ লব খুজিছোঁ।
2. কল্পনা লাজমীৰ ‘দমন’ত আপোনাক সাম্পলাখ অসমীয়া বোৱাৰীৰ দৰে লাগিছিল।
3. অসমৰ কেঁচা সোণ-বৰণীয়া মুগাৰ মেখেলা চাদৰ ভাৰতৰ ক’তো পোৱা নাযায়।
4. অসমত বহুতো ভাল ঠাম্প থকা স্বত্বেও পৰিচালক সকল বাহিৰলৈ যায় কিয়?

VII. তলৰ জঁকাোক আশ্ৰয় কৰি পাঠৰ আৰ্হিত ঐ্া সাক্ষাৎকাৰ লিখা।

অমিতাভ : ভালে আছোঁ -- ৰাজীবৰ লগত দুন স্কুলত পঢ়িছিলোঁ -- কলেজৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠানত ভাগ লৈছিলোঁ -- পুৰস্কাৰ পাম্পছিলোঁ -- নেহেৰু খুৰাৰ লগত ৰাজকাপুৰ তালৈ আহিছিল -- ঋষি মোতকৈ এক শ্ৰেণী তলত আছিল -- তেওঁ প্ৰথম চিনেমালৈ নিলে -- বহুত ছবি কৰিলোঁ -- ৰাজীবৰ কাৰণে এম.পি.ও হলোঁ -- মম্প ৰাজনীতিত ফেম্পল। চিনেমাত গীত গাম্পছোঁ -- পৰিচালনা নকৰোঁ।

প্ৰতিনিধি : আপোনাৰ পঢ়া শুনা -- বন্ধু -- চিনেমালৈ কোনে নিয়ে -- ঋষিক চিনি পায় নে -- কিমান ছবি কৰিলে -- হিঁ হ’ল -- তাৰ মূল অনুপ্ৰেৰণা কোন -- ৰাজনীতি কেনে লাগিল -- গীত গাব নেকি -- নে পৰিচালক হব?

পঢ়ক আৰু বুজি লওক **(I)**

অধ্যাপকৰ কথা

এজন অধ্যাপকৰ কথা কওঁ শুনা। তেওঁ বৰ সহজ সৰল ব্যক্তি। কেতিয়াও ্ান কথা নকয়। যিদিনা তেওঁৰ ক্লাচ থাকে, সেম্পদিনা লৰাহঁতৰ বৰ স্ফূৰ্তি। সিহঁতে ক্লাচত হাজিৰা দিয়েম্প গুচি যায়। এম্প কথাত অধ্যাপকৰ খং উঠিলেও কাকো একো নকয়। কেবল নিজে নিজে ভোৰ

ভোৰাম্প থাকে। এদিন তেওঁৰ বক্তৃতা শুনি এজন ছাত্ৰম্প কলে, 'চাৰ, আপুনি যিবিলাক কথা কয়, সেম্পবিলাক এখন কাণেৰে সোমাম্প আনখনেৰে ওলাম্প গুচি যায়।' ছাত্ৰজনৰ কথা শুনি অধ্যাপকে কলে, 'এৰা যাবতো! মাজখণ্ডত তঁহতৰ কিবা থাকিলেহে।' অধ্যাপকৰ ব্যংগোক্তি শুনি সিহঁতে লাজতে াপ মাৰিলে।

আন এ্ঠি ঘ্টনা। অধ্যাপক মহাশয় আৰু দুজনমান অধ্যাপকৰ সৈতে কমন ৰুমত বহি আছে। এজনে ৰতন নামৰ পিয়নজনক মাতিলে। ৰতন অহা দেখি অধ্যাপকজনে পে্ৰ্ৰ জেপত হাত সুমুৱালে। পে্ৰ্ৰ পকে্ৰ পৰা চিঠি এখন আনি চোলাৰ জেপত থলে। আন কেম্পজনমান অধ্যাপকে সেম্প কথা লক্ষ্য কৰি আছিল। ৰ'ব নোৱাৰি এজন অধ্যাপকে সুধিলে, 'চাৰ, চিঠিখননো কিয় পে্ৰ্ৰ জেপৰ পৰা চোলাৰ জেপত থলে।' তেওঁ উত্তৰ দিলে, 'অলপ আগবঢ়াম্প থৈছোঁ ৰবা। এম্পখন পৰহিয়ে শ্ৰীমতীয়ে ডাকত দিবলৈ কৈছিল। ৰতন আহোঁতেহে কথা্টো মনত পৰিল। সেয়ে অলপ আগুৱাম্প থলোঁ।'

এম্প অধ্যাপকজন বৃদ্ধ হলেও আধুনিক চিন্তাধাৰা সম্পন্ন আছিল। 'ফিৰিঙ্তি' চিনেমাম্প ৰাষ্ট্ৰীয় পুৰস্কাৰ পাবৰ দিনা তেওঁৰ বৰ আনন্দ। সিদিনা শ্ৰেণীলৈ গৈ এ্টা বক্তৃতাম্প দিলে। 'বোপাম্পহঁত, আজি আমাৰ বৰ আনন্দৰ দিন। ভাৰতবৰ্ষৰ দ্বিতীয়খন সবাক চলচিত্ৰ নিৰ্মাতা জ্যোতিপ্ৰসাদৰ সপোন আজি সাৰ্থক হৈছে। 'জয়মতী' ওলাওঁতে আমাৰ গাত তত নোহোৱা হৈছিল। আজি 'ফিৰিঙতি'য়ে দু্টাকৈ ৰাষ্ট্ৰীয় পুৰস্কাৰ পাওঁতে তোমালোকৰ অন্তৰত পুলক জগা নাম্পনে? মলয়া গোস্বামীৰ অভিনয় সঁচাকৈয়ে ভাল। নিৰুপা, মীনাকুমাৰী, সুচিত্ৰাৰ অভিনয়তকৈ কোনো গুণে কম নহয়। তেওঁ শ্ৰেষ্ঠ অভিনেত্ৰীৰ সৰ্বভাৰতীয় পুৰস্কাৰ পোৱাত অসমীয়া হিচাপে আমি আনন্দিত।' এজন ছাত্ৰম্প মাজতে প্ৰশ্ন কৰিলে, 'চাৰ আপুনি এ্টাম্পকেম্পখন অসমীয়া কথাছবি চাম্পছে নেকি?' তেওঁ কলে, 'নাম্প চোৱা'। আন এজনে সুধিলে, 'চাৰ আপুনি চিনেমা চাওঁতে সংলাপলৈ মন কৰে নে গীতলৈ?' তেওঁ বিৰক্ত হৈ কলে, 'তোমালোকে মোৰ সাক্ষাৎকাৰ লব খুজিছা নেকি?'

এজনী ছোৱালীয়ে সুধিলে -- ‘চাৰ, আজি নহলে ছুঁয়িেম্প দি দিয়ক।’ অধ্যাপকজনে ছোৱালীজনীলৈ চালে। তেওঁ কোঠাৗেত দুবাৰমান পাম্পচাৰি কৰিলে আৰু শেষত চকীখনত বহিল। তেওঁ কবলৈ আৰম্ভ কৰিলে -- ‘তোমালোক যে খুউব প্ৰতিভাবান তাত কোনো সন্দেহ নাম্প। কিন্তু এম্পৗে ভাবিয়ে মোৰ দুখ লাগিছে যে জাতিৰ গৌৰৱত আনন্দ কৰিব পৰাকৈও তোমালোকৰ সৎসাহস নাম্প। জাতিৰ ঐতিহ্য, গৌৰৱ, সংস্কৃতি আমি নিজেম্প সংৰক্ষণ কৰিবলৈ সুদূৰপ্ৰসাৰী পদক্ষেপ নললে আন কোনে লব? প্ৰকৃত অৰ্থত তোমালোকেম্প দেশৰ ভবিষ্যৎ, আশা-ভৰসা।’

অধ্যাপকৰ কথা শুনি সকলোৱে তলমূৰ কৰিলে। এজনে থিয় হৈ কলে -- ‘চাৰ, আমাক ক্ষমা কৰি দিয়ক, আমাৰ ভুল হৈছিল।’ অধ্যাপকজনে সকলোকে ক্ষমা কৰিলে আৰু সকলোৱে তেওঁৰ ক্লাচত উপস্থিত থকাৰ সংকল্প ললে।

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
কওঁ	कहता हूँ
স্ফুৰ্তি	स्फूर्ति
হাজিৰা	उपस्थिति
গুচি যায়	चला जाता है
এনে	ऐसा
কাকো	किसी को
ভোৰভোৰাম্প	बुद-बुदाकर
ওলাম্প	निकल जाता है
যাবতো	जाएगा तो
থাকিলেহে	रहने पर

ব্যংগোক্তি
োপ মাৰিলে
চোলাৰ জেপ
বুকুৰ জেপত
থলে
ৰব নোৱাৰি
আগ বঢ়াম্প
হৈছোঁ
ডাকত
অলপমান
দূৰৈত
ফিৰিঙতি
বক্তৃতা
বোপাম্পহঁত
সবাক
সপোন
তত নোহোৱা
পুলক
সংলাপ
মন কৰে
পাম্পচাৰি কৰা
প্ৰতিভাৱান

व्यंग्योक्ति
चुप रहा
कुर्ते की, निचली जेब में
ऊपर की जेब में
रखें
रुक न पाना
आगे बढ़ाकर
रखा है
डाक में
थोड़ा सा
दूरी पर
स्फुलिंग
भाषण
बच्चे
सवाक्, बोलने वाला
स्वप्न
धीरज न रहना
पुलक
संलाप
ध्यान देते हैं
धूमना-फिरना
प्रतिभावान
साहस
खड़े होकर

সৎ সাহস

থিয় হৈ

তলমূৰ

সংকল্প

ঐতিহ্য

সুদূৰপ্ৰসাৰী

আশা-ভৰসা

सिर झुकाना

संकल्प

विरासत

स्थायी प्रभावशाली

आशा-भरोसा

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (II)

দিনাংক : 30 নবেম্বৰ, 2004

তেজপুৰ

প্ৰতি

মূৰব্বী প্ৰাধ্যাপক

সংস্কৃতি অধ্যয়ন বিভাগ

তেজপুৰ বিশ্ববিদ্যালয়

বিষয় : পাঁচ দিনৰ ছুটি বিচাৰি আবেদন।

মহোদয়,

বিনীত নিবেদন এই যে মই শান্তিনিকেতনত অনুষ্ঠিত হ'বলগীয়া সৃজনীমূলক লিখনিৰ কৰ্মশালা এখনত ভাগ লবৰ বাবে ক'লকাতালৈ যাম। গতিকে মই অহা 2 ডিচেম্বৰ, 2004 ৰ পৰা 6 ডিচেম্বৰ, 2004 লৈ শ্ৰেণীকোঠাত উপস্থিত থাকিব নোৱাৰিম। গতিকে দয়ালু মহোদয়ক এই কেইদিনৰ ছুটি মঞ্জুৰ কৰিবলৈ অনুৰোধ জনালোঁ।

দয়ালু মহোদয়ৰ ওচৰত এয়ে মোৰ সৰল গোহাৰি।

শ্পতি

আপোনাৰ একান্ত বাধ্য ছাত্ৰ

বিদ্যুৎ বড়ো

ৰোল নম্বৰ - **CT/02/17**

সংস্কৃতি অধ্যয়ন বিভাগ

তেজপুৰ বিশ্ববিদ্যালয়

नये शब्द

असमिया शब्द	हिन्दी अर्थ
মূৰব্বী	मुखिया, प्रधान
প্ৰাধ্যাপক	प्राध्यापक
অধ্যয়ন	अध्ययन
বিভাগ	विभाग
আবেদন	आवेदन
দিনাংক	दिनांक
বিনীত	विनीत
নিবেদন	निवेदन
সৃজনীমূলক	सृजनमूलक
কৰ্মশালা	कार्यशाला
দয়ালু	दयालु
মঞ্জুৰ	मंजूर
সৰল	सरल
	प्रार्थना

গোহাৰি	একাংত
একান্ত	আজ্ঞাকারী
বাধ্য	

अभ्यास

I. ঐা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. অধ্যাপকজনৰ বিষয়ে কমেও চাৰিশাৰী লিখক।
2. কমনৰুমত ঘা ঘনাোৰ বিষয়ে লিখক।
3. পাঠৰ আলম লৈ অসমীয়া চিনেমাৰ ওপৰত ঐা ৌকা লিখক।

II. তলত দিয়া শব্দৰ সমাৰ্থক শব্দ উলিয়াম্প সেম্পবিলাকৰ প্ৰয়োগেৰে বাক্য ৰচনা কৰক।

কিয়	কেনি
খৰকৈ	বোলছবি
বাবে	বোপাম্পইঁত
আগবঢ়াম্প	দিগদাৰি

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

অসমৰ হস্ত-তাঁত শিল্প

শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱৰ সময়তে অসমীয়া শিপিনীয়ে বৈ উলিওৱা এশ বিছ হাত দীঘল বৃন্দাবনী বস্ত্ৰ অসমৰ হস্ত তাঁত শিল্পৰ ঐতিহ্যৰ উৎকৃষ্ট উদাহৰণ। অসমীয়া বুৰঞ্জীৰ মতে অসমীয়া তিৰোতাম্প একে ৰাতিৰ ভিতৰতে সুতা কাঁটি কবচ কাপোৰ বৈ উলিয়াম্প প্ৰিয়জনক পিন্ধাম্প যুদ্ধলৈ পঠিয়াম্পছিল। জাতিৰ পিতা মহাত্মা গান্ধীয়েও *বিদেশী বস্ত্ৰ*

বৰ্জন আন্দোলনৰ সময়ত অসমীয়া শিপিনীৰ প্ৰতিভা উপলব্ধি কৰিব পাৰিছিল। অসমীয়া শিপিনীৰ তাঁতৰ পাতত সপোন ৰচিব পৰা ক্ষমতাত তেওঁ মুগ্ধ হৈছিল। আজিও অসমত মহিলাসকল নিজৰ প্ৰয়োজনীয় বস্ত্ৰ তাঁতত বৈ লোৱাৰ পৰম্পৰা অব্যাহত আছে। সাধাৰণতে মাকে জীয়েকহঁতক বোৱাকটাৰ কাম শিকিবলৈ অনুপ্ৰাণিত কৰে। আজিও অসমৰ বিভিন্ন ঠাইসমূহত বিশেষকৈ গাওঁ অঞ্চলত, দোৰ্পতিৰ খটখটনি শুনিবলৈ পোৱা যায়।

অতীজৰে পৰা অসম বিভিন্ন ৰেচম শিল্পৰ বাবে বিখ্যাত। আজিকালি কৰ্ণাটক আৰু কাশ্মীৰৰ পৰা পাট-সূতা অসমলৈ আমদানি কৰা হয় যদিও অসমত উৎপাদিত পাট-সূতাৰ নিজস্ব বৈশিষ্ট্য আছে। ইয়াৰ উপৰিও অসমত স্থানীয়ভাবে উৎপাদন কৰা মুগা আৰু এৰি সূতা সমগ্ৰ ভাৰততে দুৰ্লভ। পলু পোহাৰ পৰা লৈ বখলিয়াসকল সূতা উৎপাদন কৰালৈকে সমস্ত কামত অসমীয়া শিপিনীৰ নিপনতাৰ তুলনা নাই।

অসমৰ কামৰূপ জিলাৰ শুৱালকুছি অঞ্চল পাট-মুগা শিল্পৰ বাবে অসমতে নহয়, সমগ্ৰ ভাৰততে বিখ্যাত। কেচাঁ সোণবৰণীয়া মুগা ৰেচম ভাৰতৰ ভিতৰত কেৱল অসমতে উৎপন্ন হোৱাত বজাৰত ইয়াৰ বিশেষ আদৰ আছে। অসমৰ পাট-মুগাৰ ৰেচমৰ পৰা মেখেলা, চাদৰ, ৰিহা, চেলেং আদি তৈয়াৰ কৰাৰ দৰে এৰি ৰেচমৰ পৰা এৰীয়া চাদৰ, কোটচোলা আদি তৈয়াৰ কৰা কৌশলত অসমীয়া শিপিনী সচাঁকৈয়ে আগবঢ়া।

প্ৰতিদিনে বাঢ়ি অহা বস্ত্ৰ উদ্যোগৰ ক্ষেত্ৰখনত অসমীয়া শিপিনীৰ স্থান আজি চকুত লগা। বস্ত্ৰ উৎপাদনত দেখুওৱা উদ্ভাবনীয় ক্ষমতাৰ বাবে অসমীয়া শিপিনীয়ে ভাৰতীয় বস্ত্ৰ উদ্যোগত নিজৰ স্থান নিগাজি কৰিবলৈ সক্ষম হৈছে।

IV. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

होली रंगों का त्योहार है। इस समय पूरी धरती पर वसंत के फूलों की बहार छाई रहती है। होली के रंग इसे और भी रंगीन बना देते हैं। हर साल फागुन-पूर्णिमा को होली मनाई जाती है। इस दिन रात को होलिका या होलीदहन होता है।

होलिका दहन प्रतीकात्मक है। इस संबंध में भक्त प्रह्लाद की कथा प्रचलित है। हरिण्य कश्यपु एक अत्याचारी राजा था। वह स्वयं को ईश्वर मानता था। उसने अन्य किसी भी देवता की पूजा-आराधना पर प्रतिबंध लगा दिया था। लेकिन उसका ही पुत्र प्रह्लाद विष्णु की आराधना - पूजा करता था। हरिण्य कश्यपु ने उसे ऐसा न करने का आदेश दिया किन्तु प्रह्लाद ने अपनी पूजा-आराधना नहीं छोड़ी। राजा इतना क्रुद्ध हो गया कि उसने प्रह्लाद को मार डालने का निश्चय कर लिया। उसने अपनी बहन होलिका को राजी कर लिया कि वह ईंधन-लकड़ी के ढेर पर प्रह्लाद को गोद में लेकर बैठेगी। बाद में लकड़ी के ढेर में आग लगा दी जाएगी। उस आग में प्रह्लाद जल जाएग़ा। होलिका का कुछ नहीं बिगड़ेगा। उसे वरदान मिला था कि आग उसे जला नहीं सकती।

योजना के अनुसार लकड़ी का एक बड़ा ढेर लगाया गया। उस ढेर पर होलिका बैठ गई। प्रह्लाद को पकड़कर उसने गोद में बैठा लिया। उधर लकड़ियों में आग लगा दी गई। आदेश के अनुसार ढोल-नगाड़े बजाए जाने लगे। लोग नाचने-कूदने लगे। लेकिन यह क्या? आग होलिका को जलाने लगी। उसने चिल्ला-चिल्लाकर कहा -- बचाओ! बचाओ! लेकिन ढोल-नगाड़े के शोर में उसकी आवाज किसी ने न सुनी। होलिका आग में जल मरी। प्रह्लाद का बाल बाँका भी नहीं हुआ। असत्य पर सत्य की जीत हुई। इसी की याद में हर साल होली का पर्व मनाया जाता है।

होली की तैयारी काफी पहले से शुरु हो जाती है। जगह-जगह लकड़ी आदि जमा की जाती है। दुकानें रंग-गुलाल-पिचकारियों से सज जाती हैं। होली पर घरों में पकवान बनाए जाते हैं। बच्चे नये कपड़े पहनते हैं। स्त्री-पुरुष शाम को होली की पूजा करते हैं। चारों ओर गाने-बजाने का महौल रहता है। देर रात होली जलाई जाती है।

दूसरे दिन घुरेंडी मनाई जाती है। सुबह से रंग-गुलाल का सिलसिला शुरु हो जाता है। सब एक दूसरे को होली की शुभकामनाएँ देते हैं। गुलाल लगाते हैं और कहते हैं -- बुरा न मानो होली है। इस दिन छोटे-बड़े, अमीर-गरीब का भेद मिट जाता है। रंगों में नहाए बच्चों को देख-देखकर लोग खुश होते हैं। बच्चे भी हर किसी को पिचकारियों से रंग देते हैं। वे चिल्ला-चिल्लाकर कहते हैं -- बुरा न मानो होली हैं। 'आज बिरज में होली रे रसिया' जैसे होली गीत हवाओं में तैरने लगते हैं।

V. **(i)** আপোনাৰ কাৰ্য্যালয়ৰৰ মূৰব্বীলৈ ঘৰুৱা অসুবিধাৰ বাবে এসপ্তাহৰ ছুটি বিচাৰি এখন আবেদন লিখক।

(ii) আপোনাৰ নিজ অঞ্চলৰ এটা উৎসৱৰ বিষয়ে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. **'-ম্প'** যুক্ত অসমাপিকা ক্ৰিয়াৰ যোগে বাক্য গঠনৰ দৃঢ়ীকৰণ : এম্প পাঠত '-ম্প' যুক্ত ক্ৰিয়া পদৰ ব্যৱহাৰৰ যোগে একে কৰ্তাম্প কৰা দুটা ক্ৰিয়াৰ সংযোগ পুনৰ দেখুওৱা হৈছে। ম্পয়াৰ দ্বিত্ব প্ৰয়োগৰ যোগে অসমাপিকা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য বাৰে বাৰে সংঘটিত হোৱা বুজোৱা হয়। যেনে --

   (i) সাক্ষাৎকাৰ দি দি ভাগৰি পৰিছে।

   (ii) নিৰামিষ খাম্প খাম্প আমনি লাগিছে।

   (i) ত 'দিয়া' কাৰ্য আৰু **(ii)** ত 'খোৱা' কাৰ্য্য বাৰে বাৰে সংঘটিত হৈছে।

2. ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ দৃঢ়ীকৰণ : এম্প পাঠত ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য পদৰ ব্যৱহাৰ দৃঢ় কৰা হৈছে। আগতে কোৱা হৈছে যে ধাতুত '-আ' যোগ কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। ম্পয়াৰ পাছত অন্য কাৰক বিভক্তি যুক্ত হব পাৰে। নিৰ্দিষ্টভাৱে উল্লেখ কৰিব লাগিলে এনে পদত '-টো' যোগ কৰা হয়। যেনে --

দি	+	-আ		=	দিয়া
থাক	+	-আ		=	থকা
কৰ	+	-আ	+ -টো	=	কৰাটো
পাৰ	+	-আ	+ -টো	=	পৰাটো
ন	+	-হ	+ -আ	=	নোহোৱা

মন কৰিবলগীয়া যে '-আ' যোগ কৰিলে ব্যঞ্জনান্ত ধাতুৰ পূৰ্বৰ অক্ষৰত থকা '-আ' ধ্বনি '-অ' লৈ পৰিবৰ্তিত হয় আৰু -অকাৰান্ত ধাতু -ওকাৰান্ত হয়।

পাঠ
पाठ **22**

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা

মি. পাল : নমস্কাৰ মহাশয়। আমি গুৱাহাটী দূৰদৰ্শনৰ তৰফৰ পৰা আহিছোঁ।

ডা. নেওগ : আহক, আহক! ফুলনিতে বহোঁ।

মি. পাল : আপুনি লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ ওপৰত কিতাপ এখন লিখি পুৰস্কাৰ পাম্পছে। আপুনি আমাৰ দৰ্শকক বেজবৰুৱাৰ লগত পৰিচয় কৰি দিবনে?

ডা. নেওগ : লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা অসমৰ এজন মূধাফুৃ।া সাহিত্যিক। তেখেতে নিজেম্প উল্লেখ কৰা মতে ১৮৬৮ চনত তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহৈ নৌকাষ্ঠ হয়। তেওঁৰ জন্মৰ কিছুদিন আগতে দেউতাক ডিবৰুৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ বদলি হয়।

তেওঁলোক সপৰিয়ালে

मि. पाल : नमस्कार महाशय। हम गुवाहाटी दूरदर्शन की तरफ से आए हैं।

डॉ. नेओग : आइए, आइए, बगीचे में ही बैठें।

मि. पाल : लक्ष्मीनाथ बेजबरुवा पर लिखी किताब पर आपको पुरस्कार मिला है। क्या आप हमारे दर्शकों का परिचय बेजबरुवाजी के व्यक्तित्व और कृतित्व से करा सकेंगे?

डॉ. नेओग : बेजबरुवाजी असम के मूर्धन्य साहित्यकार हैं। उनका जन्म उन्हीं के मुताबिक 1868 ई. में जमीन पर न होकर नाव पर हुआ था। उनके जन्म के कुछदिन पहले उनके पिताजी का स्थानांतरण डिबरु से गुवाहाटी हुआ था। नाव से आते समय उनका जन्म ब्रह्मपुत्र के बीच हुआ था।

नौकाৰে আহি থাকোঁতে ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত তেওঁৰ জন্ম হয়।

মি. পাল : যেতিয়া লক্ষ্মীনাথৰ জন্ম হয়, তেতিয়া অসম বৃঁছিৰ অধীন আছিল। যেতিয়া তেওঁ বিদ্যাৰম্ভ কৰে, তেতিয়া পঢ়াশালিত কি ভাষা চলিছিল?

ডা. নেওগ : তেতিয়া কেৱল পঢ়াশালিতে নহয়, কছাৰীতো বাংলা ভাষাহে চলিছিল। তেওঁ অসমীয়া ভাষাৰ পুনৰ সংস্থাপনৰ বাবে অহো পুৰুষাৰ্থ কৰিছিল।

মি. পাল : কলেজীয়া শিক্ষা তেওঁ ক'ত লাভ কৰিছিল?

ডা. নেওগ : তেওঁ এণ্ট্ৰেন্স পাছ কৰিলত দেউতাকে কলেজীয়া শিক্ষা লাভৰ কাৰণে তেওঁক কলিকতা লৈ পঠিয়ায়। কলিকতাত পঢ়ি থাকোঁতে তেওঁ চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালাহঁতৰ লগ লাগি "অসমীয়া ভাষাৰ উন্নতি সাধিনী

मि. पाल : लक्ष्मीनाथ जी का जब जन्म हुआ था, तब असम भी अंग्रेज़ों के अधीन था। उस समय स्कूलों में कौन कौन सी भाषाएँ पढ़ाई जाती थीं?

डॉ. नेओग : तब केवल पाठशालाओं में ही नहीं, कचारियों में भी बंगला भाषा ही चलती थी। उन्होंने असमिया भाषा की पुनर्प्रतिष्ठा के लिए महान कार्य किया था।

मि. पाल : उच्च शिक्षा उन्होंने कहाँ प्राप्त की थी?

डॉ. नेओग : एँट्रेंस परीक्षा उत्तीर्ण करने पर उनके पिताजी ने उन्हें उच्च शिक्षा के लिए कलकत्ता भेजा था। कलकत्ते में पढ़ते समय ही उन्होंने "असमिया भाषार उन्नति साधिनी सभा" (असमिया भाषा की उन्नति करनेवाली सभा) की स्थापना की थी। यही सभा आगे चलकर असम साहित्य सभा के

रूप में परिणत हो गई।

সভা” প্ৰতিষ্ঠা কৰে। এম্প সভাম্প পিছত **1971** চনত *অসম*

*সাহিত্য সভা*লৈ মৌ সলায়।

মি. পাল : তেওঁ যদি গুৰি নধৰিলেহেঁতেন অ.ভা.উ.সা. বৰ্তি নাথাকিল- হেঁতেন। তেওঁ হেনো এখন আলোচনীও উলিয়াম্পছিল।

ডা. নেওগ : হয়, তেওঁ *বাঁহী* নামৰ এখন আলোচনীও উলিয়াম্পছিল। যদি *বাঁহী* নোলালহেঁতেন, বহুজন অসমীয়া লিখকৰ জন্মম্প নহ'ল হেঁতেন।

মি. পাল : এতিয়া আমি তেওঁৰ বৈবাহিক জীৱনৰ বিষয়ে দু'ষাৰ শুনোচোন।

ডা. নেওগ : যিহেতু তেওঁ সাহিত্য চৰ্চা কৰিছিল, কলিকতাৰ ঠাকুৰ পৰিয়ালৰ লগত তেওঁৰ ঘনিষ্ঠ সম্পৰ্ক হৈছিল। তেওঁ ঠাকুৰ পৰিয়ালৰ শ্ৰীমতী প্ৰজ্ঞা সুন্দৰী

मि. पाल : अगर उन्होंने उस सभा की जड़ें मजबूत न की होतीं तो अ.भा.उ.सां. सभा जीवित नहीं रहती। सुना है उन्होंने एक पत्रिका भी निकाली थी?

डॉ. नेओग : जी हाँ, उन्होंने *बाँही* (वंशी) नामक एक पत्रिका भी निकाली थी। बाँही का प्रकाशन अगर नहीं होता तो अनेक असमिया लेखकों का जन्म भी नहीं होता।

मि. पाल : कृपया अब उन के वैवाहिक जीवन के संबंध में भी कुछ बताइए।

डॉ. नेओग : चूँकि वे साहित्य में भाग लेते थे इसलिए कलकत्ते के ठाकुर परिवार के साथ उनके घनिष्ठ संबंध हो गए थे। उन्होंने ठाकुर परिवार की श्रीमती प्रज्ञा सुंदरी देवी से शादी की थी। इस तरह उन्होंने असम-बंगाल के बीच सौहार्द्र-सेतु का काम किया था।

मि. पाल : सुना है उन्होंने लकड़ी का

দেৱীক বিয়া কৰাম্পছিল। এনেকৈ তেওঁ অসম-বেঙ্গলৰ মাজত

সৌহার্দ্যৰ সেতু বান্ধিছিল।

व्यवसाय भी किया था?

मि. पाल : तेওঁ হেনো কাঠৰ ব্যৱসায়ো কৰিছিল। সঁচানে বাৰু?

ডা. নেওগ : হয়, তেওঁ সম্বলপুৰত থাকি কাঠৰ কাৰবাৰ কৰিছিল। তেওঁ একেধাৰে ব্যৱসায়ী, কবি, গল্পকাৰ, সাংবাদিক আৰু সমাজকৰ্মী আছিল। মানুহে যদিও তেওঁক *ৰসৰাজ* বোলে, তেওঁ কেৱল ৰসৰাজেম্প নহয়, তেওঁ অসমীয়াৰ মহান সাহিত্যৰথীও।

डॉ. नेओग : हाँ, उन्होंने संबलपुर में रहकर लकड़ी का व्यवसाय किया था। वे एक साथ व्यवसायी, कवि, कहानीकार, पत्रकार तथा समाज सेवक थे। लोग यद्यपि उन्हें *रसराज* कहते हैं तथापि वे केवल रसराज ही नहीं थे। वे असमिया के महान साहित्यकार भी थे।

मि. पाल : তেওঁ বহু কবিতাৰ উপৰিও বহুতো গীতি-কবিতা ৰচনা কৰি থৈ গৈছে। এম্প বিষয়ে আপুনি কিবা মতামত দিব খোজে

मि. पाल : उन्होंने कविताओं के साथ बहुत सारे गीत भी लिखे हैं। इस के बारे में आप कुछ बताएँगे क्या?

डॉ. नेओग : बेजबरुवा एक सिद्ध-हस्त गीतकार भी थे। उन्होंने असम के जातीय संगीत की रचना की है। जैसे,

ओ! मेरे अपने देश
ओ! मेरे सुंदरतम देश
इतने मधुर
इतने सुफला

ओ! मेरे सर्व प्रिय देश!

इसके अलावा उनके द्वारा लिखित एक अन्य गीत को

নেকি?

ডা. নেওগ : বেজবৰুৱা এজন ওখখাপৰ গীতিকবি আছিল। অসমৰ যিঁটো ‘জাতীয় সংগীত’ সেম্পটো বেজ-বৰুৱাম্প ৰচনা কৰা। সেম্পটো হল--

অ’ মোৰ আপোনাৰ দেশ

অ’ মোৰ চিকুণী দেশ

এনেখন সুৰলা

এনেখন সুফলা

এনেখন মৰমৰ দেশ....

স্পয়াৰ উপৰিও তেখেতৰ আন ঐটা গীতক ‘অসম সংগীত’ বুলি কোৱা হয়।

মি. পাল : চাৰ, অনুগ্ৰহ কৰি ‘অসম সংগীত’টো অলপমান গাম্প দিব নেকি?

ডা. নেওগ : নিশ্চয়, নিশ্চয়... প্ৰথমতে তেওঁ কৈছে --

আমি অসমীয়া, নহওঁ দুখীয়া

কিহৰ দুখীয়া হ’ম;

‘असम-संगीत’ की मान्यता प्राप्त है।

मि. पाल : उस संगीत का भी थोड़ा परिचय दे सकेंगे क्या?

डॉ. नेओग : ज़रूर, ज़रूर! उनके गीत की पहली पंक्तियाँ हैं :-

हम असमिया, कभी न होंगे दुखिया
किसके लिए होंगे दुखिया
सब कुछ था, सब कुछ है
पर इस सबसे बेभान हम।

अंत में वे कहते हैं --

बजने दो नगाड़े, बजने दे शंख
बजने दो खोल याकि मृदंग
असम फिर उन्नति पथ पर
जय आई असम बोल।

मि. पाल : आपके साथ बातें कर हमें बहुत सारी बातों की जानकारी मिली।

आपसे हमारे दर्शक भी बहुत सारी बातें जान सके। दूरदर्शन और मेरी तरफ से आपका बहुत बहुत धन्यवाद।

সকলো আছিল, সকলো আছে

নুশুনোঁ নলওঁ গম।

শেষত তেওঁ কৈছে ......

বাজক ডবা বাজক শংখ

বাজক মৃদংগ খোল;

অসম আকৌ উন্নতিৰ পথত

জয় আম্প অসম বোল।

মি. পাল : আপোনাৰ লগত কথা পাতি আজি আমি বহুত কথা

জানিলোঁ। দৰ্শকেও আজি বহুত কথা জানিব পাৰিলে। দূৰদৰ্শন আৰু মোৰ নিজৰ তৰফৰ পৰা আপোনাক শলাগ জনালোঁ। নমস্কাৰ।

ডা. নেওগ : নমস্কাৰ।

डॉ. नेओग : नमस्कार।

শব্দাৰ্থ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
দূৰদৰ্শন	दूरदर्शन
তৰফ	तरफ
ফুলনি	फूलों का बगीचा
দৰ্শন	दर्शन
মূধাফুঁা	मूर्धन्य, धुरंधर
নহৈ	न होकर
আগতে	पहले
বদলি	बदली, स्थानांतरण
নৌকাৰে	नाव से
আহি থাকোঁতে	आते समय
বুকুত	वक्ष पर, के बीच
জন্ম	जन्म
অধীনত	के अधीन में
পঢ়াশালি	पाठशाला
চলিছিল	प्रचलित था
পুনৰ	पुनः
সংস্থাপন	संस्थापना
আহোপুৰুষাৰ্থ	पुरुषार्थ, उद्योग
কৰিলত	करने पर
উচ্চ শিক্ষা	उच्च शिक्षा
লাভৰ কাৰণে	लाभ के लिए
পঠিয়ায়	भेजते हैं
পঢ়ি থাকোঁতে	पढ़ते समय
	उन्नति

উন্নতি

সাধিনী

সভা

প্ৰতিষ্ঠা

মৌ সলায়

গুৰি

বৰ্তি

আলোচনী

বাঁহী

লিখক

বৈবাহিক

দু-আষাৰ

যিহেতু

ঘনিষ্ঠ

বিয়া কৰাম্পছিল

সৌহাৰ্দ্যৰ

কাঠৰ

কাৰবাৰ

একেধাৰে

ব্যৱসায়ী

কবি

গল্পকাৰ

সাংবাদিক

সমাজকৰ্মী

ৰসৰাজ

साधिनी (उन्नति करनेवाली)

सभा

प्रतिष्ठा

रूप बदलता है

जड़

जीवित

पत्रिका

वंशी, बाँसुरी

लेखक

वैवाहिक, विवाह सबंधी

दो बातें

चूँकि

घनिष्ठ

शादी की थी

सौहार्द्र

लकड़ी का

व्यवसाय

एक ही साथ

व्यवसायी

कवि

कहानीकार

पत्रकार

समाज सेवक

रसराज

महान

साहित्यकार

মহান	गीत-कविता
সাহিত্যৰথী	गीतकार
গীতিকবিতা	टिप्पणी
গীতিকবি	सबसे सुंदर
মতামত	सुनने में मधुर
চিকুণী	फल-फूल से भरा हुआ
সুৰলা	
সুফলা	

অভ্যাস

I. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য সলনি কৰক।

উদাহৰণঃ

(ক) তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহ'ল, নৌকাষ্ঠ হ'ল।

→ তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহৈ নৌকাষ্ঠ হ'ল।

1. তেওঁ শিৱসাগৰলৈ নগ'ল, ডিব্ৰুগড়লৈ গ'ল।
2. তেওঁ ভাত নাখালে, ৰুটি খালে।
3. মই চিনেমা নাচালোঁ, চাৰ্কাচ চালোঁ।
4. তুমি কাম নকৰিলা, শুই থাকিলা।
5. মই কিতাপ মন নপঢ়িলোঁ, ঘূৰাই দিলোঁ।

(খ) মই যেতিয়া পঢ়োঁ, তেতিয়া কথা নাপাতোঁ।

→ মই পঢ়োঁতে কথা নাপাতোঁ।

1. মই যেতিয়া পুৰীলৈ গৈছিলোঁ, তেতিয়া সাগৰ দেখিছিলোঁ।

2. মই যেতিয়া পাহাৰৰ থিয় গড়া এটা বগাইছিলোঁ, তেতিয়া তলত পৰি গৈছিলোঁ।
3. তেওঁ যেতিয়া কাৰবাৰ কৰিছিল, তেতিয়া বহুত লাভ হৈছিল।
4. মই যেতিয়া শুই আছিলোঁ, তেতিয়াই এটা প্ৰচণ্ড ভূমিকম্প আহিছিল।
5. শিক্ষকে যেতিয়া পঢ়াই আছিল, তেতিয়া লৰা-ছোৱালীবোৰে বৰ কথা পাতিছিল।

(গ) বাছখন ৰ'ল, মানুহবোৰ নামিল।

→ বাছখন ৰ'লত মানুহবোৰ নামিল।

1. আলহী গ'ল; মইও ফুৰিবলৈ গ'লোঁ।
2. দেউতাকে তাক পইচা দিলে; সি কিতাপ কিনিলে।
3. তেওঁ এম.এ পাছ কৰিলে; চাকৰি কলেজত পালে।
4. তেওঁ "অসম দৰ্শন"খন পঢ়িলে; অসমৰ কথা বহুত গম পালে।
5. শিক্ষকজন বহিল; ক্লাছৰ ল'ৰা-ছোৱালীবোৰো বহিল।

II. তলত দিয়া শব্দৰ শাৰী বিলাকৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটাকৈ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. ভূমিষ্ঠ	:	নৌকাষ্ঠ	:	ঘনিষ্ঠ
2. তৰফৰ পৰা	:	ফালৰ পৰা		
3. হেতু	:	সেতু		
4. দোঁ	:	দ		
5. ক'ত	:	কতো	:	কৰবাত

III. প্ৰয়োজনীয় শব্দৰ ব্যৱহাৰ কৰি প্ৰতিটো বাক্যৰ পৰা দুটাকৈ অৰ্থসূচক বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. আপুনি পুৰস্কাৰ পোৱা বেজবৰুৱাৰ কিতাপখনেৰে আমাৰ দৰ্শকক বেজবৰুৱাৰ লগত পৰিচয় কৰি দিব নে?
2. বেজবৰুৱাৰ দেউতাক ডিবৰুৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ সপৰিয়ালে নৌকাৰে আহি থাকোঁতে ব্ৰহ্মপুত্ৰৰ বুকুত তেওঁৰ জন্ম হয়।
3. পঢ়াশালি আৰু কাছাৰীত চলি থকা বাংলাভাষাৰ সলনি অসমীয়া ভাষাৰ পুনৰ সংস্থাপনত বেজবৰুৱাই অহোপুৰুষাৰ্থ কৰিছিল।
4. বেজবৰুৱাই অসমীয়া আলোচনী *বাঁহী* নুলিওৱাহেঁতেন বহুজন অসমীয়া লিখকৰ জন্ম নহ'লহেঁতেন।
5. ৰবীন্দ্ৰনাথ ঠাকুৰৰ পৰিয়ালৰ প্ৰজ্ঞাসুন্দৰী দেৱীক বেজবৰুৱাই বিয়া কৰাই অসম আৰু বেঙ্গলৰ মাজত সৌহাৰ্দ্যৰ সেতু বান্ধিছিল।

IV. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ বাক্য লগলগাই এটা বাক্য গঠন কৰক।

1. আপুনি *বৰ্ণমালা* নামৰ কবিতাৰ কিতাপৰ বাবে পুৰস্কাৰ পাইছে। কিতাপখনৰ কবিতাৰ বিষয়বস্তুৰ বিষয়ে অলপ বহলাই কব নে?
2. তেওঁ ভূমিষ্ঠ নহৈ নৌকাষ্ঠ হৈছিল। সেইসময়ত তেওঁৰ দেউতাক ডিবৰুৰ পৰা গুৱাহাটীলৈ বদলি হৈছিল।
3. *অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা* **1888** চনত প্ৰতিষ্ঠা কৰা হৈছিল। সেইখন সভাই পিচৰ দিনবোৰত অসম সাহিত্য সভালৈ মৌ সলায়।
4. *বাঁহী* এখন অসমীয়া আলোচনী আছিল। সেইখনৰ গুৰি লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাই ধৰিছিল।
5. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাই বহুত গীত লিখিছিল। তাৰে এটা ডা. ভূপেন হাজৰিকাই গাইছে।

V. এটা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

1. বেজবৰুৱাৰ কোন চনত জন্ম হয়?
2. বেজবৰুৱাৰ জন্মৰ সময়ত অসম কাৰ অধীনত আছিল?
3. তেতিয়া অসমত কি ভাষা চলিছিল?
4. তেওঁ কলিকতাত কি সভাৰ প্ৰতিষ্ঠা কৰে?
5. *বাঁহী* নামৰ আলোচনীখন কোনে উলিয়াইছিল?
6. যদি *বাঁহী* নোলালহেঁতেন তেনেহলে কি হ'লহেঁতেন?
7. বেজবৰুৱাই কাক বিয়া কৰাইছিল?
8. তেওঁ কিহৰ কাৰবাৰ কৰিছিল?
9. তেওঁক মানুহে কি বোলে?

VI. বহলাই উত্তৰ দিয়ক।

1. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাই কি কি ৰচনা কৰিছিল বহলাই লিখক।
2. লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ বৈবাহিক জীৱনৰ বিষয়ে লিখক।
3. অসমীয়া ভাষাৰ বাবে বেজবৰুৱাই কি কি কৰিছিল লিখক।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

মামনি ৰয়ছম গোস্বামী

অসমৰ মহিলা সাহিত্যিক সকলৰ ভিতৰত *মামনি ৰয়ছম গোস্বামী* এটা উল্লেখযোগ্য নাম। **2000** চনৰ *জ্ঞানপীঠ* বঁটা বিজয়ী মামনি ৰয়ছম গোস্বামীৰ প্ৰকৃত নাম হ'ল *স্পন্দিৰা গোস্বামী*। এগৰাকী সাহসী, মানবতাময়ী আৰু সমাজ সচেতন লেখিকা হিচাপে স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ খ্যাতি সুদূৰ প্ৰসাৰী।

তিক্ষ্ণাধী আৰু স্পৰ্শকাতৰ লেখিকা গৰাকীৰ জীৱন এক বৰ্ণময় অভিজ্ঞতাৰ সমষ্টি। পিতৃৰ চৰকাৰী চাকৰী সূত্ৰে অসমৰ বহু ঠাঁই ঘূৰি ফুৰাত গোস্বামী অসমীয়া সমাজৰ সৈতে ভালদৰে পৰিচিত হবলৈ সুবিধা পায়। ফলত ইয়াৰ সূক্ষ্ম বৰ্ণনাত্মক ৰূপৰ প্ৰকাশ ঘটিছিল তেওঁৰ গল্প উপন্যাস আদিত।

গুৱাহাটী বিশ্ববিদ্যালয়ত পঢ়ি থকা অৱস্থাত *মাধবেন ৰয়ছম* নামৰ দক্ষিণ ভাৰতীয় অভিযন্তা এজনৰে সৈতে পৰিচয় হৈছিল। সেই পৰিচয়েই প্ৰেমত পৰিণত হৈছিল আৰু শেষত দুয়ো বিবাহ পাশত আবদ্ধ হৈছিল। বিবাহৰ পিছত পতি *মাধবেন ৰয়ছম*ৰে সৈতে তেওঁৰ বিভিন্ন কৰ্মক্ষেত্ৰৰ ঘূৰি ফুৰিবলৈ পোৱাটো মামনি ৰয়ছম গোস্বামীৰ বাবেই নহয় ভাৰতীয় গল্প উপন্যাসৰ বাবেও ফলদায়ক আছিল। কিন্তু কাশ্মীৰৰ এক দুৰ্গম অঞ্চলত কৰ্মৰত অৱস্থাৰ ডেকা বয়সতে পতি মাধবেন ৰয়ছমৰ মৃত্যুৰ ঘটনাই গোস্বামীক বৰ নিৰ্মম ভাবে জোকাৰি থৈ গৈছিল। কবিতাৰ আলমত মনৰ ভাব মোকলোৱা লেখিকা গৰাকী এই ঘটনাৰ পিছতে সম্পূৰ্ণৰূপে কথাশিল্পৰ জগতখনলৈ গুচি আহিছিল। লেখিকা নোহোৱাহেঁতেন কি হ'ল হয় বুলি সোধা বহু সংবাদসেৱীৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰত তেওঁ কৈছিল যে সম্ভৱতঃ তেওঁৰ মৃত্যুৱেই ঘটিলহেঁতেন। শ্ৰীমতী গোস্বামীৰ এই কথাষাৰ বিশেষ তাৎপৰ্য্যপূৰ্ণ।

মাধবেন ৰয়ছমৰ মৃত্যুৰ পিছত গোৱালপাৰা সৈনিক স্কুলত কৰ্ম জীৱন আৰম্ভ কৰা শ্ৰীমতী গোস্বামীয়ে ডক্টৰৈ ডিগ্ৰী লাভ কৰাৰ পিছত দিল্লী বিশ্ববিদ্যালয়ত যোগদান কৰে আৰু পিছলৈ অসমীয়া বিভাগৰ মুৰব্বী অধ্যাপিকাৰ গুৰু দায়িত্ব পালন কৰিবলৈ লয়। এই সময়চোৱাতে তেওঁৰ সাহিত্যিক প্ৰতিভা ফুলে ফলে জাতিষ্কাৰ হৈ পৰে। তেওঁ নাৰীবাদী লেখিকা হিচাপেও সমাজত বিশেষ পৰিচিত হৈ পৰে। *'চিনাকী মৰম'*, *'কম্পনা হৃদয় এক নদীৰ নাম'* আদিৰ দৰে মানবীয়তাৰে সংবেদনশীল বহু চুটিগল্পৰ লেখিকা শ্ৰীমতী গোস্বামীৰ লেখনিয়ে ১৯৮৩ চনত 'সাহিত্য অকাদেমী বঁটা' ১৯৮৮ চনত 'অসম সাহিত্য সভা বঁটা', ১৯৮৩ চনত 'ভাৰত নিৰ্মাণ বঁটা', ১৯৯৩ চনত 'কথা বঁটা'ৰ লগতে ১৯৯৯ চনত 'অন্তঃৰাষ্ট্ৰীয় তুলসী বঁটা'ৰ উপৰিও আন বহু উল্লেখযোগ্য বঁটা কঢ়িয়াবলৈ সক্ষম হয়।

'চেনাবৰ সোঁত', 'নীলকণ্ঠী ব্ৰজ', 'অহিৰণ', 'মামৰেধৰা তাৰোৱাল' আদিৰ দৰে উপন্যাসৰ ৰচয়িতা স্পন্দিৰা গোস্বামী অসম আৰু ভাৰতীয় সংস্কৃতিৰ সেতুবন্ধকো। *'নীলকণ্ঠীব্ৰজ'*ত মথুৰাৰ সংস্কৃতি যিদৰে প্ৰতিফলিত হৈছে *দঁতাল হাতীৰ উঁম্পয়ে খোৱা হাওদাত* চিত্ৰিত হৈছে অসমীয়া সংস্কৃতিৰ ঐা ফাল। *গল্প আৰু উপন্যাস সমগ্ৰত* চিত্ৰিত কৰা অসমীয়া সমাজৰ বিহু, বাসন্তী পূজা, পুহন বিয়া আদিৰ সুন্দৰ উপস্থাপনে তেওঁৰ লিখনিসমূহক সংস্কৃতিৰ দস্তাবেজ হিচাপেও প্ৰতিস্থিত কৰিছে।

ভাৰতীয় বিভিন্ন ভাষাঁলৈ অনুদিত স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ লেখনি চুৱা-বাহী জাত-পাত, অন্ধবিশ্বাস তথা অমানবীয় ঘৈনাৰ সঠিক প্ৰতিফলক। প্ৰতিবাদী চৰিত্ৰৰ উপস্থাপনেৰে এম্প কুসংস্কাৰবোৰৰ বিপক্ষে মাত মতা বিদ্যানুৰাগী লিখিকা গৰাকীৰ সমাজলৈ এম্পয়া এক মহান বৰঙনি। আত্মজীৱনীমূলক লেখা *আধালিখা দস্তাবেজেৰে* পাঠক সমাজত বহুল ভাৱে সমাদৃতা লেখিকাগৰাকী আধুনিক কালৰ যি কোনো লিখক লেখিকাৰ বাবেম্প কৰ্মপ্ৰেৰণাৰ এক জীৱন্ত উৎস।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
মানবতাময়ী	मानवता से पूर्ण
সুদূৰ প্ৰসাৰী	दूर-दूर तक प्रभावी
তিক্ষ্ণাধী	सबसे बुद्धिमान
স্পৰ্শকাতৰ	संवेदनशील
সমষ্টি	संकलन
সূক্ষ্ম	सूक्ष्म
বৰ্ণনাত্মক	वर्णनात्मक
গল্প	गल्प, कहानी

উপন্যাস	उपन्यास
অভিযন্তা	अभियंता
কৰ্মক্ষেত্ৰত	कर्मक्षेत्र में
দুৰ্গম	दुर्गम
অঞ্চল	अंचल
কৰ্মৰত	कार्यरत
পতি	पति
জোকাৰি	सदमा
থৈ গৈছিল	रखा था
সংবাদসেৱী	संवाददाता
তাৎপৰ্য্যপূৰ্ণ	तात्पर्यपूर्ण
গোৱালপাৰা	ग्वालपाड़ा (असम का एक जिला)
সৈনিক	सैनिक
গুৰু দায়িত্ব	गंभीर दायित्व
পৰিচিত	परिचित
ৰচয়িতা	रचयिता
সেতুবন্ধকো	सेतु का कार्य करनेवाला भी
উঁম্প	दीमक
হাওদা	हौदा
চিত্ৰিত	चित्रित
বাসন্তীপূজা	दुर्गापूजा
পুহন বিয়া	पुहन बिया (स्त्री के गर्भवती रहने पर किया जानेवाला अनुष्ठान)
দস্তাবেজ	दस्तावेज
অমানবীয়	अमानवीय
	समादृता

उद्‌गम

সমাদৃতা

উৎস

अभ्यास

I. পাঠৰ জ্ঞানৰ ভিত্তিত তলৰ বাক্যসমূহ শুদ্ধ শব্দ-গাঠনিৰে পূৰ্ণ কৰক।

1. কু-সংস্কাৰ তথা অন্ধবিশ্বাসৰ বিৰুদ্ধে মামনি ৰয়ছম গোস্বামীয়ে লিখনিৰ দ্বাৰা সমাজ সংস্কাৰকৰ __________ ।
2. গোস্বামীৰ ব্যক্তিগত প্ৰচেষ্টাতে বহু নাৰীবাদী অনুষ্ঠানে ________ ।
3. এস্প নাৰীবাদী অনুষ্ঠানবোৰে সমাজৰ উন্নতিৰ হকে নানা কাম ________ ।
4. চৰকাৰী আদেশ _______ মাধবেন ৰয়ছম কাশ্মীৰলৈ ______।
5. তেওঁৰ গল্প উপন্যাসত 'বিহু', 'বাসন্তী পূজা', 'পুহন বিয়া' আদিৰ উপস্থাপনে তেওঁৰ লেখনি সমূহক সংস্কৃতিৰ _________।

II. বহলাস্প উত্তৰ দিয়ক।

1. স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ কৰ্ম জীৱনৰ বিষয়ে বহলাস্প লিখক।
2. কি কি ঘৈনাস্প মামনি ৰয়ছম গোস্বামীক কথাশিল্পীত পৰিণত কৰিছিল?
3. লেখিকা হিচাপে স্পন্দিৰা গোস্বামীৰ পৰিচয় দিয়ক।
4. স্পন্দিৰা গোস্বামীয়ে লাভ কৰা বঁটা বাহনৰ বিষয়ে লিখক।

III. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাক আধুনিক অসমীয়া সাহিত্যৰ এজন পিতৃপুৰুষ বুলি কব পাৰি। তেখেতৰ প্ৰচেষ্টাত ১৯৮৮ চনত *অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা* গঢ়ি উঠে। এম্প কাৰ্য্যত তেখেতলৈ চন্দ্ৰপ্ৰসাদ আগৰৱালাৰ দৰে কেম্পবাগৰাকী স্বনামধন্য অসমীয়া যুবকে সহায়ৰ হাত আগবঢ়াম্পছিল। সেম্প সময়ত অসমত বাংলা ভাষাৰ প্ৰচলন আছিল। অ. ভা. উ. সা.ৰ আলম লৈ কলিকতাত থকা অসমীয়া যুবকসকল একগোঁ হৈছিল আৰু অসমীয়া ভাষাৰ উন্নতিৰ বাবে নানান আঁচনি যুগুতাম্প কাম আৰম্ভ কৰিছিল। তেওঁলোকে উপযুক্ত সময়ত এনে পদক্ষেপ নোলোৱাহেঁতেন অসমীয়া ভাষাৰ অস্তিত্বৰ বাবে সংকটৰ সৃষ্টি হ'লহেঁতেন।

লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আছিল একেধাৰে কবি, গল্পকাৰ, কথাশিল্পী, গীতিকাৰ আৰু ব্যৱসায়ী। অসমীয়া সহিত্যৰ এনে ঐা ভাগ নাম্প য'ত তেওঁৰ লখিমী হাতৰ পৰশ পৰা নাছিল। তেখেত আছিল প্ৰথম অসমীয়া চুঁটি গল্পৰ জন্মদাতা; তেখেতে ৰচনা কৰা 'কন্যা' নামৰ চুঁটিগল্পটো অসমীয়া ভাষাৰ প্ৰথম চুঁটি গল্প।

অসমীয়া সাধুকথাৰ ক্ষেত্ৰখনতো তেখেত এজন লেখত লবলগীয়া ব্যক্তি আছিল। তেখেতে যদি 'বুঢ়ী আম্পৰ সাধু'ৰ দৰে সাধুকথাৰ পুথি লিখি নুলিয়ালেহেঁতেন, বহু অসমীয়া লোক-কথা পাহৰণিৰ গৰ্ভত লীন হ'লহেঁতেন। বেজবৰুৱাক সেয়েহে *অসমীয়া সাধুকথাৰ জনক* বুলি কোৱা হয়।

কবিতা আৰু গীত ৰচনাৰ ক্ষেত্ৰতো বেজবৰুৱাম্প যথেষ্ট বৰঙণি আগবঢ়াম্প থৈ গৈছে। তেখেতে নিজে কবিতা লিখিব নাজানে বুলি কৈছে যদিও কবিতাৰ বুৰঞ্জীতো তেওঁ নিজৰ নাম সোণালী আখৰেৰে লিখি থৈ গৈছে। তেখেতে ৰচনা কৰা গীত 'প্ৰেম প্ৰেমবুলি জগত ঘূৰিলোঁ' ডা. ভূপেন হাজৰিকাৰ কণ্ঠত প্ৰাণ পাম্প উঠিছে।

ৰসৰচনাৰ ক্ষেত্ৰত লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আছিল অতুলনীয়। 'কৃপাবৰ বৰবৰুৱা' ছদ্মনাম লৈ যদি তেখেতে 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ ভাবৰ বুৰবৰণি', 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ কাকতৰ টোপোলা', 'কৃপাবৰ বৰুৱাৰ ওভতনি', আদি ৰম্য ৰচনা নকৰিলেহেঁতেন তেন্তে বোধহয় ৰসৰচনা অসমীয়া ভাষাত শ্পমান জনপ্ৰিয় নহ'লহেঁতেন। অন্ধবিশ্বাসী সমাজখনক ব্যঙ্গ কৰি ৰচনা কৰা

এস্প ৰস ৰচনাবিলাকে বহুতৰ চকু মেল খুৱাস্পছিল। তেখেতৰ উচ্চ মানব ব্যঙ্গ ৰচনাৰ বাবে তেখেতক *ৰসৰাজ* বোলা হয়।

১৯৩৮ চনত অসমীয়া জাতিক কন্দুৱাস্প বেজবৰুৱাস্প স্পইলোক ত্যাগ কৰি পৰলোকলৈ যায়। তেখেত আজি মৰিও অমৰ। তেখেত চিৰদিন অসমীয়াৰ বাবে প্ৰাতঃ স্মৰণীয় ব্যক্তি হৈ থাকিব।

IV. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

राजा नृसिंहदेव को नदी, सरोवर, जंगल देखने का बड़ा शौक था। वह एक बार घूमने के इरादे से बाहर निकला। किले से बाहर मीलों तक बंजरभूमि थी। राजा उस भूमि से होकर निकल रहा था। अकस्मात उसने घोड़े को रोक लिया। उसने देखा एक आदमी झुककर कुछ बो रहा था। राजा उसके पास जा पहुँचा। काम में लगा आदमी एक बूढ़ा था। राजा ने देखा उस भूमि पर कई गड्ढे तैयार किए गए हैं। एक गड्ढे में बूढ़ा एक पौधा लगा रहा था। बूढ़ा पसीने से तर-बतर था। राजा को बड़ी हैरानी हुई। राजा को देखकर बूढ़े ने उसका अभिवादन किया। राजा ने बूढ़े से पूछा -- तुम यह क्या कर रहे हो?

बूढ़ा बोला -- 'महाराज! मैं पौधा लगा रहा हूँ।'

'तुम शायद आम का पौधा लगा रहे हो!' राजा ने प्रश्न किया।

बूढ़ा बोला -- 'जी महाराज! यह आम का पौधा ही है। यह छाया भी देगा और फल भी।'

'पर तुम तो बहुत बूढ़े हो। पेड़ में फल लगेंगे, क्या तब तक तुम जीवित रहोगे?' राजा ने पूछा।

'महाराज! मुझे यह चिंता नहीं है कि फल भी मैं ही खाऊँ! मेरे लिए यही संतोष की बात होगी कि दूसरे तो इसके फल खा सकेंगे।' बूढ़ा बोला।

राजा ने कहा -- 'मुझे खुशी है कि मेरे राज्य में तुम्हारे जैसे लोग भी हैं। मैं तुम्हें इनाम देना चाहता हूँ। ये लो सोने की सौ मोहरें।'

बूढ़े ने खुश होकर कहा -- 'महाराज पेड़ में फल जब लगेंगे तब लगेंगे, लेकिन आपने तो मेरी मेहनत का फल आज ही दे दिया।'

V. আপুনি ভাল পোৱা এজন সাহিত্যিকৰ বিষয়ে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. -ৰ্প : ধাতুৰ শেষত '-ৰ্প' যোগ কৰি অসমীয়াত বৰ্তমান কালৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। এনে ধৰণৰ ক্ৰিয়াৰ্প দুটা বাক্য যোগ কৰি ঐটা কৰিব পাৰে। যেনে --

   মৰ্প ভাত খালোঁ। তাৰ পাছত শুলোঁ

   মৰ্প ভাত খাৰ্প শুলোঁ।

2. -ওঁতে : ধাতুৰ শেষত '-ওঁতে' যোগ কৰি আন এক প্ৰকাৰৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। ঐটা ক্ৰিয়াৰ কাম চলি থকা সময়ত আন ঐটা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য সম্পন্ন হোৱা বুজাবলৈ হলে প্ৰথমতে আৰম্ভ হোৱা কাৰ্য বুজোৱা ধাতুটোৰ লগত '-ওঁতে' যুক্ত হৈ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰে। ৰ্পয়ে দুটা বাক্য সংযোগ কৰিব পাৰে। যেনে --

   ভাত খাৰ্প আছোঁ। এনেতে ডিঙিত কাৰ্পৌ লাগিল।

   ভাত খাৰ্প থাকোঁতে ডিঙিত কাৰ্পৌ লাগিল।

3. -ৰ্পলত : ধাতুৰ শেষত '-ৰ্পলত' যোগ কৰি আন প্ৰকাৰৰ অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰা হয়। অতীত কালৰ ক্ৰিয়া পদৰ ভিত্তিত ৰ্পয়াক গঠন কৰা হয়। কোনো ঐটা ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য্য সম্পন্ন হোৱাৰ পিছতে আন ক্ৰিয়াৰ কাৰ্য হোৱা বুজাবলৈ হলে প্ৰথমে সম্পন্ন হোৱা কাৰ্য বুজোৱা ধাতুটোৰ লগত '-ৰ্পলত' যুক্ত হৈ ঐটা অসমাপিকা ক্ৰিয়া গঠন কৰে। ৰ্পয়ে দুটা বাক্য সংযোগ কৰিব পাৰে। যেনে --

   সূৰ্য উদয় হ'ল। তেতিয়া পদুম ফুলিল।

   সূৰ্য উদয় হ'লত পদুম ফুলিল।

4. বাক্য আৰ্হিৰ বিষয়ে : এৰ্প পাঠত যৌগিক বাক্যৰ লগত শিকাৰুক পৰিচয় কৰি দিয়া হৈছে। যৌগিক বাক্যৰ গঠন তেনেৰ্প সহজ। প্ৰথম বাক্যৰ ক্ৰিয়াটো সলনি কৰি

তাৰ ঠাইত '-ই', '-ওঁতে' অথবা '-ইলত' যুক্ত অসমাপিকা ক্ৰিয়া বহুওৱা হয়। তেতিয়া দ্বিতীয় বাক্যৰ দুটা শব্দ অদৰকাৰী হৈ পৰে আৰু সেই কেইটা শব্দ বাদ দিব লগীয়া হয়।

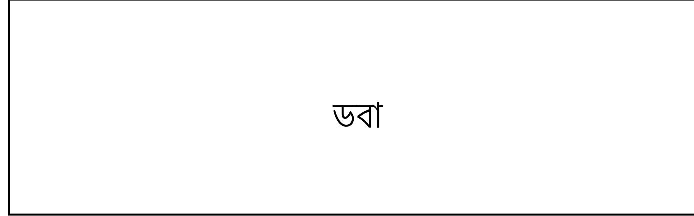
5. চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা (১৮৬৭-১৯৩৮) : চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা অসমীয়া ৰোমান্তিক কবিতাৰ বাটকটীয়া। এওঁ লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা আৰু হেমচন্দ্ৰ গোস্বামীৰ সহযোগত ১৮৮৯ চনত প্ৰথম অসমীয়া আলোচনী 'জোনাকী' প্ৰকাশ কৰিছিল আৰু তেওঁ তাৰ প্ৰতিষ্ঠাপক সম্পাদক আছিল। তেওঁৰ সৃষ্টিৰ ভিতৰত *প্ৰতিমা, বীণবৰাগী* আৰু *চন্দ্ৰামৃত* অন্যতম। তেওঁ 'অসমীয়া', 'সাদিনীয়া অসমীয়া', 'তিনদিনীয়া অসমীয়াৰ' প্ৰতিষ্ঠাপক আছিল।

6. অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা : চন্দ্ৰকুমাৰ আগৰৱালা, লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱা, হেমচন্দ্ৰ গোস্বামী আদিৰ দৰে কেইজনমান স্বনামধন্য অসমীয়া সাহিত্যিকে ১৮৮৮ চনত কলিকতাত *অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা* প্ৰতিষ্ঠা কৰে। সেই সময়ত অসমৰ বিদ্যালয় আৰু আদালতত চৰকাৰী ভাষা হিচাপে অসমীয়াৰ সলনি বাংলা ভাষা প্ৰবৰ্তন কৰা হৈছিল। এই সভাই কলিকতা আৰু অসমত থকা অসমীয়া সাহিত্যিকসকলক একগোট কৰি অসমীয়া ভাষাৰ পুনৰ প্ৰচলন বাবে দাবী আৰম্ভ কৰে।

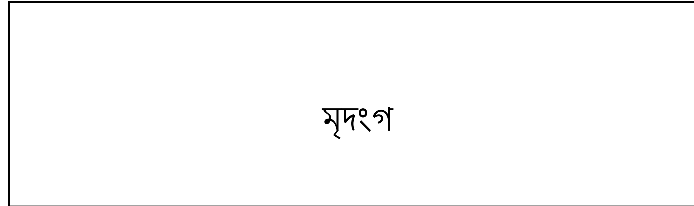
7. অসম সাহিত্য সভা : *অসমীয়া ভাষা উন্নতি সাধিনী সভা*ৰ পৰা জন্ম হোৱা অসম সাহিত্য সভাৰ প্ৰথমখন অধিবেশন হৈছিল ১৯১৭ চনত শিৱসাগৰত। অসম সাহিত্য সভাই অসমীয়া ভাষা আৰু সাহিত্যৰ উন্নতিৰ ক্ষেত্ৰত বহুখিনি অবদান আগবঢ়াইছে। এই সভা এতিয়াও বৰ শক্তিশালী।

8. বাঁহী : অসমীয়া ভাষাৰ দ্বিতীয়খন আলোচনী *'বাঁহী'* ১৯০৯ চনত লক্ষ্মীনাথ বেজবৰুৱাৰ সম্পাদনত প্ৰকাশ পায়। *বাঁহী*ৰ জড়িয়তে বহু কেইজন অসমীয়া সাহিত্যিকে প্ৰতিষ্ঠা লাভ কৰাত অসমীয়া ভাষাই ঠন ধৰি উঠে।

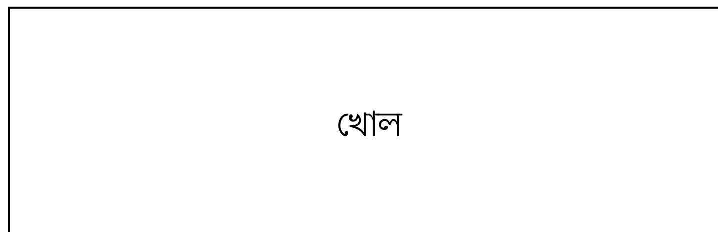
9. ডবা : কাঠৰ খোলাৰ ওপৰত গৰু বা ম'হৰ চামৰা লগাম্প তৈয়াৰ কৰা ডুগীৰ আকৃতিৰ এবিধ বাদ্য। এম্প বাদ্য ডুগীতকৈ যথেষ্ট ডাঙৰ। এম্প বাদ্য দুডাল লাঠিৰে বজোৱা হয়। অসমৰ প্ৰায় সকলোবিলাক নামঘৰতে উৎসব-পাৰ্বন বা স্পয়াৰ জাননী দিবলৈ ডবা বজোৱা হয়।


ডবা

10. মৃদংগ : মৃদংগ পাখোৱাজ আকৃতিৰ এবিধ বাদ্য। এম্প বাদ্যৰ দুম্পমূৰে চামৰা লগাম্প তৈয়াৰ কৰা হয়। খোলাটো কাঠৰ। অসমৰ বহুতো অঞ্চলত 'গায়ন-বায়ন'ত মৃদংগ ব্যৱহাৰ কৰা হয়। দক্ষিণ ভাৰতৰ মৃদংগৰ লগত স্পয়াৰ সাদৃশ্য আছে।


মৃদংগ

11. খোল : খোল অসমৰ এবিধ থলুৱা বাদ্য। শ্ৰীমন্ত শংকৰদেৱে এম্প বাদ্যৰ প্ৰচলন কৰে। ঐা কাঠৰ বা মাটিৰ খোলাৰ দুম্প মূৰে চামৰা লগাম্প এম্প বাদ্য বনোৱা হয়। এম্প বাদ্য হাতেৰে বজোৱা হয়। গায়ন-বায়ন, সত্ৰীয়া অনুষ্ঠান আদিত খোল ঐা অবিচ্ছেদ্য অংগ।


খোল

পাঠ 23
पाठ

প্ৰেছ মেল

প্ৰতিনিধি ১ : মাননীয় স্বাস্থ্যমন্ত্ৰী মহোদয়, আপুনি প্ৰেছ মেলখন আহ্বান কৰাত আমি সকলো অতিশয় আনন্দিত হৈছোঁ।	पत्र-प्रति-निधि १ : माननीय स्वास्थ्य मंत्री जी, आपके द्वारा पत्रकार सम्मेलन में बुलाने से हम बहुत खुश हैं।
মন্ত্ৰী : মাজে মাজে প্ৰেছ মেল মতাটো ৰাজহুৱা ব্যক্তিৰ কৰ্তব্য। আমি ৰাইজৰ পৰামৰ্শৰ ভিখাৰী।	मंत्री : बीच-बीच में पत्रकार सम्मेलन बुलाना सार्वजनिक व्यक्ति का कर्तव्य (होता) है। हम जनता की सलाह-परामर्श हमेशा चाहते हैं।
প্ৰতিনিধি ২ : আপোনাৰ মন্ত্ৰণালয়ৰ অগ্ৰাধিকাৰ কি?	पत्र-प्रति-निधि २ : आपके मंत्रालय की प्राथमिकताएँ क्या हैं?
মন্ত্ৰী : জনসংখ্যা বৃদ্ধিৰ ভয়াবহ ৰূপ সম্পৰ্কে ৰাইজক সচেতন কৰা। মই আগতে বহুবাৰ কৈছোঁ যে জনসংখ্যা বৃদ্ধি আমাৰ দেশৰ দাৰিদ্ৰ্যৰ মূল কাৰণ।	मंत्री : जनसंख्या वृद्धि के बारे में जनता को सचेत करना। मैंने पहले कई बार कहा है कि जनसंख्या वृद्धि हमारी दरिद्रता का मूल कारण है।
প্ৰতিনিধি ২ : জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিবলৈ চৰকাৰে কি ব্যৱস্থা লৈছে?	पत्र-प्रति-निधि २ : जनसंख्या वृद्धि को रोकने के लिए सरकार ने क्या-क्या किया है?
মন্ত্ৰী : আমি অনাতাঁৰ আৰু দূৰদৰ্শনৰ যোগে প্ৰচাৰ কৰিছোঁ	मंत्री : हमने रेडियो और दूरदर्शन से प्रचार किया है कि 'हम दो, हमारे दो।' याने कि चाहे लड़का हो या लड़की -- दो ही हों। हमने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य

যে 'হাম দো, হামাৰে দো' -- মানে, ল'ৰাম্প হওক বা ছোৱালীয়ে হওক -- দুটা সন্তানেম্প যথেষ্ট। গাঁৱে ভূঞে আমি বহুতো স্বাস্থ্য বিষয়া নিয়োগ কৰিছোঁ। তেওঁলোকে ৰাম্পজক বুজাম্পছে যে জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ
অস্ত্ৰোপচাৰ বিপদজনক নহয়। তেওঁলোকে এম্প কথাও প্ৰচাৰ কৰিছে যে জন্ম নিৰোধক নানা পিল আৰু পৰামৰ্শ স্বাস্থ্যকেন্দ্ৰবোৰত বিনামূলীয়াকৈ দিয়া হয়।

अधिकारी नियुक्त किए हैं। वे लोग जनता को समझाते हैं कि शल्यक्रिया से कोई खतरा नहीं है। वे लोगों को यह भी बताते हैं कि अनेक प्रकार की गर्भ-निरोधक गोलियाँ और परामर्श स्वास्थ्य केन्द्रों से मुफ्त दिया जाता है।

প্ৰতিনিধি ২ :আপুনি নগাঁৱৰ সভাত কৈছিল যে আপোনলোকে জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰাৰ বিষয়ে চিন্তা কৰি আছে।

पत्र-प्रति-निधि २ : आपने नौगाँव की सभा में कहा था कि आप शल्यक्रिया को लोकप्रिय बनाने पर विचार कर रहे हैं।

মন্ত্ৰী : হয়, কৈছিলোঁ। অস্ত্ৰোপচাৰ নিশ্চিত ফলদায়ক ব্যৱস্থা। (হাঁহি) আপোনালোকেও এম্প পথ ৰাম্পজক দেখুওৱা উচিত।

मंत्री : हाँ, कहा था। शल्य क्रिया निश्चय ही फलदायक होती है। (हँसी) आप लोगों को भी जनता का पथ प्रदर्शक बनना चाहिए।

প্ৰতিনিধি ৩ : যোৱা নিৰ্বাচনত আপুনি

पत्र-प्रति-निधि ३ : पिछले निर्वाचन में आप विरोधी दल में थे। तब आपने जोरहट की सभा में कहा था कि गर्भ-निरोध के लिए शल्यक्रिया करके देश के बहुत से कर्मठ पुरुषों को दुर्बल कर दिया गया है और

বিৰোধী দলত আছিল। আপুনি যোৰহাঁৰ সভাত কৈছিল যে চৰকাৰে জন্ম নিৰোধৰ কাৰণে অস্ত্রোপচাৰ কৰি দেশৰ বহুতো কৰ্মঠ ডেকাক দুৰ্বল কৰিছে আৰু জাতিক অধঃপতনৰ মুখলৈ ঠেলি দিছে।

মন্ত্রী : (ঘামি জামি) আমি কেৱল জোৰ কৰাৰ বিৰোধী। মম্প আগতেও কৈছিলোঁ আৰু এতিয়াও কওঁ যে কাকো জোৰ কৰি অস্ত্রোপচাৰ কৰিব নালাগে।

প্রতিনিধি ৪ :কিছুমান কাকতে লিখিছিল যে স্বাস্থ্যমন্ত্রী মহোদয়ৰ নিজৰে ল'ৰা-ছোৱালী নৗ।

মন্ত্রী : আমি পুৰণি যুগৰ মানুহ। সেম্প সময়ত জনসংখ্যা বৃদ্ধি কোনো সমস্যাম্প নাছিল। গতিকে জন্ম নিয়ন্ত্রণৰ বাবে কোনো আঁচনিৰ লোৱা হোৱা নাছিল। আজি দিন সলনি হৈছে। জনসংখ্যা বৃদ্ধি ভয়ানক সমস্যা হৈ পৰিছে। প্রায় সকলো দেশতে জনসংখ্যা

जाति को अधःपतन के मुँह में ढकेल दिया गया है।

मंत्री : (पसीने-पसीने होकर) मैं केवल जबरदस्ती का विरोधी हूँ। वही अब भी कहता हूँ, किसी की ओर जबरदस्ती शल्यक्रिया नहीं करनी चाहिए।

पत्र-प्रति-निधि ४ : कुछ पत्रों में लिखा था कि स्वास्थ्य मंत्री के खुद के ही नौ बच्चे हैं।

मंत्री : हम लोग तो पुरान ज़माने के हैं। उस समय जनसंख्या वृद्धि कोई समस्या नहीं थी। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण की कोई व्यवस्था नहीं थी। आज समय बदल गया है। जनसंख्या वृद्धि एक भयावह समस्या बन गई है। प्रायः हर देश में जनसंख्या नियंत्रण की व्यवस्था की गई है। हमारे देश में भी यह करना ज़रूरी है और यही मेरे लड़के-लड़कियों ने भी किया है।

पत्र-प्रति-निधि ५ : परिवार नियोजन को तो देश के शिक्षित और समृद्ध लोगों ने ही अपनाया है। आर्थिक दृष्टि से कमज़ोर और अशिक्षित वर्ग के लोगों की जन्मसंख्या तो दिन

নিয়ন্ত্ৰণৰ ব্যৱস্থা কৰা হৈছে। আমাৰ দেশতো কৰা উচিত; আৰু মোৰ ল'ৰা ছোৱালীকেম্পায়ো কৰিছে।

प्रतिनिधि ५ : পৰিবাৰ নিয়োজন আঁচনি মাত্ৰ দেশৰ শিক্ষিত আৰু যোত্ৰবান শ্ৰেণীয়েহে গ্ৰহণ কৰিছে। আৰ্থিকভাবে পিছপৰা অশিক্ষিত শ্ৰেণীৰ জনসংখ্যা তীব্ৰ গতিত বাঢ়িয়েম্প আছে। তাৰ ফলত সমাজৰ ভাৰসাম্য নষ্ট হবলৈ ধৰিছে। এম্প বিষয়ে আপোনাৰ মতামত কি?

মন্ত্ৰী : দৰিদ্ৰ আৰু অশিক্ষিত জনগণক সচেতন কৰাটো আপোনা-লোকৰো কৰ্তব্য। আমি বহুত আঁচনি গ্ৰহণ কৰিছোৱেম্প। আপোনালোকে মাত্ৰ সেম্পবোৰ জনপ্ৰিয় কৰি তুলিব লাগে। ধন্যবাদ, আপোনালোকক ভবিষ্যতে কেতিয়াবা লগ পাম।

दूनी रात-चौगुनी बढ़ रही है। इसके कारण सामाजिक-संतुलन बिगड़ रहा है। इस बारे में आप क्या कहना चाहेंगे?

मंत्री : दरिद्र और अशिक्षित लोगों में जागृति पैदा करना तो आप लोगों का काम है। हम लोगों ने तो बहुत सारी योजनाएँ हाथ में ली हैं। आप केवल उन योजनाओं को जनता में लोकप्रिय बनाइए। धन्यवाद। आगे फिर मुलाकात होगी।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
মাননীয়	माननीय
প্ৰেছমেল	संवाददाता-सम्मेलन
আহ্বান	आह्वान
কৃতজ্ঞ	कृतज्ञ
সামূহিক	सामूहिक
ব্যক্তি	व्यक्ति
কৰ্তব্য	कर्त्तव्य
পৰামৰ্শ	परामर्श
ভিখাৰী	भिखारी
মন্ত্ৰণালয়	मंत्रालय
অগ্ৰাধিকাৰ	अगुआई
জনসংখ্যা	जनसंख्या
বৃদ্ধি	वृद्धि
ভয়াবহ	भयावह
সচেতন	सचेतन
ৰোধ	रुकावट
ব্যৱস্থা	व्यवस्था
পলম	देर
অস্ত্ৰোপচাৰ	शल्य-चिकित्सा
পিল	गोलियाँ
ফলদায়ক	फलदायक
কৰ্মঠ	कर्मठ
ডেকা	जवान
অধঃপতন	अधःपतन
	पसीना

ঘাম	विरोधी
বিৰোধী	कागज़
কাকত	नवाँ
নৈা	शिक्षित
শিক্ষিত	समृद्ध
যোত্ৰবান	संतुलन
ভাৰসাম্য	अशिक्षित
অশিক্ষিত	के मत में
মতামত	

अभ्यास

I. উদাহৰণ অনুসৰি তলত দিয়া শব্দ সমূহৰ সমগোত্ৰীয় অৰ্থাৎ অৰ্থৰ ফালৰ পৰা মিল থকা অন্ততঃ পাঁচটা শব্দ লিখক।

উদাহৰণ :

মুৰ ⟶ চুলি, ডিঙি, কাণ, চকু, লাওখোলা

1. জনসংখ্যা
2. মন্ত্ৰী
3. সাংবাদিক
4. পৰিয়াল
5. সভা

II. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একৌটাকৈ অৰ্থপূৰ্ণ অসমীয়া বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. ব্যক্তি : উক্তি
2. সচেতন : অচেতন
3. প্ৰেছমেল : ভোজমেল
4. খাম : চাম
5. পৰামৰ্শ : বিমৰ্ষ

III. উদাহৰণ অনুসৰি প্ৰতিটো বাক্য ভাঙি দুটাকৈ সৰল বাক্য কৰক।

উদাহৰণঃ

মাজে মাজে প্ৰেছমেল মতাটো আমাৰ কৰ্তব্য।

→ আমি মাজে মাজে প্ৰেছমেল মাতোঁ। সেইটো আমাৰ কৰ্তব্য।

1. আপুনি প্ৰেছমেল আহ্বান কৰাত আমি সকলো কৃতজ্ঞ।
2. জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰাটো আমাৰ সামাজিক কৰ্তব্য।
3. পুৰণি কালত জনসংখ্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰাটো প্ৰয়োজনীয় নাছিল।
4. আমাৰ দেশত জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ কাৰণে অস্ত্ৰোপচাৰ কৰাটো নিশ্চিত ফলদায়ক।
5. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ কাৰণে মানুহক জোৰ কৰাটো আমি পচন্দ নকৰোঁ।

IV. 'ক' স্তম্ভৰ বাক্যাংশৰ লগত 'খ' স্তম্ভৰ উপযুক্ত বাক্যাংশ মিলাওক।

'ক' স্তম্ভ	'খ' স্তম্ভ
1. আমাৰ মন্ত্ৰণালয়ৰ অগ্ৰাধিকাৰ	জনসংখ্যা বৃদ্ধি
2. আমাৰ দাৰিদ্ৰ্যৰ মূল কাৰণ	অস্ত্ৰোপচাৰ কৰা
3. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ আটাইতকৈ ফলদায়ক সচেতন ব্যৱস্থা	জনসংখ্যা বৃদ্ধি সম্পৰ্কে ৰাইজক সজাগ কৰা
4. বহুতে কৰ্মঠ ডেকা দুৰ্বল হৈছে	পলমকৈ বিয়া কৰোৱা
5. জন্ম নিয়ন্ত্ৰণৰ এটা সহজ উপায়	অস্ত্ৰোপচাৰৰ ফলত
	কাকতে পত্ৰই লিখা

V. উদাহৰণ অনুসৰি দু্া বাক্য লগ লগাম্প ঐা কৰক।

উদাহৰণঃ

জোৰ কৰি অস্ত্ৰোপচাৰ কৰিব নালাগে। আমি এতিয়াও কওঁ।

→ আমি এতিয়াও কওঁ যে জোৰ কৰি অস্ত্ৰোপচাৰ কৰিব নালাগে।

1. জনসংখ্যা বৃদ্ধি আমাৰ দাৰিদ্ৰৰ মূল কাৰণ। আমি বাৰে বাৰে কৈছোঁ।
2. জন্ম নিৰোধক পিল খোৱাাে সহজ উপায়। সাধাৰণ মানুহে ভাবে।
3. চৰকাৰে অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰিব বিচাৰে। আপুনি যোৰহাৰ সভাত এম্প কথা কৈছিল।
4. মন্ত্ৰী মহোদয়ৰ ল'ৰা-ছোৱালী নাা। কিছুমান কাকতে এম্প কথা লিখিছিল।
5. ল'ৰা-ছোৱালী দু্াম্প যথেষ্ট। আমি ৰাম্পজক বুজাম্পছোঁ।

VI. উদাহৰণ অনুসৰি পৰোক্ষ উক্তিবোৰ প্ৰত্যক্ষ উক্তিলৈ নিয়ক।

উদাহৰণঃ

আপুনি কৈছিল যে আপুনি জোৰ কৰাৰ বিৰোধী।

→ আপুনি কৈছিল, 'মম্প জোৰ কৰাৰ বিৰোধী'।

1. তেওঁ দেৰগাওঁত কৈছিল যে তেওঁ অস্ত্ৰোপচাৰৰ বিৰোধী নহয়।
2. সাংবাদিকে মন্ত্ৰীক প্ৰশ্ন কৰিছিল বোলে তেওঁ সেম্প ব্যৱস্থাৰ বিৰোধী নেকি?
3. মন্ত্ৰীয়ে বাৰে বাৰে কৈছে যে তেওঁ নিজে তাৰ বাবে দায়ী।
4. মম্প ৰাজহুৱা সভাত কৈছিলোঁ যে অস্ত্ৰোপচাৰ জনপ্ৰিয় কৰিব লাগে।
5. অধ্যাপকে কলে যে তেওঁ সভালৈ নাযায়।

VII. উদাহৰণ অনুসৰি বন্ধনিত লিখা ক্ৰিয়াপদেৰে ৰেখাঙ্কিত ক্ৰিয়াপদবোৰ সলনি কৰক।

উদাহৰণঃ

আপুনি কৈছিল যে আপুনি প্ৰেছমেল মাতিব। (কৈছে)

→ আপুনি কৈছে যে আপুনি প্ৰেছমেল মাতিব।

1. কিছুমান কাকতে লিখিছিল যে মন্ত্ৰীৰ ল'ৰা-ছোৱালী নাই। (লিখিছে)
2. আপুনি কলে যে চৰকাৰে অস্ত্ৰোপচাৰ কৰি জাতিক অধঃপতনৰ মুখলৈ ঠেলি দিছে। (কৈছিল)
3. ডাক্তৰে কলে যে জন্ম নিৰোধক পিল ডাক্তৰখানাত দিয়া হয়। (কয়)
4. আমি প্ৰচাৰ কৰিছোঁ যে মানুহে বিয়া পলমকৈ কৰাব লাগে। (কৰিছিলোঁ)
5. আমি কৈছোঁ যে শিক্ষাৰ প্ৰচাৰে জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিব। (কওঁ)

পঢ়ক আৰু বুজি লওক

জনসংখ্যা সমস্যা

বৰ্তমান কালত বিশ্বৰ বাবে ভাবুকি স্বৰূপ হৈ পৰা প্ৰধান সমস্যা বিলাকৰ এটা হৈছে জনসংখ্যা বৃদ্ধি। ক্ৰমাগত জনসংখ্যা বৃদ্ধিত চিন্তিত হৈ প্ৰায় সকলোবোৰ দেশেই এই সমস্যা নিয়ন্ত্ৰণ কৰিবলৈ বিভিন্ন আঁচনি হাতত লৈছে।

ভাৰতবৰ্ষৰ প্ৰগতিৰ ক্ষেত্ৰত থকা প্ৰধান অন্তৰায় বিলাকৰ এটা হৈছে জনসংখ্যা সমস্যা। বৰ্তমান ভাৰতবৰ্ষ বিশ্বৰ দ্বিতীয় বৃহত্তম জনসংখ্যাসম্পন্ন ৰাষ্ট্ৰ। অথচ মাটিকালিৰ ফালৰ পৰা ভাৰত বিশ্বৰ সপ্তম বৃহত্তম ৰাষ্ট্ৰ। একবিংশ শতিকাৰ দুৱাৰদলি পাৰ হোৱাৰ পিছত ভাৰতৰ জনসংখ্যাই এশকোটি অতিক্ৰম কৰি গৈছে। এই হাৰত জনসংখ্যা বৃদ্ধি পাই থাকিলে ২০২০ চনৰ ভিতৰতে ভাৰতে জনসংখ্যাৰ ক্ষেত্ৰত চীনক অতিক্ৰম কৰিব বুলি বিশেষজ্ঞ সকল একমত।

দেশৰ প্ৰাকৃতিক সম্পদ আৰু উৎপাদনৰ লগত জনসংখ্যাৰ ওতঃপ্ৰোত সম্বন্ধ আছে। এখন দেশৰ জনসংখ্যা যদি দেশখনৰ প্ৰাকৃতিক সম্পদ আৰু উৎপাদনৰ সমানুপাতিক নহয় তেন্তে দেশখনৰ অৰ্থনৈতিক প্ৰগতি বাধাপ্ৰাপ্ত হব পাৰে। সেয়েহে চৰকাৰে বিভিন্ন আঁচনি গ্ৰহণ কৰি ৰাইজক বুজাই দিব লাগে যে পৃথিৱীৰ দেশসমূহৰ উন্নতিৰ মূলতে জনসংখ্যা বৃদ্ধি নিয়ন্ত্ৰণ আৰু উৎপাদন বৃদ্ধি। বিশেষজ্ঞ সকলে মত প্ৰকাশ কৰিছে যে কম উৎপাদন আৰু অধিক জনসংখ্যাই হ'ল ভাতবৰ্ষৰ উন্নতিৰ প্ৰধান বাধা। উৎপাদন কম আৰু চাহিদা বেছি হলে বস্তুৰ দাম বাঢ়ি যায়। জাতীয় উৎপাদন কমি গলে মুদ্ৰাস্ফীতিয়ে দেখা দিয়ে। ফলত দেশৰ অৰ্থনৈতিক

ভাৰসাম্য হেৰাম্প যায়। গতিকে সকলোৱে অনুভব কৰা উচিত যে কেৱল উৎপাদন বৃদ্ধি কৰিলেম্প নহব, জনসংখ্যা বৃদ্ধিও নিয়ন্ত্রণৰ ভিতৰত আনিব লাগিব।

জনসংখ্যা বৃদ্ধি ৰোধ কৰিবৰ বাবে জনসচেতনতাৰ প্রয়োজন। সকলোৱে বুজা উচিত বা সকলোকে বুজোৱা উচিত যে অনিয়ন্ত্রিত জনসংখ্যা বৃদ্ধি দেশৰ প্রগতিৰ বাবে ক্ষতিকাৰক। শিক্ষাৰ বহল প্রসাৰৰ অবিহনে এম্প সচেতনতা সৃষ্টি কৰাটো সম্ভব নহয়। গতিকে ঐা কথাত একমত হব পাৰি যে শিক্ষা, বিশেষকৈ জনসংখ্যা শিক্ষাৰ জৰিয়তে জনসাধাৰণক জাগৃত কৰি তুলিব পাৰি। চৰকাৰ বা স্বেচ্ছাসেৱী সংগঠন সমূহে শিক্ষাৰ প্রসাৰৰ বাবে নানা আঁচনি হাতত লৈছে। প্রাপ্তবয়স্ক আৰু নাৰী শিক্ষাৰ আঁচনি স্পতিমধ্যে জনপ্রিয় হৈ উঠিছে। দৰাচলতে এম্প আঁচনিবিলাক বহু আগতেম্প হাতত লব লাগিছিল।

পলমকৈ হলেও চৰকাৰে পৰিয়াল পৰিকল্পনাৰ বাবে বিভিন্ন আঁচনি হাতত লৈছে। বাতৰি কাকত আৰু দূৰদর্শনৰ বিজ্ঞাপনৰ জৰিয়তে এম্পবিলাক সর্বসাধাৰণ ৰাম্পজৰ মাজত জনপ্রিয় কৰি তুলিছে। গতিকে ঐা কথা আশা কৰিব পাৰি যে এম্প আঁচনি সমূহ সুদক্ষতাৰে পৰিচালনা কৰি জনসচেতনতা জগাম্প তুলিব পাৰিলে অদূৰ ভবিষ্যতে ভাৰতবর্ষম্প পৃথিবীৰ এখন উন্নত দেশ হিচাপে মূৰ তুলিবলৈ সক্ষম হব।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
ভাবুকি	धमकी
ক্রমাগত	बढ़ती हुई
প্রগতি	प्रगति
অন্তৰায়	बाधा
বৃহত্তম	वृहत्तम
দুৱাৰদলি	देहरी
অতিক্রম	अतिक्रमण
মাঁকালি	क्षेत्रफल

বিশেষজ্ঞ	विशेषज्ञ
ওতঃপ্ৰোত	अभिन्न
সমানুপাতিক	समानुपातिक
চাহিদা	माँग
মুদ্ৰাস্ফীতি	मुद्रास्फीति
ভাৰসাম্য	संतुलन
জনসচেতনতা	जनचेतना
প্ৰসাৰ	प्रसार
স্বেচ্ছাসেৱী	स्वयंसेवी
বিজ্ঞাপন	विज्ञापन
সুদক্ষতা	दक्षतापूर्ण
অদূৰ	बहुत दूर की

अभ्यास

I. তলত দিয়া শব্দবিলাকৰ বিপৰীতাৰ্থক শব্দ লিখি সেইবিলাক ব্যৱহাৰ কৰি অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. উন্নত 5. ভাল
2. কম 6. পুৰণি
3. আগবাঢ়ি 7. উচিত
4. ওপৰ 8. ক্ষতি

II. তলত দিয়া শব্দবিলাকৰ সমাৰ্থক শব্দ লিখি সেইবিলাক ব্যৱহাৰ কৰি অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য তৈয়াৰ কৰক।

1. প্ৰগতি **5.** সম্বন্ধ
2. প্ৰসাৰ **6.** ধুৰুপ
3. ওতঃপ্ৰোত **7.** শিখৰ
4. আঁচনি **8.** ডেকা

III. বহলাম্প উত্তৰ দিয়ক।

1. আমাৰ দেশৰ ঐা প্ৰধান সমস্যাৰ বিষয়ে লিখক।
2. উৎপাদনৰ লগত জনসংখ্যাৰ সম্পৰ্ক আলোচনা কৰক।
3. জনসংখ্যা নিয়ন্ত্ৰণৰ বাবে চৰকাৰে কি কি আঁচনি গ্ৰহণ কৰিছে তাৰ বিষয়ে আলোচনা কৰক।

IV. তলত দিয়া বন্ধনীৰ ভিতৰত থকা শব্দৰ পৰা উপযুক্ত শব্দ বাচি লৈ চিঠিখন সম্পূৰ্ণ কৰক।

[বৰ্ষা-অৰণ্য, হেঁপাহ, দায়িত্ব, একান্ত, সম্মতি, নিমন্ত্ৰণ, অনুষ্ঠানৰ, ভালেম্প, একলম, ভাল, যোগদান, খবৰ, অভয়াৰণ্যত, পৰ্য্যকক, দেখুওৱাৰ]

চিঠি

অসম পৰ্য্যন বিভাগ

গুৱাহাটী -- ১

তা. ২১.৬.২০০৪

মৰমৰ অনুপ,

বহুদিন তোমাৰ একো বাতৰি নাপাম্প ...... লিখিলোঁ। আশা কৰোঁ ভগৱানৰ কৃপাত তোমালোক সকলোৰে ......। মোৰো এক প্ৰকাৰ।

মম্প পৰ্য্যন ৰিভাগৰ চাকৰিত ...... কৰাৰ খবৰ হয়তো তুমি পোৱা। গতিকে আজি মম্প তোমাক ঐা বিষয়েম্প ...... লিখিবলৈ লৈছোঁ।

"ডিব্ৰু ছৈখোৱা" তিনিচুকীয়া জিলাত অৱস্থিত এখন ......। "দিহিং পাঁকাম্প" এম্প অভয়াৰণ্যত পালন কৰা ঐা বিশেষ অনুষ্ঠান। এম্প অনুষ্ঠানৰ দ্বাৰা বৰ্ষা-অৰণ্য আৰু ম্পয়াৰ জৈৱ বৈচিত্ৰ্যৰ বিষয়ে ...... অবগত কৰাৰ ব্যৱস্থা আছে। বনৰীয়া ঘোঁৰা, পেলিকান ধনেশ আদি কৰি পক্ষী আৰু জীৱকুল চোৱাৰ নিশ্চয় তোমাৰ ..... আছে?

গতিকে, এস্প সুযোগতে অহা এপ্রিলত হ'ব ল'গা "দিহিং-পীকাম্প" উৎসৱৰ বাবে তোমালৈ ..... পঠালোঁ। গুৱাহাটীৰ পৰা তিনিচুকীয়া জিলালৈ মোৰ যোৱাৰ ..... । তোমাৰ পৰা অতি শীঘ্রেস্প ..... পোৱাৰ আশাত ৰ'লোঁ।

শ্পতি

তোমাৰ বন্ধু

সুশান্ত নাৰ্জাৰী

প্ৰতি,

অনুপ কুমাৰ বৰুৱা

কেন্দ্ৰীয় ভাৰতীয় ভাষা প্ৰতিষ্ঠান

মানসাগংগোত্ৰী ৰোড

মহীশূৰ - ৬

V. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

সুনীত : আৰে সঞ্জীৱ তুমি এস্পবোৰ কি কৰি আছা?

সঞ্জীৱ : গছ কাঁটি আছোঁ, দেখা নাস্প ?

সুনীত : গছ কাঁটিব নেলাগে বুলি নেজান নেকি? গছ লগাবহে লাগে।

সঞ্জীৱ: তস্প পাগল হলি নেকি?

(গাওঁবুঢ়া ডম্বৰুৰ প্ৰবেশ)

ডম্বৰু : কোন পাগল হ'ল, অ'?

সঞ্জীৱ : নমস্কাৰ গাওঁবুঢ়া, এস্প সুনীতে কিদৰে পাগলৰ দৰে কথা ক'ব লাগিছে?

ডম্বৰু : কি অ সুনীত ? তস্পনো এনে কি কথা কলি?

সুনীত : গাওঁবুঢ়া দদাস্পতি, মস্প মাথো কলোঁ যে গছ নেকাঁটিবি।

ডম্বৰু : এস্পটোতো একেবাৰে সঁচা কথা। গছ আমাৰ জীৱন ৰক্ষকেস্প। গছে বায়ুমণ্ডলৰ ধূলি বালিৰ প্ৰকোপ কমায় ; বায়ু শোধিত কৰি ৰাখে। গছে

আমাক ছাঁ দিয়ে, ফল দিয়ে, ফুল দিয়ে। গতিকে স্পয়াৰতো পূজাম্প কৰিব লাগে।

সুনীত : একেবাৰে সঁচাকথা দাম্পতি। আমি আমলখি, আহঁত, তুলসী আদিৰ পূজা কৰাৰ দৰে আন গছৰো যত্ন ল'ব লাগে।।

সঞ্জীৱ : কিন্তু, ভাম্প মম্পতো মোৰ ঘৰ সঁজাবৰ বাবেহে গছ কাটিছোঁ। এম্পটোওটো জৰুৰী কাম।

সুনীত : কিন্তু স্পয়াৰ বাবেম্প গোটেম্প গছজোপা কটাৰ কি প্ৰয়োজন? ঘৰত লোহাৰ খুঁটি ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। আমি গছ বেছিকৈ লগোৱাটোহে প্ৰয়োজনীয়।

ডম্বৰু : এম্পটোতো এটা ভাল উপদেশেম্প। আমি ৰাষ্টাৰ কাষত আৰু খালি ঠাম্পত গছ লগাব লাগে। এম্প কথাটো মম্প গাওঁসভাত নিশ্চয় ক'ম।

সঞ্জীৱ :গাওঁবুঢ়া দাম্পতি, মম্প আৰু গছ নাকাটোঁ। ঘৰত লোৰ কেঞ্চি বাতামেম্প লগাম। কেৱল মৰি যোৱা গছহে কাটিম। এজোপা গছৰ ঠাম্পত দুজোপা লগাম। বাৰীৰ খালি ঠাম্পবোৰত গছ লগাম আৰু তাৰ ভাল যত্নও ল'ম।

VI. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

सम्पादक के नाम पत्र

श्रीमान सम्पादक महोदय,

आपके लोकप्रिय साप्ताहिक समाचार पत्र में कल दो लेख पढ़े। एक है समाज में मानवमूल्यों का ह्रास। दूसरा है समाज में नैतिकस्तर को बनाए रखने में जनभागीदारी। कुछ दिन पहले, संभवतः पिछले रविवारीय अंक में एक लेख छपा था, नैतिक शिक्षा में संतों का योगदान।

इन तीनों लेखों का केंद्रबिंदु नैतिकता ही है। आपके इस साप्ताहिक पत्र ने इस प्रकार के लेख छापकर जिस प्रकार जनचेतना जागृत करने का प्रयत्न किया है वह सराहनीय है। इसके लिए आप बधाई के पात्र हैं।

वस्तुतः मानवमूल्यों के गिरते स्तर के प्रति हम सब समान रूप से जवाबदार हैं। भौतिक सुविधाओं को प्राप्त करने की होड़ा-होड़ी ने हमें बहुत ही स्वार्थी बना दिया है। इस स्वार्थ भावना के कारण हमारा नैतिक स्तर इतना गिर गया है कि, हमने अपने ऋषियों और संतों द्वारा दी गई शिक्षाओं को भुला दिया है।

अपनी संस्कृति से भी हम बहुत दूर होते जा रहे हैं। संस्कृति समाज में नैतिकता स्थापित करने का बहुत बड़ा आधार होती है। यदि हम अपने महापुरुषों की जीवनशैली का अनुसरण कर लें तो हमारा नैतिक स्तर सदा उच्च बना रहेगा।

संतों ने अपनी अनुभवी वाणी द्वारा एवं अपने साहित्य द्वारा हमें नैतिक दायित्वों का बोध करवाया है। आज भी समय-समय पर हमारे संत-जन हमारा मार्ग प्रशस्त कर रहे हैं। सभी धर्मों के संतों का संदेश एक जैसा ही श्रेष्ठ है।

जब तक हम स्वयं को नहीं सुधारेंगे, जब तक हम स्वयं ही नैतिक मूल्यों को अपने आचरण में नहीं लाएँगे, तब तक समाज में नैतिक मूल्यों की स्थापना संभव नहीं है।

यदि हम दूसरे के दोष देखने के बजाए अपने आचरण को सुधारना शुरु कर दें तो हमारा समाज स्वयं ही सुधर जाएगा। हम सब समाज के ही तो अंग है। हमारे संयोग से ही समाज का गठन माना जाता है। हम समाज की एक इकाई हैं।

आशा है आपका यह लोकप्रिय साप्ताहिक पत्र भविष्य में भी इसीप्रकार के महत्वपूर्ण लेखों का प्रकाशन करता रहेगा।

भवदीय

8 सितंबर, 2004

डॉ. पूरन सहगल
कृष्णायन/उषागंज
मनासा/(MANASA)
जि. नीमच, म.प्र. - 458 110

VII. জনস্বাস্থ্যৰ সম্পৰ্কে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টোকা

1. পৰোক্ষ উক্তিৰ প্ৰয়োগ : এই পাঠত পৰোক্ষ উক্তিৰ প্ৰয়োগ দেখুওৱা হৈছে। সাধাৰণতে মুখ্য বাক্যাংশ (main clause)ৰ পিছত সংযোজক অব্যয় "যে" লগাই তাৰ পিছত উদ্ধৃত বাক্যাংশ (embedded clause) ব্যৱহাৰ কৰা হয়। মন কৰিবলগীয়া যে অসমীয়া পৰোক্ষ উক্তিত সাধাৰণতে মূল উদ্ধৃত বাক্যৰ কৰ্তা আৰু ক্ৰিয়াৰ কোনো পৰিবৰ্তন নহয়। কেৱল মুখ্য আৰু উদ্ধৃত বাক্যাংশৰ মাজত "যে" হয় আৰু উদ্ধৃত বাক্যাংশৰ পৰা উৰ্দ্ধকমা উঠি যায়।

2. ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ প্ৰয়োগ দৃঢ়ীকৰণ : শিক্ষাৰ্থী সকলে ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্যৰ প্ৰয়োগ আগতে শিকিছে। সাধাৰণ ধাতুৰ নিচিনাকৈ পাচনী ধাতুৰ লগতো “-আ” যুক্ত কৰি ক্ৰিয়াবাচক বিশেষ্য গঠন কৰা হয়। পাচনী ধাতু আকাৰান্ত হয়; গতিকে “-আ + -আ” লগ হৈ “-ওৱা” হয়। যেনে --

দেখ + -উৱা = দেখুৱা + -আ = দেখুওৱা

আন + -আ = অনা + -আ = অনোৱা

পাঠ पाठ 24

যক্ষ প্ৰশ্ন

(শিক্ষক শ্ৰেণী কোঠাত সোমোৱাৰ লগে লগে ছাত্ৰ-ছাত্ৰী সকলে থিয়হৈ তেওঁক অভিবাদন জনালে। শিক্ষকে ছাত্ৰ-ছাত্ৰীৰ হাজিৰা ললে।)

শিক্ষক : ছাত্ৰ-ছাত্ৰীসকল, যোৱা সপ্তাহত মম্প মহাভাৰতৰ 'যক্ষ প্ৰশ্ন' অধ্যায়ঁো তোমালোকৰ পঢ়াম্পছিলোঁ। আজি আমি তাকে অভিনয় কৰিম। কোৱাচোন, তোমালোকৰ কোনে কোনে ম্পয়াত ভাগ ল'বা?

(তিনিজন ছাত্ৰ অভিনয় কৰিবৰ বাবে ঠিয় হ'ল।)

শিক্ষক : ঠিক আছে। বিমল, অবিনাশ তোমালোক দুয়ো অভিনয় কৰিবা। আৰু সুশান্ত, তুমি যক্ষ পৰ্বৰ

(शिक्षक कक्षा में प्रवेश करते हैं। छात्र-छात्राएँ उनका अभिवादन करते हैं। शिक्षक उनकी हाजरी लेते हैं।)

शिक्षक : प्रिय विद्यार्थियो! हम लोगों ने पिछले सप्ताह महाभारत का प्रसंग 'यक्ष-प्रश्न' पढ़ा था। आज हम उसका अभिनय करेंगे। बताओ, तुम में से कौन-कौन इसमें भाग लेगा?

(तीन छात्र अभिनय करने के लिए खड़े होते हैं।)

शिक्षक : अच्छा, विमल, अविनाश तुम लोग अभिनय करोगे। सुशांत तुम यक्ष-पर्व की भूमिका पेश करोगे।

(सुशांत शुरु करता है)

ভূমিকাডোখৰ ক’বা।

(সুশান্তম্প আৰম্ভ কৰিলে)

সুশান্ত : ৰাজ্যৰ পৰা নির্বাসিত পঞ্চ পাণ্ডৱ আৰু দ্রৌপদী বনে বনে ঘূৰি ফুৰিছিল। এনেতে দ্রৌপদীৰ পিয়াহ লগাত তেওঁ যুধিষ্ঠিৰক পানী আনিবলৈ কলে। যুধিষ্ঠিৰে পানীৰ সন্ধান কৰিবলৈ ভীমক পঠিয়াম্প দিলে। কিন্তু বহু বিচৰাৰ পিছতো ভীমে ক’তো পানী নেপালে। তেতিয়া ধৰ্মম্প পুত্ৰ যুধিষ্ঠিৰৰ বিপত্তি দেখি সৰোৱৰৰ ঐা সৃষ্টি কৰি দিলে আৰু পাণ্ডৱৰ পৰীক্ষা ল’বৰ বাবে তেওঁ যক্ষৰ ৰূপ ধৰি সৰোবৰৰ পাৰত ৰৈ থাকিল।

শিক্ষক : সুন্দৰ হৈছে সুশান্ত। তাৰ পিছত কি হ’ল?

সুশান্ত : পানী বিচাৰি বিচাৰি ভীম আহি সেম্প সৰোবৰৰ পাৰত উপস্থিত হ’ল। যক্ষম্প ভীমক ক’লে -- ‘শুনা পাণ্ডুপুত্ৰ, পানী খোৱাৰ আগতে মোৰ প্ৰশ্ন কেম্পৗমানৰ

सुशांत : पाँचों पांडव द्रौपदी के साथ निर्वासित होकर जंगल-जंगल भटक रहे थे। रास्ते में द्रौपदी को प्यास लगी। द्रौपदी ने युधिष्ठिर से पानी के लिए कहा। युधिष्ठिर ने भीम को पानी की तलाश में भेजा। पर भीम को कहीं पानी नहीं मिला। तब धर्म ने युधिष्ठिर की विपत्ति को देखकर एक सरोवर का निर्माण कर दिया लेकिन पांडवों की परीक्षा लेने के लिए धर्म यक्ष के रूप में सरोवर के किनारे खड़े हो गए।

शिक्षक : बहुत अच्छा। अब आगे बताओ क्या हुआ?

सुशांत : उसके बाद भीम पानी की तलाश में उसी सरोवर पर जा पहुँचा। यक्ष ने भीम से कहा -- सुनो पांडुपुत्र! पानी पीने से पहले तुम्हें मेरे कुछ प्रश्नों के उत्तर देने होंगे। लेकिन भीम ने प्रश्न को अनसुना कर दिया और पानी पीने के लिए आगे बढ़ गया। पानी पीते ही भीम अचेत हो गया। इसीप्रकार पानी की तलाश में आए अर्जुन, नकुल और सहदेव भी पानी पीकर अचेत हो गए। तब खुद युधिष्ठिर सरोवर पर पहुँचे। यक्ष ने उनसे भी प्रश्नों के उत्तर देने के

উত্তৰ দিয়া।’ কিন্তু ভীমে যক্ষক অবজ্ঞা কৰি পানী খাবৰ বাবে আগবাঢ়িল। সৰোবৰৰ পানী খাওঁতেম্প ভীম অচেতন হৈ পৰিল। ঠিক এম্পদৰেম্প অৰ্জুন,

নকুল আৰু সহদেৱৰো একে দশা হোৱাত যুধিষ্ঠিৰ নিজেম্প পানী বিচাৰি সৰোবৰৰ পাৰত উপস্থিত হ’লহি। যক্ষম্প তেওঁকো প্ৰশ্ন কেম্পামানৰ উত্তৰ দিবলৈ কলে।

শিক্ষক : ৰবা সুশান্ত। এতিয়া বিমল আৰু অবিনাশে অভিনয় কৰিব।

(অভিনয় আৰম্ভ হ’ল)

যক্ষ : ৰবা যুধিষ্ঠিৰ। তুমি পানী নাখাবা। প্ৰথমে মোৰ প্ৰশ্নৰ উত্তৰ দিয়া। তাৰ পাছত হে পানী খাব পাৰিবা। নহলে তোমাৰো সৰু ভায়েৰাহঁতৰ দৰেম্প দশা হব।

যুধিষ্ঠিৰ : ভাল কথা। আপুনি আপোনাৰ প্ৰশ্ন

लिए कहा।

शिक्षक : ठीक है सुशांत। अब विमल और अविनाश अभिनय करेंगे।

(अभिनय शुरु होता है।)

यक्ष : रुको युधिष्ठिर! पानी पीने से पहले मेरे प्रश्नों का उत्तर दो। नहीं तो अपने छोटे भाइयों की सी दशा तुम्हारी भी होगी।

युधिष्ठिर : अच्छी बात है। आप अपने प्रश्न पूछें, हे मायावी देव! मैं उत्तर देने का प्रयास करूँगा।

সোধক -- হে মায়াবী দেৱতা! মস্প উত্তৰ দিবলৈ চেষ্টা কৰিম।

যক্ষ : বাৰু কোৱা, বেলিটো সদায় কাৰ আদেশত ওলায়?

যুধিষ্ঠিৰ : বেলিটো সদায় পৰম ব্ৰহ্মৰ নিৰ্দেশতহে ওলায়।

যক্ষ : বাৰু, বিপদত মানুহক কিহে ৰক্ষা কৰে?

যুধিষ্ঠিৰ : মানুহক বিপদত কেৱল সাহসেহে ৰক্ষা কৰে। অস্পন একোৱে নোৱাৰে।

যক্ষ : ঠিকেস্প কৈছা। এস্পবাৰ কোৱা, কি শাস্ত্ৰ পঢ়িলে মানুহ জ্ঞানী হয়?

যুধিষ্ঠিৰ : কোনো শাস্ত্ৰ পঢ়ি মানুহ জ্ঞানী হব নোৱাৰে। সৎ লোক আৰু মহাপুৰুষৰ সংগস্পহে মানুহক জ্ঞানী কৰে।

যক্ষ : বাৰু, পৃথিৱীৰ বাহিৰে অস্পন কোনে আমাক ভালকৈ ৰক্ষা কৰে?

যুধিষ্ঠিৰ : আমাৰ সহনশীলা মাতৃয়েহে

यक्ष : अच्छा बताओ -- सूरज किसके आदेश से रोज निकलता है?

युधिष्ठिर: परम ब्रह्म के निर्देश से।

यक्ष : अच्छा, विपत्ति में मनुष्य की कौन रक्षा करता है?

युधिष्ठिर: केवल साहस ही मनुष्य की विपत्ति में रक्षा करता है। दूसरा कोई नहीं।

यक्ष : ठीक! अब बताओ कौन-सा शास्त्र पढ़ने पर मनुष्य ज्ञानी बनता है?

युधिष्ठिर: कोई भी शास्त्र पढ़कर मनुष्य ज्ञानी नहीं बनता। सत्संग से ही मनुष्य ज्ञानी बनता है।

यक्ष : बताओ! पृथ्वी को छोड़कर दूसरे कौन हमारी रक्षा करते हैं?

युधिष्ठिर: हमारी सहनशीला माँ, हमारी ठीक से रक्षा करती है।

यक्ष : अब बताओ, आकाश से भी ऊँचा क्या है?

আমাক ভালকৈ ৰক্ষা কৰে।

যক্ষ : ভাল কথা, এম্পবাৰ কোৱা, আকাশতকৈ ওখ কি?

যুধিষ্ঠিৰ : পিতৃদেৱেম্প সকলোতকৈ ওখ।

যক্ষ : বাৰু, বায়ুতকৈ বেগৱান কোন কোৱা?

যুধিষ্ঠিৰ : মনতকৈ বেছি বেগৱান কোনো নাম্প।

যক্ষ : সবাতোকৈ বেছি দহনশীল কি?

যুধিষ্ঠিৰ : শোকাতুৰ হৃদয়তকৈ বেছি দহনশীল একো নাম্প।

যক্ষ : বিদেশত থকাজনৰ বাবে প্রকৃত বন্ধু কোন?

যুধিষ্ঠিৰ : বিদ্যাম্প পৰম বন্ধু। ি কা-পম্পচাতকৈ বিদ্যাম্পহে বিদেশত প্রকৃত সহায়ক।

যক্ষ : সুখ ক'ত পোৱা যায়, কোৱা?

যুধিষ্ঠিৰ : সজ প্রবৃত্তি বা সজ আচৰণহেত সুখ পোৱা যায়।

যক্ষ : লোকপ্রিয় হবলৈ মানুহে কি বস্তু

युधिष्ठिरः पिता सब से ऊँचा होता है।

यक्ष : अच्छा, वायु से तेज कौन है?

युधिष्ठिरः मन से तेज और कोई नहीं।

यक्ष : सब से अधिक दहनशील वस्तु क्या है?

युधिष्ठिरः शोकार्त्त हृदय से अधिक दहनशील कुछ नहीं है।

यक्ष : परदेश में स्वाभाविक बंधु कौन है?

युधिष्ठिरः विद्या ही सबसे अच्छा मित्र है। विदेश में विद्या ही काम में आता है।

यक्ष : सुख कहाँ मिलता है - बताओ।

युधिष्ठिरः सहज प्रवृत्ति या सदाचार में सुख मिलता है।

यक्ष : लोकप्रिय बनने के लिए आदमी को क्या त्याग करना चाहिए?

युधिष्ठिरः लोकप्रिय बनने के लिए आदमी को आत्माभिमान का त्याग करना चाहिए।

यक्ष : दुःखों का मूल कारण क्या है?

युधिष्ठिरः गुस्सा ही दुःखों का मूल कारण है।

यक्ष : कौन-सी चीज़ न रहने पर आदमी

त्यাগ কৰা উচিত?

যুধিষ্ঠিৰ : লোকপ্ৰিয় হবলৈ মানুহে আত্মাভিমান ত্যাগ কৰা উচিত।

যক্ষ : দুঃখৰ মূল কাৰণ কি?

যুধিষ্ঠিৰ : খঙেই দুঃখৰ মূল কাৰণ।

যক্ষ : কি বস্তু নহলে মানুহ ধনী হব পাৰে?

যুধিষ্ঠিৰ : আশা বা কামনা পৰিত্যাগ কৰিলে মানুহ সম্পদশালী হয়।

যক্ষ : যুধিষ্ঠিৰ, সংসাৰত সবাতোকৈ আশ্চৰ্য্য কি?

যুধিষ্ঠিৰ : 'মানুহ মৰণশীল' বুলি জানিও মানুহে জীয়াই থাকিবলৈ আকাংক্ষা কৰাটোৱেই সকলোতকৈ আচৰিত কথা।

যক্ষ : তোমাৰ উত্তৰত মই প্ৰসন্ন। মই ধৰ্মৰাজ। মোৰ পৰীক্ষাত তুমি উত্তীৰ্ণ হৈছা। তোমাক কি লাগে কোৱা।

যুধিষ্ঠিৰ : প্ৰণাম! ....

अमीर बन सकता है?

युधिष्ठिर: आशा या कामना का त्याग करने पर आदमी अमीर बन सकता है।

यक्ष : युधिष्ठिर, संसार में सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?

युधिष्ठिर: मनुष्य मरता है -- इस बात को जानते हुए भी मनुष्य की जीवित रहने की आकांक्षा -- सबसे बड़ा आश्चर्य है।

यक्ष : तुम्हारे उत्तरों से मैं संतुष्ट हूँ। मैं धर्मराज हूँ। मेरी परीक्षा में तुम उत्तीर्ण हुए हो। तुम्हें क्या चाहिए, बताओ।

युधिष्ठिर: प्रणाम! .....
(बीच में टोक कर)

शिक्षक : बहुत सुंदर! किंतु यक्ष ने तो चार ही प्रश्न किए थे, तुमने तेरह प्रश्न बना दिए।

विमल और
अविनाश : महाशय! वे कौन से थे?

शिक्षक : वे प्रश्न थे --

सबसे वेगवान कौन है?
सबसे श्रेष्ठ कौन है?
सबसे सुखी कौन है? और
सबसे बड़ा आश्चर्य क्या है?
इन चारों प्रश्नों के सही उत्तर देने

শিক্ষক : সুন্দৰ হৈছে। কিন্তু যক্ষম্পটো চাৰিটা প্রশ্নহে কৰিছিল, তোমালোকে দেখোন তেৰটা বনাম্প দিলা।

বিমল আৰু

অবিনাশ: চাৰ, সেম্প কেম্পটানো কি কি আছিল?

শিক্ষক : সেম্প কেম্পটা আছিল --

সকলোতকৈ বেগৱান কোন?

সকলোতকৈ শ্রেষ্ঠ কোন?

সকলোতকৈ সুখী কোন?

সকলোতকৈ ডাঙৰ আশ্চৰ্য্য কি?

এম্প চাৰিওটা প্রশ্নৰ সঠিক উত্তৰ দিয়াৰ পিছত যক্ষম্প যুধিষ্ঠিৰক সুধিছিল যে চাৰিওজন ভায়েকৰ ভিতৰত তেওঁ কাক জীৱিত অবস্থাত পাবলৈ বিচাৰে। তেতিয়া যুধিষ্ঠিৰে সহদেৱৰ নাম কলে। যক্ষম্প আচৰিত হৈ সুধিলে, ‘তুমি নিজৰ সহোদৰ ভাম্পকেম্পজনক এৰি

पर यक्ष ने युधिष्ठिर से कहा, बताओ इन चारों भाइयों में से तुम किसे जीवित देखना चाहते हो। युधिष्ठिर ने सहदेव को जीवित करने के लिए कहा। यक्ष ने पूछा, ऐसा ही क्यों? तुम अपने सगे भाइयों को छोड़कर सहदेव को जीवित क्यों देखना चाहते हो? युधिष्ठिर ने कहा -- इसलिए कि सहदेव माद्री का पुत्र है और सबसे छोटा और प्रिय है। वह जीवित होगा तो कुंती की तरह माद्री का

भी एक पुत्र तो जीवित रहेगा। युधिष्ठिर के विचारों को सुनकर यक्ष प्रसन्न हो गए। उन्होंने कहा -- तुमने सचमुच धर्म की रक्षा की है। मैं तुम्हारे चारों भाइयों को जीवित करता हूँ।

अब आज का पाठ यहीं समाप्त होता है। कल हम लोग दूसरा पाठ शुरु करेंगे।

সহদেৱক কিয় জীৱিত অবস্থাত বিচাৰা?' যুধিষ্ঠিৰে কলে বোলে সহদেৱ মাদ্ৰীৰ সন্তান, আৰু সকলোতকৈ সৰু আৰু প্ৰিয়। সহদেৱ জীয়াম্প থাকিলে কুন্তীৰ দৰে মাদ্ৰীৰো এটা সন্তান জীয়াম্প থাকিব। যুধিষ্ঠিৰৰ উত্তৰ শুনি যক্ষ সন্তুষ্ট হ'ল আৰু কলে 'তুমি সঁচাম্প ধৰ্মৰ ৰক্ষক, মম্প তোমাৰ চাৰিওজন ভায়েৰাকে জীৱিত কৰি দিম।'

আজি আমি শ্পয়াতে শেষ কৰিছোঁ। কালিলৈ আমি দ্বিতীয় পাঠটো আৰম্ভ কৰিম।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
হাজিৰা	हाजरी, उपस्थिति
সপ্তাহ	सप्ताह
অধ্যায়	अध्याय
থিয়	खड़ा
পিয়াহ	प्यास

সন্ধান	संधान
পঠিয়াম্প দিলে	भेज देना
বিপত্তি	विपत्ति
অবজ্ঞা	अवज्ञा, अनसुना
ৰূপধৰি	के रूप में, भेस बदलना
পাৰত	किनारे पर
নিৰ্বাসিত	निर्वासित
বনে বনে	वन-वन, जंगलों में
তালৈ	वहाँ
আৰ্ত্ত	आर्त्त
এজন এজনকৈ	एक-एक करके
নুশুনিলে	नहीं सुना
ফলত	फलस्वरूप
মূৰ্চ্ছিত	मूर्च्छित
কথোপকথন	वार्तालाप
ৰবা	रुको
নহলে	नहीं तो
ভায়েৰাহঁত	भाइयों
দশা	दशा/अवस्था
সোধক	पूछिए
মায়াবী	मायावी
বেলিটো	सूरज
পৰম ব্ৰহ্ম	परम ब्रह्म
অম্পন	दूसरा
	कुछ भी

একোৱে
শাস্ত্ৰ
জ্ঞানী
সংগ
বাহিৰে
সহনশীলা
ভালকৈ
এম্পবাৰ
আকাশতকৈ
ওখ
বেগৱান
দহনশীল
শোকাতুৰ
বিদেশত
প্ৰবৃত্তি
খং
মূল
ধনী
পৰিত্যাগ
সম্পদশালী
আশ্চৰ্য্য
মৰণশীল
জীয়াম্প
প্ৰসন্ন

शास्त्र
ज्ञानी
संग
छोड़
सहनशीला
अच्छी तरह
इस बार
आकाश से
ऊँचा
तेज
दहनशील
शोकार्त्त
विदेश में
प्रवृत्ति
क्रोध, गुस्सा
मूल
धनी, अमीर
परित्याग
समृद्धिशाली
आश्चर्य
मरणशील
जीवित
प्रसन्न, संतुष्ट
उत्तीर्ण
अनगिनत

উত্তীৰ্ণ — जीवित

অশেষ — संतान

জীৱিত — वे सब

সন্তান — सबसे

সেম্পকেম্পা — सटीक

সকলোতকৈ

সঠিক

अभ्यास

I. উদাহৰণ অনুসৰি বাক্য পৰিবৰ্ত্তন কৰক।

উদাহৰণঃ

(ক) তেওঁ নাযায়। মম্প যাম।

→ তেওঁ নাযায়, মম্প হে যাম।

1. তেওঁ সভালৈ নাহিল। মম্প আহিলোঁ।
2. ৰামে কথাটো নুশুনিলে। শ্যামে শুনিলে।
3. এম্পয়া পম্পচা মম্প দিয়া নাম্প। মায়ে দিছে।
4. দিখৌত পানী বঢ়া নাম্প। ব্ৰহ্মপুত্ৰত বাঢ়িছে।
5. উন্নত দেশৰ জনসংখ্যা বঢ়া নাম্প। অনুন্নত দেশৰ জনসংখ্যা বাঢ়িছে।

(খ) তুমি প্ৰথমতে উত্তৰ দিয়া। তাৰ পিছত যাব পাৰিবা।

→ তুমি উত্তৰ দিহে যাব পাৰিবা।

1. মম্প প্ৰথমতে ঘৰলৈ যাম। তাৰ পিছত বজাৰলৈ যাম।
2. অসমীয়া তিৰোতাম্প প্ৰথমতে গা ধোৱে। তাৰ পাছত ৰন্ধা-বঢ়া কৰে।
3. মম্প প্ৰথমতে ষ্টেচনলৈ আহিলোঁ। তাৰ পিছত গম পালোঁ যে ৰেল বন্ধ।

4. আমি সকলোৱে প্ৰথমতে জলপান খাওঁ। তাৰ পিছতহে চাহ খাওঁ।

5. মম্প বস্তুটো প্ৰথমতে ভালকৈ চাম। তাৰ পিছত কিনিম।

II. বন্ধনীৰ ভিতৰত দিয়া শব্দবোৰৰ ভিতৰত শুদ্ধ শব্দটো বাচি বাক্য পূৰণ কৰক।

1. কোনেও মোৰ কথা ________ । (শুনিলে/নুশুনিলে/নুশুনিব)
2. আজিকালি কাৰো পৰা সহায় পোৱা ____________ । (নাযায়/যায়/নগৈছিল)
3. মম্প বহুত দিন কলৈকো _______ । (গৈছোঁ/যোৱা নাম্প/যাম)
4. বৰ গণ্ডগোল কাৰো কথা _________ । (নুশুনি/শুনি/শুনা যায়)
5. মম্প অসমলৈ কতবাৰ ______ তাৰ কোনো হিচাব নাম্প। (গৈছোঁ/যোৱা নাম্প/যাম)
6. ধৈৰ্যৰ বাহিৰে বিপদত আন একোৱে ৰক্ষা কৰিব _____ । (পাৰে/নোৱাৰে/নপাৰে)

III. সমানৰ্থক শব্দ লিখি প্ৰতিটো শব্দৰে একোটাকৈ অৰ্থপূৰ্ণ বাক্যৰচনা কৰক।

1. আপোনা-আপুনি
2. প্ৰকৃততে
3. ধুনীয়া
4. তিৰোতা মানুহ
5. দেৰিকৈ

IV. উদাহৰণ অনুসৰি ঐটা বাক্যত উত্তৰ দিয়ক।

উদাহৰণঃ দেউতাকৰ মাকক কি কয় ? : আম্পতা

1. দেউতাকৰ ভায়েকক কি কয়?
2. দেউতাকৰ দেউতাকক কি কয়?

3. মাকৰ ভনীয়েকক কি কয়?
4. বায়েকৰ গিৰিয়েকক কি কয়?
5. খুড়াকৰ ঘৈনীয়েকক কি কয়?

V. পাঠৰ জ্ঞানৰ ভিত্তিত সংক্ষেপে উত্তৰ দিয়ক।

1. পঞ্চ পাণ্ডৱৰ পৰীক্ষা লবলৈ কোন আহিছিল?
2. বেলিটো সদায় কাৰ আদেশত ওলায়?
3. মানুহক বিপদত কিহে ৰক্ষা কৰে?
4. আকাশতকৈ ওখ কি?
5. দুঃখৰ মূল কাৰণ কি?
6. যুধিষ্ঠিৰৰ উত্তৰত যক্ষ সন্তুষ্ট হ'ল নে?

VI. বহলাই উত্তৰ দিয়ক।

1. এই পাঠটো পঢ়ি আপুনি কি নতুন কথা শিকিলে তাৰ ওপৰত দুআষাৰ লিখক।
2. ছাত্ৰকেইজনে সংলাপত কি কি নতুন কথা যোগ কৰিলে লিখক।
3. যুধিষ্ঠিৰৰ মহানুভৱতাৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখক।

পঢ়ক আৰু বুজি লওক **(I)**

শৰসন্ধান

মহাভাৰতৰ কথা। পঞ্চপাণ্ডৱ তেতিয়া বালক। পাৰম্পৰিক নিয়ম মতেই পঞ্চপাণ্ডৱ আৰু কৌৰৱ ভাতৃগণক যুদ্ধশিক্ষা প্ৰদান কৰিবলৈ দ্ৰোণাচাৰ্য্যক নিয়োগ কৰা হ'ল। গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যই

পাণ্ডৱ আৰু কৌৰৱগণক অস্ত্ৰশিক্ষাৰ পাঠ দিয়া আৰম্ভ কৰিলে। এম্পদৰে কিছুদিন শিক্ষা প্ৰদান কৰাৰ পিছত গুৰুৱে তেওঁৰ ছাত্ৰসকলৰ অগ্ৰগতিৰ পৰীক্ষা লববৈ থিৰ কৰিলে।

গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প ঐা কাঠৰ পখী অনাম্প তাক এজোপা ওখ গছত আঁৰি দিয়ালে আৰু সকলো শিক্ষাৰ্থীকে তাঁলৈ মাতিলে। সকলো উপস্থিত হোৱাৰ লগে লগে দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প তেওঁৰ পৰীক্ষা আৰম্ভ কৰিলে। প্ৰথমতে যুধিষ্ঠিৰ আগবাঢ়ি আহিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প যুধিষ্ঠিৰক ধনু-শৰ তুলি লববৈ কলে আৰু গছৰ ওপৰত থকা কাঠৰ পখীাৈলৈ আঙুলিয়াম্প তাঁলৈ লক্ষ্য থিৰ কৰিববৈ নিৰ্দেশ দিলে। যুধিষ্ঠিৰে ততালিকে লক্ষ্য স্থিৰ কৰি গুৰুদেৱৰ আদেশলৈ ৰৈ থাকিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প যুধিষ্ঠিৰক সুধিলে -- ‘তুমি কি দেখিছা?’ যুধিষ্ঠিৰে উত্তৰ দিলে -- ‘গুৰুদেৱ, মম্প বৃক্ষ, কাঠৰ চৰাম্প, মোৰ মৰমৰ ভাতৃগণ আৰু আপোনাক দেখিছোঁ।’ যুধিষ্ঠিৰে এম্পদৰে উত্তৰ দিয়াত গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প তেওঁক ধনু-কাঁড় নমাম্প থববৈ আদেশ দিলে।

যুধিষ্ঠিৰৰ পাছত ভীম, দুৰ্যোধন আৰু তেওঁৰ ভাতৃগণক এজন এজনকৈ আহি লক্ষ্য স্থিৰ কৰিববৈ আদেশ কৰিলে। তেওঁলোক প্ৰত্যেকেম্প ধনু-শৰ তুলি লোৱাৰ পাছত দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প এজন এজন কৈ প্ৰত্যেককে ‘কি দেখিছা’ বুলি সোধাত সকলোৱে যুধিষ্ঠিৰৰ দৰে উত্তৰ দিলে। তেতিয়া দ্ৰোণাচাৰ্য্য খঙত অগ্নিশৰ্মা হৈ শিষ্যসকলক ধনু-শৰ নমাম্প থববৈ দি নানান তিৰস্কাৰ কৰিলে।

শেষত তেওঁ অৰ্জুনক ধনু-শৰ লববৈ কলে আৰু লক্ষ্য স্থিৰ কৰিববৈ দিলে। অৰ্জুনে ধনুৰ গুণ ানি লক্ষ্যলৈ চাম্প গুৰুৰ আদেশলৈ অপেক্ষা কৰি থাকিল। দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প অৰ্জুনক সুধিলে -- ‘তুমি কি দেখিছা?’ তেতিয়া অৰ্জুনে কলে -- ‘গুৰুদেৱ, মম্প গছৰ ওপৰত থকা চৰাম্পাে মাত্ৰ দেখিছোঁ।’ আনন্দিত হৈ দ্ৰোণাচাৰ্য্যম্প পুনৰ সুধিলে -- ‘তুমি পক্ষীাৰ কি কি অংগ দেখিববৈ পাম্পছা?’ তেতিয়া অৰ্জুনে কলে যে তেওঁ গোম্পে পক্ষীাে দেখা নাম্প; মাত্ৰ চকু সহ মূৰাােহে দেখিছে। তেতিয়া গুৰুৱে অৰ্জুনক পক্ষীাৰ শিৰ কাঁিববৈ নিৰ্দেশ দিলে। গুৰুৰ আদেশ পোৱা মাত্ৰকে অৰ্জুনে তেওঁৰ ধনুত শৰসন্ধান কৰিলে। অৰ্জুনৰ ধনুৰ তীক্ষ্ণবাণে কাঠৰ পক্ষীাৰ মূৰ দেহৰ পৰা বিচ্ছিন্ন কৰি পেলালে। দ্ৰোণাচাৰ্য্য অতিশয় আনন্দিত হ’ল। তেওঁ

অৰ্জুনক ‘বিশ্বৰ সৰ্বশ্ৰেষ্ঠ ধনুৰ্দ্ধৰ হোৱা’ বুলি আশীৰ্বাদ দিলে। তাৰ পাছত তেওঁ অৰ্জুনক আলিংগন কৰিলে।

ঘটনা দেখি বাকী ৰাজকোঁৱৰ সকলে লাজতে তলমূৰ কৰিলে। তেওঁলোকৰ কাৰো বুজিবলৈ বাকী নাথাকিল যে কি কাৰণত অৰ্জুন গুৰু দ্ৰোণাচাৰ্য্যৰ প্ৰিয়পাত্ৰ।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
কিছুদিন	कुछ दिन
আঁৰি দিয়া	लटका दिया
আগবাঢ়ি	आगे बढ़कर
লক্ষ্য থিৰ/লক্ষ্য স্থিৰ কৰা	निशाना लगाना
পখী/পক্ষী	पक्षी
চৰাম্প	चिड़िया
সুধিলে	पूछा
এম্পদৰে	इसी तरह
ততালিকে	शीघ्र
খং	गुस्सा
অগ্নিশৰ্মা	बुरी तरह गुस्सा होना
নমাম্প	उतार कर
তিৰস্কাৰ	तिरस्कार
গুণ	गुणवत्ता
অপেক্ষা	अपेक्षा
	सिर

শিৰ	आदेश
আদেশ	निर्देश
নিৰ্দেশ	निशाना लगाना
শৰসন্ধান	पैना बाण
তীক্ষ্ণবাণ	तीर चलाना
নিক্ষেপ	टूट-फूट जाना
বিচ্ছিন্ন	सबसे बड़ा
অতিশয়	धनुर्धर
ধনুৰ্দ্ধৰ	आलिंगन
আলিংগন	लज्जित होकर
লাজত	सिर झुकना
তলমূৰ	सबसे प्रिय
প্রিয় পাত্র	

পঢ়ক আৰু বুজি লওক (II)

শিষ্টাচাৰ

শিষ্টাচাৰ মানৱ চৰিত্ৰৰ দাপোণ স্বৰূপ। শিষ্ট আৰু আচাৰ এম্প দু্া শব্দ লগ লাগি শিষ্টাচাৰ হৈছে। জন্ম, শিক্ষা আৰু পৰিবেশৰ ওপৰত নির্ভৰ কৰি মানৱ স্বভাৱে ৰূপ লয়। যাৰ স্বভাৱ বা আচৰণ সজ তেওঁকে সৎস্বভাবী বা শিষ্টাচাৰী বোলে। স্পয়াৰ বিপৰীত হলে অসৎ বা ব্যভিচাৰী বুলি কোৱা হয়।

শিষ্টাচাৰৰ কেতবোৰ প্ৰধান লক্ষণ আছে। সৎ স্বভাৱতো হবম্প লাগিব। তাক গঢ় দিব -- আন্তৰিক দয়া, সৰলতা, স্বভাৱৰ নম্ৰতা আৰু বিনয়ে। পূজনীয়জনৰ প্ৰতি শ্ৰদ্ধা, মিঠা মাত, সজ আচৰণ, খোলা মন শিষ্টাচাৰীৰ চিৰ সহচৰ। শিষ্টাচাৰীয়ে কেতিয়াও কাকো আঘাত নিদিয়ে। আনে কথা কলে তেওঁৰ কথা সম্পূৰ্ণ শুনে। মাজতে মাত নিদিয়ে। আৱশ্যক হলে অম্পনে কোৱাৰ পিছত নিজৰ মন্তব্য দিয়ে। আনৰ কথা মন দি শুনে। নিজৰ কথা বঢ়াম্প নকয়।

লোকৰ ভুল দেখি তেওঁ নাহাঁহে। নিজৰো যে ভুল হব পাৰে -- সেম্প বিষয়ে সদায় সজাগ থাকে।

আগতেম্প কোৱা হৈছে যে শিক্ষা, সংস্কাৰ, সংগ আৰু পৰিবেশ আদিয়ে শিষ্টাচাৰ গঠনত সহায় কৰে। জীৱনত কৃতকাৰ্য্য হবলৈ বা উন্নতি কৰিবলৈ আমি সজ আচৰণ আৰু শিষ্টাচাৰ শিকা উচিত। বৰ্তমান সমাজত এম্প গুণৰ নিতান্ত অভাৱ পৰিলক্ষিত হৈছে। ৰাজনৈতিক জীৱনৰ দূষিত প্ৰভাৱে আমাৰ সামাজিক জীৱনো কলুষিত কৰিছে। আমি মনত ৰখা উচিত যে উদ্ধত জ্ঞানীতকৈ শিষ্টাচাৰী অজ্ঞও ভাল। সেয়ে আমি প্ৰথমৰে পৰা নিজৰ আচৰণ শুদ্ধ কৰিবলৈ বা নিজে শিষ্টাচাৰী হবলৈ চেষ্টা কৰা উচিত। মানৱতাৰ এম্প মুখ্য প্ৰমূল্যৰ আসন সদায় শ্ৰেষ্ঠ হৈ থাকিব।

নতুন শব্দ

অসমীয়া শব্দ	हिन्दी अर्थ
শিষ্টাচাৰ	शिष्टाचार
দাপোণ	दर्पण
শিষ্ট	शिष्ट

আচাৰ	आचरण
সজ	सत्
ব্যভিচাৰী	व्यभिचारी
কেতবোৰ	कुछ
প্ৰধান	मुख्य/प्रधान
লক্ষণ	लक्षण
হবম্প	होगा ही
গঢ় দিয়া	रूप देना
বিনয়	विनम्रता
মিঠা-মাত	मीठी बोली
খোলা মন	खुला मन
চিৰ সহচৰ	चिर-सहचर
কেতিয়াও	कभी भी
কাকো	किसी को
আঘাত	आघात
নাহাঁহে	नहीं हँसता है
সজাগ	जागरूक
আগতেম্প	पहले ही
শিকা	सीखना
পৰিলক্ষিত	परिलक्षित
দৃষিত	दूषित
কলুষিত	कलुषित/कलंकित
উদ্ধত	उद्धत
অজ্ঞ	मूर्ख
	गुणवत्ता

প্ৰমূল্য

অভ্যাস

I. তলত দিয়া প্ৰতিযোৰ শব্দৰ পৰা প্ৰতিটো শব্দ ব্যৱহাৰ কৰি একোটাকৈ অৰ্থপূৰ্ণ বাক্য ৰচনা কৰক।

1. লক্ষ্য : লক্ষ
2. বাণ : বান
3. ধনু : ধেনু
4. অগ্নিশৰ্মা : অগ্নিকাণ্ড
5. তিৰস্কাৰ : পুৰস্কাৰ

II. তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দকে একাধিক অৰ্থত ব্যৱহাৰ কৰিব পাৰি। প্ৰতিটো শব্দৰে ভিন ভিন অৰ্থ প্ৰকাশ কৰিব পৰাকৈ ভিন ভিন বাক্য ৰচনা কৰক।

1. গুণ

2. পাত্ৰ

3. শৰ

4. ৰূপ

5. পাতল

III. তলত দিয়া প্ৰতিটো শব্দৰ পৰা এক বা একাধিক প্ৰতিশব্দ উলিয়াম্প সেম্পবোৰ ব্যৱহাৰ কৰি বেলেগ বেলেগ বাক্য ৰচনা কৰক।

1. শিৰ

2. পখী

3. গছ

4. কাঁড়

5. বন

IV. তলত দিয়া অনুচ্ছেদটোৰ পৰা বিপৰীতাৰ্থক শব্দবোৰ বাচি উলিয়াই সেইবোৰ ব্যৱহাৰ কৰি একোটাকৈ বাক্য ৰচনা কৰক।

"সুখ আৰু দুখ একেটা মুদ্ৰাৰে এপিঠি-সিপিঠি বুলি কব পাৰি। জীৱনটো সুখ আৰু দুখৰ সমষ্টি। এই পৃথিৱীত কোনো কাৰো আপোন বা পৰ নহয়। কোনো মানুহেই জন্মতেই ভাল বা বেয়া হৈ নাহে। মানুহৰ কাৰ্য্যইহে জীৱনৰ সফলতা বা বিফলতা নিৰ্ণয় কৰে। গতিকে মৃত্যুলৈকে মানুহে মানৱীয় প্ৰমূল্য সমূহৰ চৰ্চা আৰু সাধনা কৰা উচিত।

V. পাঠৰ আলমত উত্তৰ দিয়ক।

1. শৰসন্ধান পাঠটোৰ গূঢ়তত্ব কি বুলি ধাৰণা হয়, বহলাই লিখক।
2. দ্ৰোণাচাৰ্য্যৰ বিষয়ে দুআষাৰ লিখক।
3. 'বিদ্যালয়ত শিষ্টাচাৰ শিকোৱা উচিত' তাৰ ওপৰত এটা টোকা লিখক।
4. শিষ্টাচাৰীৰ থাকিব লগীয়া গুণ কি কি? আলোচনা কৰক।

VI. তলৰ কথোপকথনটো সম্পূৰ্ণ কৰক।

ৰাজেশ : হেল্ল' হেল্ল' অভিজিৎ নেকি?

অভিজিৎ : কোন, ৰাজেশ নেকি?

ৰাজেশ : অ'। তোৰ ভাল নে?

অভিজিৎ : আছোঁ আৰু এক প্ৰকাৰ। .... ।

ৰাজেশ : .... । মাৰাইঁতৰ খবৰ কেনে?

অভিজিৎ : ভালেম্প আছে। .... ।

ৰাজেশ : যোৱা পৰহি মম্প **North Eastern Regional College**ত যোগদান কৰিলোঁ।

অভিজিৎ : অভিনন্দন। .... ।

ৰাজেশ : বৰ্তমানলৈকে অংক শাস্ত্ৰহে পঢ়াম্পছোঁ।

অভিজিৎ : .... ।

ৰাজেশ : বৰ্তমানে ১২ হাজাৰকৈ দিছে।

অভিজিৎ : এম্পবাৰ তেনেহলে বিয়াখন পাও।

ৰাজেশ : এতিয়াম্প বিয়া বাৰুৰ কথা পাতিবৰ হোৱা নাম্প। আগতে ঘৰটোৰ অলপ মেৰামতিৰ কাম কৰাম্প লওঁ বুলি ভাবিছোঁ। .... ।

অভিজিৎ : ময়ো বিয়াৰ কথা বৰ্তমান ভাবা নাম্প। কিন্তু দেউতাহঁতেতো পাতোঁ পাতোঁকৈয়ে আছে।

ৰাজেশ : তম্প এদিন এম্পফালে আহ। তম্প অলপ সময় লৈয়ে আহিবি।

অভিজিৎ : বাৰু ঠিক আছে।

VII. হিন্দীলৈ অনুবাদ কৰক।

(নিজা সংবাদদাতা)

২৩ এপ্ৰিল, নগাওঁ

বিগত বছৰবোৰ দৰে এম্পবাৰো নগাওঁ জিলাৰ *বৰদৈচিলা ৰঙালী বিহু উৎসৱ সমিতিৰ* উদ্যোগত আয়োজিত সাংস্কৃতিক সন্ধিয়াৰ অনুষ্ঠান যোৱা ২১ এপ্ৰিলত অনুষ্ঠিত হৈ যায়। বন্তি প্ৰজ্বলনেৰে এম্প অনুষ্ঠানৰ শুভাৰম্ভ কৰে নগাওঁ জিলাৰ উপায়ুক্ত প্ৰতীক হাজেলাম্প। নগাওঁ

মহাবিদ্যালয়ৰ অধ্যক্ষ মহেন্দ্র মালাকাৰে আঁত ধৰা অনুষ্ঠানটোত বিশিষ্ট অতিথিৰ ভাষণ প্ৰদান কৰে শিল্পী প্ৰণৱ বৰুৱাই।

বিবেকানন্দ ভট্টাচাৰ্য্যৰ তবলা বাদনেৰে নিশাৰ সাংস্কৃতিক অনুষ্ঠান আৰম্ভ হয়। প্ৰাঞ্জল শইকীয়াই আবৃত্তি কৰা কবিতাই দৰ্শক শ্ৰোতাক আপ্লুত কৰে। শিৱসাগৰৰ জোনবিৰি বিহুৱাদলে প্ৰদৰ্শন কৰা বিহুৱে সাংস্কৃতিক অনাষ্ঠানক বিশেষ সৌষ্ঠৱ প্ৰদান কৰে। নিশা ১০ বজাৰ লগে লগেই অসমৰ স্বনামধন্য শিল্পী ডা. ভূপেন হাজৰিকাই শ্ৰোতালৈ তেওঁৰ গীতৰ শৰাই আগবঢ়ায়। ‘গংগা মোৰ মা’ৰে আৰম্ভ কৰা হাজৰিকাৰ সুললিত কণ্ঠই উপস্থিত প্ৰায় ২০ হাজাৰ দৰ্শকক তিনি ঘণ্টা সময় মন্ত্ৰমুগ্ধ কৰি ৰাখে।

এই সাংস্কৃতিক সন্ধিয়া নৱ প্ৰজন্মৰ শিল্পী জুবিন গাৰ্গৰ অনুষ্ঠান প্ৰদৰ্শনৰ পিছত নিশা প্ৰায় ৩ বজাত অন্ত পৰে।

VIII. অসমীয়ালৈ অনুবাদ কৰক।

तेजपुर 10 सितंम्बर।

नपाम में आज तेजपुर विश्वविद्यालय का छठा दीक्षांत समारोह सोत्साह संपन्न हो गया। असम के राज्यपाल लेफटिनेंट जनरल (अवकाश प्राप्त) श्री अजयसिंह (जो विश्वविद्यालय के कुलाधिपति भी हैं) ने समारोह की अध्यक्षता की तथा उपाधियाँ वितरित कीं।

इस अवसर पर अंतरिक्ष विज्ञान केन्द्र, बेंगलोर के अध्यक्ष डॉ. यू.आर. राव ने दीक्षांत भाषण दिया। डॉ. राव ने भारत में विज्ञान खासकर अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में हुई प्रगति का विवरण देते हुए कहा कि 2020 तक हम अपना अंतरिक्ष यान चंद्रमा पर अवश्य उतार देंगे। उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों की क्षमता और प्रतिभा की भूरि-भूरि प्रशंसा की।

अपने अध्यक्षीय भाषण में राज्यपाल श्री अजयसिंह ने विशेष योग्यता प्राप्त करनेवाले छात्रों को बधाई दी। उन्होंने भारतीय प्रतिभा के पलायन पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि सभी को देश की उन्नति के लिए काम करना चाहिए।

तेजपुर विश्वविद्यालय के कुलपति के आभार-प्रदर्शन के साथ समारोह समाप्त हुआ।

शाम को विश्वविद्यालय-प्रांगण में युवाओं द्वारा एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बिहुगीतों और बिहुनृत्यों ने समा बाँध दिया।

IX. **(i)** ৰাময়ণৰ এটা চৰিত্ৰৰ বিষয়ে আপোনাৰ নিজৰ ভাষাত লিখক।

(ii) ভাৰতৰ এটা জলন্ত সমস্যাৰ বিষয়ে এটা অনুচ্ছেদ লিখক।

টিপ্পনি

এতিয়ালৈ পোৱা পাঠবোৰত আমি অসমীয়া ভাষাৰ বিভিন্ন ব্যাকৰণগত বৈশিষ্ট্য আৰু বাক্য-ৰীতিৰ বিষয়ে আলোচনা কৰিলোঁ। সাধাৰণতে দৈনন্দিন জীৱনত ব্যৱহাৰ হোৱা শব্দাৱলী আৰু বাক্য-ৰীতিৰ উদাহৰণ ১ৰ পৰা ২৩ পৰ্যন্ত পাঠত দিয়া হৈছে। ভূত, ভৱিষ্যৎ আৰু বৰ্তমান কালৰ বিভিন্ন ৰূপ আৰু বিভক্তি সমূহৰ বিশেষ প্ৰয়োগ, সৰ্বনামৰ মূল আৰু তিৰ্য্যক ৰূপৰ উদাহৰণ আগৰ পাঠবোৰত দিয়া হৈছে। লগতে প্ৰত্যেক পাঠতে উল্লেখ হোৱা সাংস্কৃতিক শব্দ আদিৰ বিষয়েও টোকা দিবলৈ চেষ্টা কৰা হৈছে।

এই পাঠটোত সকলো ধৰণৰ ব্যাকৰণগত প্ৰয়োগৰ পুনৰাবৃত্তি কৰিবলৈ চেষ্টা কৰা হৈছে। লোকপ্ৰিয় এটা কাহিনীৰ মাধ্যমেৰে এফালে মানৱীয় মূল্যবোধৰ তাত্ত্বিক দিশত ৰেখাপাত কৰা হৈছে, আন ফালে কম শব্দেৰে অসমীয়া ভাষাৰ লিখাৰ উদাহৰণো তুলি ধৰা হৈছে। শিক্ষাৰ্থীসকলে এই বিভিন্ন প্ৰয়োগ সমূহলৈ মন কৰিব।

ভাষা অভ্যাসেৰেহে শিকিব পাৰি। কথাতে কয় 'অভ্যাসৰ নৰ, কৰ্ণ পথে কৰে শৰ।' সেয়ে শিক্ষাৰ্থীসকলে বিভিন্ন প্ৰয়োগসমূহৰ বাৰে বাৰে অভ্যাস কৰা উচিত।

****

শব্দসূচী
शब्दसूची

অ

অস্পন	24 क	अन्य
অকণমান	19 क	अल्प
অকল	4 क	अकेला
অগ্নিশৰ্মা	24 ख	बुरी तरह गुस्सा होना
অগ্ৰাধিকাৰ	23 क	वरीयता
অংক	20 ख	अंक
অজগৰ	7 ख	अजगर
অজীৰ্ণ	9 क	अजीर्ण
অঞ্চল	22 ख	अंचल
অজ্ঞ	24 ग	अज्ञ, मूर्ख
অতিথি	19 क	अतिथि
অতিথিপৰায়ণ	21 क	अतिथिप्रेमी
অতিশয়	16 ख, 24 ख	अतिशय
অতিক্ৰম	23 ख	अतिक्रम
অতীজ	20 ख	अतीत
অথনি	18 क	पहले
অদৃষ্ট	12 क	अदृष्ट
অধিবাসী	19 क	अधिवासी
অধীন	22 क	अधीन
অধঃপতন	23 क	अधःपतन
অধ্যয়ন	21 ग	अध्ययन
অধ্যাপক	4 ख, 5 ख	अध्यापक
অধ্যায়	24 क	अध्याय
	19 क	अनायास

অনায়াস	16 ख	अनुचित
অনুচিত	18 ख	अनुदान
অনুদান	19 क	अनुमति
অনুমতি	12 ख	अनुरोध
অনুৰোধ	19 क	अंतर्देशीय
অন্তৰ্দেশীয়	23 ख	अंतराल
অন্তৰায়	12 क	अन्याय
অন্যায়	24 ख	अपेक्षा
অপেক্ষা	12 क	(के) अभाव में
অবিহনে	6 क	अभयारण्य
অভয়াৰণ্য	13 क	शब्दकोश
অভিধান	22 ख	अभियंता
অভিযন্তা	22 ख	अमानवीय
অমানৱীয়	16 ख	ऑक्सीजन
অম্লজান	12 ख	अरण्य, वन
অৰণ্য	23 ख	अर्थनैतिक
অৰ্থনৈতিক	2 क, 9 क, 10 ख, 13 ख, 21 ख	अल्प, थोड़ा
অলপ	7 क	थोड़ा-थोड़ा
অলপ অচৰপ	5 क	अभी-अभी
অলপতে	10 क	अवसर
অৱসৰ	3 ख	अवस्था
	19 ख	अवस्थित
অৱস্থা	23 क	अशिक्षित
অৱস্থিত	24 क	असीमित
	23 क	शल्य-चिकित्सा

অশিক্ষিত	22 क	पुरुषार्थ, उद्योग
অশেষ		
অস্ত্রোপচাৰ		
অহোপুৰুষাৰ্থ		

আ

আঁচনি	23 ख	योजना
আ-অলংকাৰ	15 क	आभूषण, गहने
আম্প	15 ख,	माँ
আম্পতা	11 ख	दादी, नानी
আকাৰ	19 क	आकार
আকাশ	19 ख, 24 क	आकाश
আকৌ	9 क	फिर से
আখৰ	15 ख	अक्षर
আখৈ	6 ख	धान का लावा
আগদিনা	17 क	बीता हुआ कल
আগবাঢ়	21 ख, 24 ख	आगे बढ़ना
আগভাগ	15 क	अगुआ
আগে আগে	17 क	आगे आगे
আঙুলি	9 क	उँगली
আগতে	9 क, 22 क, 24 ग	पहले
আগধন	5 क, 23 क	अग्रिम
আগৰাতি	9 क	पिछली रात
আঘাত	24 ग	आघात
আচাৰ	13 ख, 24 ग	आचार-व्यवहार

আছ	2 क, 3 क, 11 ख	होना
আছোঁ	3 क	(ठीक) हूँ
আজৰি	20 ख, 21 क	खाली समय
আজাৰ	16 क	बुखार, बीमारी
আজি	3 क	आज
আজিকালি	3 क, 6 ख, 10 क	आजकल
আৗম্প	12 क	सब लोग
আৗমৗকাৰি	5 क	बड़े प्यारे, साफ-सुथरा
আদেশ	24 ख	आदेश
আধুনিক	22 ख	आधुनिक
আন	10 ख, 13 क, 19 क, 21 क	अन्य
আন (ক্রি)	3 क	आना
আনাৰস	19 क	अनन्नास
আপুনি	3 क, 5 क	आप
আপুৰুগীয়া	6 क	अमूल्य, दुर्लभ
আপোনাৰ	3 क	आपका
আপোনাআপুনি	15 ख	अपने आप
আবেদন	21 ग	आवेदन
আবেলি	7 ख, 8 ख, 10 ख	शाम को
আমনি	10 क	विरक्ति
আমি	2 क	हम
আৰ্ত	24 क	पीड़ित, आर्त
আৰম্ভ	10 क, 19 ख	आरंभ
আৰি	24 ख	लटकाना
	13 ख	अलमरी

আলমাৰি		
আলি	**10 ख**	रास्ता
আলিংগন	**24 ख**	आलिंगन
আলোচনী	**21 क, 22 क**	पत्रिका
আশা	**16 ख, 21 ख**	आशा
আচৰ্য্য	**24 क**	आश्चर्य
আহ	**1 क, 2 क, 5 क, 7 क, 9 क, 18 क, 22 क**	आओ
	1 क	आइए
আহক	**10 ख**	आहार
আহাৰ	**19 ख**	अनुकृति
আৰ্হি	**17 क**	आश्विन
আহিন	**23 क**	आह्वान
আহ্বান	**8 ख**	आयोजन
আয়োজন	**11 क**	ढाई
আঢ়ৈ		

ই

ইচ্ছা	**14 क**	इच्छा
ইতিমধ্যে	**13 क, 23 ख**	इसी बीच
ইতিসূচক	**6 ख**	स्वीकृति में सिर झुकाना
ইপাৰ	**19 ख**	इस पार
ইয়াত	**4 क**	यहाँ
ইয়ালৈ	**6 ख**	इधर (को)

উ

উঁম্প	22 ख	दीमक
উচিত	23 क	उचित
উচ্চ	22 क	ऊँचा
উজ্বল	12 ख	उज्ज्वल, चमकीला
উঠ	12 ख, 14 ख, 18 क	उठना
উতলা (ক্রি)	16 क	उबला हुआ
উৎপন্ন	16 ख	उत्पन्न
উৎপাদন	6 ख	उत्पादन
উৎস	22 ख	उद्‌गम
উৎসৰ্গা	17 क	उत्सर्ग, त्याग
উৎসৱ	17 क	उत्सव
উত্তৰ	19 ख	उत्तर
উত্তৰাধিকাৰ	19 क	उत्तराधिकार
উত্তীৰ্ণ	24 क	उत्तीर्ण
উদ্ধত	24 ग	उद्धत, उदंड
উদ্ভিদ	19 ख	अपने आप उगनेवाला
উদ্বোধন	10 ख	उद्‌बोधन
উন্নত	22 क	उन्नत
উপন্যাস	22 ख	उपन्यास
উপযুক্ত	12 ख, 13 ख, 18 ख	उपयुक्त
উপাৰ্জন	11 क	उपार्जन
উলাহ	12 ख	उल्लास
উপভোগ	19 ख	उपभोग
	7 ख, 8 क	लौट कर
	17 क	प्राचुर्य

উভতি	8 क	उड़ना
উৈভেনদী	9 क	साँस
উৰ (ক্ৰি)		
উশাহ		

ঋ

ঋতু	17 क	ऋतु

এ

এম্প	1 क, 13 क	यह
এম্পবাৰ	24 क	इसबार
এম্পবোৰ	1 क	यह सब
এম্পমাত্ৰ	8 ख	अभी-अभी
এম্পদৰে	24 ख	इसी तरह
একান্ত	21 ग	एकांत
একাবেঁকা	14 ख	टेढ़ा-मेढ़ा
একে	16 क	समान
একেধাৰে	22 क	लगातार
একো	6 क, 24 क	कुछ भी (नहीं)
এঙাৰ	16 क, 16 ख,	कोयला
ঐকুৰা	14 क	एक टुकड़ा
এজন	24 क	एक जन
এতিয়াও	3 क	अभी तक
	5 क	एक दिन

এদিন	9 क, 21 ख	इसी तरह
এনে/এনেকুৱা	9 क, 10 ख, 16 क	यों ही
এনেয়ে	2 क, 3 क	एक बार
এবাৰ	2 ख	एक बोरा
এবস্তা	2 क	एक झोला
এমোনা	6 क, 11 क	जी, हाँ
এৰা	6 ख	अण्डी का रेशम
এৰীয়া	12 ख	एक समय में
এসময়ত		

ঐ

ঐতিহ্য	21 ख	विरासत

ও

ওঁঠ	7 क	ओंठ
ওখ	8 क, 14 क, 24 क	ऊँचा
ওচৰ	2 ख, 5 ख, 8 क	निकट, पास में
ওচৰে পাজৰে	5 क, 5 ख	आस पास में
ওঠৰ	7 क	अठारह
ওতঃপ্ৰোত	23 क	ओतप्रोत
ওপঙা	19 ख	तैरता हुआ
ওপজ (ক্ৰি)	16 ख	जन्म लेना
ওপৰ	8 क, 19 ख	ऊपर
ওভত (ক্ৰি)	8 क	वापस आना
	6 ख	उर्फ

ওৰফে	21 ख	निकलना
ওলা (ক্ৰি)		

ঔ

ঔষধ	2 क, 9 क	दवाई

ক

ক	7 क, 13 क, 18 क, 21 ख	बोलना
কম্পনা	12 ख	दुल्हन
ককা	18 क	दादा
কঙালী	17 क	कंगाली, दरिद्रता
কঁটা	16 ख	काटना
কঁটাৰী	18 ख	कटार
কঠা	10 क	कट्ठा (ज़मीन का माप)
কণী	17 ख	अण्डा
ক’ত	3 क, 4 क	कहाँ
কথা	2 क, 7 क, 7 ख	बातचीत
কথোপকথন	24 क	कथोपकथन
কন্যা	12 ख	कन्या
কপাল	14 ख	कपाल
কবি	12 क, 22 क	कवि
কবিতা	3 ख	कविता
কম	5 क	कम
কমলা	19 क	संतरा
কৰ্মশালা	21 ग	कार्यशाला
	1 ख, 3 क, 13 क, 21 ख, 22	करना

কৰ (ক্রি)	क	करना
কৰা (ক্রি)	15 क, 22 क	कर्तव्य
কৰ্তব্য	16 क, 23 क	कर्म
কৰ্ম	6 ख, 22 ख	कर्मी
কৰ্মী	3 ख	कर्मठ
কৰ্মঠ	23 क	केला
কল	1 क	कला
কলা	18 ख, 21 क	कलश
কলহ	16 क	कलाप्रेमी
কলামোদী	21 क, 22 क	कलुषित
কলুষিত	24 ग	कहाँ
কলৈ	7 क	कड़क
কঢ়া	1 क	ले जाना
কঢ়িয়া	16 क	हँसिया
কাঁচি	18 ख	थाली
কাঁহী	13 ख	कौआ
কাউৰী	12 ख	किसको
কাক	5 क	कागज़
কাকত	23 क	किसी को
কাকো	21 ख, 24 ग	इसलिए
কাজেম্প	10 क	काटना
কৌ	9 क	काष्ठ
কাঠ	16 ख, 19 ख, 22 क	कार्तिक
কাতি	17 क	कपड़ा
	6 ख, 16 ख, 17 क	कपड़े आदि

কাপোৰ	**17 ख**	**काम**
কাপোৰ-কানি	**7 क, 10 क, 20 ख**	**कारखाना**
কাম	**3 ख**	**के कारण**
কাৰখানা	**7 ख, 16 क**	**(किसके) कारण**
কাৰণ	**20 क, 22 क**	**कल (बीता हुआ)**
কাৰণে	**3 क, 9 क**	**कारोबार**
কালি	**22 क**	**किनारा**
কাৰবাৰ	**5 ख, 14 ख**	**कहानी**
কাষ	**11 ख**	**कक्षा**
কাহিনী	**10 ख**	**कुछ**
ক্লাছ	**11 ख**	**पोथी-पत्रा**
কিছু	**8 क**	**कुछ**
কিতাপ-পাতি	**9 क, 16 क, 21 क**	**कुछ-कुछ**
কিবা	**6 ख**	**चहचहाना**
কিবাকিবি	**8 क**	**किससे**
কিৰিলি	**7 ख**	**कली**
কিহেৰে	**13 क**	**हल**
কুঁহি	**18 ख**	**बीस**
কুৰ	**11 क, 20 क**	**सूप, सूपड़ा**
কুৰি	**18 क**	**कलकल**
কুলা	**5 ख**	**डाट (बोतल का)**
কুলুকুলু	**18 ख**	**कृषि**
কুঁহিলা	**1 क**	**संस्कृति**
কৃষি	**15 क, 18 ख**	**कृतज्ञ**
	23 क	**कच्चा**
	21 क	**चारों तरफ**

কৃষ্টি	15 ख	कुछ
কৃতজ্ঞ	24 ख	कब
কেঁচা	4 ख, 7 क	कभी भी
কেউফালে	24 ग	कब
কেতবোৰ	6 क, 9 क	केन्द्र
কেতিয়া	15 क, 19 ख	किधर को
কেতিয়াও	7 ख	कैसा
কেতিয়াবা	12 ख	कैसे
কেন্দ্ৰ	8 क, 15 क	क्लर्क
কেনি	10 क	केवल
কেনেকুৱা	9 क	कमरा
কেনেকৈ	5 क	किस तरफ
কেৰাণী	4 ख	कौन
কেৱল	4 क	कोई
কোঠা	3 क, 9 क, 19 ख	कोई भी
কোনফালে	7 क	फाँफ, कोश
কোন	13 क	कौशल
কোনো	21 क	
কোনোবা		
কোঁহ		
কৌশল		

ख

খং	12 ख, 24 क, 24 ख	गुस्सा

খৰ	11 ख	जल्दी
খৰচ	10 क, 11 क	खर्च
খৰালি	11 ख, 19 क	सूखा, वर्षा न होना
খৰাহি	18 ख	टोकरी
খাঁটি	12 क	असली
খা (ক্রি)	1 ख, 2 ख	खाना
খাদ্য	17 क	खाद्य पदार्थ
খালৈ	18 ख	मछली रखने की टोकरी
খিৰিকি	9 ख	खिड़की
খিলিপান	18 ख	बीड़ा
খুৱা (ক্রি)	9 ख, 15 ख, 20 ख	खिलाना
খুজ < খোজ (ক্রি)	21 क, 22 क	माँगना
খুৰাদেউ	6 ख	चाचा
খুব/খুউব/খুওব	21 ख	बड़े ज़ोर से
খেতি	2 क, 17 क	खेती
খেতিয়ক	18 ख	कृषक
খেলনা	7 ख	खिलौना
খোলা	24 ग	खुला

গ

গঁড়	6 क	गेंडा
গছ	16 ख	पेड़
গছগছনি	6 ख, 16 ख	पेड़-पौधे
গণিত	7 ख	गणित
গতিকে	16 क	इसलिए

গধূৰ	13 ख	भारी
গধূলি	15 ख, 18 ख	गोधूलि
গম	12 क	मालूम होना
গৰম	8 क	गरम
গালি	7 क	गाली
গল্প	3 क, 22 ख	कहानी
গল্পকাৰ	22 क	कहानीकार
গৰু	17 क	गाय
গহনা	10 क	गहना
গঢ় (ক্রি)	24 ख, 6 क	गढ़ना
গাঁও	16 क	गाँव
গা (ক্রি)	15 ख, 19 ख	गाना
গা	8 क, 14 क, 17 क, 19 ख	शरीर
গাওঁ	1 क	गाना (गाऊँ)
গাখীৰ	11 क	दूध
গাধ	18 ख	गधा
গাভৰু	12 ख	युवती
গামোচা	17 क	गमछा
গাৰী, টোলোঠা	18 ख	करधे का बेलन
গীত	7 क, 15 क	गीत
গীতমাত	20 क	गीत
গীতিকাৰ	19 ख	गीतकार
গীতিকবি	22 क	गीतकार
গীতিকবিতা	22 क	गीति-काव्य
	10 ख, 21 ख	दूर रहो

গুচ (ক্রি)	22 क	जड़
গুৰি	22 ख	गुरु
গুৰু	20 क	गुरुत्व
গুৰুত্ব	18 ख	गृहिणी, घरवाली
গৃহিণী	16 ख	गैस
গেচ	11 ख, 19 क	जा कर
গৈ < या	7 ख	दहाड़
গোঁজৰণি	13 क	संग्रह करना
গোঁা (ক্রি)	8 क, 10 क	पूरा
গোটৈম্প	19 क	गंध
গোন্ধ	16 ख	गोबर
গোবৰ	8 क	गुलाबी
গোলাপী	17 क	भगवान
গোঁসাম্প	16 क	घर में पशुओं को बाँधने की जगह
গোহালি	21 ग	प्रार्थना
	18 क	ग्रन्थ
গোহাৰি		
গ্ৰন্থ		

घ

ঘঁহ	17 क	घिसना
ঘৈ (ক্রি)	11 ख, 18 ख	घटना
ঘন	9 ख	घना
ঘনিষ্ঠ	19 ख, 22 क	घनिष्ठ
ঘৰ	2 ख, 11 क, 16 क, 17 क	घर

ঘৰিয়াল	7 ख	घड़ियाल
ঘৰলোৱা	11 क	गृहप्रवेश
ঘৰুৱা	17 क	घरेलु
ঘাঁ	9 क	घाव
ঘাম	23 क	पसीना
ঘুঘুা (ক্ৰি)	9 क	गुड़-गुड़ होना
ঘৈণী	2 ख	पत्नी, गृहिणी

চ

চকু	7 क, 9 क	आँख
চকু মুদ (ক্ৰি)	11 क	आँख मूँदना
চকুৰোৱা	19 क	देखने लायक, मनमोहक
চখ	14 क	शौक
চপোৱা	12 क, 17 क	इकट्ठा करना
চৰাম্প	7 ख, 24 ख	चिड़िया
চৰকাৰী	6 ख	सरकारी
চলন্ত	6 क	चालू
চল (ক্ৰি)	11 ख, 22 क, 15 ख	चलना
চলিহা লগা	20 क	कम दिखना
চহী	21 क	दस्तख़त
চ'ৰাঘৰ	6 ख	बैठकखाना
চা (ক্ৰি)	3 क, 5 क, 8 क, 14 क	देखना
চাকনৈয়া	11 ख	भँवर
চাকৰি	4 क, 19 क	नौकरी

চাকি	17 क	दीपक
চাগৈ	10 क	सम्भवतः
চানাচুৰ	18 ख	दालमोठ
চান-পাপৰি	18 ख	सोनपापड़ी
চাবলগীয়া	14 क	देखने लायक
চাবোন	15 ख	साबुन
চামুচ	13 ख	चम्मच
চাৰি	2 क	चार
চালনি	18 क	छन्नी, चलनी
চালে চকুৰোৱা	6 क	नयनाभिराम
চাহ	1 क, 3 क, 6 क	चाय
চাহপাত	3 क	चाय-पत्ती
চাহি	3 क	(आ) देख लें
চাহিদা	23 ख	माँग
চিকুণী	22 क	सबसे सुंदर
চিঠি	8 क	चिट्ठी
চিনা (ক্রি)	20 क, 20 ख	पहचानना
চিনাকি	3 क	जान-पहचान
চিন্তা	10 क	चिंता
চিন্তিত	16 क	चिंतित
চিৰ	24 ग	सिर
চিৰা	6 ख	चूरा
চিৰিয়াখানা	7 ख	चिड़िया घर
চিত্ৰ	22 ख	चित्र
	6 ख	असमिया गुझिया
	7 क	पड़ौसी

চুঙাপিঠা	11 क	बाल
চুবুৰীয়া	12 ख	चेष्टा, प्रयत्न, कोशिश
চুলি	11 ख	आँगन
চেষ্টা	7 ख, 18 क	चबाना
চোতাল	21 ख	कुर्त्ता, चोला
চোবোৱা	10 क, 19 क	देखभाल करना
চোলা	11 क	चौबीस
চোৱা-চিতা		
চৌৱিশ		

ছ

ছাঁ	16 ख	छाया
ছাবি	13 ख	चाबी
ছোৱালী	1 क, 4 क	लड़की

জ

জধেমধে	16 ख	जहाँ-तहाँ
জন	4 क, 18 ख	जन
জনপ্ৰিয়	18 ख, 19 ख	जनप्रिय
জনসংখ্যা	23 क	जनसंख्या
জন্ম	22 क	जन्म
জমা	3 ख	जमा
জৰুৰী	4 क	ज़रूरी
জলপান	1 क, 6 ख	जलपान

জড়িত	18 ख, 21 क	जुड़ा हुआ
জাতি	23 क	जाति
জাতীয়	22 क	जातीय, राष्ट्रीय
জান (ক্রি)	16 क	जानना
জানিবলগীয়া	16 क	जानने लायक
জীৱন	18 ख	जीवन
জীবিত	24 क	जीवित
জীয়া (ক্রি)	24 क	जीना
জীয়েক	19 क	(उसकी) लड़की
জুতি	6 ख	स्वाद
জুৰ	12 ख	ठंडा
জেপ	21 ख	जेब
জেব্ৰা	7 ख	जेब्रा
জোকাৰ	14 ख, 22 ख	हिलाना
জোখমাখ	20 क	नाप जोख
জোঙা	8 क	नुकीला
জোৰ	7 क, 20 ख	जोर से
জ্বৰ	15 ख	बुखार
জ্বলা	17 क	तीखा लगना

ৃ.

ˋका	11 क	रुपया
ˋकापम्पछा	3 ख	रुपया-पैसा
ˋান (ক্রি)	13 ख	खींचना

টান	**7 ख, 20 ख**	कठिन
টিকিট	**18 क**	टिकट
টিকিকীয়া	**8 क**	चटकीला
টিং	**19 क**	शिखर
টুকুৰা	**14 क**	टुकड़ा

ঠ

ঠগা	**20 क**	ठगना
ঠাম্প	**14 क**	जगह
ঠাণ্ডা	**18 क, 19 क**	ठंडा
ঠাহ খোৱা	**6 क**	भरा हुआ
ঠেক	**19 ख**	सँकरा
ঠেন ধৰা	**19 ख**	अच्छी बाढ़
ঠেল (ক্রি)	**18 क**	ठेलना
ঠোৰ	**17 क**	ठौर-ठिकाना

ড

ডাক	**21 ख**	डाक, चिट्ठी
ডাঙৰীয়া	**5 क, 14 क**	महाशय
ডেকা	**18 ख, 23 क**	जवान
ডেৰ	**5 क, 11 क**	ढेढ़

ঢ

ঢকা	**19 क**	ढका हुआ

ঢলপুৱা	17 क	पौ फटते समय
ঢাৰি	11 ख	दरी
ঢেৰেকনি	9 ख	गड़गड़ाहट

ত

তম্প	3 क	तू
তত/তৎ	21 ख	ज्ञान
তধা লাগ	8 क	दंग रह जाना
তৰফ	22 क	की तरफ
তল	8 क, 24 ख	तल
তলমূৰ কৰ	7 ख, 21 ख	सिर झुकाना
ততালিকে	24 ख	तत्काल
তাত	4 क	वहाँ
তাৎপর্য্য	22 ख	तात्पर्य
তাপ মৰা	21 ख	चुप हो जाना
তপস্যা	12 ख	तपस्या
তামোল	2 क, 17 क, 19 क	तांबूल
তামোল-চালি	15 ख	तांबूल-पान
তাৰ	10 ख	उसका
তাৰোপৰি	5 क, 7 ख, 21 क	इसके अलावा
তিনি	10 ख	तीन
তিৰোতা	20 क	स्त्री
তিল	17 क	तिल
তিলপিঠা	1 क	तिल गुझिया
তিৰস্কাৰ	24 ख	तिरस्कार
তীৰ	8 क	तीर

তীৰ		
তীৰ্থ	19 ख	तीर्थ
তীক্ষ্ণধী	22 ख	सबसे बुद्धिमान
তুলসী	17 क	तुलसी
তুলা	19 क	तुल, रुई
তুল < তোল	14 क	उठाना
তেওঁ	5 क	वह
তেখেত	19 क	वे
তেজ	9 क, 21 क	खून
তেতেলী	13 ख	इमली
তেতিয়া	6 क, 11 ख	तब
তেনেকৈ	5 क, 6 ख	उसी तरह
তেনেহলে	6 क, 15 क, 19 क	तब तो
তৈয়াৰ	14 ख	तैयार
তোলা	18 ख	उठाना

थ

থ	10 ख, 13 क, 21 ख	रखना
থাক	4 क, 8 क, 19 क, 21 ख, 22 क	रहना
থলুৱা	20 क	स्थानीय
থিয়	21 ख, 24 क	खड़ा (होना)

द

দম্ভ	**12 क**	**दंभ**
দৰব	**14 ख**	**दवाई**
দৰা	**12 ख, 19 क**	**दूल्हा**
দৰাঘৰ	**15 क**	**दूल्हे का घर**
দৰাচলতে	**7 ख**	**दर असल में**
দৰ্শন	**14 क, 22 क**	**दर्शन**
দ'ল	**14 क**	**दोल**
দলং	**19 ख**	**पुल**
দলেবলে	**20 क**	**दलबल सहित**
দস্তাবেজ	**22 ख**	**दस्तावेज़**
দশা	**24 क**	**दशा**
দহনশীল	**24 क**	**दहनशील**
দয়ালু	**21 ग**	**दयालु**
দাঁতি	**18 क, 19 ख**	**किनारा**
দা	**18 ख**	**गँड़ासा**
দায়িত্ব	**22 ख**	**दायित्व**
দাম্পল	**11 क**	**दाल**
দাপোন	**24 ग**	**दर्पण**
দাম	**11 क**	**दाम**
দি < দে (ক্রি)	**18 क, 21 क, 22 ख**	**देना**
দিন	**9 क, 24 ख**	**दिन**
দিনকদিনে	**11 क**	**दिनों दिन**
দিনাংক	**21 ग**	**दिनांक**
দিপলিপ	**12 क**	**अति सुंदरी**
	19 ख	**दिशा**

दिश	12 ख	परामर्श
दिशा	16 क	दूसरा
द्वितीय़	9 क	लंबा
दीघल	17 ख	दीप
दीप	16 क, 22 क	दो शब्द
दुआषाৰ	2 क	दो
दुम्प	19 ख	दुपहिया
दुखलपीय़ा	10 ख	दोपहर
दुपৰीय़ा	11 ख	दुर्घटना
दुर्घना	11 क	दुसह
दुर्विसह	9 ख	दरवाज़ा
दुৱाৰ	23 ख	देहरी
दुৱाৰदलि	5 क, 23 ख	दूर
दूৰ	21 ख	दूरी पर
दूৰै	22 क	दूरदर्शन
दूৰदर्शन	16 ख	दूषित
दूषित	14 ख, 19 ख	दृश्य
दृश्य	2 क, 4 क, 24 ख	दे देना
দে	4 क	पिता
দেউতা	15 क	काली या मनसापूजा में नाचनेवाली स्त्री
দেওধনী	8 क	रविवार
দেওবাৰ	5 ख, 6 क, 7 ख	देखना
দেখ (ক্রি)	15 क, 18 क, 20 क	दिखाना
	4 क	वास्तव में

দেখুৱা (ক্রি)	9 ख	देर से
দেখোন	1 क, 2 क	दही
দেৰি	8 क	नत
দৈ	2 ख, 3 क	दुकान
দোঁ	7 ख, 8 क, 21 क	दौड़ना
দোকান		
দৌৰ		

ध

ধন	3 क	धन
ধনী	24 क	धनिक
ধৰ	3 ख, 5 क, 19 क, 19 ख	पकड़ना
ধৰণ	12 क, 18 ख	प्रकार
ধৰাবন্ধা	20 ख	निर्धारित
ধান	2 क, 17 क	धान
ধাৰ	3 ख	उधार
ধাৰাবাহিক	12 क	धारावाहिक
ধুনীয়া	5 ख	सुंदर
ধুমুহা	6 क	तुफान
ধূনা	16 क	धूनी
ধেমালি	17 क, 18 क	खेल
ধোঁৱা	15 ख, 16 क, 16 ख	धुँआ
ধো (ক্রি)	8 क, 17 क	धोना

न

न	23 क	नौ, नया
नकৰ	10 ख	मत करो
नगৰ	2 ख	नगर
नचুৱা (क्रि)	18 क	नचाना
नतुन	5 ख, 8 क, 17 क	नूतन
नथका	7 ख	न रहना
नमा	24 ख	उतार कर रखना
नहले	24 क	नहीं तो
नহৈ	22 क	के बदले
नाम्प	3 क	नहीं
नाच	10 ख, 15 क, 18 क	नाच
नाति	11 ख	नाती
नद	19 ख	नद
नदी	19 ख	नदी
नाना	10 ख	नाना प्रकार के
नानान	10 ख, 17 क	विभिन्न
नाम	19 क	नाम
नामघৰ	15 क	नामघर (पुजास्थल)
नामनि	15 क	निचले
नाৰिकल	17 क	नारियल
नाৰी	22 ख	नारी
नलয়	10 ख	न लेना
नाও	11 ख	नाव
नाৱৰीয়া	11 ख	नाविक
	12 ख	चूहा

নিগনি	9 क	की तरह
নিচিনা	19 ख	बहुत करीब
নিচেম্প	9 क, 12 क	अपना (खुद का)
নিজ	10 ख, 14 ख	लेना
নি < নে (ক্রি)	21 ग	निवेदन
নিবেদন	19 क	निर्भय
নির্ভয়	14 ख	सुनसान
নিমাওমাও	24 ख	निर्देश
নির্দেশ	20 ख	निर्धारित
নির্ধাৰিত	4 ख	न माँगना
নির্বিচাৰ	21 क	निर्वासन
নির্বাচন	24 क	निर्वासित
নির্বাসিত	16 क	निर्मल
নির্মল	12 क	निरस्त्र
নিৰস্ত	5 क	निर्जन
নিৰিবিলি	16 क	निरुपाय
নিৰুপায়	24 ख	तीर चलाना
নিক্ষেপ	23 ख	नियंत्रण
নিয়ন্ত্রন	5 ख	नियमित
নিয়মিত	8 क	नीला
নীলা	7 ख	कनिष्ठ
নুমলীয়া	24 क	अनसुना करना
নুশুনা	2 क	नींबू
নেমু	18 क	न मिलना
	7 क	न होना
	7 ख	न कर सकना

নোপোৱা		
নোহোৱা		
নোৱাৰ		
নৈ	16 क	नदी
নৈবদ্য	17 क	नैवेद्य
নৌকা	19 ख, 22 क	नौका, नाव
নৌকাগৃহ	19 ख	नौका-घर

প

পম্পচা	3 क	पैसा
পকা (ক্রি)	13 ख	पका हुआ
পখিলা	8 क	तितली
পখী	24 ख	पक्षी
পঘা	17 क	रस्सी
পচন	16 ख	जैविक खाद
পচন্দ	1 क	पसंद
পঠা (ক্রি)	16 ख, 20 क, 22 क, 24 क	भेजना
পতা	18 ख	आँख की पुतली
পথাৰ	17 क	खेत
পদক্ষেপ	18 ख	पदाक्षेप
পঞ্চাশ	5 क	पचास
পৰ্য্যটক	19 ख	पर्यटक
পৰ (ক্রি)	3 क	गिरना, पड़ना
পৰ	20 ख, 21 क	पड़ना
পৰমব্ৰহ্ম	24 क	परम ब्रह्म

পৰহি	12 क	परसों
পৰা	4 क	से
পৰাজয়	12 क	पराजय
পৰামৰ্শ	23 क	परामर्श
পৰিচিত	22 ख	परिचित
পৰিচালক	21 क	परिचालक
পৰিচালনা	21 क	संचालन
পৰিত্যাগ	24 क	परित्याग
পৰিণত	12 ख	परिणत
পৰিবাৰ	1 क	पत्नी
পৰিৱেশ	16 क, 16 ख	परिवेश
পৰিমান	9 क	परिमाण
পৰিলক্ষিত	24 ग	परिलक्षित
পৰিয়াল	4 क	परिवार
পৰুৱা	8 क	चींटी
পলমকৈ	23 क	देर से
পঢ়	4 क, 13 क, 20 ख, 22 क	पढ़ना
পঢ়াশালি	22 क	पाठशाला
পঢ়ুৱা (ক্ৰি)	20 क	पढ़ाना
পা (ক্ৰি)	5 ख, 7 क	पाना
পাম্পচাৰি কৰ	21 ख	घूमना-फिरना
পাছত	9 ख	बाद में
পাঁ	6 ख	रेशम
পাণ্ডুলিপি	3 क	पांडुलिपि
	9 क	पतला
	2 क, 18 ख	पान

পাতল	7 क, 16 क	पानी
পান	13 क, 14 क, 19 क	किनारा
পানী	13 क, 14 क, 19 क	सकना
পাৰ	19 क	पालन करना
পাৰ (ক্রি)	23 क	देर
পালন	16 क	शौचालय
পলম	14 क	भूलना
পায়খানা	11 ख, 14 ख	पहाड़
পাহৰ (ক্রি)	3 क	फिर
পাহাৰ	10 क	पीछे-पीछे
পিছে	17 क	गुझिया और पकवान
পিছে পিছে	18 ख	पीठ
পিঠাপনা		
পিঠি		
পিয়াহ	24 क	प्यास
পিল	23 क	गोलियाँ
পুখুৰী	16 क, 16 ख	पोखर
পুতলা	18 ख	खिलौना
পুত < পোত	16 ख	दफनाना
পুথি	13 क	पोथी
পুথি-পাজি	20 ख	पोथी-पन्ना
পুনৰ	22 क	पुनः
পুৰণি	22 ख	पुराना
পুলক	21 ख	पुलकित होना
	7 क, 16 ख	पूरा

পুৱা	4 ख	सुबह, सवेरे
পুৱা	17 क	पूस, पौष
পুহ	22 ख	स्त्री की गर्भावस्था पर किया जानेवाला अनुष्ठान
পুহন বিয়া	12 क, 18 ख	पूजा
পূজা	19 ख	पूर्व दिशा
পূৱ	9 क	पेशाब
পেচাব	13 ख	फेकना
পেলা (ক্রি)	2 क	कीड़ा
পোক	15 ख	जला हुआ
পোৰা	12 ख	बच्चा
পোৱালী	18 ख	दुकान
পোহাৰ	19 ख	प्रकृति
প্ৰকৃতি	7 क	प्रकार
প্ৰকাৰ	3 क, 19 ख	प्रकाशक
প্ৰকাশক	23 ख	प्रगति
প্ৰগতি	23 ख	प्रसार
প্ৰচাৰ	10 ख	प्रतियोगिता
প্ৰতিযোগিতা	22 क	प्रतिष्ठा
প্ৰতিষ্ঠা	21 ख	प्रतिभावान
প্ৰতিভাৱান	10 क, 12 क	प्रथम
প্ৰথম	19 ख, 24 ग	प्रधान
প্ৰধান	6 क	प्रबल
প্ৰবল	24 क	प्रवृत्ति
প্ৰবৃত্তি	24 ग	मूल्यबोध
	24 क	प्रसन्न

প্ৰমূল্য	23 ख	वृद्धि
প্ৰসন্ন	14 क	प्रसिद्ध
প্ৰসাৰ	15 ख, 16 क	प्रयोजन
প্ৰসিদ্ধ	18 ख	प्राचीन
প্ৰয়োজন	17 क	प्राचुर्य
প্ৰাচীন	21 ग	प्राध्यापक
প্ৰাচুৰ্য্য	4 ख	प्रायः
প্ৰাধ্যাপক	6 क, 19 क	प्राकृतिक
প্ৰায়ে	20 क, 23 ख	वयस्क
প্ৰাকৃতিক	24 ख	सबसे प्रिय
প্ৰাপ্তবয়স্ক	23 क	संवाद-दाता सम्मेलन
প্ৰিয়পাত্ৰ	11 क	प्रेरणा
প্ৰেছমেল		
প্ৰেৰণা		

फ

ফচল	2 ख, 17 ख	फसल
ফল	12 क, 16 ख	फल
ফলদায়ক	23 क	फलदायक
ফিৰিঙতি	21 ख	चिनगारी
ফুৰ (ক্ৰি)	14 क, 18 क	घूमना
ফেৰী	19 ख	जहाज
ফেৰীৱালা	20 क	फेरीवाला
ফোঁহা	15 ख	फुँसी

ব

ব (ক্রি)	17 क	बुनना
বক্তৃতা	21 ख	वक्तृता
বগা	8 क	सफेद
বগা (ক্রি)	14 ख	चढ़ना
বজা	4 ख	बजे
বজাৰ	5 क, 7 ख	बाज़ार
বৰ্ণনাত্মক	22 ख	वर्णनात्मक
বতাহ	8 क	हवा
বদলি	22 क	बदली
বন	24 क	वन
বৰ্ত (ক্রি)	22 क	बच जाना
বমি	14 ख	उल्टी
বৰকৈ	4 ख	खूब
বৰঙনি	18 ख	चंदा
বৰগীত	15 क	बरगीत
বৰফ	18 ख, 19 क, 19 ख	बर्फ़
বৰ বাবু	10 क	हेड क्लर्क
বৰা চাউল	6 ख	भँजवा चावल
পিল	23 क	गोलियाँ
বত্ৰিশ	11 क	बत्तीस
বৰ্ত্তমান	15 ख	वर्तमान
ব'লা	4 क	चलो
বন্দোবস্ত	16 क, 19 क, 19 ख	बंदोबस्त
	16 ख	बंद

বন্ধ	16 ख	बंधु
বন্ধু	12 ख	बलवान
বলৱান	17 ख	वसंत
বসন্ত	2 ख	बस्ता
বস্তা	3 ख, 18 क	बस्तु
বস্তু	9 ख	बैठना
বহ (ক্রি)	19 ख	चौड़ा
বহল	20 क	बहिर्जगत
বহির্জগত	6 ख	कई चीज़ें, सामान
বয়-বস্তু	20 क, 20 ख	उम्र
বয়স	20 ख	वयस्क
বয়স্ক	12 क	बढ़िया
বঢ়িয়া	11 ख	खेना (नाव)
বা (ক্রি)	6 क	दीदी
বাম্পদেউ	11 क	बकाया
বাকী	6 क	बगीचा
বাগিছা	6 क	बाघ
বাঘ	14 क	रास्ता
বৗ	18 क	मना करना
বাৰণ	15 ख	ठीक है
বাৰু	9 ख	बजना
বাজ (ক্রি)	3 ख, 19 ख	वाणिज्य
বাণিজ্য	14 ख	स्थगित करना
বাতিল	18 क	बंदर
	7 ख	छोड़ देना

বান্দৰ	**21 ग**	**आज्ञाकारी**
বাদ দে (क्रि)	**8 क**	**सहेली**
বাধ্য	**19 क**	**बाढ़**
বান্ধবী	**17 ख**	**पैतृक**
বানপানী	**6 ख**	**(उसका) बाप**
বাপতি	**3 ख**	**के लिए**
বাপেক	**6 ख**	**निवास-स्थान**
বাবে	**22 ख**	**दुर्गापूजा**
বাসভৱন	**18 ख**	**बाँस**
বাসন্তী পূজা	**22 क**	**बाँसुरी**
বাঁহ	**6 क, 11 ख, 19 क**	**वर्षा**
বাঁহী	**2 क**	**खेती-बाड़**
বাৰিষা	**5 क**	**ठीक है**
বাৰী	**16 क**	**बालू, रेत**
বাৰু	**4 ख, 5 क, 10 क, 24 क**	**बाहर**
বালি	**16 क**	**वायु**
বাহিৰ	**11 क**	**बढ़ना**
বায়ু	**3 क**	**बिक्री**
বাঢ় (क्रि)	**13 ख**	**बिस्तर**
বিক্রি	**10 ख**	**विचारक**
বিচনা	**10 ख**	**विविधा**
বিচাৰক	**24 ख**	**विच्छिन्न**
বিচিত্রানুষ্ঠান	**23 ख**	**विज्ञापन**
বিচ্ছিন্ন	**11 ख**	**डर के मारे**
	20 क	**चश्मा**
	19 क, 19 ख	**मनोरम**

বিজ্ঞাপন	15 ख	विदाई
বিতত	22 क	विद्यारंभ
বিত চকু	24 क	विदेश
বিতোপন	14 क	प्रकार
বিদায়	24 ग	विनय
বিদ্যাৰম্ভ	19 क	के बिना
বিদেশ	20 क	निःशुल्क
বিধ	21 ग	विनीत
বিনয়	24 क	विपत्ति
বিনা	2 ख	दुकान
বিনামূলীয়া	21 ग	विस्तार से
বিনীত	15 ख	विभाग
বিপত্তি	21 क	विरक्त
বিপনি	19 ख	विलास
বিবৰি	23 क	विरोधी
বিভাগ	18 ख	विलुप्त
বিৰক্ত	16 क	विशुद्ध
বিলাস	19 ख	विशाल
বিৰোধী	23 ख	विशेषज्ञ
বিলুপ্ত	7 ख, 16 क	विषय
বিশুদ্ধ	1 क	अधिकारी
বিশাল	9 क	दर्द होना
বিশেষজ্ঞ	16 क	विषाक्त
বিষয়	16 क	विस्तारित
	15 क, 17 क	बिहु

বিষয়া	17 क	बिहु के समय दिया जानेवाला उपहार
বিষা	16 क	फैलता हुआ
বিষাক্ত	12 क, 15 क, 22 क	शादी
বিস্তাৰিত	2 क	बीज
বিহু	16 क, 16 ख	कीटाणु
বিহুৱান	12 क	बीर
	21 ख, 22 क, 22 ख	छाती
বিয়পা	16 क	समझना
বিয়া	6 ख	इतिहास
বীজ	18 ख	बूढ़ा
বীজাণু	22 ख	बूढ़ी
বীৰ	16 क, 23 क	वृद्धि
বুকু	13 ख	तिरछा
বুজা < বুজ (ক্রি)	9 ख, 18 क	तत्काल, फौरन
বুৰঞ্জী	24 क	वेगवान
বুঢ়া	1 क, 18 क	अच्छा, बहुत, कीमत
বুঢ়ী	5 क	अधिक
বৃদ্ধি	8 क	सुई
বেঁকা	3 क	बेंत
বেগতে	16 क	बीमार
বেগৱান	16 क	बीमारी
বেচ	18 क	बेलन
বেছি	24 क	सूर्य
বেজি	18 क	अलग
	7 ख, 15 ख, 16 ख	खराब

ব্যংগোক্তি

ব্যভিচাৰী

ব্যাকৰণ

ভ

ভজা	15 ख	तली हुई सब्जी
ভনী	1 क	बहन
ভণ্টি	16 ख	छोटी बहन
ভৱিষ্যত	21 क	भविष्यत
ভৱিষ্যত বাণী	15 क	भविष्यवाणी
ভৰ	6 क, 8 क	भारी, भरपूर
ভৰা	6 क	भरा-पूरा
ভৰি	12 क	टाँग
ভৰ	3 क	उठाना (हानि), भरना
ভয়	7 ख	भय
ভয়াবহ	23 क	भयावह
ভাৰ্ম্পী	16 ख	भाई
ভাওনা	18 ख	अंकीया नाटक
ভাগ	18 ख	भाग
ভাজি	18 क	सब्जी
ভাত	11 ख	भात
ভাবুকি	23 ख	धमकी
ভাৰসাম্য	23 क , 23 ख	संतुलन
ভাৰা	5 क	भाड़ा
ভাৱা	1 क	अच्छा, भला

ভাল		
ভাল পা	14 क	अच्छा लगना
ভালকৈ	7 क, 8 ख, 24 क	अच्छी तरह
ভালুক	7 ख	भालू
ভালে কেম্পদিন	10 क	कई दिन
ভালেখিনি	2 ख	यथेष्ट, पर्याप्त
ভাব (ক্রি)	13 क	सोचना
ভাষা	15 क	भाषा
ভায়েৰা	24 क	(तुम्हारा) भाई
ভাঙ	11 क	टूटना
ভিখাৰী	23 क	भिखारी
ভিতৰ	1 क, 7 क	भीतर, अंदर
ভিতৰলৈ	1 क, 7 क	अंदर को
ভিনিহি	12 क	जीजा
ভীৰ	18 क	भीड़
ভূমিস্খলন	19 क	भू-स्खलन
ভেঁটি	17 क	नींव
ভোগ	17 क	भोग
ভোগালী	17 क	भोगवाला
ভোজভাত	17 क	दावत
ভোৰভোৰা	21 ख	बुदबुदाना

म

মম্প	**1 क**	**मैं**
মম্পনা	**12 क**	**मैना**
মজা	**8 क**	**मज़ा**
মতা	**20 क**	**पुरुष**
মতা (ক্রি)	**15 ख**	**बुलाना**
মতামত	**22 क, 23 क**	**मतामत**
মতে	**2 ख**	**राय में**
মধুৰ	**20 क**	**मधुर**
মধুময়	**10 क**	**मधुमय**
মন	**12 ख, 19 क, 21 ख, 24 ग**	**मन**
মনমোহা	**19 क, 21 क**	**मनमोहक**
মনা < মান (ক্রি)	**17 क, 19 क**	**मनाना**
মনোযোগ	**11 ख, 12 क**	**मनोयोग**
মনোৰম	**6 क, 14 ख**	**मनोरम**
মঞ্চ	**21 क**	**मंच**
মঞ্জুৰ	**21 ग, 18 ख**	**मंजूर**
(বায়ু) মণ্ডল	**16 क**	**वायुमंडल**
মন্ত্ৰ	**12 ख**	**मंत्र**
মন্ত্ৰণালয়	**23 क**	**सचिवालय**
মন্ত্ৰী	**23 क**	**मंत्री**
মৰণশীল	**24 क**	**मरणशील**
মৰ্য্যদা	**11 क**	**मर्यादा**
ম'হ	**17 क**	**भैंस**
মহলা	**10 क**	**मंजिल**
	22 क	**महान**

মহান	19 ख	महाबाहु
মহাবাহু	19 ख	महा मिलन
মহামিলন	15 क, 19 क	महिला
মহিলা	21 ग	महोदय
মহোদয়	7 ख	मयूर
ময়ূৰ	4 क	माँ
মা	20 क	औरत
মাম্প	18 ख	दरकी
মাকো	16 ख	मक्खी
মাখি	17 क	माघ महीना
মাঘ	9 क	मांस
মাংস	9 क	मछली
মাছ	8 क	मछुआरा
মাছমৰীয়া	19 ख	बीच में
মাজত	15 ख	मँझला
মাজু	19 ख, 15 क	बीच बीच में
মাজে মাজে	3 ख	कभी कभी
মাজে সময়ে	10 क	ज़मीन
মাটি	23 ख	क्षेत्रफल
মাটিকালি	11 ख	बुलाना
মাত (ক্রি)	11 क	माँ
মাতৃ	4 क, 14 क	मात्र
মাত্র	22 ख	मानवता से पूर्ण
মানৱতাময়ী	23 क, 21 ग	माननीय
	1 ख	मनुष्य

माननीय़	18 ख	मनसा देवी
মানুহ	5 क, 17 क	उड़द/महीना
মাঁৰে	5 क	माहवारी
মাহ	24 क	मायावी
মাহিলী	24 ग	मीठी बोली
মায়াবী	24 क	मूर्छित
মিঠা মাত	16 ख	खुला
মূৰ্চ্ছিত	18 ख	मुख
মুকলি	6 ख	मूँगा
মুখ	23 ख	मुद्रास्फीति
মুগা	21 ख, 21 ग	मुखिया
মুদ্ৰাস্ফীতি	6 ख	लाई
মুৰব্বী	22 क	प्रसिद्ध
মুৰি	24 क	मूल
মূধাফুঁা	20 ख	मूलतः
মূল	6 ख	लहंगा-चादर
মূলতে	9 ख, 12 ख	बादल
মেখেলা চাদৰ	1 क, 18 क	मेज
মেঘ	17 क	बिहु में जलाया जानेवाला मंदिरनुमा निर्माण
মেজ	17 क, 11 क	मिलना
মেজি	18 क	मेला
	18 ख	पटेला
	22 क	कुल
মেল (ক্রি)	2 क	झोला
মেলা	12 क, 19 क	मामाजी
মৈ		

মৌ	1 क	मेरा
মোনা	14 क	समाधि
মোমাম্পদেউ	13 क, 19 क	मधु
মোৰ		
মৈদাম		
মৌ		

য

যধে মধে	16 ख	जहाँ-तहाँ
য'তে ত'তে	16 क	यहाँ-वहाँ
যথা সময়ত	6 ख	यथासमय
যথেষ্ঠ	13 क	यथेष्ट
যা (ক্রি)	4 क, 6 क, 6 ख, 18 क, 21 ख	जाना
যাত্রা	19 ख	यात्रा
যানবাহন	14 क	वाहन
যাদু	18 क	जादू
যিহেতু	22 क	चूँकि
যুদ্ধ	12 क	युद्ध
যেতিয়া	19 क	जब
যেনিবা	13 ख	जैसे
যো-জা	13 ख	तैयारी
যোগাযোগ	19 ख	योगायोग
যোগান	6 ख	पूर्ति
যোত্রবান	23 क	समृद्ध
		पिछला

যোৱা	9 क	दहेज
যৌতুক	15 क	

ৰ

ৰ	24 क	रुकना
ৰকম	3 ख	तरह से
ৰক্তচাপ	9 क	रक्तचाप
ৰখা < ৰাখ (ক্ৰি)	16 क	रखना
ৰজা	14 क	राजा
ৰঙ/ৰং	8 क	रंग
ৰং-ৰহম্পচ	17 क	रंग-रेलियाँ
ৰঙালী	17 क	रंगीन
ৰচয়িতা	22 ख	रचयिता
ৰথী	22 क	रथी
ৰসগোল্লা	18 क	रसगुल्ला
ৰসৰাজ	22 क	रसराज
ৰহৰ (দাম্পল)	11 क	अरहर (दाल)
ৰাম্পজ	16 क, 20 क	जनता
ৰাখ	4 क, 16 क	रखना
ৰাজধানী	19 क	राजधानी
ৰাজপাট	15 क	राजपाट
ৰাজনীতি	21 क	राजनीति
ৰাজহুৱা	16 ख, 17 क	सामूहिक
ৰাজ্য	19 ख	राज्य
ৰাতি	4 ख, 9 ख	रात
ৰাতিপুৱা	8 ख	सवेरे

ৰातिपुৱा	11 ख	रसोइया
ৰान्धनि	11 ख	रसोइ
	18 ख	कंघी
ৰान्धनिघৰ	24 क	के रूप में
ৰाह	21 क	रूपहला-पर्दा
ৰूप धৰि	3 क	रेशमी
ৰूपाली पर्दा	16 क, 16 ख	रोग
ৰेचमी	16 क, 23 क	रोध
ৰोग	16 ख, 21 ख	रोपना
ৰोध		
ৰोৱा		

ल

ल (क्रि)	8 क, 21 क	लेना
लग	16 ख	साथ
लग लागि	16 ख	साथ मिलकर
लगत	4 क, 10 ख	साथ
लगा (क्रि)	6 ख, 21 क	लगना
लगे लगे	9 ख, 18 क	साथ-साथ
लक्षण	24 ग	लक्षण
लक्ष्य	24 ख	निशाना
लक्ष्यस्थिৰ	24 ख	निशाना
ल'ৰा	4 क	लड़का
लৰालৰि	17 क	जल्दी-जल्दी
	11 ख	बचपन

ল’ৰালি	8 ख	बिजली
লাম্পৌ	18 क	आवश्यक
লাগতিয়াল	11 क, 24 ख	लज्जा
লাজ	8 क	पंक्ति
লানি	22 क	लाभ
লাভ	4 ख	विलासिता
লাহ-বিলাহ	11 ख	धीरे-धीरे
লাহে লাহে	1 क	लड्डू
লাৰু	13 क	लिखना
লিখ (ক্রি)	22 क	लेखक
লিখক	22 ख	रचना, लेखन
লিখনি	6 ख	लोहित, ब्रह्मपुत्र
লুম্পত	12 क	छिपना
লুকাম্প	18 क	पूड़ी
লুচি	13 ख, 16 क	गंदा
লেতেৰা	12 क, 18 ख	लोक
লোক	3 क	नुकसान
লোকচান		

श

শৰত	17 ख	शरदऋतु
শৰসন্ধান	24 ख	निशाना लगाना
শাকপাচলি	2 क, 17 क	शाक-सब्जी
শান্তি	8 ख	शांति
শাৰী	8 क	साड़ी

শাস্ত্ৰ	24 क	शास्त्र
শিক (ক্রি)	15 क, 24 ग	सीखना
শিকা	20 क	सिखाना
শিষ্ট	24 ग	शिष्ट
শিষ্টাচাৰ	24 ग	शिष्टाचार
শিৰ	24 ख	सिर
শিক্ষা	23 ख	शिक्षा
শীত	17 ख	शीतकाल
শীতল	16 ख	शीतल
শুকুলা	19 क, 19 ख	सफेद
শুন (ক্রি)	11 क, 19 क	सुना
শুনা (ক্রি)	15 क, 20 क	सुनाना
শুম্প	16 ख	सोकर
শুহ	16 ख	सोखना
শুৱা	15 ख	सोना
শেষ	7 क	शेष
শেষত	10 क	अंत में
শো	4 ख	सोना
শোকাতুৰ	24 क	शोकातुर
শৌচ	9 क	शौच

স

সঁচা	11 ख	सच
সকলো	7 क, 9 ख, 16 क	सभी
সকলোতকৈ	24 क	सबसे

সংকল্প	21 ख	संकल्प
সংক্রান্তি	17 क	संक्रांति
সংগ	24 क	संग
সংযোগ	19 ख	संयोग
সংৰক্ষণ	18 ख	संरक्षण
সংলাপ	21 ख	संलाप
সংসাৰ	1 क	संसार
সংস্কৃতি	15 क, 19 ख	संस्कृति
সংস্থা	18 ख	संस्था
সংস্থাপন	22 क	संस्थापन
সচেতন	23 क	सचेतन
সচেষ্ট	18 ख	सचेष्ट
সজ	15 ख, 24 ग	सत्
সজাগ	24 ग	सजग
সত্ৰ	5 ख	सत्र
সঠিক	24 क	सही
সদায়	4 ख, 5 क	सदा
সদস্যা	8 ख	सदस्या
সন্ধিয়া	17 क, 18 क	संध्या
সন্ধান	17 क, 18 क	संधान
সন্যাসী	12 ख	सन्यासी
সন্তোষ	6 ख	संतोष
সপোন	21 ख	सपना
সন্তান	24 क	संतान
	10 क, 15 ख	संतुष्ट
	22 क	सपरिवार

সন্তুষ্ট	8 क, 15 क, 24 क	सप्ताह
সপৰিয়ালে	8 क	सभी
সপ্তাহ	21 ख	सवाक्, बोलने वाला
সব	18 ख	मेला
সবাক	4 क	सुविधा
সবাহ	22 क	सभा
সুবিধা	19 ख	सभ्यता
সভা	19 ख	समग्र
সভ্যতা	7 ख	दोस्त
সমগ্ৰ	19 ख	समन्वय
সমনীয়া	2 ख	समवाय
সমন্বয়	10 ख, 15 ख	समय
সমবায়	15 ख	समयानुसार
সময়	19 क	समाज
সময়মতে	22 क	समाजसेवक
সমাজ	22 ख	समादृता
সমাজকৰ্মী	23 ख	समानुपातिक
সমাদৃতা	12 क	समालोचना
সমানুপাতিক	22 ख	संकलन
সমালোচনা	6 क	संपदा
সমষ্টি	24 क	संपत्तिशाली
সম্পদ	16 ख	संबंध
সম্পদশালী	21 क, 21 ग	सरल
সম্বন্ধ	8 क	सरसराकर
	16 क	अधिक

সৰল	**2 क**	**सरसों**
সৰসৰাম্প	**1 क**	**छोटा**
সৰহ	**9 ख**	**बदलना**
সৰিয়হ	**12 क**	**साथ में**
সৰু	**24 ग**	**सहचर**
সলা	**21 क**	**सहज**
সহকাৰে	**24 क**	**सहनशीला**
সহচৰ	**17 ख**	**धरोहर, संपदा**
সহজ	**21 ख**	**सत्**
সহনশীলা	**13 क, 20 क**	**सहायक**
সহোন	**21 क**	**हमशक्ल**
সৎ	**22 क**	**पत्रकार**
সহায়ক	**22 ख**	**संवाददाता**
সাম্পলাখ	**15 क**	**पोशाक**
সাংবাদিক	**7 ख**	**वेश-भूषा**
সংবাদসেৱী	**10 ख**	**तैयार**
সাজপাৰ	**22 क**	**साधिनी** (सहायता करनेवाली)
সাজ-পোচাক	**7 क**	**साधु, लोककथा**
সাজু	**23 क**	**सामूहिक**
সাধিনী	**2 क**	**खाद**
সাধু	**14 ख**	**सावधान**
সামূহিক	**19 क**	**जमीन-जायदाद**
সাৰ	**20 क**	**साज-समान**
সাৱধান	**21 ख**	**साहस**
	22 क	**साहित्य**
	21 क	

সা-সম্পত্তি	7 ख	साक्षात्कार
সা-সৰঞ্জাম	19 ख	सिंह
সাহস	6 क	उस पार
সাহিত্য	19 ख	उस तरफ
সাক্ষৎকাৰ	19 ख	सीमांत
সিংহ	20 क	आसान
সিপাৰ	5 क	सुगम
সিফালে	21 ख, 22 ख	सूद, ब्याज
সীমান্ত	23 ख	दूर-दूर तक प्रभावी
সুচল	13 क	निपुण
সুগম	22 क	सुंदर
সুত	4 क	फल-फूल से भरा हुआ
সুদূৰপ্ৰসাৰী	22 क	सुविधा
সুদক্ষ	20 क	सुनने में मधुर
সুন্দৰ	22 ख	सुयोग
সুফলা	19 ग	सूक्ष्म
সুবিধা	21 ग	सूर्यास्त
সুৰলা	3 क, 9 ख	सृजनमूलक
সুযোগ	13 क	वह
সুক্ষ্ম	6 क, 19 ख	उस तरफ
সূৰ্য্যাস্ত	22 ख	हरा
সৃজনীমূলক	16 ख	सेतु का कार्य करनेवाला
সেম্প	23 ख	सेवा
সেম্পফালে	19 ख	स्वयंसेवी
	6 ख, 9 ख, 24 क, 24 ख	इसलिए

সেউজীয়া	21 क	पूछना
সেতুবন্ধক	13 क	सौभाग्य
সেৱা	7 ख, 13 क, 18 क	सोमवार
স্বেচ্ছাসেৱী	1 क	घुसना
সেয়েহে	8 क	स्वाद
সোধ (ক্রি)	13 क	सनसनाहट
সৌভাগ্য	22 ख	वह
সোমবাৰ	21 ख	संवेदनशील
সোমা (ক্রি)	11 ख	स्फूर्ति
সোৱাদ	21 क	जान बच जाना
সোঁ-সোঁৱনি	16 ख	के बावजूद
সৌ	19 क	स्वास्थ्य
স্পর্শকাতৰ	6 ख	स्वास्थ्यकर
স্ফুর্তি		स्थान
স্বস্তিৰ নিশ্বাস		
স্বত্বেও		
স্বাস্থ্য		
স্বাস্থ্যকৰ		
স্থান		

হ

হ (ক্রি)	12 ख	होना
হঠাৎ	4 क, 9 ख	हठात्
হৰহৰাম্প	8 क	हड़हड़ाकर
হৰিণা	6 क	हिरन

হাওদা	22 ख	हौदा
হাঁহি	7 क	हँसी
হাম্প উৰুমি	19 क	शोरगुल
হাজিৰা	21 ख, 24 क	हाजरी
হাত	9 क, 12 क	हाथ
হাততালি	10 ख	ताली
হাতী	6 क	हाथी
হ'ব	24 ग	होगा
হালধি	17 क	हल्दी
হালধীয়া	8 क	पीला
হিংসা	12 क	हिंसा
হিয়া	12 ख	हृदय
হুচৰি	17 क	बिहु पूर्व के मंगल गान
হেজাৰ	5 क	हज़ार
হুলস্থুল	8 ख	हल्ला-गुल्ला
হেনো	15 क	मानो
হেৰ'	3 क, 19 ख	है, रे
হেৰা	23 ख	खो जाना

क्ष

ক্ষতিকাৰক	23 ख	हानिकारक

असमिया गिनती एक से सौ तक

১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১ ২ ৩ ৪ ৫

৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১	এক	ऐक	1
২	দুই	दुइ	2
৩	তিনি	तिनि	3
৪	চাৰি	चारि	4
৫	পাঁচ	पाँच	5
৬	ছয়	छय	6
৭	সাত	सात	7
৮	আঁঠ	आठ	8
৯	ন	न	9
১০	দহ	दह	10

১১	এঘাৰ	ऐघारो	11
১২	বাৰ	बारो	12
১৩	তেৰ	तैरो	13
১৪	চৈধ্য	चैध्य	14
১৫	পোন্ধৰ	पोन्धोरो	15
১৬	ষোল্ল	शोल्लो	16
১৭	সোতৰ	शोतोरो	17
১৮	ওঁঠৰ	औंठरो	18
১৯	উনৈশ	उनैश	19
২০	বিশ	बिश	20
২১	একৈছ	एकैश	21
২২	বাম্পছ	बाइश	22
২৩	তেম্পছ	तेइश	23
২৪	চৌব্বিছ	चौब्बिश	24
২৫	পচিছ	पचिश	25
২৬	ছাব্বিছ	छाब्बिश	26
২৭	সাতাম্পছ	शाताइश	27
২৮	আঁঠাম্পছ	आठाइश	28
২৯	উনত্রিছ	उनत्रिश	29
৩০	ত্রিছ	त्रिश	30
৩১	একত্রিছ	एकत्रिश	31
৩২	বত্রিছ	बोत्रिश	32

৩৩	তেত্রিছ	तेत्रिश	33
৩৪	চৌত্রিছ	चौत्रिश	34
৩৫	পয়ত্রিছ	पयत्रिश	35
৩৬	ছয়ত্রিছ	छयत्रिश	36
৩৭	সাতত্রিছ	शातत्रिश	37
৩৮	আঁঠত্রিছ	आँठत्रिश	38
৩৯	উনচল্লিছ	उनोचोल्लिश	39
৪০	চল্লিছ	चोल्लिश	40
৪১	একচল্লিছ	एकचोल्लिश	41
৪২	বিয়াল্লিছ	बियाल्लिश	42
৪৩	তিয়াল্লিছ	तियाल्लिश	43
৪৪	চৌৰাল্লিছ	चौराल्लिश	44
৪৫	পঞ্চল্লিছ	पंचल्लिश	45
৪৬	ছয়চল্লিছ	छयचोल्लिश	46
৪৭	সাতচল্লিছ	सातचोल्लिश	47
৪৮	আঁঠচল্লিছ	आँठचोल्लिश	48
৪৯	উনপঞ্চাছ	उनोपन्चाश	49
৫০	পঞ্চাছ	पन्चाश	50
৫১	একাৱন	एकावन	51
৫২	বাৱন	बावन	52
৫৩	তেৱন	तेवन	53
৫৪	চৌৱন	चौवन	54

৫৫	পচপন	पचपन	55
৫৬	ছাৱন	छावन	56
৫৭	সাতাপন	शातापन	57
৫৮	আঁঠাপন	आँठापन	58
৫৯	উনষাঠি	उनोशाठि	59
৬০	ষাঠি	शाठि	60
৬১	এষষ্ঠি	एशोष्ठि	61
৬২	বাষষ্ঠি	बाशोष्ठि	62
৬৩	তেষষ্ঠি	तेशोष्ठि	63
৬৪	চৌষষ্ঠি	चौशोष्ठि	64
৬৫	পয়ষষ্ঠি	पयशोष्ठि	65
৬৬	ছয়ষষ্ঠি	छयशोष्ठि	66
৬৭	সাতষষ্ঠি	शातशोष्ठि	67
৬৮	আঁঠষষ্ঠি	आँठशोष्ठि	68
৬৯	উনসত্তৰ	उनोशोत्तोर	69
৭০	সত্তৰ	शोत्तोर	70
৭১	এসত্তৰ	एशोत्तोर	71
৭২	বাসত্তৰ	बाशोत्तोर	72
৭৩	তেসত্তৰ	तेशोत्तोर	73
৭৪	চৌসত্তৰ	चौशोत्तोर	74
৭৫	পয়সত্তৰ	पयशोत्तोर	75
৭৬	ছয়সত্তৰ	छयशोत्तोर	76

৭৭	সাতসত্তৰ	शातशोत्तोर	77
৭৮	আঁঠসত্তৰ	आँठशोत्तोर	78
৭৯	উনাশি	उनाशि	79
৮০	আঁশি	आँशि	80
৮১	একাশি	एकाशि	81
৮২	বিৰাশি	बिराशि	82
৮৩	তিৰাশি	तिराशि	83
৮৪	চৌৰাশি	चौराशि	84
৮৫	পঁচাশি	पँचाशि	85
৮৬	ছয়াঁশি	छयाँशि	86
৮৭	সাতাশি	शाताशि	87
৮৮	আঁঠাশি	आँठाशि	88
৮৯	উননব্বৈ	उनोनोब्बोइ	89
৯০	নব্বৈ	नोब्बोइ	90
৯১	একানব্বৈ	एकानोब्बोइ	91
৯২	বিৰানব্বৈ	बिरानोब्बोइ	92
৯৩	তিৰানব্বৈ	तिरानोब्बोइ	93
৯৪	চৌৰানব্বৈ	चौरानोब्बोइ	94
৯৫	পঁচানব্বৈ	पँचानोब्बोइ	95
৯৬	ছয়ানব্বৈ	छयानोब्बोइ	96
৯৭	সাতানব্বৈ	शातानोब्बोइ	97
৯৮	আঁঠানব্বৈ	आँठानोब्बोइ	98

৯৯	নিৰানব্বৈ	निरानोब्बोइ	99
১০০	শ	श	100

असमिया गिनती एक से सौ तक

১ ২ ৩ ৪ ৫ ৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১ ২ ৩ ৪ ৫

৬ ৭ ৮ ৯ ১০

১	এক	ऐक	1
২	দুই	दुइ	2
৩	তিনি	तिनि	3
৪	চাৰি	चारि	4
৫	পাঁচ	पाँच	5
৬	ছয়	छय	6
৭	সাত	सात	7
৮	আঁঠ	आठ	8
৯	ন	न	9
১০	দহ	दह	10

১১	এঘাৰ	ऐघारो	11
১২	বাৰ	बारो	12
১৩	তেৰ	तैरो	13
১৪	চৈধ্য	चैध्य	14
১৫	পোন্ধৰ	पोन्धोरो	15
১৬	ষোল্ল	शोल्लो	16
১৭	সোতৰ	शोतोरो	17
১৮	ওঁঠৰ	ओँठरो	18
১৯	উনৈশ	उनैश	19
২০	বিশ	बिश	20
২১	একৈছ	एकैश	21
২২	বাম্পছ	बाइश	22
২৩	তেম্পছ	तेइश	23
২৪	চৌব্বিছ	चौब्बिश	24
২৫	পচিছ	पचिश	25
২৬	ছাব্বিছ	छाब्बिश	26
২৭	সাতাম্পছ	शाताइश	27
২৮	আঁঠাম্পছ	आठाइश	28
২৯	উনত্ৰিছ	उनत्रिश	29
৩০	ত্ৰিছ	त्रिश	30
৩১	একত্ৰিছ	एकत्रिश	31
৩২	বত্ৰিছ	बोत्रिश	32
৩৩	তেত্ৰিছ	तेत्रिश	33

৩৪	চৌত্ৰিছ	चौत्रिश	34
৩৫	পয়ত্ৰিছ	पयत्रिश	35
৩৬	ছয়ত্ৰিছ	छयत्रिश	36
৩৭	সাতত্ৰিছ	शातत्रिश	37
৩৮	আঁঠত্ৰিছ	आँठत्रिश	38
৩৯	উনচল্লিছ	उनोचोल्लिश	39
৪০	চল্লিছ	चोल्लिश	40
৪১	একচল্লিছ	एकचोल्लिश	41
৪২	বিয়াল্লিছ	बियाल्लिश	42
৪৩	তিয়াল্লিছ	तियाल्लिश	43
৪৪	চৌৰাল্লিছ	चौराल्लिश	44
৪৫	পঞ্চল্লিছ	पंचल्लिश	45
৪৬	ছয়চল্লিছ	छयचोल्लिश	46
৪৭	সাতচল্লিছ	सातचोल्लिश	47
৪৮	আঁঠচল্লিছ	आँठचोल्लिश	48
৪৯	উনপঞ্চাছ	उनोपन्चाश	49
৫০	পঞ্চাছ	पन्चाश	50
৫১	একাৱন	एकावन	51
৫২	বাৱন	बावन	52
৫৩	তেৱন	तेवन	53
৫৪	চৌৱন	चौवन	54
৫৫	পচপন	पचपन	55
৫৬	ছাৱন	छावन	56

৫৭	সাতাপন	शातापन	57
৫৮	আঁঠাপন	आँठापन	58
৫৯	উনষাঠি	उनोशाठि	59
৬০	ষাঠি	शाठि	60
৬১	এষষ্ঠি	एशोष्ठि	61
৬২	বাষষ্ঠি	बाशोष्ठि	62
৬৩	তেষষ্ঠি	तेशोष्ठि	63
৬৪	চৌষষ্ঠি	चौशोष्ठि	64
৬৫	পয়ষষ্ঠি	पयशोष्ठि	65
৬৬	ছয়ষষ্ঠি	छयशोष्ठि	66
৬৭	সাতষষ্ঠি	शातशोष्ठि	67
৬৮	আঁঠষষ্ঠি	आँठशोष्ठि	68
৬৯	উনসত্তৰ	उनोशोत्तोर	69
৭০	সত্তৰ	शोत्तोर	70
৭১	এসত্তৰ	एशोत्तोर	71
৭২	বাসত্তৰ	बाशोत्तोर	72
৭৩	তেসত্তৰ	तेशोत्तोर	73
৭৪	চৌসত্তৰ	चौशोत्तोर	74
৭৫	পয়সত্তৰ	पयशोत्तोर	75
৭৬	ছয়সত্তৰ	छयशोत्तोर	76
৭৭	সাতসত্তৰ	शातशोत्तोर	77
৭৮	আঁঠসত্তৰ	आँठशोत्तोर	78
৭৯	উনাশি	उनाशि	79

৮০	আঁশি	आँशि	80
৮১	একাশি	एकाशि	81
৮২	বিৰাশি	बिराशि	82
৮৩	তিৰাশি	तिराशि	83
৮৪	চৌৰাশি	चौराशि	84
৮৫	পঁচাশি	पँचाशि	85
৮৬	ছয়াঁশি	छयाँशि	86
৮৭	সাতাশি	शाताशि	87
৮৮	আঁঠাশি	आँठाशि	88
৮৯	উনন্বৈ	उनोनोब्बोइ	89
৯০	নব্বৈ	नोब्बोइ	90
৯১	একানব্বৈ	एकानोब्बोइ	91
৯২	বিৰানব্বৈ	बिरानोब्बोइ	92
৯৩	তিৰানব্বৈ	तिरानोब्बोइ	93
৯৪	চৌৰানব্বৈ	चौरानोब्बोइ	94
৯৫	পঁচানব্বৈ	पँचानोब्बोइ	95
৯৬	ছয়ানব্বৈ	छयानोब्बोइ	96
৯৭	সাতানব্বৈ	शातानोब्बोइ	97
৯৮	আঁঠানব্বৈ	आँठानोब्बोइ	98
৯৯	নিৰানব্বৈ	निरानोब्बोइ	99
১০০	শ	श	100